ORDERS

New Delhi, the 4th February 1971

S.O. 1551.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kunustoria Colliery, Messrs Bengal Coal Company Limited, Post Office Topsi, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexal.

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (l) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kunustoria Colliery of Messrs
Bengal Coal Company Limited, Post Office Topsi, District Burdwan in
discharging from service Shri L. B. Mukherjee, Electrician with effect
from 21st August, 1968 was justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?"

[No. 6/61/70-LR.II.]

(अम ग्रीर रोजगार विमाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 4 फरवरी 1971

का० ग्रा० 1551.—यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध ग्रन्सूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे म मैसर्स बंगाल कील कम्पनी लिमिटेड, डाकघर तोपसी, जिला वर्दवान की कुनस्टो-रिया कोलियारी के प्रबन्ध उन्त्र से सम्बद्ध नियोज की ग्रीर उन के कर्मकारों के बीचप्एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान हैं;

भीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

ग्रतः श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-भारा (1) के खण्ड (भ) द्वारा प्रवत्त शक्ति में का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त श्रधिनियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रधिकरण क्लकता को न्यायानिणंयन के लिए निर्देशित करती हैं।

धनसची

"क्या मैससे बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर तोपसी, जिला बदंबान की कुनस्टोरिया वैलियारी के प्रबन्धतंत्र की श्री एल ब्बी ॰ मुखर्जी, विद्युतत्त्वी को 21 श्रगस्त : 1968 से सेवामुका इति वी कारवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोध का हकदार हैं।"

[सं० 6/61/70-एल० घार०-2]

New Delhi, the 6th February 1971

8.0. 1552.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dipute exists between the employers in relation to the management of Bhanora follery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Nandi, District burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule letto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government. ment Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act

SCHEDULE

"Whether the management of Bhanora Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Nandi, District Burdwan was justified in dismissing Shri Jata Mahato, Night Watchman from the 16th June, 1970? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. 6/67/70-LRII.]

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1971

का०मा० 1552 .- यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिद्धित विषयों के बारे में मैसर्स इक्विटेवल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर नन्दी, जिला बदंबान की भनोरा कोलियारी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों ग्रौर उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौद्योगिक विवाद विद्यमान है:

भीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती हैं:

अत:, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय एतद्द्वारा उनत विवाद को उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक ग्रधिकरण, कलकता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

धनसबी

"क्या मैससं इक्किटेबल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर नन्दी, जिला बदंबान की भनोरा ोलियरी के प्रवन्धतन्त्र का श्री जाटा महतो, रावि-चौकीदार को 16 जून, 1970 से पदच्यत करता न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अन्तोष का हकदार है ?

सं 6/67/70-एल जार 0-2

New Delhi, the 26th February 1971

S.O. 1553.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kottadih Colliery. Post Office Pandaveshwar. District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Kottadih Colliery, Post Office Pandayeshwar, District Burdwan are justified in placing Sarvashri Abdul Gani and Ramchandra, Pump Khalasis in Category II under the recommendation of Central Wage Board for Coal Mining Industry? If not, what should be their category and from what date the category should be given?"

[No. L-1912/13/71-LRII.]

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1971

का का 1553.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विद्यों के बारे ने कोटंटाडीह कोलियरी, डाकबर पांडेवेण्वर, जिला बदंवान के प्रबन्धतन्त्र से साब्द्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक बीद्योगिक विवाद विद्यमान हैं;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन को लिए निर्देशित करना वांछनीय हमझती हैं;

ग्रतः, श्रवः, श्रीक्षोगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदः शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त श्रधिनियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रधिकरण क्षणकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती हैं।

अनुसूची

"क्या कोट्टाडीह को लियरी, डाकघर पांडवें क्वर, जिला बर्दवान के प्रबन्धतन्त्र का सबं श्री ग्रब्दुल गनी और रामचन्द्र, पम्प खलासियों को कोयला खनन उद्योग के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारियों के ग्रनसार प्रवर्ग 2 में रखना न्याय चित हैं? यदि नहीं, तो उनका प्रत्में का होना चाहिए ग्रांट वह प्रवर्ग किस तारीख से दिया जाना चाहिए ?"

[सं॰ एल॰ 1912/13/71-एल॰ बार॰ 2]

New Delhi, the 11th March 1971

S.O. 1554.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Goenka Kajora Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of subsection (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEBULE

Whether the management of Geonka Kajora Colliery, Post Office Ukhra,
District Burdwan are justified in not providing employment to
Shri Ajodhya Singh, Coal Cutting Machine Mazdoor with effect
from the 23rd October, 1970? If not, to what relief the workman
is entitled?"

[No. L/1912/17/71-LRIL]

KARNAIL SINGH, Under Secv.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1971

कां पा॰ 1554.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावस धन्सूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में गर्यनका कजीरा कीलियरी, बाकचर उपरा, जिला बर्दवान के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध विशेषकों यौर उनके कर्मकारों के बीच एक घोषोगिक विवाद विद्यमान हैं:

भौर यतः नेन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को स्थायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाछनीय सम्बत्ती है.

अतः, अब, श्रीद्योगिक विवाद घिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद की उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती हैं।

धनु सूची

"क्या गयनका कजोरा कोलियरी, डाकघर उबरा, जिला बर्दवान के प्रबन्धतन्त्र का श्री अजोध्या सिंह, कोल कटिंग मंगीन मजदूर की 23 अक्तुबर, 1970 से रोजगार न देना न्यायोचित हैं ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार हैं ?

> [सं ० एल० 1912/17/71-एल० ग्रार०-2] करनैल सिंह, श्रवर सम्बिथ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 1st April 1971

S.O. 1555.—Whereas Shri B.G.M.A. Narasinga Reo, who was appointed as a member of the Visakhapatnam Dock Labour Board by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3582, dated the 28th September, 1968, has resigned his membership by a letter under his hand addressed to the Chairman;

And whereas a vacancy has occurred in the said Dock Labour Board;

Now, therefore, in pursuance of the provisions contained in rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby notifies the said vacancy.

[No. 56/2/69-Fac.II/P&D.]

AJIT CHANDRA, Under Secy.

(अन् ग्रीर रोजगार विभाग) नई दिली, 1 अप्रैल, 1971

का० आ० 1555, —यतः श्री बी० जी० एम० ए० नर्रासह राव ने, जिसे भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की श्रिष्ठसूचना सं० का० आ० 3582, तारीख 28 सितम्बर, 1968 द्वारा विशाखापटनम् डॉक श्रम बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था, श्रध्यक्ष को संबोधित अपने हस्ताक्षर से पत्र द्वारा अपनी सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है:

श्रीर यत: उक्त डाक श्रम बोर्ड में एक रिक्ति हो गई है;

श्रतः सब, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियन) नियम, 1962 के नियम 4 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा उक्त रिक्ति अधिसृचित करती हैं।

> [स॰ 56/2/69-फ्रैंक 2/पी० एंड डी॰] सजीत चन्द्र, सवर सचिव।

(Department of Rehabilitation)

(Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi, the 10th August, 1970

s.O. 1556.—In exercise of the powers conferred on the Chief Settlement Commissioner by Section 34(2) of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), he hereby delegates to the Deputy Secretary in the Rehabilitation Department of the Punjab State exercising the powers of Settlement Commissioner, his powers under Sections 23, 24 and 28 of the said Act for the purpose of passing necessary orders under these Sections in respect of agricultural lands and shops in any rural area including houses, cattle sheds and vacant sites forming part of the compensation pool.

[No. 3(2)LR/69.]

RAJNI KANT,

Chief Settlement Commissioner.

(पनवांस विभाग)

(महय बन्दोबस्त आपक्त का गार्यालय)

नई दिल्ली, अगस्त, 1970

कां ग्रां 1556 -- विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) ग्रधिनियम 1954 (1954 का 44) का ध रा 34 (2) द्वारा मुख्य बन्दोबस्त श्रायुक्त हो प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वे इसके द्वारा पंजाब सरकार के पुनर्कास विभाग में बन्दोबस्त आयुक्त की शक्तियों का प्रयोग करने वाले उप सचिव को मुशावजा पूल की किसी भी ग्रामीण क्षेत्र में कृषि भूमि तथा दुकानों के सम्बन्ध में, जिनमें पशुशालाएं तथा खाली स्थल भी शामिल है, उक्त ग्रधिनियम की 23, 24 तथा 28 धाराओं के अधीन उपयक्त आदेश देने के लिए उक्त धाराओं के अन्तर्गत अपनी शक्तिया अदीन

सि 3(2) एलo आरo/69]

रजनी कांत

मध्य बन्दोबस्त आयन्त ।

(Department of Rehabilitation)

(Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi, the 10th August, 1970

S.O. 1557.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary in the Redabilitation Department of Government of Punjab, as Settlement Commissioner, for the purpose of performing in addition to his own duties as Deputy Secretary, Rehabilitation Department Government of Punjab, the functions assigned to a Settlement Commissioner by or under the said Act, in respect of agricultural lands and shops in any rural area including houses, cattle sheds and vacant sites forming part of the compensation pool.

[No. 3(2)L&R/69.]

(वनवींस विभाग)

(मृत्य बन्दोबस्त सायक्त का कार्यालय)

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 197 0

का० मा० 1557.--विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पंताब सरकार के पुनर्वास विभाग में उप सचिव को पंजाब सरकार के पुनर्वास विभाग में उप सचिव के अपने कार्यों के अतिरिक्त उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत मुझावजा पूल को किसी भी आभीण क्षेत्र में कृषि भूमि तथा दूकानों के सम्बन्ध में, जिनमें मकान, पशुशालाएं तथा खाली स्थल भी शामिल हैं, बन्दो बस्त आयुक्त हो सौंपे गए कार्यों को करने के लिए बन्दो बस्त अग्रेयक्त के रूप में नियक्त करती है।

[सं0 3(2) एल० एण्ड भार०/69]

New Delhi, the 23rd February 1971

S.O. 1558.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints for the States of Punjab, Haryana, Bihar, U.P., M. P., Orissa, Rajasthan and Himachal Pradesh, Shri S. N. Bahl, Assistant Settlement Commissioner in the office of the Regional Settlement Commissioner (Central), New Delhi, as Deputy Custodian for the purpose of discharging the duties imposed on Custodian by or under the said Act with immediate effect.

[No. 5(4)/AGZ-66.] JANKI NATH,

Settlement Commissioner (C) & Ex-officio Under Secy.

नई दिःता, 23 फरवरी, 1971

कं भाग 6 के उप-भाग (1) की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुँगे केन्द्रीय सरकार प्रादेशिक बन्दोबस्त आयुक्त कर्यालय (केन्द्रीय) नई दिल्ली के सहायक बन्दोबस्त आयुक्त श्री एस० एन० वहल को पंजाब हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान तथा हिमाचल प्रदेश के लिये तत्काल ही उपनिष्कान्त सम्पत्ति अभिरक्षक नियुक्त किया है ताकि वे उन कर्तव्यों का पालन कर सकें जो उक्त अधिनियम में अभिरक्षक के पद के लिये निर्धारित किये गये हैं।

[सं० 5(4)/ए० जी० जैंड०-66] जानकी नाथ,

बन्दोबस्त ग्रायुक्त (संः) तथा पदेन ग्रवर सचिव ।

Hira an Tisium The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 16]

नई दिल्ली, शनिवार, खबेल 17, 1971/चैत्र 27, 1893 NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893

इस गांग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

> भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रश्नासन की छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गए विधिक झावेश मीर मधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P. & T. Board)

New Delhi, the 17th March 1971

S.O. 1580.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director-General, Posts and telegraphs, hereby specifies the 20th April, 1971 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Chirala Telephone Exchange, Andra Pradesh.

[No. 5-7/71-PHB(5)-]

D. R. BAHL, Assistant Director General (PHB).

संबार विभाग

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1971

एस० ग्रो॰ 1580.—स्थायी ग्रादेश कमसंख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गए 1951 के भारतीय तार नियमों के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के श्रनुसार डाक-तार महानिदेशक ने चिराला टेलीफोन केन्द्र में 20-4-71 से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-7/71-पी० एच० बी० (5)]

डी० ग्रार० बहल,

सहायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)।

ERRATUM

In the Department of Communications (P. & T. Board) Notification No. 20/5/70-CF., dated the 23rd July 1970 published at page 3321 of the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii), dated the 1st August 1970 for "FTo WTo 2558" read "FTo WTo 2578" in Hindi version.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTICE

New Delhi, the 1st April 1971

- S.O. 1581.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri N. C. Shah, I-B Old Post Office Street, Calcutta-1, for appointment as a Notary to practise in the cities of New Delhi and Calcutta.
- Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 22/54/70-Judl.(B).]

B. SHUKLA.

Competent Authority.

गृह मंत्रालय नोटिस

नई दिल्ली, 1 ग्रप्रैल, 1971

एस॰ औ॰ 1581.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री एन॰ सी॰ शाह, 1-बी, ओल्ड पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट, कलकता-1 ने उक्त नियमों के नियम 4 के प्रधीन नई दिल्ली तथा कलकृता शहरों में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए ग्रावेदन पत्न भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई धापतियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के ग्रन्दर ने/वे हस्तक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/54/70-न्यायिक-ख]

ब्रह्मानन्द श्वल

सक्षम प्राधिकारी ।

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 4th February 1971.

S. O. 1582.—In exercise of the powers conferred by Section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule annexed, to its Notification No. 1(F. No. 55/233/63-IT) dated the 18th May, 1964:—

After Serial No. 59 in the said Schedule, the following items shall be added:—

60-A Employees of M/s. Caltex Oil Ist Income-Refining (I) Ltd., stationed any-where in the taxable territories, Salaries IAC of IT AAC of IT Commisshas who has been ioner of been appoi- invested Income-tax, Branch II, who are paid by the Registered Office of the Company at nted to with the Bombay perform the powers to City-I, function of hear appeals Bombay. Bombay. Bombay. an IAC of against the IT in respect decision of of salaries the Incometax Officer Branch II, Bombay. referred to in column 3. 60-B Employees of the Refinery of Cal-tex Oil Refining (I) Ltd. sta-tioned at Visakhapatnam. Do. Do. Do. Do.

[No. 2/F. No. 187/16/70-IT(AI)].

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

भायकर

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1971

एस० घो॰ 1582 — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 दवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा अपनी अधिसूचना सं॰ 1 (फ॰ सं॰ 55/233/63-आई टी) तारीख 18 मई, 1964 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता हैं :-

उक्त धनसूची में कम सं० 59 के पण्चात निम्नलिखित मदें जोड़ दी जाएंगी :-

1	2	3	A are the	5	6
में व कार निय कमें मूम	कराधेय राज्य क्षत्नों कहीं भी तैनात, मैससं व्येक्स ग्रायल (रुक्ट्र- ता(I) लिमिटड के चारी जिनको कम्पनी के वर्ड स्थित रजिस्ट्रीकृत योलय द्वारा संदाय या जाता है।	प्रथम धायकर घधिकार बेतन शाखा II, मुम्बई	सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण जिसे बेतन शाखा II की बावत सहायक आयकर आयुक्त के कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त किया गया है।	सहायक धायकर धायुक्त (अपील) जिसे स्तम्भ 3 में निर्दिष्ट धायकर धिकारी के विनिश्चय के विरुद्ध धपीलें सुनने की शक्तियां विनिहित की गई हैं।	धायकर धायुत मुम्बई नगरः 1, मुम्बई-1
रि की	काल्टैक्स झाँयल काइनिंग (I) लिमिटड विशाखापट्टनम स्थित काइ (री के कर्मचारी	यथोनत	ययोक्त	वयोस्त	ययोक्त

New Delhi, the 26th February 1971

S. O. 1583.—In exercise of the powers conferred by section 126 of the Income-tax Act, 1962 (43 of 1961) and in supersession of its notification No. 44 I.T. dated Ist July, 1952 (as amended from time to time) in respect of serial No. 40-B of the Schedule appended thereto, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following addition to the Schedule annexed to its Notification No. 1 (F. No. 55/233/63-IT) dated 18th May, 1964.

After serial No. 60-B in the said Schedule, the following item shall be added :-

1	2	3	4	5	6
61	Internationally assigned employees of Union Carbide (India) Ltd., that is to say expatriate staff of Union Carbide (India) Ltd.	Income-tax Officer, I-Ward, Dist. V(A) Calcutta	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, who has been appointed to perform the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax in respect of Dist. V(A). Calcutta	hear appeals g against the decision of the Income- tax Officer	Commiss- ioner of Income-tax, West Bengal-II, Calcutta

This Notification shall take effect from 8th April, 1971.

[No. 5/F. No. 55/270/69-IT(AI)]

B. MADHAVAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1971

एस॰ श्रो॰ 1583 -- ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रीर उसकी ग्रधिसूचना सं० 44-ग्राई० टी० तारीख। जलाई, 1952 (समय-समय पर यथा संशोधित) को उसके साथ संलगन ग्रनसुची की कम सं० 40-ख की बाबत, प्रधिकांत करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतदहारा उसकी अधिसूचना सं० 1 (का० सं० 55/233/63-माई टी) तारीख 18 मई 1964 स संलगन मनसुची में निस्मलिबित जोडता है।

उक्त ग्रनसूची में कम सं० 60-ख के पश्चात निम्नलिखित मद जोह दी जाएगी :---

1	2	3	4	5	6
61 यूनियन (इंडिया) र्व अन्तर्राष्ट्रीय समनुदिष्टः अर्थात् यूनिः (इंडिया) रि प्रवासी कर्मः	लिमिटेड के रूप से कर्मचारी पन कार्बाइड लेमिटेड का	धायकर श्रधिकारी I-वाडं जिला (ए) कलकत्ता	सपायक आयकर आयुक्त निरीक्षण जिसे जिला (ए) कलकत्ता के संबंध में सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण के कृत्यों का पालन करने के लिए नियुक्त किया गया है	सहायक धायकर आयुक्त (अपीली) जिसे स्तंभ 3 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी के विनिश्चय के विरुद्ध अपील सुनने की सनितयां विनिश्त की गई हैं	भायकर आयुक्त पश्चिम बंगाल-II कलकत्ता

यह अधिसूचना 8 प्रप्रेल, 1971 से प्रभावी होगी।

[सं० 5/फा॰ सं॰ 55/270/69-माई॰ टी॰ (ए-) बी॰ माधवन, धवर सचिव।

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (Department of Petroleum)

New Delhi, the 31st March 1971

s.O. 1584.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBH to Group Gathering Station I in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the scheduled annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For Laying Pipeline from SBH to G.G.S. I

State: Gujarat		District : Mehsana	Taluka: Mehsana		
	Village	Clock No.	Hectare	Are	P. Are
	1	2 2	3	4	5
Kukas		. 321	0	2	93
		322/Paiki	0	15	62
		V. P. Cart Track 173/Paiki	0	00	97
		173/Paiki	0	35	14
		191	0	7	32
		190		21	96
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	V. P. Cart Track	0	00	73 27
		221	0	9	27
		222	0	4	39 67 83 17
		227	0	33	97
	Company of the contract of the	228	0	8	03
1.0		229	0	12	69
	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE	V.P. Cart Track	0	1	00
		rao/Paiki	0	8	78
		V. P. Cart Track	0	00	95
1000	PARTICIPATION	31	0	4	41
		130	0	10	74
		106/1	0	00	50
		106/2	0	11	71
		106/2 107/Paiki	0	6	34
		97	0	2	44
		97 96	0	34	40
		95	0	3	42
1		108	0	00	75
Hebuva		. 194	0		80
		195		15	75
		196	0	15	30
		197	0	4	40
NAME OF TAXABLE PARTY.		201	0	EDUDINE BL	
		202	0	7	93 81
		206	0	7 6	31

The state of	2	3	4	5
	212	0	6	83
	212 219	0	9	76
	217	0	14	64
	220 222 223	0	4	30
	222	0	4	30
	223	0	1	50

[No. 11(1)/71-Lab. & Legis.-1.]

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा वातु मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1971

का बा । 1584.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस बी एच से दल एकत्रण केन्द्र तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद ग्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करना ग्रावश्यक है:

अतः, अब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

वज्ञतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, निर्माण ग्रीर देख-भाल प्रभाग, भवरपुर रोड़, वरौदा-9 को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

धनुसूची एस॰ बी॰ एच॰ जी॰ जी॰ एस॰ I तक पाइपलाईन बिछाने के लिए

राज्य-गुजरात	जिला—	-महसाना	तालुकामहसाना		
गांव	खंड संख्या	हैक्टर	ए ग्रारई पी० ए० ग्रार		
1	2	3	4	5	
कुकस	321	0	2	93	
	322/पैक़ी	0	15	62	
	वी ॰ पी ॰ कार है क	. 0	00	97	
	173 पैक़ी	0	35	14	
	191	* 0	7	32	
	190	0	21	96	

1	2	3	4	5
	वी०पी० कार्ट ट्रेक	0	00	73
	221	0	9	27
	222	0	4	39
	227	0	33	67
	228	0	6	83
	229	0	8	17
	230	0	12	69
-	बी॰ पी॰ कार्ट ट्रैक	0	1	00
	129/पैक़ी	0	8	78
	वी०पी०कार्ट ट्रेक	0	- 00	95
	131	0	4	41
	130	0	10	74
	106/1	0	00	50
	106/2	0	11	71
	107/पेक़ी	0	6	34
	97	0	2	44
	96	0	34	4(
	95	0	3	42
	108	0	00	75
बुवा	194	0	. 4	80
	195	0	15	7:
	196	0	8	31
	197	0 -	4	41
	201	0	2	9:
	202	0	7	8
	206	0	6	3
	212	0	6	. 8
	219	0	9	. 7
	217	0	14	6
	220	0	4	3
	222	0		3

[संख्या 11(1)/71-नेवर एवड लेजिस-1]

50

223

^{8.0, 1585.—}Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from D. S. SBP to GGS I (Sobhasan 1) in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it i necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annex

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1963 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Mainten ance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whethe he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

State . Guiarat

For Laying Pipeline from D. S. S. D. P. to G.G.S.I District: Mehsana Taluka

State: Gujarat		District : Mensana		raiuka : Mensana				
Village				Block No.		Hectare	Are 7 P. A	
Hebuva					62 289	0 0 0 0 0 0	1	00
					65	0	11 6	71 83 85 00
					65 67 68	0		85
					68	0	5	00
					92	0	8	50 78
					91	0	8	78
					V. P. Cart Track	0	0	75
					86	0	8	75 30 76 90 86
					84A 82	0	9	76
					82	0	9	90
		Est.			81	0	5	86
					78	0	6	83
					V. P. Cart Track	0	T	00
					227	0	9	64
					236	0	I	88 81
					236 226	0	7	81
					225	0	4	88
							11301 700	

[No. 11(1)/71-Lab. & Legis.-2.]

श्रौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद श्रनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रीवकार श्रीजत करना श्रावश्यक है :

बतः, ब्रब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के ब्रधिकार का बर्जन) ब्रधि^{नियम} 1962(1962 का 50)की घारा 3 की उपवारा (1)द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ब्रधिकार ब्रजित करने का ब्रपना श्राशय एतद्द्वारा घोषित किया है। बशर्तें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देख-भाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तियाः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

ग्रनुसूची डी॰एस॰एस॰बी॰पी॰से जी॰जी॰एस तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्य-गुजरात	जिला—महसान	п	तालुकामहसाना		
गांव	खंड संख्या	हैक्टर	ए ग्रार ई	पी० ए स्नारई	
हेबुवा	62	0	1	00	
	289	0	11	71	
	65	0	6	83	
	67	0	5	85	
TO PURSON IN	68	0	1	00	
	92	0	0	50	
	91	0	8	78	
	बी पी कार्ट ट्रैक	0	0	75	
	86	0	8	30	
	84 Ų	0	9	76	
	82	0	3	90	
	81	0	5	86	
	78	0	6	83	
	वी पी कार्ट ट्रैक	0	1	00	
	227	0	9	64	
	236	0	1	0.0	
	226	0	7	81	
	225	0	4	88	

[संख्या 11(1)/71-नेवर एण्ड लेजिस-2]

S.O. 1586.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DS NKO to DS NKE in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether be wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For Laying Pipeline from NKO to NKE

State: Gujarat	District : Vira	District : Viramgam		
Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are
Bhatariya	. 10/Paiki 11 12	. 0	4 15 2	64 99 00
State: Gujarat	District : M	lehsana	Taluka	: Mehsana
Mehmadpura	. 48/3 48/2 45/2 44/2 46 43 V. P. Cart track	0 0 0	4 1 9 4 2 12	49 63 88 90 32 50 90

[No. 11(1)/71-Lab.&Legis.-3.1

का॰ आ॰ 1586--यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डीएसएन के आ से डी एस एन के ई तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा पावद्व अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है:

अत:, अच, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

वणतें कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्रधिकारी,————तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देख-भाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यवसायी की माफतं।

एन के स्रो से एन के ई तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्यगुजरात	जिला—	जिला—विरामगांव		तालुका—विरामगांव		
गांव 🜓 ां सर्वेक्षण	[संख्या	हैक्टर	ए ब्रार ई	पी० एग्रारई		
भाटारिया	10/पैकी		0 4	64		
	11		0 15	99		
	12		0 2	00		

राज्यगुजरात	जिल	п—महसाना	तालुकामहसाना		
महमादपुरा	48/3	0	4	49	
	48/2	0	1	83	
	45/2	0	9	88	
	44/2	0	4	90	
	46	0	2	32	
	43	0	12	50	
	वी० पी० कार्ट				
	ट्रैक	0	00	90	

[संख्या 11(1)/71-लवर एण्ड लेजिस-3]

S.O. 1587.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kadi 1 to Gas Flare Point in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For Laying Pipeline from Kadi-I to GAS Flare Point

State: Gujarat	District: Mehsana		Taluka : Kadi	
Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are []
Chalasar	48/4	•	3	51

[No. 11(1)/71-Lab.&Legis.-4.]

कार प्राव्हित के निर्माण करें विकास के प्रतित होता है कि लोकहित में यह प्राव्हित होता है कि लोकहित में यह प्राव्हित है कि गुजरात राज्य में काड़ी-। से गैस फलेयर प्वाइंट तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप नाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध सनुसूची में बीणत भूमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करना ग्रावश्यक है।

यतः, सब,पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के स्रधिकार का सर्जन) स्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर हुए

केन्द्रीय सरकार ने उसके उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि ने हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ————तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, भवरपूरा रोड़, बरोदा-9 को इस अधिसूचना की ता खि से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की माफर्त ।

धनुसूची

काडी-: से गैस फलेयर प्वांइत तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य-गुजरात	47-27-12	जिलामहसा	ना		तालुका—काडी	
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए झार ई	A COLD A	पी ए	मार ई
चालासन .	48/4		0	3		51

[संख्या 11(1)-लेबर एण्ड लेजिस-4]

S.O. 1588.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DS No. 101 to G.G.S. V in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oll and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed bareto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether be wishes to be heard in person or by a legal practitioner,

SCHEDULE

For Laying Pipeline from D.S. No. 101 to G.G.S.V.

State: Gujarat		District: Mehsana		Taluka: Kaloi	
	Villge	Block No.	Hectare	Are	P. Are
	1	2	3	4	5
Chhatral .		- 234 222/1 P. Cart track 222/2 224/Paiki 224/1 V. P. Cart track 203	000000000000000000000000000000000000000	2 6 0 13 10 3 2	95 83 55 42 37 54 25 50

1	2	3	4	5
	205		13	
	200	0	8	05
	192 191	0	9	05 39 50
	191	0	0	50
	190	0	2	44

का॰ मा॰ 1588 -यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डी एस संख्या 101 से जी॰ जी॰ एस॰ V तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध ग्रन्सुची में वर्णित भुमि में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करना ग्रावश्यक है :

झत:, स्रब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भुमि में उपयोग के स्रधिकार का सर्जन) स्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपव रा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का स्रधिकार स्रजित करने का स्रपना स्राभय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हित्बद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए हाक्षेप संलम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, निर्माण और देख-भान प्रभाग, मधरपुरा रोड, बरोदा-9 को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर ब्यक्तिः विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई ब्यक्तिणः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फः ।

धनुसूची डी॰ एस॰ संख्या 101 से जी॰ जी॰ एस॰ बी तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य-	-गुजरात जिलाम	हसाना	तालुका—कलोव	4
गांव	खण्ड संख्या	हैक्टर	ए धार ई	पीए बारई
1	2	3		5
छत्तरास -	234	0	2	95
	222/1	0	6	83
The arms	बी॰ पी॰ कार्ट			
	ट्रैक	0	0	55
	222/2	0	13	42
	224/पैकी	0	10	37
	224/1	0	3	54
	बी० पी० कार्ट	0	2	25
Township.	孝年 203	0	0	50
	205	0	13	45

1916 T	HE GAZETTE C	OF INDIA: APR	RIL 17, 1971/CHA	ATRA 27, 1893	[PART II—
1		2	3	4	5
		200	0	8	05
		192	0	9	39
		191	0	-0	50
		190	0	2	44

[संख्या 11(1)/71-लेबर एण्ड लेजिस-5]

S.O. 1589.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BDW-BDI to G.G.G.S. 1 in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Laying Pipeline from Road BDW- BDI to G.G.S. I District: Kaira

Village	Survey No.	Hectare	Are	P.Arc
Nawagam			2	75
	753/1 754 756 746	0	6	75 00 15 00
	746	0	2	00

State: Gujarat

[No. 11(1)/71-Lab.&Legis.-6.]

Taluka: Matar

का॰ या॰ 1589.—-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बी॰ डी॰ डब्ल्यू-बीडी-में से जी॰ जी॰ जी एस-1 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइयलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

श्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसा लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावड अनुसूकों में विणित भूमि में उपयोग का श्रीवकार श्रीवत करना श्रावश्यक है।

अतः, अर, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसने उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया

वणतें कि उक्त भिम में हि बद्ध कोई व्यक्ति, उस भिम के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस ब्रायोग, निर्माण ग्रीर देख-माल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेत्र करते वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उस की सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

ग्रन्सची

बी० डी० डब्लय्-बी डी ग्राई से जी० जी० एस०-1

		हैक्टर	2	A 5
गांव	सर्वेक्षण संख्या	हक्दर	ए ग्रार ई	पी ए ब्रार ई
नवांगाव	753/1	0	2	75
	754	10 m	11	00
	756	0	6	15
	746	0	2	00

[संख्या 11(1)/71-लेबर एण्ड लेजिस -6]

8.0. 1590.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KADI-4 to KADI-11 in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this Notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether be wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For Laying Pipeline from KADI-4 to KADI-11

State : Guja	: Gujarat District : Mehsani		nsana . Taluka :		
Village		Survey No.	Hectare	Are	P. Are
1		2	3	4	5
Kadi		. 17 2079 2089 2088 2086/1 2087 2085	0 0 0	12 11 4 8 9 00 9	45 71 73 54 25 50 64

918 THE GAZETTE OF	INDIA: APRIL 17, 1971/CI	HAITRA 2	7, 1893	[PART II
	2	3	4	5
	2082 2083 2084 1981/Paiki	0	4	39
	2083	0	9	39 40 50 78 14 04 44 50 42
	2084 7087 (Poilsi	0	12	50
	1983	0		14
	1977	0	11	04
	1976	0	2	44
	1978	0	00	50
	V.P. Cart Track	0	3	42

[No. 11(1)/71-Lab.&Legis.-7.]

M. V. S. PRASADA RAU, Under Secv.

का० ग्रा० 1590—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह ग्रावश्यक हैं है कि गुजरात राज्य में काडी-4 से काडी-11 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है:

श्रतः, श्रव, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजैन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का श्रपना श्राक्षय एतद्द्वारा घोषित किया है।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण, और देख-भाल प्रभाग मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवस्त्या की मार्फत ।

ग्रन्सची

काडी-4 से काडी -11 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए राज्य : गुजरात जिला : महसाना तालका : काडी

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर ए आ	₹ €	पीए ग्रार ई
1	2	2	4	5
काडी	. 17	0	12	45
	2079	0	11	71
	2089	0	[4	73
	2088	0	18	54
	2086/1	0	" 9	25
	2087	0	00	50

1	2	3	4	5
	2085	0	9	64
	2082	0	4	39
	2083	0	9	40
	2084	0	00	50
	1981 / पैकी	0	12	78
	1983	0	11	14
*	1977	0	19	04
	1976	0	2	44
	1978	0	00	50
	बी पी कार्ट ट्रैक	0	3	42

[सं । 11/(1) 71+लेबर एष्ड लेजिस-7]

म० व० णिव प्रसाद राव, ग्रेवर सचिव।

(Department of Mines and Metals)

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1591.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals and Mires & Metais (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2029 dated 2nd July, 1966.

[No. F. C2-20(12)/63-C3.]

K. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

(खान फ्रांट धातु विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च 1971

का० आ० 1591—1कोयला बाल क्षेत्र (अजैन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली समस्त अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार पेट्रो-लियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिमूचना का० आ० 2029 तारीख 2 जुलाई, 1966 को विखडित करती है।

[संव एफ क् सी 02-2 0(12)/63-ग3] के व सुब्रह्मण्य ; सबर सचिव।

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 5th April 1971

S.O. 1592.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 3 of All India Services Act, 1951 (61 of 1951) read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation

with the Government of Rajasthan, hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said rules.

- 2. The amendments may be called the sixth Amendment of 1971 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.
- 3. These amendments shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

AMENDMENT TO IAS (PAY) SCHEDULE

4. In the said Schedule III, under the heading "A-Posts carrying pay above the time scale pay in the Indian Administrative Service under the State Governments" against Rajasthan, the following entry may be added:

5. Under the heading "B-Posts carrying pay in the senior time-scale of the Indian Administrative Service under the State Governments, including posts carrying special pay in addition to pay in the time scale" against Rajasthan, the following entries may be added, namely:—

Government Rs. 2500-125/2-2750.

[No. 6/42/70-AIS(I)-B] B. NARASIMHAN, Under Serv.

मंत्रीमंडल सचिवालय

(कामिक विभाग)

नई दिल्ती-1, 5 अप्रैल, 1971

का० ग्रा० 1592.—भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम -11 के साथ पठित ग्राखिल भारतीय सेवाएं ग्राधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार राजस्था। सरकार के परामर्श से उक्त नियमों की ग्रनुस्वी-111 में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है:--

- इन संशोधनों को भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 का 1971 छठा संशोधन कहा जा सकेगा।
- ये संशोधन सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से ल.गु होंगे।
 भारपीय प्रशासन सेवा (वतन) ग्रनुसूबी में संशोधन

सरकारी उद्यमों के ग्रायूक्त ग्रौर सरकार 2500-125/2--2750 रुपये । के पदेन सचिव

5. राज्य सरकारों के ग्रधीन, भारतीय प्रणासन सेवा के णीर्षक "ख" के ग्रधीन "वे पद जिनका बेतन वरिष्ठ समय बेतनमान में है, इनमें वे पद भी णामिल है जिनके लिए समय-मान में विशेष बेतन मिलता है, राजस्थान के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जायेमी, ग्रधीत् :—

महाप्रबन्धक, राजस्था। सड़क परिवहन निगम

[संख्या 6/42/70-अ० मा० से० (1)-ख] बी० नरसिंहन, अत्रर सन्तिव/

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 7th April 1971

S.O. 1593.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

- (1) Sub-Section (4) of Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).
- (2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act 1953 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
1	2	3.44	1 1 1 1 1	igniti 5	6
I.	Maharashtra News No. 225.	303.00 M	Govt. o	of Publicity, of Maharashtra, Centre, 68, Tar- ad, Bombay-34	Film dealing with news and current events (For release in Mahara- shtra Circuit only).

[No. F. 28/1/71-FP-App. 1565]

K. K. KHAN, Under Secy.

सबना बोर प्रसारण मंत्रालय

ग्रादेश

नई दिली, 7 ग्रंबेल 1971

एस० थों । 1593.—इसके साथ लगी प्रथम धन्यूची में निर्धारित प्रत्येक ग्रधिनियम के उप-बन्छ के प्रत्योत जारी किए गए निर्देशों के धनुसार, केन्द्री। सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्द्वारा इसके साथ लगी द्वितीय धनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाधों के क्योतर सिंह। जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय धन्यूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है:—

प्रवस समृत्वी

- वलिख अधिनियम, 1952 (1952 का 37 वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा
 12 की उपधारा (4) तथा 16,
- (2) यस्त्र सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का ।। वा वस्त्रई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा 9

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई 35 मि० मी०	नाम	तमीता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है य शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है य समाचार और सामियिव घटनाओं की फिल्म है य डाकूमेन्ट्री फिल्म है
1	2	3	4	5	6
1.	महाराष्ट्र समाचार संख्या 225	303,00 मीटर	प्रचार निदेशक, सरकार, फिल्म 68-तारदेश्रो बम्बई-34	सैन्टर,	समाचार ग्रौर सामयिक घटनाग्रों की फिल्म (केवल महाराष्ट्र सकिट के लिए)

[संख्या फाइल 28/1/71-एक० पी० परिकाप्ट 1565] क० क० खान, अवर सन्धिः।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (Department of Health)

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1594.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 33 of Central Civil Services (Classification, Control & appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following amendment in the Schedule to the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. S.R.O. 619 dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said notification, under the heading "Part III-General Centra Service, Class IV" in column 1, for the entry "Contributory Health Service Organisation—All Posts" and the entries relating thereto in columns 2 to 5, the following entries shall be substituted namely:—

Description of post	Appointing authority	it may im	penalties ties which	Appellate authority
		Authority	Penalties	
1	2	3	4	5
Central Government Health Scheme, Delhi. All posts	Deputy Director (Administration)	Deputy Dir (Administra		Director of Administration or the Deputy Director General Health Services (Hospital Administration) or any other Deputy Director General of Health Services (Whosoever is incharge of administration).

[No. F. 6-1/69 O & M (V & CM)] [RAMESH BAHADUR, Under Secy.

(Department of Health)

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1595.—Whereas Miss B. D. Sarojini, Personal Assistant IV Nursing of the Director of Medical and Health Services, Andhra Pradesh, Hyderabad, has been elected by the Andhra Pradesh Nurses, Midwives, A. N. Ms. and Health Visitors Council, Hyderabad, to be member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of Section (3) of the Indian Nursing Council Act, 1947, with effect from 28th March, 1970.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of the sub-section (1) of Section (3) of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. 27-28/62-MII, dated the 20th March, 1963, namely:—

In the said notification, under the heading "elected under clause (a) of subsection (1) of Section 3" after the existing entry, following entry shall be inserted,

11. Miss B D Sarojini, Personal Assistant IV Nursing of the Director of Medical and Health Services, Andhra Pradesh, Hyderabad.

[No. 24-3/69-M.P.T.]

P. C. ARORA, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1971

क (० ग्रा० 1595. — यत: ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक की निसंग वैयक्तिक सहायक—4 कुमारी बी० डी० सरोजिनी को 28 मार्च, 1970 से भारतीय निसंग परिषद् ग्रिधिनियम, 1947 की धारा (3) की उग्धारा (1) के खण्ड (क) के ग्रियोन ग्रान्ध्र प्रदेश नसँस, धाली, साथक नसँधाली एवं स्वास्थ्य निरीक्षक परिषद्, हैदराबाद द्वारा भारतीय निसंग परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

ग्रा: इसलिए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा (3) की उपधारा (1) के उपबन्धों का ग्रनुसरण करते हुए भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय के 20 मार्च, 1963 की ग्रधि-सुबना संख्या 27-28/62-चि० 2 में निम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है; नामत :

उन्त स्रिध्नुचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के स्रधीन वर्तमान प्रतिष्टि के पश्चात् निर्वाचित" शीर्षक के सन्तर्गत निम्नलिखित प्रविष्टि रख दी जाय ; नामतः

11. आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक की वैयक्तिक सहायक-4 कुमारी बी० डी० सरोजिनी ।

[सं० प० 24-3/69-एम पी० टी०]

पी० सी० धरोरा, अवर सचिव।

(Department of Health)

New Dehli, the 2nd April 1971

8.0. 1596.—The following draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, which the Central Government proposes to make. after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940).

is published, as required by the said sections for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 1st July, 1971.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government:—

Draft Rules

- 1. These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules.
 - 2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945:-
 - A. In rule 74,
 - (i) in clause (e) for the words "Inspector, authorised by the licensing authority in that behalf" the following words shall be substituted.

"Inspector appointed under Act,"

(ii) in clause (f) for the words "Inspector, authorised by licensing authority under the provisions of clause (e)", the following shall be substituted.

'Inspector appointed under the Act',

(iii) for clause (h) the following shall be substituted, namely:-

"(h) the licensee shall on request furnish to the Licensing Authority or to the controlling authority or to such authorities as the licensing authority or the controlling authority may direct from every batch or batches of drugs as the Licensing Authority or the controlling authority may from time to time specity, a sample of such quantity as may be considered as adequate by such authority for any examination and, if so required, full protocols of tests which have been applied."

(iv) in clause (i) after the words "Licensing Authority" wherever they occur the following words shall be added, namely:—

"or the controlling authority":

- (v) in clause (j) after the words "Licensing Authority" occur the following words shall be added, namely: wherever they "or the controlling authority";
- (B) in rule 74-A, in clause (e) for the words, "Inspector, authorised by the licensing authority in that behalf" the following words shall be substituted namely:

'Inspector appointed under the Act',

- (6) in rule 78,
 - (i) in clause (d) for the words "Inspector, authorised by the Licensing Authority in that behalf" the following shall be substituted, namely:—

"Inspector appointed under the Act":

(ii) in clause (e) for the words "Inspector, authorised by the Licensing authority under the provisions of condition (d) above" the following words shall be substituted, namely:—

"Inspector appointed under the Act";

(iii) for clause (g) the following shall be substituted, namely:-

"The licencee shall on request furnish to the licensing authority or the controlling authority or to such authorities as the licensing authority or the controlling authority may direct, from every batch of drug as the licensing authority or the controlling authority may from time to time specify, a sample of such quantity as may be considered as adequate by such authority for any examination and, if so required, full protocols of the tests which have been applied";

(iv) in clause (h).

(a) for the words 'If the licensing authority so directs', the following words shall be substituted, namely:-

"If the licensing authority or the controlling authority so directs.";

- (b) after the words 'on behalf of the licensing authority', the following words shall be inserted namely:—
 "or the controlling authority";
- (V) in clause (i),
 - (a) for the words 'informed by the licensing authority', the following words shall be substituted, namely:—

"Informed by the licensing authority or the controlling authority";

(b) for the words 'found by the licensing authority', the following words shall be substituted, namely:—

"found by the licensing authority or the controlling authority";

- D. In rule 85-H in clause (b) for the words, "Inspector authority by the Licensing Authority in that behalf" the following words shall be substituted, namely,—
 "Inspector appointed under the Act";
- 5. In rule 92 in clause (b) for the words 'Inspector authorised by the Licensing Authority in that behalf' the following words shall be substituted, namely:— "Inspector appointed under the Act";
- 6. in rule 142, the clause (d) for the words, "Inspector, authorised by the Licensing Authority in that behalf" the following words shall be substituted namely:—
 "Inspector appointed under the Act".

[No. F.1-18/69-D.] S. SRINIVASAN, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्लीं, 2 अप्रैन 1971

का॰ ग्रांश 1596.—ग्रांषधि ग्रांर प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में ग्रागे ग्रांर संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार श्रीषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामग्रं करने पञ्चात् ग्रीषधि ग्रीर प्रसाधन सामग्रे ग्रीधानयम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 ग्रीर धारा 33 द्वारा प्रदत्त गित्तयों का प्रयोग करने हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधाराओं की ग्रपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उनके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है, ग्रीर एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 1 जुलाई, 1971 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप के बारे में किसी भी व्यक्ति से इस प्रकार, विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, प्राप्त होते वाले प्राक्षेपों या सुझाबों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा :---

प्राहप निषम

- 1. ये नियम सीर्पाध सौर प्रसाधन सामग्री (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - 2. घोषधि घोर प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में :---
 - (क) नियम 74 में.
 - (i) खण्ड (ङ) में "उस निमित्त सनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राधिकत निरीक्षक " शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, सर्वात् :--"अधिनियम के प्रधीन नियुक्त निरीक्षक,"

(ii) खण्ड (च) में "खण्ड (अ) के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत निरीक्षक" शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :---

"अधिनियम के अधीन नियक्ति निरीक्षक ";

- (iii) खण्ड (ज) के लिए निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा; अर्थात :-
 - "(ज) अनुज्ञप्तिधारी अनुरोध किए जाने पर, अनुज्ञापन प्राधिकारी को या नियंत्रक प्राधिकारी को या ऐसे प्राधिकारियों को, जिन्हें अनुज्ञापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारीं निदेश दे श्रीषधि के ऐसे प्रत्येक समृह या समहो में से जिसे / जिन्हें अनुज्ञापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी समय-समय पर विनिदिष्ट करे, उतनी माला में नमुना पेश करेगा जितनी ऐसे प्राधिकारी द्वारा किसी परोक्षा के लिए पर्याप्त समझी जाए. ग्रीर, यदि वैसी अपेक्षा की जाए तो, वह, जिन परखों का उपयोजन किया गया है उनकी सभी मुल प्रतियां पेश करेगा।";
- (IV) खण्ड (झ) में जहां कही भी "अनुज्ञापन प्राधिकारी" शब्द आए हो उनके पश्चात् निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे; ग्रथात्:---"या नियंत्रक प्राधिकारी":
- (v) खण्ड (ञा) में जहां कहीं भी "ग्रनज्ञायन प्राधिकारी" शब्द आए हों उनके पश्चात निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे; अर्थात्:---"या नियंत्रक प्राधिकारी";
- (ख) नियम 74-क में, खण्ड (ङ) में "उस निमित्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत निरीक्षक" शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे, ग्रर्थात् :--'ग्रिधिनियम के ग्रधीन नियुक्त निरीक्षक,";
 - (ग) नियम 78 में
 - खण्ड (घ) में "उस निमित्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत निरीक्षक" गव्दों के लिए निम्नलिश्रित गब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, ग्रथीत :--"ग्रधिनियम के ग्रधीन नियुक्त निरीक्षक,";
 - (ii) खण्ड (ङ) में "उपर्युवत शर्त (घ) के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी हारा प्राधिकृत निरंक्षक " शब्दों के लिए िम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, ग्रथांत :---

"अधिनियम के अधीन नियुक्त निरीक्षक,";

- (iii) खण्ड (छ) के लिए निम्नलिबित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रयात् :--
 - 'अनुज्ञप्तिधारी, अनुरोध किए जाने पर, अनुज्ञापन प्राधिकारी को या नियंत्रक प्राधिकारी को या ऐसे प्राधिकारियों को जिन्हें अनुज्ञापन

प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी निदेश दे, श्रीविधि के ऐसे प्रत्येक समूह में से जिसे अनुजापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, उतनी मात्रा में नमूना पेश करेगा जितनी ऐसे प्राधिकारी द्वारा किसी परीक्षा के लिए पर्याप्त समझी जाए और, यदि वैसी अपेक्षा की जाए तो, वह, जिन परखों का उपयोजन किया गर्मा है उनकी सभी मूल प्रतिया पेश करेगा";

- (iv) खण्ड (ज) में,
- (क) यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी बैसा निदेश दे शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे; अर्थात्:—

"यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी वैसा निदेश दे ;

ख) "अनुज्ञापन प्राधिकारी की श्रोर से" मध्यों के पण्यात् निम्नलिखित मध्य अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात:—

"अनुज्ञापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी की ग्रोर से ";

- (v) खण्ड (झ) में—
 - (क) "जिनकी सूचना अनुज्ञापन प्राधिकारी" ने दी हो शब्दों के लिए निम्न-लिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :--

"जिनकी सुचना अनुजापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी ने दी हो ";

(ख) अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राप्त शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात :---

"ग्रनज्ञापन प्राधिकारी या नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा प्राप्त"

(घ) नियम 85-ज में खण्ड (ख) में "उस निमित्तग्र नुज्ञापन प्राधिकारी प्राधिकृत निरीक्षक" शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापि द्वार जाएंग, प्रथित :—

"अधिनियम के अधीन नियुक्त निरीक्षक";

(ङ) नियम 92 में खण्ड (ख) में "उस निमित्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत निरीक्षक" गब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात:—

"अधिनियम के अधीन नियुक्त निरंक्षक";

(च) नियम 142 में, खण्ड (घ) में "उस निमित्त अनुकापन प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत निरीक्षक" शब्दों के लिए निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात :—

"अधिनियम के अधीन नियुक्त निरीक्षक"।

[सं० फा० 1-18/69-शी] एस० श्रीनिवासन, उपसचिव ।

(Department of Health)

New Delhi, the 5th April 1971

S.O. 1597.—Whereas the Central Government have in pursuance of the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medicai Council Act, 1956 (102 of 1956), nominated in consultation with the Government of Bihar, Dr. T. B. Gupta. Director of Health Services, Bihar, Patna, with effect from the 8th February, 1971 vice Dr. S. N. Prasad resigned;

And whereas in pursuane of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the said Act. Dr. Harish Chandra, Professor of Paediatrics, Osmania Medical College, Hyderabad, has been elected by the Osmania University to be a member of the said Council with effect from the 22nd August, 1970;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 5—13/69-MI. dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification,-

- (i) under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3" for item 13, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "Dr. T. B. Gupta, Director of Health Services, Bihar, Patna"
- (ii) under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for item 12, the following item shall be substituted, namely:—
 "Dr. Harish Chandra, Professor of Paediatrics, Osmania Medical College, Hyderabad."

[No. F. 4-2/71-M.P.T.]

M. C. MISRA, Dy. Secv.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 ग्रप्रैल, 1971

का० ग्रा० 1597-यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् ग्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पालन करते हुए बिहार सरकार के परामण से केन्द्रीय सरकार ने बिहार, पटना के स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक, डा० टी० बी० गूप्त को 8 फरवरी, 1971 से, डा० एस० एन० प्रसाद को सेवा निवृत्ति पर उनके स्थान पर मनोनीत किया है।

तथा यत: उनत अधिनियम की धारा 3 की उप धारा (1) के उण्ड (ख) के उपबन्धों का पालत करते हुए उसमानिया मेडिकल कालेज, हैंदराबाद के बा र ग चिकित्सा के प्राध्यापक डा॰ इरीण चन्द्र को 22 अगस्त, 1970 से उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा उक्त परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (।) के उपबन्धों का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भृतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की श्रधिसूचना संख्या एफ 5-13/59-एम श्राई दिनांक 9 जनवरों, 1960 में श्रामे निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत:—

उक्त , श्रधिमुचना में,---

- (।) "धारा 3की उपधारा (।) के खण्ड (क) के मधीन मनोनीत" गीर्धक के मन्तर्गत मद 13 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, नामतः "डा॰ टी॰ वी॰ गृप्त ,
 - . स्वास्थ्य सेवाधों के महानिदेशक, बिहार, पटना "।

(॥) "धारा 3 को उपधारा (॥) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत मद 12 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जायेगी, नामत: — "डा० हरीण चन्द्र,

बाल रोग चिकित्सा के प्राध्यापक,

उस्मानिया मेडिकल कालेज, हैदराबाद ।

[सं॰ 4-2/71—एम॰ पी॰ टी॰] (महेश चन्द्र मिश्र, उप सचित्र ।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 5th April 1971

S.O. 1598.—In pursuance of regulation 26 of the Indian Dock Labourers Regulations. 1948. the Central Government hereby nominates the Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Central Labour Institute Off Eastern Express Highway, Sion—Bombay-22 (DD) as the authority for the purposes of the said regulation.

[No. S-17013/1/71-P&D.]

AJIT CHANDRA, Under Secy.

श्रात, रोजगार ग्रार पनवीस मंत्रालय

(अन और रोजवार विभाग)

नई दिल्ली, 5 मार्प र 1971

का॰ ग्रां० 1598—भारतीय डाक श्रमिक विनियम, 1948 के विनियम 26 के अनुसरण में केन्द्रीय मरकार एनद्द्रारा महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा और श्रम संस्थान, केन्द्रीय श्रम संस्थान ग्राफ ईस्टनं एक्सब्रेस हाईवे, सायन—मुम्बई 22 (डी डी) को उक्त विनियम के प्रयोजनों के लिए ग्राधिकारी के रूप में नामनिदिष्ट करती है।

> [एष०-17013/1/71-पी० ऐंड डी०] सजीतचन्द्र, स्वर सचिव

(Department of Labour and Employment) New Delhi, the 5th April 1971

S.O. 1599.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (3) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 162 dated the 24th December, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Badal Gangopaddbyaya as a member of the Calcutta Dock Labour Board with effect from 27th November, 1970, vice Shri Niharendu Dutt Mazumdar who has resigned and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1322 dated the 7th April, 1967 namely:—

In the said notification, under the heading "Members representing the dock workers", in item (1), for the entry "Niharendu Dutt Mazumdar", the entry 'Badal Cangopaddhyaya" shall be substituted.

2. This notification shall be deemed to have come into force on the 9th January, 1971.

[No. 53/23/67-Fac,H/P&D.] C. RAMDAS, Dy. Secv.

(धम और रोजगर विभाग)

नर्ड दिल्ली, 5 अप्रैल, 1971

का अर्रा 1599.—डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा ठक की उपधारा (1) और (3) द्वारा प्रदत्त अवितयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम, रोजगार और पुनर्वीस मंत्रालय (अम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संव काव आव 162 तारीख 24 दिसम्बर, 1970 के अधिकान्त करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बादल गंगोपाध्याय को श्री निहारेन्द्रदत्त मजुमदार, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, के स्थान पर 27 नवम्बर, 1970 से कलकत्ता डाक अम बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के अम, रोजगार और पुनर्शीस महालय (अम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संव काव आव 1322 तारीख 8 अप्रैल, 1967 में और आगे निम्निलिशित संशोधन करती, है अर्थात :—

उक्त ग्रधिसूचना में, "डाक कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य" शीर्षक के नीचे मद (1) में "निहारेन्द्रदत्त मजुमदार" प्रविध्टि के स्थान पर "बादल गगोपाध्याय" प्रविध्टि प्रतिस्थापित की जायगी ।

2. यह यधिसूचना 9 जनवरी, 1971 को प्रवृत्त हुई सलझी जायगी।

[सं० 53/23/67 फैसर II/पीर एण्ड डॉर]

सीं रामदास उप सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 6th April 1971

S.O. 1600.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industry dispute between the employers in relation to the Management of Hindustan Lalpeth Colliery, Post Office Chandrapur, District Chandrapur (Maharashtra) and their workmen, which was received by the Central Government on the Ist April, 1971.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Dated January 25, 1971

PRESENT:

Shri M. Chandra.-Presiding Officer.

Case Ref. No. CGIT/LC(R) (8) of 1970

PARTIES

Employers in relation to the Hindustan Lalpeth Colliery. Post Office, Chandrapur (M. 8) and its workmen.

APPEARANCES:

For workmen-Sri B. K. Tiwari, Advocate. For employers-Sri M. M. Sapra, Advocate. INDUSTRY: Coal Mine.

DISTRICT: Chandrapur (H. S.

AWARD

This is a reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act. As mentioned in the Schedule to the order No. 3/3/70-LR.II, dated 12th May, 1970, the following two items of the industrial dispute have been referred to this Tribunal for adjudication:-

Items of dispute

- 1. Whether Shri Zolba Madho an employee of the Hindustan Lalpeth Colliery, Post Office, Chandrapur was working as Head Chowkidar in the colliery since 1956? If so, to what relief is he entitled and from what date?
 - 2. Whether the management of Hindustan Lalpeth Colliery, Post Office, Chandrapur was justified in dismissing the said Zolba Madho with effect from the 18th November, 1969? It is a contract relief is he
- The Industrial dispute has been sponsored by M. P. Rashtriya Koyala Kaadan Kamgar Sangh.
 - 3. Briefly stated the workman's case is this.

Sri Zolba Madho was appointed Chowkidar in the Hindustan Lalpeth Colliery in 1944. He was promoted to the post of Head Chowkidar or Jamadar in 1945 and has been working as such since then. As Head Chowkidar he was entrusted with the duties of superindendence and vigilance over the said Colliery with regard to maintenance of discipline and safety of property. He is entitled to all the amounts and benefits which accrues to the post of a Head Chowkidar and to agitate for his legitimate rights. He gave a helping hand to the formation of the Union. This annoyed the management. They victimised him by dismissing him from the post on filmsy pretext. They had first started an antagonistic attitude towards him and asked him to work as a File Jamadar. This shocked him mentally and physically forcing him to proceed on leave on 16th May, 1969. The management, by their letter dated 6th June, 1969, denied his appointment as Head Chowkidar and directed him to join his duties as Chowkidar within ten days on pain of termination of his services. He was not fit to join duties and continued to be on leave, earned as well as medical. By a letter dated 26th August, 1969 the management called for his explanation within fortyeight hours treating his absence as a misconduct. He submitted his explanation on 30th August, 1969. It was treated as unsatisfactory. He was asked to submit another explanation and was also asked to come prepared for an enquiry with on 30th August, 1969. It was treated as unsatisfactory, he was asked to submit another explanation and was also asked to come prepared for an enquiry with his witnesses and for cross-examination of the management's witnesses. In spite of submission of a medical certificate, his application dated 7th September, 1969 asking for leave from 4th July, 1969 to 30th September, 1969 was not allowed by the management. Despite his physical liability he appeared before Sri Chatterji during the absence of the Manager. But Sri Chatterji asked him to see the Manager on his return since Zolba was ailing from an application, saving that he was ever ready to resume his obsess. Zolba left an application saying that he was ever ready to resume his duties, but he was not taken on duty. The management being determined to take revenge for Union activities wrongfully dismissed him on 17th November,

- 4. The management denies these allegations and contends that on three grounds the reference is not tenable under the Act and is bad in law—(1) it deals with the grievance of a single workman, and as it is regarding the alleged improper designation of the worker it is not an industrial dispute (2) The Union has started functioning at the Colliery very recently and has a very small membership (3) The worker is not, and was not, a member of this Union at any time Consequently the dispute is, according to the Management, not an industrial dispute and is beyond the jurisdiction of this Tribunal. pute and is beyond the jurisdiction of this Tribunal.
- It is further alleged that part 2 of the reference is not based on a wrong-2. It is further alleged that part 2 of the Peterence is not based on a worker ful dismissal of a worker or any dispute arising out of it, but challenges only the justification of the dismissal. The contention is that justification of the dismissal is different from the legality and priority of the action and that the reference is not legal and is bad in law. The consolidation of the two parts is also challenged on the ground that it create confusion and makes it difficult for both parties to adding a widence in the matter. both parties to adduce evidence in the matter.
- it is alleged that Zolba Madho was appointed Chowkidar on 10th October, 1947 and worked as such till his dismissal on 17 November, 1969

- 7. Zolba Madho replies that he was ever prepared to respect the order of the management and had represented to the management that he was a Head Chowkidar and should not be demoted to the rank of a Chowkidar without his fault and at least a show cause notice to him. The management, according to him, made up its mind to dismiss him and intimated the applicant that he had lost lien of his post—vide letter dated 7th August, 1969. He contends that he was not given proper opportunity to defend himself and was never informed what the charge was against him and who the witnesses of the management were and that the enquiry was held illegally. It is also alleged that the findings of the Enquiry Officer were not made known to him and that no opportunity was given to him to meet the allegation against him and that the enquiry was against the principles of Article 311(2) of the Constitution.
 - 8. The following issues arise for determination:-

Issues

- Whether Shri Zolba Madho an employee of the Hindustan Lalpeth Colliery Post Office Chandrapur was working as Head Chowkidar in the Colliery since 1956? If so, to what relief is he entitled and from what date?
- 2. Whether the management of Hindustan Laboth Colliery Post Office. Chandrapur was justified in dismissing the said Shri Zolba Madho. with effect from the 10th November, 1969? If not, to what relief is he entitled?
- 3. Is part one of the Schedule not an industrial dispute and consequently beyond the jurisdiction of this Tribunal as alleged by the non-applicant?
- 4. Is the claim in part I time barred as alleged by the non-applicant?
- 5. Is part 2 of the reference bad in law as alleged?

vindings:

Issue No. 3.—The first contention of the management is that the Union sponoring Zoiba Madho's case was not representative and had not received an authority to espouse his cause.

Sri R. C. Pande (W.W. 2), the President of the Union, states that the Union was formed and declared for the colliery after making workmen of the colliery members of the Union. He produced the register also in which the name of Zolba appears at Serial No. 400. There are, according to Sri N. C. Pande, 1350 persons working in the colliery. More than half of them are members of the Union. He had also produced counterfoils of receipts including the receipt for Rs. 3/- given to Zolba Madho in respect of the subscription paid by him. Sri Pande brought the book of minutes and stated that Resolution No. 4 was passed regarding this case. The minutes of 24th September, 1969, on which date the resolution was passed, was written by Vitthal and was signed at the end by Sri R. C. Pande. It is proved by him. Its copy is Ex. W.W. 2/3. He also states that there were notices of hunger strike given by the Union in support of Zolba's case and there was a hunger strike for 12 days after the second notice. Sri Pande states that the subscription is -/8/- per month but members pay subscription for various months in a lumpsum. The registeration number of the Union, as deposed by Sri Pande, is No. 2940. It is also deposed by him that it is affiliated to INTUC and its affiliation number is 3126. I do not see any reason to disbelieve Sri Pande on these points. It has been clearly proved from his statement that the Union is a registered union and affiliated to INTUC. It is also proved that much more than half of the workmen of the colliery are members of the union and were so on the date when the reference was made. The cause of Zolba has been proved to be taken up by the Union in a meeting dated 24th September, 1969 as deposed to by Sri R. C. Pande. Ten members of the executive and other active workers were present. As stated by him 20 to 22 members of the union were present on that date. The fact that notices of hunger strike were given and that it was resorted to in support of Zolba's cause clearly shows that Zolba Madho's case was taken

It was next contended by the learned counsel for the management that Zoiba was not a member of the Union at the time when he was dismissed, since the Union itself was formed after his dismissal and that it would not be an industrial dispute if the Zoiba's case, which does not affect any body else, is taken up by such a union. This contention is without force. There is nothing in the Act which makes it necessary that the dispute must be sponsored by the union which existed at the time when the person was dismissed.

The reference is under Sec. 10 of the Industrial Disputes Act. It provides that when the appropriate Government is of the opinion that any industrial dispute exists or is apprehended, it may, at any time, by an order in writing, refer the dispute or any matter appearing to be connected with or relevant to the dispute to a Tribunal for adjudication.

An "industrial dispute" is defined in Sec. 2(k) of the Act, Sec. 2(k) runs as follows:---

"industrial dispute" means any dispute or difference between employers and employers, or between employers and workmen, which is connected with the management or the terms of employment or with the conditions of labour, of any person."

Evidently, it contemplates:-

(1) that the subject matter of the dispute is to relate to a dispute or difference which is connected with the employment or non-employment or terms of the employment or with the conditions of labour of any person; and

- (2) that the parties to the dispute should be-
 - (a) employers and employers, or
 - (b) employers and workmen, or
 - (c) workmen and workmen.

It is thus clear that the subject matter may relate to only one person. So far as the parties to the dispute are concerned, the word "workman" has been used in the plural and not singular. That is the reason why it has been held by the Supreme Court that the dispute even though it may relate to one person must be sponsored by a union or a considerable number of workmen. It is nowhere provided that the union sponsoring the dispute should have a majority of the workmen as its members or even 1,3rd of the workmen as its members. Nor is it necessary that a union sponsoring the dispute should have been in existence at the time of the dismissal. All that is necessary it that the Union should have sponsored the dispute at the time of the reference.

In Bombay Union of Journalists and others Vs. The "Hindu", Bombay and another [1961 (2) Labour Law Journal page 436] Shah, J. speaking for the Court observed:—

"In each case in ascertaining whether an individual dispute has acquired the character of an industrial dispute the test is whether at the date of the reference the dispute was taken up as supported by the Union of the workmen of the employer against whom the dispute is raised by an individual workmen or by an appreciable number of workmen".

Two prepositions of law follow from these observations:-

- (1) What is necessary is that the dispute was taken up as supported by the union of the workmen at the date of the reference. It need not have been taken up by the union at the earlier date when the workman was actually dismissed.
- (2) The dispute must be supported by the union of the workmen of the employer concerned. If it is not supported by a union as such it must be supported by an appreciable number of workmen.

It is evident from this observation itself that the question of an appreciable number of workmen arises in the second alternative only i.e. when the case is not supported by a union of the workmen.

In W. I Match Co. Ltd. Vs. The W. I Match Co. Workers Union and others [1970(1) Supreme Court Cases page 225], Shelat, J. speaking for the Supreme Court observed:—

"It may be that at the date of such dismissal there is no union or that the workmen are not sufficiently organised to take up the cause of the concerned workmen and no unusual for that or any other reason takes place at the time when such case occures. But that cannot mean that because there was no such union in existence on that date, the dispute cannot become an industrial one if it is taken up later on by the union or by a substantial section of the workmen."

Shelat J. went on to say:-

"Any controversy on the question as to whether it is necessary for a concerned workmen to be a member of the union which has espoused his cause at the time when that cause arose has been finally set at rest by the decision in Bombay Union of Journalists Vs. Hindu Bombay (supra) where this Court laid down that the tests whether an individual dispute got converted into an industrial dispute, dependent on whether at the date of reference the dispute was taken up and supcorted by the union of workmen of the employer against whom the dispute was raised by an individual workman or by an appreciable number of such workmen."

This provides a complete answer to the argument of the learned counsel for the management. It is thus immaterial whether the union was in existence at the time of the dismissal. What is material is that the dispute has been taken up and supported by the union at the time of the reference.

It has been established beyond doubt that the Union in question is the Union of workmen of the employer against whom the dispute has been raised. A sconsiderable number of workmen of the employer are its members. It is not

at all necessary that all the workmen or even a majority of them should be members of that Union. The reference is not therefore bad in law.

The learned counsel for the management relied on a Punjab High Court decision, Khadi Gramodyog Bhawan Workers Union Vs. Krishnamurthy(E) and another [1966 (2) Labour Law Journal page 261]. In this case it was held that an individual dispute can become an industrial dispute only on the date of the dismissal and the workman should be a member of the union on the date of dismissal. It was further held that the fact that he became member after the dismissal would be of no help to him. An earlier decision of the same High Court was followed. This view is not good law in view of clear observations of the Supreme Court mentioned above. For the same reason similar decision of other High Courts contrary to the Supreme Court decision in W. I. Match Co.'s case (supra) are no longer good law.

The learned counsel for the management referred to Resolution No. 4 of 24th September, 1969 passed in respect of Zolba and contended that it would not turn an individual dispute into an industrial dispute, because it was merely "a condolence resolution" and was passed only on the date when Zolba was not a member of the Union. The contention that it was only a condolence resolution is incorrect. It was passed at the time when Zolba had not been dismissed and the question was whether he was a Head Chowkidar or merely a Chowkidar. At that time it was resolved that the Union expected the management to consider Zolba's case in a humane manner and would take him back on duty as Head Chowkidar. Once the case has been taken up by the Union it would naturally do all that it is necessary for the benefit of the workman and it is not necessary on every question and at every step that a resolution should be passed. It was also decided in W.I. Match Co's case (supra) by the Supreme Court that the subject that reference in the case was not competent on the ground that the concerned workman was not a member of the union at the date when the dispute arose and that consequently, the union would not have espoused the dispute to convert it into an industrial dispute was not correct and could not be upheld. It is true that Zolba's receipt is of a later date. But it is in evidence that it was at Zobla's instance that the union was formed and he actively worked for the formation of the union. There is no reason to disbelieve Zolba (W.W. 1) and M. C. Pande (W.W. 2) on this point.

We have already seen that the union is of the workers of the colliery containing a very appreciable and substantial number of the workman of the colliery and supported the cause of a workman of that very colliery. It cannot therefore be equated with a union which contains members only a few workmen of a particular employer and is really an outside union.

I find therefore that the dispute was an industrial dispute and is not beyond the jurisdiction of this Tribunal. I find this issue against the management.

Issue No. 4.—The contention of the learned counsel for the management is that the claim in part 1 of the schedule is time barred. No limitation is prescribed either for the reference by the Central Government or for an application to it for making a reference. It is true that unduly delayed claim should not be encouraged, but it has been repeatedly held by the Supreme Court that where no limitation is prescribed it would not be right in industrial disputes to refuse an opportunity to the person concerned to prove his case only on the ground that the Court was moved after considerable delay. The very purpose of the Act is to provide substantial justice—social & economic, to the aggrieved party. In this case, we find that the Wage Board itself recommended that its recommendations should come into force on 1st January, 1967. It was then that the pay of the Head Chowkidar should have been fixed at a figure higher than that of the other Chowkidars. It cannot therefore be said that the claim of the applicant is belated and liable to be dismissed as time barred.

I find this issue against the management.

Issue No. 5.—There is nothing wrong with the reference of items 1 and 2 both together to the industrial tribunal. The two are not contradictory and there is no question of any confusion simply because they have both been referred by one order to this Tribunal.

As for the contention that the part 2 of the reference is bad in law nothing has been shown to me why it should be so held. It is incorrect to say that an illegal or wrongful dismissal is not an unjustified dismissal. Part 2 of the referrence cannot, therefore, be said to be bad in law.

I find this issue against the management.

Issue No. 1.—The workmen relies on Ex. W/13 a certificate alleged to be given by Sri Mulley, Manager of Hindustan Lalpeth Colliery. It says "This is to certify that Zolba s/o Mahadeo Gond is working in our Colliery as head chowkidar since 1945 upto date. He bears a good character". It purports to say that on the date the certificate was issued Zolba had been working as Head Chowkidar in the colliery. It is not an appointment letter. The purpose or reason why Ex. W/13 was issued has not been stated by Zolba. Nor has Shri Mulley been produced in the witness box. He is no longer the Manager and cannot be said to be under the influence of the colliery owners. Zolba himself is not literate and I am not prepared to believe him when he says that Mulley signed it in his presence. Ex. W/13 cannot therefore be said to be proved and is rejected.

It is contended on behalf of the management that there was no post of a Head Chowkidar in the colliery at all and consequently no special work was to be done by the Head Chowkidar.

This is, to an appreciable extent, borne out by the recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry itself. At page 81 of Vol. I of the recommendations they give the new designations and the then existing designations. Among the then existing designations there is no designation of the Head Chowkidar. There could consequently be no difference in salary of Zolba and that of the other Chowkidars.

The learned counsel for the worker relied on Ex. W/8 a letter purporting to be sent by Sri Mokadam Manager of the Colliery. It purports to say that the Colliery was sending Sri Bhanaya Mallaiya along with collieries Head Chowkidar to the Station Officer, City Police Station, Chanda, requesting him to take necessary action against Bhanaya Mallaiya. He was found in possession of one big size of basket which was presumed to have been stolen. The contention is that this letter clearly shows that there was a post of Head Chowkidar in the Colliery. This contention is without force.

Sri Mokadam admits that it bears his signature. But he says that the letter was never sent to the Station Officer, City Police Sation, Chanda. According to Sri Mokadam Zolba Madho came to report the matter to him and he phoned to the Police Station. The Station Officer then asked him to send a written report along with a senior Chowkidar. Sri Mokadam then asked his clerk to type a complaint but did not actually dictate the complaint himself. The clerk typed it in his own language, Zolba brought that letter to Sri Mokadam who signed it, but as soon as he signed it, he read the letter and found the word "Head Chowkidar" in that letter. Sri Mokadam says that as there was no Head Chowkidar in the colliery he did not send the letter to the Police Station and simply kept it on his table with an idea to make an enquiry from the clerk why he typed Head Chowkidar when there was no such category in the colliery. He did not make enquiry about the letter as he lost sight of it owing to heavy work in his office. He did not give that letter to Zolba, and he cannot say how it was lost from his table. According to Sri Mokadam Zolba was attending his office both in his presence and in his absence and Zolba was never assigned the duties of Head Chowkidar

It has been contended on behalf of the workmen that a person would read the letter first and not after he had signed it. This is not always done. As stated by Sri Mokadam himself he glanced through the papers either while signing or after signing them and he did not read this particular paper before signing. He was not cross-examined on the point when he said that he had not dictated the letter and merely asked the clerk to type a complaint. Nor is it necessary for the Manager actually to dictate such letters meant for the Station Officer. Nor was he cross-examined on the point that he signed the letter and when he glanced through it after signing and found Head Chowkidar written there he did not send that letter to the Police Station. He categorically stated that Zolba was a mere Chowkidar and not a Head Chowkidar.

The further question which will arise is that if the letter was actually sent to the Police Station how it remained in the possession of Zolba Chowkidar. It has not been summoned from the Police Station. Nor is there any explanation as to how Zolba Chowkidar is producing it. The learned counsel for the workmen contends that the Station Officer, Police Station, had received a phone call in the interval from the Manager and had asked Zolba to keep the letter himself. But even Zolba does not say that he was asked by the Station Officer to keep the letter himself or that there was a phone call from the Manager after the letter had been handed over to Zolba for the police station. On the contrary, the

Zolba then says that Sri Kanti Lal Agent of the Colliery described him as Head Chowkidar and asked him to keep an eye on 5,32,500 bricks of the company kept in the premises of the colliery so that nobody might remove those bricks.

It is however not specified in any of the documents filed by the workmen as to what work Zolba was doing as a Head Chowkidar. Sri Mokddam specifically denies that Zolba worked as a Head Chowkidar. Zolba himself says that he used to distribute the work and duties to the chowkidars at 4 p.m., at 12 in the night and again at 8 in the morning next day. He also says that he worked for all the 24 hours while the other chowkidars worked for only 8 hours. This statement is against what we find in the register of persons employed above ground kept in Form E. Ex. E/40 is the register containing entries for the period 19th July 1957 to 26th July 1957. Ex. E/41 is such a register containing entries for 20th October 1957 to 26th October 1957. Ex. E/42 is a similar register for the period 5th July 1959 to 11th July 1959. Ex. E/43 is the register for the period 5th July 1959 to 19th December 1959. Ex. E/44 is a similar register containing entries from 10th April 1960 to 16th April 1960, Ex. E/45 contains similar entries from 25th June 1961 to 1st July 1961. Ex. E/46 is a register containing entries from 22nd October 1961 to 28th October 1961, Ex. E/46 is a register containing entries from 17th December 1961, Ex. E/47 is again a similar register containing entries from 17th December 1961, Ex. E/47 is again a similar register containing entries from 17th December 1961 to 23rd December 1961. Ex. E/48 is a register containing a similar entries from 4th March 1962 to 10th March 1962. Ex. E/49 is the register containing entries from 15th April 1962 to 21st April 1962. In all of them Zolba Madho is entered as a Chowkidar doing only one shift of eight hours duty in a day. of eight hours duty in a day.

These are, as pointed out by the management, only the specimen of the registers containing entries to the effect that he worked like other chowkidars only is one shift and not for 24 hours as alleged by him. Nor is it likely that he would be entrusted with the work of allotment of duties when he could not write. He admits that the duties of the chowkidars were allotted for one week at a time, that he did not write any where and that the Babu wrote them. Zolba also admits that he could not write. Sri Bajaj, Assistant Manager, says that this work was looked after by one of the Assit. Managers. There is no reason to disbelieve his sworn testimony on this point.

Zolba then says that on Fridays he used to go with the cashier as bodyguard and on Saturdays he used to make arrangements when money was being distributed. He further says that when there was any jhagra and anban he used to go and make arrangements. He used to try to persuade them and then hand over to the police. As regards this, the Assit, Manager Sri Bajaj says that any of the chowkidars on duty could be asked to go with the Cashier to bank. This is what is meant by the Treasury bank. Nor is it likely that when Zolba was given a duty to work in only one shift which varied some times from 4 p.m. to 12 at night and sometimes from 12 to 8 a.m. he would always be given the duty to go with the cashier to the bank or to make arrangements whe nthere was any jhagra or anban in the defai. Nor is it likely that he was given any special dress with a turban while the other chowkidars used to get a cap instead of turban. I do not see any reason to disbelieve Sri Bajaj when he says that it was for the chowkidars whether they would take a turban or cap as head dress. For instance, a sikh if he is appointed a chowkidar would select a turban as his head dress. In Ex. E/1 to E/6 which relate to various months of 1957, 1958, 1959, 1960, 1961 and 1965 Zolba has been shown only as File Chowkidar and not as Head Chowkidar. In the Donus register again for the years 1961, 1962, 1963, 1964 and 1966 he has been shown as File Chowkidars. It is also in evidence and admitted by Zolba himself that there were 15 persons senior to him at the time of his recruitment and that they continued ever since 1945. There is then no reason why Zolba should be chosen specially for the post of Head Chowkidar even if there had been one. Zolba then says that on Fridays he used to go with the cashier as bodyguard

It appears from all this documentary and oral evidence that there was no special work of a Head Chowkidar which Zolba was doing. His statement is against the documentary evidence and also the probabilities of the case. He is a

highly interested witness himself and I am not prepared to believe him on the point that there were any particular duties which he was performing in the capacity of a Head Chowkidar. On the contrary, I see no reason to disbelieve a Bajaj, the Assistant Manager, on the point that there was no post of a Head Chowkidar and no special duties of the kind were allotted to any particular chowkidar. Sri Mulley and Sri Mokadam Managers also signed in the course business the documents like registers in which he has been shown as a Fi Chowkidar or Chowkidar working in eight hours shift.

Since there was no post of a Head Chowkidar there was naturally no wor allotted to a Head Chowkidar. There is no documentary evidence to show that any work other than that of Chowkidar was ever allotted to Zolba. As mentioned above, he always worked in one of the three shifts of eight hours each and no in all the 24 hours. Nor is there any documentary evidence to show that he ever made arrangements in the office at the time of the distribution of money or when there was any jhagra or anban.

Again, there is a good deal of discrepancy in the statements of the witnesses and various documents relied upon by the workman regarding the period when he started working as Head Chowkidar. Zolba himself stated that he was given the chance for working as a Head Chowkidar over the chowkidars after only one year or after a year and a half after joining service. Since he says that he started working as Chowkidar in 1944 this would mean that he started working as Head Chowkidar in 1945 and continued to work as such upto last year. This is according to his statement in the witness box. By producing a certificate alleged to be from Sri Mulley (in fact not proved) Zolba attempted to show that he has been working as Head Chowkidar since 1945. The learned counsel for the employer contends that Zolba's own letter dated 10th June 1969 says that the applicant joined the colliery in 1944 when there was no practice of an appointment letter and had been working as Head Chowkidar since 1952 and that there is a world of difference between 1942 and 1945. This document itself has, however, not been admitted or proved and it is not possible to place any reliance on this account. But in the complaint made to the Asstt. Labour Commissioner, Sri R. C. Pande, President of the Sangh (W.W.8) said that Zolba was made Head Chowkidar in 1958. This is 11 years after 1945. Order of reference itself says in the schedule—

"Whether Sri Zolba Madho an employee of the Hindustan Lalpeth Colliery, Post Office Chandrapur was working as Head Chowkidar in the Colliery since 1956? If so, to what relief is he entitled and from what date?"

It is thus evident that his case before the Central Government was that he started working as Head Chowkidar in 1955 and not in 1945. It is thus clear that he has been changing his case from time to time with regard to the year of the alleged commencement of his work as Head Chowkidar.

In these circumstances, it is not possible to believe him when he says that he was working as Head Chowkidar and that also from 1945. On the contrary, the statement of Sri Baiaj clearly says that he never worked as Head Chowkidar. So far as, Zolba's allegation regarding 1945 is concerned, it goes against his own case before the Central Government as shown by the Reference Order itself. It may be that because of the personality of Zolba who is tall and active and has an impressive personality, the people of the office often called him Head Chowkidar while he was never actually appointed as such and was never given any specific work of a Head Chowkidar, since there was admittedly 15 persons above him at the time when he alleges that he was made the Head Chowkidar. It is consequently not possible to say that he was working as a Head Chowkidar in the colliery since 1956. He is, therefore, not entitled to get the pay of a Head Chowkidar.

I find this issue against the workman.

Issue No. 2.—On 26th August, 1969 Zolba was charge-sheeted under clauses 19(1)(e) and (n) for having remained absent without permission with effect from 4th July 1969 and for disobedience of order dated 15th May 1969 and was 3sked to submit explanation within 48 hours from the above charge-sheet which was received by him on 29th August, 1969. Zolba Chowkidar had been absent from 16th May, 1969. He was dismissed under Cl. 19(n) for misconduct involving continuous or habitual absence without permission or absence without leave and without satisfactory cause for more than 10 days. Clause 19(1) provides if he is found guily of misconduct. His application for leave Ex. E/13)

provides that a workman may be suspended or fined or even be demoted or dis provides that a workman may be suspended of fined or even be demoted or dismissed if he is found guilty of misconduct. His application for leave (Ex. E/13) is dated 17th June 1869 and was for the period 17th June 1869 to 3rd July 1869. It was granted. Ex. E/14 is a letter of the Manager dated 7th August, 1869 that even after the expiry of leave on 3rd July 1869 Zolba had been absent without comming the Manager and had consequently lost his lies on the light even after the expiry of leave on 3rd July 1969 Zolba had been absent without morming the Manager and had consequently lost his lien on the job under Standing Orders 10(f). Zolba was further informed that he was given one more chance to report on duty immediately, failing which his services will be dispensed with as per Standing Orders. He did not report for work. Ex. E/26 is the charge-sheet dated 26th August, 1969. The charge-sheet mentioned his absence without permission and disobedience of the orders given from time to time. It amounts to misconduct within the meaning of Standing Orders 19(1)(c) and (n). Ex. E/27 is his application dated 30th August 1969 saying that he had gone to sin the duties, but Chatterji had told him that he had an abscess in his led and ioin the duties, but Chatterji nad told him that he had an abscess in his led and should first have it treated and then come for duty. The manager thereupon asked Sri Chatterji by his order dated 30th August 1970 whether it was correct. Sri Chatterji made an endorsement on the same application that Zolba had never sixed Sri Chatterji by his order dated 30th August 1970 whether it was correct. Sri Chatterji made an endorsement on the same application that Zolba had never met him in the office on 9th August but had met him at his bungalow on 14th August saying that he wanted to join his duty with effect from 15th August. Sri Chatterji, says in his endorsement that, he definitely declined to take him on job on 15th August and asked him to come on duty on 16th August and to report as chowkidar. The endorsement further says that Zolba never met him afterwards. Ex. E/15 is than another letter by the Manager dated 1st September, 1969 saying und his explanation dated 30th August 1960 was not satisfactory and that he had lost his lien under Standing Orders 10(f) for that he had been absenting himeslif from duty from 3rd July 1969 without obtaining permission from him. It said in the remarks of the might examine his witnesses, if any, and cross-examine Company's witnesses and bring forth any other witnesses in defence as desired. The explanation was to be submitted by Zolba on 6th August, 1969. Ex. E/31A purports to be a medical certificate from Sri G. B. Dave saying that Zolba was suffering from Dysentery and had a wound in his right leg and that he would take two weeks more to be fit for his normal duties. Ex. E/28 would show that the date fixed for enquiry was 6th September 1969 and on that date he absented himself from enquiry. Another date for enquiry was given by Ex. E/29. It was to be on 19th September 1969. Ex. E/30 is the letter of the Manager dated 13th September 1969, had as the earlier notice for enquiry on 19th September 1969 was returned he was further directed to attend the enquiry on the same date i.e. 19th September 1969. Ex. E/32 is another application of Zolba dated 17th September 1969 in which he applies for leave till 30th September 1969 on medical grounds Ex. E/23 is another order of the Manager that the medical certificate submitted by him was not acceptable. It should, under the Standing Orders of the Colli the Medical Officer, since Zolba was living within a radius of two mile of the the Medical Officer, since Zolba was living within a radius of two mile of the hospital. The date of enquiry was, however, extended to 1st October, 1969. Ex. E/24 dated 1st October 1969 contains the proceedings of the enquiry held by Sri B. R. Bajaj saying that the accused Zolba Madho did not attend the enquiry upto 10-30 a.m. on 1st October 1969, Ex. E/25 is an application of Zolba Madho asking for a Hindi translation of the letter dated 24th September 1969 as he could not read English. Ex. E/22 is a letter of the Manager dated 11th October, 1969 that flindi translation of the letter dated 24th September 1969 was being sent to him and that he was being given the last opportunity to attend the enquiry on 16th October 1969. Ex. E/22A is the Hindi translation it self. Ex. E/37 is a letter of Zolba that the Hindi translation does not bear the signatures of the Manager and that a translation bearing Manager's signature should be sent to him. These that a translation bearing Manager's signature should be sent to him. These letters of Zolba Chowkidar clearly show that he was deliberately avoiding appearance before the Enquiry Officer and was putting forward filmsy excuses even after a Hindi translation of the original letter in English was sent to him. The management on the other hand, had given him a long rope and had been adjourning the enquiry from time to time at his request. So, the Enquiry Officer cannot be blamed if he ultimately proceeded on 21st October 1969 ex parte against Zolba Madho when he did not turn up even on 21st October 1969. The witnesses of the management were examined. Ex. E/16 is the enquiry report recommending his dismissal and finding him guilty of misconduct. The Medical Certificate of Sri Dave was rightly not accepted by the management because Zolba Madho was living within two miles of the colliery hospital and, under the provisions of the Salading Orders, he should have filed a certificate of the medical officer of the colliery. The statements of Sri Begalwar, Komerraya, R. G. Vyas and that of the Safety Officer clearly show that he was absent for more than 10 days after the tapiry of his leave without permission and that his leave applications after he had been charge-sheeted were merely attempts to avoid appearance before the Enquiry Officer. The enquiry doest no suffer from any defect and the report of the Enquiry Officer cannot be said to be unjust or unfair. management on the other hand, had given him a long rope and had been adjournthe Enquiry Officer cannot be said to be unjust or unfair.

It has been contended on behalf of Zolba that para 1 of the written statement and Ex. W/4 charge-sheet show that the management was pre-determined to penalise him. It was further contended that Ex. W/1 to W/7 also show such predetermination. This contention is without force. The mere fact that the management first wanted him to answer the charges or that a charge-sheet dealing with charges on which the enquiry was to be made does not show that the management was pre-determined to penalise him. Nor is there anything in the enquiry report to show a predetermination of the Enquiry Officer to penalise Zolba. On the contrary, the workman had been given adjournments after adjournments for appearance before the Enquiry Officer and even then the workman failed to appear. The Enquiry Officer cannot, therefore, be blamed for ex parte proceedings. There was no reason whatsoever for Zolba not to attend the enquiry of 12st October 1969, when the Enquiry Officer had to proceed ex parte against him.

On a consideration of the entire evidence, I find that the dismissal of Zolba was not unjustified. He was rightly dismissed with effect from 18th November, 1969. I find this issue against Zolba Madho, the workman.

ORDER

In view of my findings on Issues No. 1 and 2, Zolba Madho is not entitled to any relief. Award is made accordingly. Let it be sent to the Central Government.

(Sd.) M. CHANDRA, Presiding Officer. 25-1-1971.

[No. 3/3/70-LRII.]

New Delhi, the 7th April 1971

S.O. 1601.—Whereas an industrial dispute between the management of Western Kajora Collieries (Private) Limited, Post Office Raniganj, District Burdwan and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC). G.T. Road, Asansol:

And whereas the said employers and the workmen by written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration of the person specified therein, and a copy of the said agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement.

AGREEMENT

Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947.

BETWEEN /

NAME OF THE PARTIES:

Representing the employers.—Shri N. C. Banerjee, Manager, Western Kajora Colliery, P.O. Raniganj (Burdwan).

Representing the workmen.—Shri Sunil Sen, Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, Asansol.

It is agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri O. Venkatachalam, Chief Labour Commissioner (C), New Delhi:—

(i) Specific matters in disputes:

"Keeping in view the recommendations of the Central Wage Board for the Coel Mining Industry as accepted by the Government of India in their Resolution No. WB-16(5)/66, dated 21st July, 1967 as well as the financial position of Western Kajora Colliery of M/s. Western Kajora Collieries (P) Ltd., P.O. Raniganj, District Burdwan (West

Bengal) what should be the rate of D.A. payable to the workmen employed at Western Kajora Colliery with effect from 1st April, 1970 and 1st October, 1970?"

- (ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved.—Employers in relation to Western Kajora Colliery of M/s. Western Kajora Collieries (P) Ltd., P.O. Raniganj, District Burdwan.
- (iii) Name of the union if any, representing the workmen to question.— Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, P.O. Asansol, District
- (iv) Total number of workmen employed in the undertaking affected ._ 400.
- (v) Estimated number of workmen affected or likely tobe affected by the

We further agree that the decision of the Arbitrator shall be binding on us.

The Arbitrator shall make his award within a period of one hundred thirty days or within such further time as is entered by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to Arbitrator shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Representing the employers:

Signature of the parties:

Representing the workmen:

Sd/- N. C. BANERIEE, 17-3-71.

Sd/- SUNIL SEN, 17-3-71.

Witnesses:

I. Sd/- Illegible, 17-3-71

2. Sd/- Illegible, 17-3-71

Dated, the 17th March, 1971.

[Nc. L/1913 5/71-LRII]

(अन भीर रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल 1971

का॰ ग्रा॰ 1601-यतः पश्चिमी कजोरा कोलियरीज (प्रा॰) लि॰, डाकघर रानी-गंज, जिला बर्दबान के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों भीर उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व कोलियरी मजदूर सभा (एटक) जी० टी० ग्रासनसोल करती है, एक ग्रौद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

योर यतः उक्त नियोजकों भौर कर्मकारों ने भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) ती धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उकत माध्यस्यम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

प्रतः, सब, स्रोद्योगिक विवाद सधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क ही उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्यम् करार को, एतद्द्वारा प्रकाशित करती है।

(करार)

ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10-क के ग्रधीन

बीच

पक्षकारों का नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने बाले : श्री एन० सी० बनर्जी, प्रबन्धक, वैस्टेन कजोरा कोलि-यरी, डाकचर, रानीगंज (बर्दवान)

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले . श्री सुनील सेन, संगठन सचिव, कोलियरी मजदूर सभा (एटक), जी० टी० रोड, श्रासनसोल ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित श्रीश्रीमिक विवाद को श्री श्रो० वेंकटाचलम, मुख्य श्रामायकत (केन्द्रीय) नई दिल्ली के मध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

1. बिनिदिस्ट विवाद ग्रस्त विवय :

कोयला खनन उद्योग संबंधी केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों को, जिस रूप में कि भारत सरकार ने अपने संकल्प संख्या डब्ल्यू० बी० 16(5)/66, दिनांक 21 जुलाई, 1967 में उन्हें स्वीकार किया है तथा मैससं वेस्टनं कजोरा कोलियरीज (प्रा०) लि० की वेस्टनं कजोरा कोलियरीज, डाकघर रानीगंज, जिला बदंबान (पिश्चम बंगाल) की वित्तीय स्थिति की दृष्टि में रखते हुए वेस्टनं कजोरा कोलियरी में नियोजित श्रमिकों को देय महंगाई भत्ते की दर 1-4-1970 से और 1-10-1970 से क्या होनी चाहिए?

- विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतैवलित स्थापन या उप-कम का नाम और पता भी सम्मि-लित है।
- मैसर्स वैस्टेंन कजोरा कोलियरीज (प्रा०) लि० की वेस्टनं कजोरा कोलियरी, डाकघर, रानीगंज, जिला बर्दबान से सम्बद्ध नियोजक ।
- यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों
 का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम ।
- कोलियारी मजदूर सभा (एटक) जी० टी० रोड, डाकघर, ग्रासनसोल, जिला बदेवान ।
- प्रभावित उपक्रम में नियोजित कमें- 400 कारों की कुल संख्या
- 5. विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भा- 400 व्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर ग्राबद्ध कर होगा।

मध्यस्य अपना पंचाट एक सौ तीस दिन की कालाबधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा । यदि पूर्व वर्णित कालाबधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निदेश स्वतः रद्द हो जायगा श्रौर हम नए माध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे ।

तियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले साक्षी

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

1. Eo----

हस्ताक्षर,

2. 80---

तारीख, 17 मार्च, 1971

[सं० एल०-1913(5)/71-एल० ग्रार०-2]

S.O. 1602.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudem (Andhra Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st April, 1971.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD PRESENT:

Sri T. Chandrasekhara Reddy, B.A., B.L., Chairman, Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.

INDUSTRIAL DISPUTE No. 30 OF 1969

BETWEEN !

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, P.O. Kothagudem Collieries.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem Collieries.

APPEARANCES:

- Sri M. Komaraiah, General Secretary, Singareni Collieries Workers' Union, for Workmen.
- Sri M. V. Ramakrishna Rao, Asst. Personnel Officer, Singareni Collieries Co. Ltd., for Management.

AWARD

The Government of India by its Order dated 16th September, 1969 issued by its Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) referred the following industrial dispute between the Employers in relation to Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem and their Workmen to my predecessor Sri Mohammad Najmuddin for adjudication. Subsequent to his retirement, the dispute was referred to me for adjudication. The issue referred is as follows:—

"Whether the change introduced by the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem from first December, 1967 and onwards requiring the fillers to fill more quantity of coal than what they were filling previously to qualify themselves to earn incentive bonus is justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?

The Workmen filed the claims statement through Mr. Komaraiah, the General Seretary, Singareni Collieries Workers' Union, it is alleged therein that the Management of Singareni Collieries illegally increased the work-load fixed for the Dirpose of incentive bonus to the filler and thus they were deprived of the incentive bonus after the implementation of the Wage Board recommendations. According to the workmen, the workload fixed by the Management in accordance with the Industrial Engineering Department studies and which was in force till January, 1968 Was:

36 cft tubs	4 musters	8.5 tubs
36 cft tubs	5 musters	10.5 tubs
36 cft tubs	6 musters	12.5 tubs
45 cft tubs	4 musters	7 tubs
45 cft tubs	5 musters	8.5 tubs
45 cft tubs	6 musters	10 tubs

While so the Management illegally changed the workload arbitrarily without even issuing notice under Section 9A of the Industrial Disputes Act of 1947. So the action of the Management was illegal and contrary to the rules and it amounted to violation of Section 9A of the I.D. Act of 1947. So they prayed that the Tribunal should direct the Management to pay the incentive bonus on the basis of the workload fixed prior to the implementation of the Wage Board recommendations with retrospective effect from the date of its increase.

- 3. The Management filed a counter denying that they had increased the workload to the fillers, that any changes in service conditions were effected and alleging that one of the important conditions of the incentive schemes implemented by the Company was that they were subject to modifications at the time of general wage revisions by virtue of Awards or the recommendations of the Central Wage Board, and that the quantum of incentive received by the employees was not less than what they would have got before the alleged modifications. The Management further denied the allegation that they had violated the provisions of Section 9A and contended that no notice under Section 9A of the I.D. Act was necessary as no changes of conditions of service were effected, that by way of abundant precaution, the Management had issued a circular dated 14th September, 1967 intending the changes to be introduced in payment of incentive bonus and that the Singareni Collieries Workers' Union had not raised any dispute when they issued the above mentioned circular. According to the Management, the scheme of incentive introduced in 1956 for fillers was based on low performance index, that the pay point in those days started with 7 tonnes for 4 musters, that during the past 14 years there was a general improvement in the productivity of fillers to the extent of 26.7 per cent i.c. 1.5 tonnes per manshift to 1.9 tonnes per manshift and in some mines the output per manshift of fillers was 2 tonnes and above it. Continuous efforts were being made to improve the performance of fillers and as the fillers were on piece-rates, they derived 100 per cent benefit out of the increase in their productivity and were earning higher incentives because of increase in productivity. So it was felt that it would be an anachronism to continue to reward any worker for low performance of 7 tonnes for 4 musters and to ensure that they did not slip back to their old standards, the incentives were being continued. Further the over-all increase in the piece-rates
- 4. The matter was posted for enquiry for today and the parties filed a joint memo alleging that the parties had amicably settled the matter and requesting the Tribunal to pass an award in terms of the above settlement. According to the terms of settlement, the parties have agreed to fix the pay point incentive bonus for fillers as indicated hereunder:

N	o. of Mi	esters		As modified from 1st Dec. 1967	As now agreed to
	4			8 tonnes 9 tonnes	71 tonnes 81 tonnes
	6			101 tonnes	101 tonnes.

They have also agreed that the revised scheme should take effect from 1st January, 1971.

5. This settlement has been signed by Sarvasri N. Bhaskarachary, M. V. Ramakrishna Rao on behalf of the Management and Sri M. Komarish on behalf of the Workmen. Sarvasri V. Gopala Sastry and P. Venkateswar Rao have attested the above settlement. It is clear from a persual of the terms of the above settlement that from 1st December, 1967, 4 musters were given for 8 tonnes, 5 musters were given for 9 tonnes, 6 musters were given for 10½ tonnes. But now it is agreed that 4 musters should be given for 7½ tonnes, 5 musters should be given for 8½ tonnes and 6 musters should be given for 10½ tonnes. Further the settlement is agreed to come into operation from 1st January, 1971. In the above circumstances, I am of the opinion that the present settlement is just fair and equitable. In the above circumstance, an Award is passed in terms of the settlement. A copy of the memorandum of settlement is ordered to be enclosed herewith.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of the Tribunal, this the 16th day of March, 1971.

T. CHANDRASEKHAR, REDDY, Industrial Tribunal.

REFORE THE HON'BLE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) HYDERABAD

I.D. No. 30 of 1969

BETWEEN:

The Workmen of the Singareni Collieries Co. Ltd., represented by the Singareni Collieries Workers' Union, Kothagudium Collieries......
Workmen.

AND

The Management of the Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudium Collieries.... Employers.

The Parties above named beg to state that the above reference has been amicably settled between the parties on the terms appended. It is, therefore, humbly prayed that the above reference may kindly be disposed of and an Award passed in terms of the above settlement.

2. And for this, your petitioners, as in duty bound, shall ever pray.

FOR WORKMEN:

FOR EMPLOYERS

Sd/ .-

M. KOMARIAH,
General Secretary,
Singareni Collieries Workers,
Union.
No. P. 7,2817/483

Dated: 13th March, 1971. Kothagudium Collieries. Sd/-.

N. BHASKARACHARY, Chief Personnel Officer, Singareni Collieries Co. Ltd.,

(Sd.) T. CHANDRASEKKARA REDDY. Industrial Tribunal.

Memorandum of Settlement Arrived at between the Management of the Singareni Collieries Co. Ltd., and their workmen represented by the Singareni Collieries Workers' Union in I.D. No. 30 of 1969 on 13th March, 1971 in the Office of the General Manager, Singareni Co. Ltd., Kothagudium Colleries.

PARTIES PRESENT

Representing the Management:

- I. SRI N. BHASKARACHARY, Chief Personnel Officer.
- SRI M. V. RAMAKRISHNA RAO, Asstt, Personnel Officer.

Representing the Workmen! (The S.C.W. Union)

 Sri M. Komaraiah, General Secretary.

Short Recital of the Case

The Singareni Collieries Workers' Union through their letter No. GS/GEN/404/68 dated 24th May, 1968 raised a dispute regarding modification in the scheme of payment of incentive bonus to fillers at the collieries. Conciliation proceedings were held by the Asst. Labour Commissioner (C), Hyderabad in November, 1968 which ended in failure. On submission of the failure report by the Asst. Labour Commissioner (C), the Government of India by their Notification No. 1/55/68-LR.II dated 17th September, 1969 referred this dispute for adjudication to the Hon'ble Industrial Tribunal (C), Hyderabad. This I.D. was registered as I.D. No. 30 of 1868 by the Hon'ble Industrial Tribunal (C), Hyderabad. As a result of mutual discussions between the parties it was decided to settle this dispute out of Court on the following terms and conditions.

Terms of Settlement

(1) In view of the implementation of the Wage Board's Recommendations, the Management effected a slight upward shift in the pay point of incentive bonus for fillers as indicated hereunder:—

No.	No. of Musters		Previous Rate	Rate as revised from 1st Dec 1967		
4 5 6			7 Tonnes 8½ tonnes 10 tonnes (10½ in Belampalli group of mines)	8 Tonnes 9 tonnes rol tonnes		

After careful review of the number of workers effected by this modification, it was agreed between the parties to fix the pay point of incentive bonus for fillers as indicated hereunder:—

No. of Musters			As modified from 1st I	Dec. 67 As now agreed to:	
4			100	8 Tonnes	7 Tonnes
5	E WO	Sec. 100	100	9 do. 101 do.	8) do. 10) do.
6			10.00	101 do.	Iol do.

- (2) It is agreed that the revised scheme will take effect from 1st January, 1971.
- (3) It is agreed by both the parties to submit this Memorandum of Settlement before the Hon'ble Industrial Tribunal (c), Hyderabad and pray his Lordship to accept the same and pass an Award accordingly.

SIGNATURES OF PARTIES

Representing the Management

Representing the Workmen

I. Sd./-N. BHASKARACHARY, 1. Sd .-M. KOMARIAHA.

2. Sd/,-M.V. RAMAKRISHNA RAO,

Witnesses:

I. Sd/.-V. GOPALA SASTRY,

2. Sd/.-P. Venkateswara Rao,

Dated the 13th March, 1971 Kothagudium Collieries, (AP).

T. CHANDRASE KHARA REDDY. Industrial Tribunal. [No. 1/55/68-LEIL]

ORDERS

New Delhi, the 12th February 1971

S.O. 1603.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule bereto, appeared. hereto annexed:

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

"Whether the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan was justified in terminating the services of Sarvashri Angad Mahato, Mosgul Sha, Sk. Sattar, Ramnarayan Chowan, Gobardhan Das, Sisir Chatterjee, Sidhu Singh and Haradhan Singh, Cleaning Mazdoors from the 18th August, 1970, 18th August, 1970, 18th August, 1970, 18th August, 1970, 19th August, 1970, 18th August, 1970, 19th August, 1970 and 19th August, 1970 respectively? H not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

[No. 6/94/70-LRII.]

ग्रावेडा

नई दिल्ली, 12 फरवरी 1971

का० ग्रा० 1603-यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनि-दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स व्रिक्र कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकवर उखरा, जिला वर्दबान की बंकोला कोलियरी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है :

ग्रीर यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है :

ग्रत:, ग्रब, ग्रीशोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

"क्या मैसर्स बर्राक्र कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर उखरा, जिला बर्दबान की बंकोला कोलियरी के प्रबंधतंत्र का सर्वश्री धंगद महतो, मोसगुल, जा, शेख सत्तार, राम-नारायण चौवन, गोवर्धन दास, मिसिर चटर्जी, सिध सिंह और हरधन सिंह, क्लीनिंग मजदूरों की क्रमण: 18 ग्रगस्त, 1970, 18 ग्रगस्त, 1970, 18 ग्रगस्त, 1970, 19 घगस्त, 1970, 18 घगस्त, 1970, 19 घगस्त, 1970, 19 घगस्त, 1970 योर 19 ग्रगस्त 1970, समाप्त करनी न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोध के हक्षार हैं ?"

[सं० 6/94/70-एल० धार०-2]

S.O.1604.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in? relation to the management of Tisra Colliery of Messrs. Diamond Coal Company Private Limited, Post Office Zharia, District Dhanbad and their workemen in tespect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government considers it [desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Tisra Colliery of Messrs. Diamond Coal Company Private Limited, Post Office Zharia, District Dhanbad in stopping the following workmen from work with effect from the 22nd September, 1970 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

Serial No.	Name of th	e worl	kman			Nu			Designation
I. Prabhu			15.00					. (Coal Cutter
2. Sraban		TO STATE OF		166	NATIFE !			SCHOOL SECTION	Do.
	nar Dusadh .	100 (0.00)			100	13		100	Do.
4. Makhar	Ram Bilaspuri								Do.
5. Sohbat	Mia						ALC: N		Do.
6. Deocha	ran Bilaspuri.				100	SURLE		Parling.	Do.
7. Harilal	Bilaspuri	William.			2011/174	314			Do.
8. Ramkis	an Bulaspuri	4 115*11		50.00	The state of			61 SH	Do.
9. Sohanla	Yadav .			200		5 5	門之前		Do.
10. Dileram	Dilaspuri .	4	700	1	27 19 世	250		-	Do.
11. Pardeshi	Bliaspuri .	1			1				Do.
12. Sewak k	am Bilaspuri		10.50		OLIVANA.	14.00	133200	Stant.	Do.
	ar Bilaspuri .						33.00	1000	Do.
14. Ramdas			1000		STRAWN	1		ditte de	Do.
15. Binoy S					0 37		915709	THE N	Do.
16. Chintara	im	TO SERVICE	夷路崩	(alayer)	A STATE OF	ANN S	MESET !	23	Do.
17. Ghasia			11 1	17.00	410	1776			Do.
18. Sarjoo R					in the		•		Do.
19. Babucha	na Singn ,		1	15.0	1		100		Do.

[No. L/2012/15/71-LRII].

का० ग्रा० 1604—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स डायमन्ड कोल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, डाकघर झरिया, जिला धनवाद की तिसरा कोलियरी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है;

भ्रौर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है :

यत:, अब, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त श्रिधिनियम, की धारा 7—क के श्रिधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक अधिकरण (सं० 2) धनवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रन्सची

"क्या मैसमं डायमन्ड कोल कम्पनी पाइबेटड लिमिटेड डाकघर अरिया, जिला धनवाद की तिसरा कोलियरी के प्रबन्धतंत्र की निम्नलिखित कमंकारों को 22 सितम्बर, 1970 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कमंकार, किस अनुतोष के हकदार हैं":—

क्रम सं ०	कमैकार का नाम	पदनाम
1	प्रभृसिह	कोल कटर
2	थानन दुसाध	ययोपरि

-	0777	w	
1000000	ಾ	$_{E3}$	18-32
SEC.		χv	me.
OE C			

हम सं०	कर्मकार का नाम	पदनाम
3	रामधर दुसाध	यथोपरि
4	माखन राम विलासपुरी	यथोपरि
5	सोहबत मिया	यथोपरि
6	देवचरन बिलासपुरी	यथोपरि
7	हरिलाल विलासपुरी	यथोपरि
8	रामिकशन विलासपुरी	यथोपरि
9	सोहनलाल यादव	यथोपरि
10	दिलेराम विलासपूरी	यथोपरि
11	परदेशी विलासपुरी	वयोपरि
12	सेवक राम विलासपुरी	यथोपरि
13	रामेश्वर बिलासपुरी	यथोपरि
14	रामदास बिलासपुरी	यथोपरि
15	विनय सिंह	यथोपरि
16	चिन्ताराम	यथोपरि
17	घासिया	यथोपरि
18	सरज् राम	यथोपरि
19	बावूचन्द्र सिंह	यथोपरि

[सं० एल०/2012/15/71-एल० धार०-2]

S.O. 1605.—Whereas the Central Government is of opinion that industrial dispute exists between the employers in relation to the Singareni Collieries Compay Limited, Post Office Kothagudium Collieries (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri T. Chandrasekhara Reddy, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Singareni Collieries Company Limited (Mandamari Division) is justified in asking the timbermen of Kalyan Khani No. 2 and 5 Mines to carry drills from place to place in the underground; if not, to what relief are the workmen entitled?"

[No. 7/29/70-LRIL]

कां भां 1605.—यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद अनुसूची में विनि-विष्ट विषयों के बारे में सिंगारेनी कोलियरी कम्पनी लिमिटेड, डाकघर कोथागृडियम कोलियरीज (ग्रांध्र प्रदेश) से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक भौद्योगिक विवाद विद्यमान है;

ग्रीर यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निवशित करना विजनीय समझती है:

यतः, अब, श्रौद्योगिक विवाद सधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक श्रौद्योगिक श्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन श्रधिकारी श्री टी॰ चन्द्रशेखर रेड्डी होंगे, जिनका मुख्यालय अफजल लांज, तिलक रोड़, रामकोटे, हैदराबाद-1 होगा श्रौर उक्त विवाद को उक्त श्रौद्योगिक श्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

मनुसुची.

"क्या सिंगारेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, (मंडामारी डिबीजन) के प्रबन्धतंत्र का कल्याण खिन सं० 2 और 5 खनों के टिम्बरमैनों को भूमि के नीचे बरमों को एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाने के लिए कहना न्यायोचित है, यदि नहीं, तो कमंकार किस अनतोष के हकदार हैं।"

[सं० 7/29/70-एल०ग्रार०-2]

New Delhi, the 6th April 1971

S.O. 606.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act SCHEDULE

"Whether the action of the management of the State Bank of India, Kanpur in dismissing Shri Hira Lal Dixit, Ex-Teller, with effect from the 24th April, 1967 was justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. 23/30/70-LRIII]

U. MAHABALA RAO, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 6 अप्रैत, 1971

का० झा० 1606.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्देश विषयों के बारे में भारतीय स्टेट वैक-के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों श्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है;

ग्रौर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायिनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अनुसूची

"क्या भारतीय स्टेट बैंक, कानपुर के प्रबन्धतंत्र की श्री हीरालाल दीक्षित, भृतपूर्व गणक को 24 ग्रप्रैल, 1967 को पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित श्री ? यदि नहीं, तो वह किस श्रनुतोव का हकदार है ?"

[सं॰ 23/30/70-एल॰ ग्रार०-3] यु॰ महाबल राव, उप सचिव।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 6th April 1971

s.O. 1607.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 33C of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifies the Labour Court, Chandigarh constituted under section 7 of the said Act by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1163 dated the 27th February, 1971 as the Labour Court which shall determine the amount at which any benefit referred to in that sub-section shall be computed in terms of money, in relation to workmen employed in any industry in the Union Territory of Chandigarh to which the Central Government is the appropriate Government. Government.

[No. F.1/91/70-LR.I(ii).1

(अम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 6 अर्जन 1971

का॰ आ॰ 1607 -- ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33 ग की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की बारा 7 के अधीन भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का ० ग्रा० 1163, तारीख 27 फरवरी, 1971 द्वारा गठित श्रम न्या-यालय, चण्डीगढ़ को एतदद्वारा चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में, जिसके लिए केन्द्रीय सरकार सम्चित सरकार है, के किसी उद्योग में नियोजित कर्मकारों के संबंध में ऐसे श्रम न्यायालय के रूप में विनिदिष्ट करती है जो उस रकम को अवधारित करेगा जिस पर उस उपधारा में निर्दिष्ट किसी प्रसुविधा की धन के रूप में संगणना की जायगी।

सिं फ र 1/91/70-एल बार I (ii)]

ORDERS

New Delhi, the 24th February 1971

S.O. 1608.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Air India and their work-men in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the said dispute involves questions of national importance and the dispute is also of such a nature that industrial establishments of the Air India situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such

And, whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Tribunal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute to the National Tribunal constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3639, dated the 2nd Ministry of Labour and Employment) the 2nd November, 1970 for adjudication,

SCHEDULE

- "I. Whether the demand of the Indian Aircraft Technicians Association in respect of the following matters are justified? If so, to what relief are they entitled?
 - Pay scales and fitment.
 Dearness Allowance.
 Technical pay.
 Qualification Pay.

 - 5. Approval Allowance,
 - 6. Conveyance Allowance.
 - Hobart driving allowance.
 - 8. Flying Allowance.
 9. Shift Allowance.
 10. Meel Allowance.

11. Outstation Allowance.

12. House Rent.
13. Special Allowance for outstation duties.

15. Bad Enviornment Allowance, Insurance Coverage and Special Leave.
16. Working Hours.
17. Licence Fee.
18. Radio Transmission Allowance.
19. Washing Allowance.
20. Outstrip Allowance.

20. Outstation posting. 21. Children's education allowance.

22. Over Time Allowance.
23. Employees State Insurance and Group Medical Scheme.
24. Insurance Coverage for the aircraft technicians."

- II. Whether the demands of the management of Air India in respect of the following matters for increasing efficiency, productivity and discipline are justified? If so, what directions are required in these matters?
 - 1. Shift pattern and duty timings.
 - (i) Flexibility in regard to shift working, shift timing, duty hours, rest intervals and meal breaks.
 - (ii) Transfer of staff from one shift pattern to another.
 - (iii) Inter-sectional and inter-divisional transfers of employees.
 - (iv) Avoidance of wastage of time during working hours.
 - (v) Regulation of weekly working hours.
 - (vi) Termination of overtime duty.
- 2. Leave offs etc.

Procedure for granting or availing of various kinds of leave and avoidance of unauthorised absence and overstayal of leave.

- 3. Duties, Trade Demarcation etc.
 - (i) Duties and trade demarcations in respect of employees of the Engineering Department and performance of duties which are incidental to their main functions.
 - (ii) Introduction of surveillance inspection scheme in the workshops.
 - (iii) Supervision of work of foreman charge-hands and technicians by the Aircraft Maintenance Engineers.
 - (iv) Implementation of various productivity improvement techniques.
- 4. Miscellaneous.
 - (i) Adoption of proper grievance redressal procedures.
 - (ii) Display of Association's notices statements and holding of meetings during working hours etc.
 - (iii) Provision of staff uniforms and wearing of uniforms and identification badges.
 - (iv) Promotion procedures in respect of technicians and charge-hands.
- (v) Selection of cleaners for Trainee Technicians.

[No. L.11011/2/71/LRIII.]

नई दिल्ली, तारी ब 24 फरवरी, 1971

का॰ म : 1608 -- याः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उशायद मन्सूची में विनिदिष्ट विवयों के बारे में एवर इंडिया न सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोमिक विवाद विद्यमान है :

स्रीर यत: उक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न वन्तवेलित है सीर विवाद इस प्रकार का भी है कि एवर इंडिया के एक से बधिक राज्यों में स्थित श्रीबोधिक स्थापनों का ऐसे विवाद में चि लेना या प्रमावित होना संभाव्य है ;

भ्रोर यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त विवाद का न्यायनिर्णयन किसी राष्ट्रीय प्रक्रिकरण द्वारा किया जाना चाहिए ;

ग्रतः, ग्रव, ग्रीग्रोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उपधारा (1क) द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद भारत सरकार के श्रन, रोजगार श्रीर पुनर्वास मंत्रालय (श्रम ग्रीर रोजगार विभाग) की ग्रिधिसूचना मंठ काठ ग्राठ 3639, तारीख 2 नवम्बर, 1970 द्वारा गठित राष्ट्रीय ग्रिधिकरण को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रनुसूची

"I. नया दि इंडियन एयर कापट टैक्निसियन्स एसोसिएशन की निम्नलिखित विषयों के बारे मंगांगें न्यायोजित हैं ? यदि हां, तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?

- 1. वेतनमान ग्रीर उपयुक्तता
- 2. महंगाई भत्ता
- 3. तकनीकी वेतन
- 4. ग्रहंता वेतन
- 5. अनुमोदन भत्ता
- 6. सवारी भत्ता
- 7. हांबर्ट चालन भत्ता
- 8. उड़ान भत्ता
- 9. पारी भत्ता
- 10. भोजन भत्ता
- 11. वहि: स्थान भत्ता
- 12. मकान किराया
- 13. वहि: स्थान कार्य के लिए विशेष भरता
- 14. कष्ट भत्ता
- 15. बुरा वातावरण भत्ता, बीमा सुरक्षा और विशेष छट्टी
- 16. काम के घंटे
- 17. ग्रनुज्ञप्ति फीस
- 18. रेडियो संचरण भरता
- 19. घुलाई भरता
- 20. वहिः स्थान पद-स्थापन
- 21. बाल शिका भत्ता
- 22 ब्रातिकालिक भत्ता
- 23. कमंचारी राज्य बीमा ग्रीर ग्रुप चिकित्सा स्कीम
- 24. वायुयान तकनीकियों के लिए बीमा सुरक्षा
- II. क्या एयर इंडिया के प्रबन्धतंत की कुशलता, उत्पादकता धौर धनुसाशन में वृद्धि के लिए जिम्मिलिखित विषयों के बारे में मांगें न्यायोचित है ? यदि हां, तो इन विषयों पर क्या निदेश धरे- खित है ?

1. पारी पैटर्न भीर कार्य-समय:-

- (1) पारी कार्यकरण, पारी-समय, कार्य-समय, विश्वाम अन्तराल और भी के लिए अवकाश के संबन्ध में नम्यता।
- (2) कर्मचारी वृन्द का एक पारी पैर्टन दूसरी पारी पैटर्न में स्थानान्तरण।
- (3) कर्मचारियों का अन्तः अनुभागिय और अन्तः प्रभागीय स्थानान्तरण।
- (4) काम के घंटों के दौरान समय वर्वादी से बचना।
- (5) साप्ताहिक काम के घटों का विनियमन ।
- (6) ग्रतिकालिक कार्य का पर्यवसान ।

2. खट्टी, सबकास सावि:-

विभिन्न प्रकार की छुट्टीयों का मंजूर करना या उपयोग करना और अप्रधिकृत अनुपिर्यात तथा छुट्टी से अधिक ठहराव।

3. काक व्यवसाय का ग्रन्थंकन ग्रादि:--

- (1) इंजीनियरी विभाग के कर्मचारियों की बाबत काम ग्रीर व्यवसाय अभ्यंकन ग्रीर उन कामों का करना जो उनके मुख्य कित्यों के ग्रानुषंगिक हों।
- (2) कर्मणालाओं में नियरानी निरीक्षण स्कीम चाल करना।
- (3) फोरमैनों, चार्ज-हैंडों और तकनी कियों के कार्य का वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर द्वारा पर्यवेक्षण।
- (4) विभिन्न उत्पादकता सुधार तकनीकों का कार्यान्वयन।

4. प्रकीणं:-

- (1) उचित शिकायत प्रतितीष प्रक्रिया भ्रपनाना ।
- (2) काम के घंटों के दौरान एसोसिएशन की सूचनाओं, विवरणों का प्रदर्शन ग्रीर सभाओं का ग्रायोजन ग्रादि ।
- (3) कर्मचारी बृन्द की वर्दियों की व्यवस्था धीर वर्दियों तथा पहचान वैजों का पहनना ।
- (4) तकनीकियों और चार्ज-हैंशें की बाबत प्रोन्नित प्रकियाएं।
- (5) प्रशिक्षु तकनीकियों के लिए बलीन रों का चयन।

New Delhi, the 23rd March 1971

3(ii)]

s.0. 1609.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial oute exists between the employers in relation to the State Bank of India and workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

and whereas the Central Govrnment considers it desirable to refer the said and whereas the Cen

yow, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central ernment hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Governt Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the State Bank of India in terminat-the services of Shri P. C. Hazarika, Clerk at their Nowgong Branch with effect the 23rd October, 1968 was justified? If not, to what relief is he entitled?" [No. 23/140/70/LRIII.]

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1971

का० ग्रा० 1609.--यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस से उपाबद्ध ग्रनमुची में विनिर्दिष्ट विषयों बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों ख़ौर उन के कर्मकारों के बीच एक ख़ौद्यो-विवाद विद्यमान है ;

ग्रीर यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय

ग्रतः, ग्रब ग्रीद्योगिक विवाद ग्राधिनियम, 1947 (1947 का 14) के श्वारा 10 की उपधारा हे खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ए दिद्वारा उक्त विवाद उस्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक ग्रधिकरण कलकत्ता वायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है।

ग्रन्सची

"व्या भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र की श्री पी० सी० हजारिका को, जो उस की नारगांग हा में लिपिक हैं, 23 प्रवतुबर, 1968 से सेवाधों को समान्त करने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? नहीं तो वह किस अनतोष का हकदार है ?"

सिं 23/140/70/एल आर 3]

New Delhi, the 26th March 1971

0. 1616.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial we exists between the employers in relation to the Central Bank of India and workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed; id whereas the Central Government considers it desirable to refer the said te for adjudication;

low therefore in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central element hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Govern-Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Central Bank of India, Calcutta, sastering with effect from the 13th September, 1970 Shri Ram Kumar Dubey the post of Cash Peon of the Hatkhola Branch of the Bank to the Despatch on and the Cash Peon of the Hatkhola Branch of the Bank to the Despatch on and thereby depriving him of the Special Allowance, was justified? If not, that relief is he entitled?"

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1971

का॰ आ॰ 1610.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस से उपाबद्ध अनुसूची में विनिद्धि विषयों के बारे में सैन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उन के कमकारों बीच एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान हैं;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनी समझती है ;

ग्रतः, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उपधार (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद के उक्त ग्रिधिनियम की धीरा 7-क के ग्रिधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीद्योगिक ग्रीधिकरण कलकत को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है।

ग्रन्सुची

"क्या सैन्द्रल बैंक आफ इन्डिया, कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र की श्री रामकुमार दूवें को 13 सितम्बर 1970 से बैंक की हतखोला शाखा के नकदी चपरासी के पद से प्रेषण अनुभाग में स्थानान्तरित कल और एतद्द्वारा उसे विशेष भत्ते से वंचित करना न्यायोचित था? यदि नहीं तो वह किस अनुतोष क हकदार है?"

[सं॰ 23/145/70/एल॰ धार॰ ३

New Delhi, the 13th April 1971

8.0. 1611.—Whereas an industrial dispute exists between the employers relation to the Central Bank of India, Kanpur and their workmen represented U.P. Bank Employees Union, Kanpur;

And, whereas the said employers and workneen have, under sub-section (1) section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer dispute to arbitration by arbitration agreement and have forwarded to the Cent Government under sub-section (3) of section 10A of the said Act a copy of said arbitration agreement;

N.w. therefore, in pursuance of sub-rection (.) of section 10A of the said A the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement wh was received by it on the 2nd April, 1971.

AGREEMENT

AGREEMENT UNDER SECTION 10-A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES
ACT, 1947.

NAME OF PARTIES;

Representing employers.—Shri N. D. Nathani, Chif Agent, Central Bank India, Karachi Khana, Kanpur.

Representing workmen.—Shri P. B. Gupta, Dy. General Secretary, U.P. I Employees Union, Central Office, 23/74, Pathapur, Kanpur.

It is hereby agreed that the parties to refer the following Industrial Disputs the Arbitration of Shri V. P. Gupta, Regional Labour Commissioner (Cents Kanpur.

(ii) Specific matter in dispute

"Whether the termination of service of Shri Baij Nath Savita Tempol Clerk-cum-Typist, Nayagang Branch, Kanpur of the Central Ban India by the management is justified? If not, to what relief h

(ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved.—Chief Agent, Central Bank of India. Karachi Khana, Kanpur.

(iii) Name of the union if any, representing the workmen in question.—U.I'. Bank Employees Union, Central Office, 23/74, Patkapur Kanpur.

(iv) Total Number of workmen employed in the undertaking affected,—about 125.

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute.-1.

We further agree that the decision of the Arbitrator shall be binding on us.

The arbitrator shall make his award within the period of two months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Representing employer.—Sd./- N. D. Nathani, Chief Agent, Central Bank of India, Kanpur.

Representing workmen.—Sd/- P. B. Gupta, Deputy General Secretary, U. P. Bank Employees Union (Central Office) 23/74, Patkapur, Kanpur.

Witnesses:-

1. Sd/- Illegible 23/11/70

2. Sd/- Illegible 23/11/70.

[No. 23/138/70-LRIII.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मने 1, 1971

का बाव 1611.—यतः सेंट्रल बैंक आफ इन्डिया के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच जिनका प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश बैंक कर्मचारी संघ करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है:

श्रीर यत: उन्त नियोजक श्रीर कर्मकार, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) ही धारा 10 क ही उपधारा (1) के श्रधीन माध्यस्थम् करार द्वारा विवाद माध्यस्थम् हो निर्देशित करने के लिए सहमत हो गए हैं श्रीर उन्त श्रधिनियम ही धारा 10 क ही उपधारा (3) के श्रीन उन्होंने केन्द्रीय सरकार की उन्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति भेज दी है।

ग्रतः, ग्रव उक्त ग्राधिनियम की धारा 10 क की उपधारा (3) के धनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा उक्त माध्यस्थम करार को प्रकाशित करती है।

करार

प्रहप "ग"

घोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के घघीन करार

पनकारों के ना

निशोतकों का प्रतिनिधित्य करने वाले

श्री एन० डी० नवानी, मुख्य घभिकर्ता, सैंट्रल वैक घाफ इंडिया, कराची खाना, कानपुर

क्षंकारों का प्रतिनिविश्व करने वाले

श्री पी० बी० गुप्त, उप महासनिव, य० पी० बक एम्पलायच यूनियन, केन्द्रीय कार्यालय, 23/74पटकापर, कानपुर। पक्षकारों के बोच यह करार हुया है कि निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री वी० पी० गुप्त, प्रादेशिक श्रम आयक्त (केन्द्रीय), कानपुर के माध्यस्यम् के लिए एतद्द्वारा निर्देशित कर दिया जाय।

- (i) वि ने रिष्ट विश्व द्वार त वित्व दः "क्या सैंट्रल बक आफ इंडिया, नयागंज शाखा, कानपुर के अस्यायी लिपिक-एवं-टंकक श्री वैजनाथ सिवता को सेवा का पर्यवसान प्रबन्ध को द्वारा करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?"
- (ii) विवाद के प्रकारों का विवरण करन अन्तर्वित स्थापना या उपक्रम का नाम और पता भी सिन तित है:--मुख्य अभिकर्ता, सैंट्रन बैंक आफ इंडिया, कराची खाना कानपुर ।
- (iii) यदि को ई संव संबद्ध कमकार का प्रतिनिधित्व करता है तो उसका नाम यू॰ पी॰ वैक एम्पलाइज युनियन, केन्द्रीय कार्यालय, 23/74 पटकापुर, कानपुर ।
- (iv) प्रमादित उनका में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या :-125
- (vi) उन कर कारों की प्राक्किलित संख्या जो विवाद द्वारा प्रभावित हुए हैं या जिनका प्रभावित होना संभाव्य है :—

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्य का विनिश्चय हम पर ब्राबद्कर होगा।

मध्यस्य अपना पंचाट दो मास के भीतर या इतने और समय के भीतर देगा जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय । यदि ऊपर वर्णित अवधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्यन के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्यम् के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे ।

नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले

हस्ताक्षर (एन० डी० नयानी) मुख्य ग्रमिकर्ता, सैंट्रल बैंक ग्राफ इंडिया, कानपुर

पो०वीं गुप्त, उप महासचिव, यू० पी० बैंक एम्पलायीज वनियन, केन्द्रीय कार्यालय, 23/74, पटकापुर,

कानपुर ।

हस्ताक्षर

कमकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

साक्षी:-

2一天01-

[नं०एफ० 23/138/70/एल० घार०] एस० एस० सहस्रनामन, घनर सनित।

(Department of Labour and Employment) New Delhi, the 6th April 1971

S.O. 1612.—Whereas the State Government of Orissa, has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri K. Srinivasan, Secretary to the Government of Orissa, Labour, Employment and Housing Department, to represent that State on the Employees State Insurance Corporation in place of Shri Gananath Das;

Now, therefore in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further sendment in the notification of the Government of India in the Ministry of bour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) S.O. 2551, dated the 9th August, 1966, namely;

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Govern-ents under clause (d) of section 4)", for the entry against item 17, the following try shall be substituted, namely:—

"Shri K. Srinivasan, Secretary to the Government of Orissa, Labour, Employment and Housing Department, Bhubaneswar."

[No. F.3/2/69-HI(i).]

(अ । ग्रं.र रोजगार विभाग)

नई दिल्ली. 6 ग्रंप्रैल 1971

का॰ ग्रा॰ 1612-यत: उड़ीसा राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा ग्रधिनियम, 1948 1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के धनसरण में श्री के० श्रीनिवासन, सचिव, उड़ीसा सरकार, श्रम, रोजगार और ग्रावास विभाग, को श्री गणनाथ दास के स्थान पर कर्मचारी राज्य वीमा नगम में उस राजा का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिदिष्ट किया है ;

ग्रत: ग्रव, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के ग्रन-करण में केन्द्री। सरकार एतद्द्रारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० ग्रा० 2551, तारीख 9 ग्रगस्त्, 1966 में और ग्रामे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :---

वन्त ग्रधिसचना में "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के ग्रधीन नामनिदिष्ट)" श्रीपंक के नीचे मद 17 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रकिटि प्रतिस्थापित की नाएगी, ग्रयात :---

> "श्री के॰ श्रीनिवासन, सचिव, उडीसा सरकार, श्रम, रोजगार श्रीर धावास विभाग, भवनेश्वर।"

[सं फा 3/2/69-एच आईo-I]

8.0. 1613.—Whereas the State Government of Andhra Pradesh, has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri E. V. Ram Reddi, Special Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Home (Labour III) Department, to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri Anil De;

Now, therefore in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the iolowing further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2551, detect the Oth Appart 1966. No. S.O. 2551, dated the 9th August, 1966, namely;

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)", for the entry against item 8, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri E. V. Ram Reddi, Special Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Home (Labour III) Department, Hyderabad".

[No. F.3/2/69-HI(ii).]

का॰ घा॰ 1613 .-- त: आन्ध्र प्रदेश सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 1948 का 34) ही धारा 4 के जंड (घ) के अनुसरण में श्री ई० बी० राम रेड्डी, विलेख सचिव, मन्ध्र प्रदेश सरकार, गृह (श्रम 3) विभाग, को श्री ग्रनिल डे के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिविध्ट किया है ;

धतः, ग्रब, कर्मवारो राज्य बीवा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4के धनुसरण म केन्द्राय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2551, तारीख 9 धगस्त, 1966 के और आगे निम्निजिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त ग्रधिसूचना में "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के ग्रधीन नामनिर्दित्ट)" श्रीर्षक के नीचे मद 8 के प्राप्तने का प्रविद्धि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविद्धि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात्:--

"श्री ई० बी० राम रेड्डी, विशेष सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार, गृह (श्रम 3) विभाग, हैदरासदा,'

[फा॰ सं॰ 3/2/69 एव आई॰-II]

New Delhi, the 7th April 1971

S. O. 1614.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees, State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 4732, dated the 14th November, 1969, the Central Government hereby exempts, for a further period of one year with effect from the date of expiry of the period specified in the said notification up to and inclusive of the 30th September, 1971 from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter V-A of the said Act, every factory—

(a) which is engaged:-

- exclusively in one or more of the manufacturing processes specified in column 1 of the Table annexed hereto or any other manufacturing process which is incidental to or connected with any of the aforesaid processes, and
- (ii) partly in one or more of the manufacturing processes aforesaid and partly in one or more of the manufacturing processes specified in the definition of seasonal factory in clause (12) of section 2 of the sid Act, and
- (b) which is situated in any area specified in the corresponding entry in column 2 of the said Table subject to the condition, if any specified in the corresponding entry in column 3 of the said Table.

TABLE

No	me of the	m nufacturing process	Area where situated	Conditions
		1	The through F.2. Shaper	3
z. 3.	leaf tobacco. Rice Milling	nmanufactured	Whole of India except the State of Jammu and Kash- mir. Whose of India except the State of Jammu and Kash- mir. Whole of India except the State of Jammu and Kash-	
4.5.	Salt Manufac Oil Mills		mir. Do, Do,	Provided that the process of oil milling is subsidiary to any other manufacturing process which is seasonal and so long as the number of employees engaged in oil milling is less than fifty.

Person 3

le manufacture

The States of Andhra Pradesh,
Bihar, Haryana, Madhya
Pradesh, Punjab, Rajasthan
and Uttar Pradesh and the
Union Territories of Delhi,
Himachal Pradesh and
Chandigarh.

[No. F. 601(64)/70-HI]

DALJIT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 ग्रप्रैल, 1971

का: का: 1614 - उकमं नारी राज्य बीमा घिधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73न द्वारा प्रदत्त शिन्तयों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम, रोजनार और पुनर्नास मंत्रालय (श्रम और रोजनार विभाग) की घिधसूचना संख्या का श्रा० 4732 तारीख 14 नवम्बर, 1969 के कम में केन्द्रीय सरकार प्रत्येक ऐसे कारखाने को :--

- (क) जो:--
- (1) इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ । में विनिर्दिष्ट या अधिक विनिर्माण प्रक्रियाओं में या किसी अन्य ऐसी विनिर्माण प्रक्रिया में, जो पूर्वोक प्रक्रियाओं में स किसं की आनुषंगिक हो या उससे सम्बद्ध हो, अनन्यतः, और
- (॥) भागतः पूर्वोक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं में से एक या ग्रधिक में और भागतः उक्त ग्रधिकियम की घारा 2 के खण्ड (12) में मौसमी कारखाने की परिभाषा में विनिर्दिष्ट विनिर्माण प्रक्रियाओं में से एक या ग्रधिक में लगा हुआ हो, और
- (ख) जो उक्त सारणी के स्तम्भ 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिदिष्ट किसी क्षेत्र में स्थित हो, उक्त सारणी के स्तम्भ 3 में तस्थानी प्रविष्टि में विनिदिष्ट धर्त के यदि कोई हो, धर्धीन रहते हुए, उक्त अधिनियम के घ्रध्याय 5-क के अधीन उद्बहणीय नियोजक के विशेष ग्रीमदाय के संदाय से उक्त अधिसूचना में विनिदिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से 30 सितम्बर, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और व्यं की ग्रवधि के लिए एतद्दारा छूट देती है।

सारणी

विनिर्माण प्रक्रिया का क्षेत्र, जिसमें स्थित है सर्ने नाम (1) (2) (.3)

1. प्रविनिर्मित पत्ती— जम्मू भीर कश्मीर राज्य के तम्बाकू को पुन: सुखाना सिवाय समस्त भारत (1) (2)

2. धारकटाई

जन्मू और कश्मीर राज्य के सिवाय समस्त भारत

3. भीतसंग्रहागार (बर्फ

यथोक्त

विनिर्माण सहित)

4. लवण विनिर्माण

यथोक्त

5. तेल मिल

यथोक्त

6. वर्फ विनिर्माण

परन्तु यह कि तेल मिलिंग की प्रक्रिया किसी ऐसी विनि-माण प्रक्रिया की समन्षंगी हो जो मीसमी है और तब तक जब तक कि तेल मिलिंग में लगे हुए कर्मचारियों की संख्या पचास से कम हो। ग्राध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा मध्य प्रदेश, पंजाब, राज-स्थान, और उत्तर प्रदेश राज्य तथा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश धीर चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेता।

[सं॰ फा॰ 601 (64) / 70-एच॰ आई॰] दलजीत सिंह, ख.र सचिव ।

(Department of Labour and Employment) New Delhi the 6th April 1971

S.O. 1615.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Indian Copper Corporation Limited, Mosaboni Mines, Post Office Mosaboni Mines, District Singhbhum (Bihar) and their workmen, which was received by the Central Government en the 30th March, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD

In the matter of a Reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (XIV of 47).

REFERENCE No. 7 of 1969

PARTIES:

Employers in relation to the management of Messrs Indian Copper Corporation Limited, Mosaboni Mines, P.O. Mosaboni Mines, District Singhbhum (Bihar).

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri A. C. Sen, Presiding Officer.

APPEARANCES;

No appearance on either side.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Copper.

田市 1969

Dhanbad, dated the 25th March 1971

AWARD

The following dispute was referred to this Tribunal by the Central Government by its order No. 24/7/68-LRI, dated, New Delhi, 17th January, 1969:—

SCHEDULE

- Whether the additional Interim Relief of Rs. 7/- allowed by the management of the Indian Copper Corporation Limited, Mosaboni Mines, Post Office Mosaboni Mines, District Singhbhum (Bihar) with effect from the 1st April, 1968, is inadequate? If so, what further additional Interim Relief should be allowed to the workmen over and above the sum of Rs. 7/- already given?
- 2. The employers filed their statement on 12th February, 1969 and supplementary statement on 26th May, 1969. No written statement appears to have been filed by the workmen.
- 3. In view of the joint petition of compromise filed before me I feel there is no necessity of hearing the case on merits. I have gone through the petition of compromise. The terms and conditions contained therein are fair and reasonable. There is no reason why the matter should not be disposed of on the said terms and conditions. I, therefore, award that the above Reference be disposed of on the terms and conditions laid down in the petition of compromise, which do form part of this award.
- 4. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act.

(Sd.) A. C. SEN,

Presiding Officer.

Memorandum of settlement under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Mosaboni Mines of Messrs, Indian Copper Corporation Ltd., and their workmen at the Mines represented by the Mosaboni Mines Labour Union.

NAMES OF THE PARTIES

Representing the Management:

- 1, Mr. M. M. Ray, D.G.M. 2, Mr. P. H. Bray, M.S. 3, Mr. H. V. Septarishy, I.E.

Representing the Union:

- 1. Sri R. B. Singh 'Arsi', Vice President.
 2. Sri S. N. Aditya, Vice President.
 3. Sri K. N. Singh, Genl. Secretary.
 4. Sri B. D. Mukerji, Asstt. Secretary.
 5. Sri Ram Bilas Singh, Asstt. Secretary.

Short Recital of the Case

- 1. Whereas an industrial dispute arcse in 1967 between the parties to this settlement on the dismissal of two workmen, namely Sri R. Rajee and Shri S. B. Bhagat which was referred by the Government to the Central Government Industrial Tribunal at Dhanbad and it is still pending before the Tribunal as I.D. Reference No. 63 of 1967.
- 2. And whereas another industrial dispute took place between the parties in 1968 on the workmen's demand for linking dearness allowance with the cost of living index with effect from 1st April, 1968, which was also referred by the Government to the same Tribunal at Dhanbad and which is also still pending before the Tribunal as I.D. Reference No. 26 of 1968.
- 3. And whereas again another Industrial dispute between the parties took place in 1980 on the subject of Additional Interim Relief and this dispute was also referred by the Government to the same Tribunal and is still pending there as ID. Reference No. 7 of 1969.

- 4. And whereas on account of the pendency of the aforesaid references the Management made various applications under Section 33 of the Industrial Disputes Act before the said Tribunal, and a number of these are still pending for disposal.
- 5. And whereas another industrial dispute took place between the parties in October 1969 when the workmen raised a demand for revision and rationalisation of their wage scales.
- 6. And whereas the demand for revision and rationalisation of their wage scales was settled under two Conciliation Settlement dated 29th December, 1969 and 4th September, 1970 whereby a major portion of the issues involved in the Reference No. 26 of 1968 and 7 of 1969 were settled.
- 7. And whereas the parties to these settlements were desirous of settling all outstanding cases pending before the Tribunal and for this purpose approached the Regional Labour Commissioner (C) Dhanbad (Camp: Moubhandar) to hold Conciliation Proceedings and assist the parties in reaching an amicable settle-
- 8. And whereas the Regional Labour Commissioner (C) held Conciliation Proceedings on 11th February, 1971 and as a result thereto and with a view to maintain industrial peace and good industrial relations the parties here to have arrived and entered into the following settlement:-

TERMS OF SETTLEMENT

(a) I.D. Reference No. 63 of 1967 and Application No. 6 and 7 of 1968 under Section 33 of the Industrial Disputes Act relating to Shri Rajee and Sri S. B. Bhagat.

It is hereby agreed that Shri R. Rajee and Shri S. B. Bhagat will be reinstated. The periods from the dates of their dismissal till the date of their resuming duty will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and other benefits. A joint compromise petition will be filed by the parties to the above effect in the relevant cases before the Tribunal;

(b) I.D. Reference No. 26 of 1968 and 7 of 1969.

It is hereby agreed that the Cash Value of the foodgrains supplied by the Management at concessional rates in Rs. 22 (Twenty two only) per month and the wage scales of the workmen having been revised and rationalisation under mutual Conciliation Settlements, the disputes referred to the Tribunal in the above cases do not exist any more.

The parties hereby shall file a joint compromise petition before the Tribunal for disposing of these cases in the light of this settlement, that is to say by holding that he disputes having been settled by mutual settlements, there is no dispute left for adjudication by the Tribunal.

Cases Under Section 33 of I.D. Act

(c) Application No. 53 of 1968 -Sri S. Vishwanathan Nair;

It is hereby agreed that Sri Vishwanathan Nair will be reemployed within 30 (thirty) days. The parties shall file a joint compromise petition before the Tribunal in the above case for allowing the Management's application.

(d) Application No. 1 to 5 of 1968—Sri Turi Turi Kudada, Sri Rengo Bandra, Sri Strughan Giri, Sri Jaganath Pator and Sri Tarapada Panda.

It is hereby agreed that these workmen will be reinstated excluding Sri Rengo Bandra who is now dead. The periods from the dates of their dismissal till the dates their resuming duty will be treated as leave without pav and shall not count towards gratuity and other benefits. The parties shall file a joint compromise petition in each of these five cases requesting the Trbunal to dispose of these applications in terms of this compromise and to allow the management's applications in the case No. 2 of 1969 relating to Sri Rengo Bandra.

(e) Application No. 16 of 1968-Sri Suprai Majhe.

It is hereby agreed that Sri Supai Majhi will be reinstated and the period from the date of his dismissal till the date of his resuming duty will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and other benefits. The parties shall file a joint compromise petition before the Tribunal in the above case requesting the Tribunal to dispose of the case in terms of this compromise.

(f) Application No. 16 to 18 of 1970 and 64 of 1968—Sri Rathnam, Sri Ramjan, Sri Feruk Ahmed Khan and Sri Pazel Ahmed.

It is hereby agreed that Mr. P. H. Bray, Mine Superintendent will act as an Arbitrator in these cases and his decision shall be binding.

Sri Shib Shankar Pator:

It is hereby agreed that Sri Shib Shankar Pator will be reinstated if found fit the Management's Medical Officer and in that case the period of Sri Pator's sence will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity d other benefits.

Applications No. 58 and 60 of 1968 and 8 of 1969; Shri Gurucharan Mahato.

It is hereby agreed that Sri Gurucharan Mahato will tender to the Mine Superingent an applogy and give assurance of good conduct and behaviour whereafter will be re-employed on probation for six months. Any misconduct on his part, ander the Standing Orders, at any time will render him liable for dismissal.

(i) It is hereby agreed that in view of the above settlement the Union shall not ontest any of the oher applications under Section 33 of the Industrial Disputes Act, which are pending before the Tribunal.

(j) The parties hereby agree to report implementation of this Settlement to the egional Labour Commissioner (C), Dhanbad by 30th April, 1971.

Signed at Moubhandar on 11th February, 1971.

or Indian Copper Corporation Ltd.

For Mosaboni Mines Labour Union,

1. (Sd.) M. M. Ray. 2. (Sd.) P. H. Bray. 3. (Sd.) H. V. Saptarishy.

1. (Sd.) R. B. SINGH. 2. (Sd.) S. N. ADITYA. 3. (Sd.) K. N. SINGH. 4. (Sd.) B. D. MUKERJI. 5. (Sd.) RAM BILAS SIN

RAM BILAS SINGH-

Witnesses:

1. (Sd.)

2. (Sd.)

(Sd.) J. N. Das,

Regional Labour Commissioner (Central), Dhanbad, Camp: Moubhandar.

[No. 24/7/68-LR-I(LR-IV)-II.]

INDUSTRY; Copper.

8.0. 1616.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Corporation Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th March, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD

In the matter of a Reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (XIV of 47).

REFERENCE No. 63 OF 1967

PARTIES:

Employers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Corporation Limited and their workmen. FRESENT .

Shri A. C. Sen, Presiding Officer-APPEARANCES:

No appearance on either side.

STATE: Bihar.

Dhanbad, dated the 25th March 1971

AWARD

The following dispute was referred to this Tribunal by the Central Government by its order No. 24/9/67-LRI, dated 18th March, 1967, read with order No. 8/25/67-LRII, dated 24th November, 1967:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Corporation, P.O. Mosaboni in dismissing Shri R. Rajee, Lorry Driver

with effect from 6th March, 1967 and Shri Shashi Bhushan Bhake Hoisting Mistry with effect from 10th March, 1967 was justified If not to what relief are the workmen entitled?"

- 2. Both the parties duly filed their written statements. But in view of the petion of compromise filed before me I feel there is no necessity of hearing the case on merits. I have gone through the petition of compromise. The terms and contions contained therein are fair and reasonable. There is no reason why the matheshould not be disposed of on the said terms and conditions. I therefore, away that the above Reference be disposed of on the terms and conditions laid down the petition of compromise, which do form part of this award.
- 3. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act.

(Sd.) A. C. SEN. Presiding Office

Memorandum of settlement under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act 1947 between the Management of Mosaboni Mines of Messrs, Indian Copper Corporation Ltd., and their workmen at the Mines represented by the Mosaboni Mines Labour Union.

NAMES OF THE PARTIES

Representing Management:

- 1. Mr. M. M. Ray, D.G.M. 2. Mr. P. H. Bray, M.S. 3. Mr. H. V. Septarishy, I.E.

Representing the Union:

- Sri R. B. Singh 'Arsi', Vice President.
 Sri S. N. Aditya, Vice President.
 Sri K. N. Singh, Genl. Secreary.
 Sri B. D. Mukerji, Asstt. Secretary. 5. Sri Ram Bilas Singh, Asstt. Secretary.

Short Recital of the Case

- 1. Whereas an industrial dispute arose in 1967 between the parties to this settlement on the dismissal of two workmen, namely Sri R. Rajee and Shri S. B. Bhagat which was referred by the Government to the Central Government Industrial Tribunal at Dhanbad and it is still pending before the Tribunal as ID. Reference No. 63 of 1967.
- 2. And whereas another industrial dispute took place between the parties in 1968 on the workmen's demand for linking degrness allowance with the cost of living index with effect from 1st April, 1968, which was also referred by the Government to the same Tribunal at Dhanbad and which is also still pending before the Tribunal as I.D. Reference No. 26 of 1968.
- 3. And whereas again another Industrial dispute between the parties took place in 1969 on the subject of Additional Interim Relief and this dispute was also referred by the Government to the same Tribunal and is still pending there as I.D. Reference No. 7 of 1969.
 - 4. And whereas on account of the pendency of the aforesaid references the Management made various applications under Section 33 of the Industrial Disputes Act before the said Tribunal, and a number of these are still pending for disposal
 - 5. And whereas another industrial dispute took place between the parties in October 1969 when the workmen reised a demand for revision and rationalisation of their wage scales.
 - 6. And whereas the demand for revision and rationalisation of their wage scale was settled under two Conciliation Settlement dated 29th December, 1969 and 4th September, 1970 whereby a major portion of the issues involved in the Reference No. 26 of 1968 and 7 of 1969 were settled.
 - 7. And whereas the parties to these settlements were desirous of settling all outstanding cases pending before the Tribunal and for this purpose approached the Regional Labour Commissioner (C) Dhanbad (Camp: Moubhandar) to hold Conciliation Proceedings and assist the parties in reaching an amicable settlement.

8. And whereas the Regional Labour Commissioner (C) held Conciliation Pro-edings on 11th February, 1971 and as a result thereto and with a view to maintain dustrial peace and good industrial relations the parties here to have arrived and need into the following settlement:—

Terms of Settlement

1.D. Reference No. 63 of 1967 and Application No. 6 and 7 of 1968 under Section 33 of the Industrial Disputes Act relating to Shri Rajee and Sri S. B. Bhagat.

It is hereby agreed that Shri R. Rajee and Shri S. B. Bhagat will be reinstated. he periods from the dates of their dismissal till the date of their resuming duty ill be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and ther benefits. A joint compromise petition will be filed by the parties to the bove effect in the relevant cases before the Tribunal;

1.D. Reference No. 26 of 1968 and 7 of 1969.

It is hereby agreed that the Cash Value of the fcodgrains supplied by the fanagement at concessional rates is Rs. 22 (twenty two only) per month and the rage scales of the workmen having been revised and rationalised under mutual oncliation Settlements, the disputes referred to the Tribunal in the above cases o not exist any more.

or disposing of these cases in the light of this settlement, that is to say by holding hat the disputes having been settled by mutual settlements, there is no dispute left or adjudication by the Tribunal. The parties hereby shall file a joint compromise petition before the Tribunal

Cases Under Section 33 of I.D. Act

c) Application No. 53 of 1968 -Sri S. Vishwanathan Nair:

It is hereby agreed that Sri Vishwanathan Nair will be reemployed within 30 thirty) days. The parties shall file a joint compromise petition before the Tribunal the above case for allowing the Management's application.

d) Application No. 1 to 5 of 1969—Sri Turi Turi Kudada, Sri Rengo Bandra, Sri Strughan Giri, Sri Jaganath Pator and Sri Tarapada Panda.

It is hereby agreed that these workmen will be reinstated excluding Sri Rengo Bandra who is now dead. The periods from the dates of their dismissal till the lates of their resuming duty will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and other benefits. The parties shall file a joint compromise etition in each of these five cases requesting the Trbunal to dispose of these applications in terms of this compromise and to allow the Management's application in the case No. 2 of 1969 relating to Sri Rengo Bandra.

e) Application No. 16 of 1968-Sri Suprai Majhe.

It is hereby agreed that Sri Suprai Majhe will be reinstated and the period from he date of his dismissal till the date of his resuming duty will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and other benefits. The parties hall file a joint compromise petition before the Tribunal in the above case requesting the Tribunal to dispose of the case in terms of this compromise.

1) Application No. 16 to 18 of 1970 and 64 of 1968—Sri Rathnam, Sri Ramjan, Sri Feruk Ahmed Khan and Sri Pazel Ahmed.

It is hereby agreed that Mr. P. H. Bray, Mine Superintendant will act as arbitrator in these cases and his decision shall be binding.

(2) Sri Shib Shankar Pator:

It is hereby agreed that Sri Shib Shankar Pator will be reinstated if found fit by the Management's Medical Officer and in that case the period of Sri Pator's absence will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and other benefits.

(h) Applications No. 58 and 60 of 1968 and 8 of 1969; Shri Gurucharan Mahato.

It is hereby agreed that Sri Gurucharan Mahato will tender to the Mine Superintendent an apology and give assurance of good conduct and behaviour whereafter he will be re-employed on probation for six months. Any misconduct on his part, under the Standing Orders, at any time will render him liable for dismissal.

(i) It is hereby agreed that in view of the above settlement the Union shall not coalest any of the other applications under Section 33 of the Industrial Disputes Act, which are pending before the Tribunal.

(j) The parties hereby agree to report implementation of this Settlement to the Regional Labour Commissioner (C), Dhanbad by 30th April, 1971.

Signed at Moubhandar on 11th February, 1971.

For Indian Copper Corporation Ltd. For Mosaboni Mines Labour Union

1. (Sd.) M. M. RAY. 2. (Sd.) P. H. BRAY. 3. (Sd.) H. V. SAPTARISHY.

1. (Sd.) R. B. SINGH.
2. (Sd.) S. N. ADITYA.
3. (Sd.) K. N. SINGH.
4. (Sd.) B. D. MUKERJI.
5. (Sd.) RAM BILAS SINGH.

Witnesses:

1. (Sd.) 2. (Sd.)

(Sd.) J. N. Das,

Regional Labour Commissioner (Central), Dhanbad, Camp: Moubhandar,

[No. 24(9)/67-LR-I(LR-IV.]

INDUSTRY: Copper.

S.O. 1617.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central, Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Indian Copper Corporation Limited, Mosaboni Mines, Post Office Ghatsila (Bihar) and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th March, 1971.

COULTY THE RE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD

In the matter of a Reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (XIV of 47).

REFERENCE No. 26 of 1958

PARTIES:

Employers in relation to the management of Messrs Indian Copper Corporation Limited, Mosaboni Mines, Post Office Ghatsila (Bihar)

Their workmen.

PRESENT:

Shri A. C. Sen, Presiding Officer,

APPEARANCES: No appearance on either side.

STATE: Bihar.

Dhanbad, dated the 24th March, 1971

AWARD

The following dispute was referred to this Tribunal by the Central Government by its order No. 24/7/68-LRI, dated 26th April, 1968:—

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen employed under Messrs Indian Copper Corporation Limited, Mosaboni Mines, Post Office Ghatsila (Bihar) to link D.A. with the cost of living index with effect from the 1st April, 1968 is justified? If so, on what basis?

- 2. Both the parties filed their written statement in 1968. Documents too were 2. Both the parties filed their written statement in 1963. Documents too were filed by the parties. But in view of the petition of compromise filed before me i feel there is no necessity of hearing the case on merits. I have gone through the petition of compromise. The terms and conditions contained therein are fair and reasonable. There is no reason why the matter should not be disposed of on the said terms and conditions. I, therefore, award that the above Reference be disposed of on the terms and conditions laid down in the petition of compromise, which do form part of this award. form part of this award.
- 3. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act.

(Sd.) A. C. SEN, Presiding Officer.

temorandum of Settlement under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, between the Management of Mosaboni Mines of Messrs. Indian Copper Cotion Ltd., and their workmen at the Mines represented by the Mosaboni Mines ur Union.

NAMES OF THE PARTIES

esenting the Management.

Mr. M. M. Ray, D.G.M. Mr. P. H. Bray, M.S. Mr. H. V. Septrishy, I.E.

Control was four to be able to the first

senting the Union.

Sri R. B. Singh 'Arsi'

Vice President.
Sri S. N. Aditya, Vice President.
Sri K. N. Singh, Genl. Secretary.
Sri B. D. Mukerji, Asstt. Secretary.
Sri Ram Blias Singh,

Asstt, Secretary.

Short Recital of the Case

Whereas an industrial dispute arose in 1967 between the parties to this lement on the dismissal of two workmen, namely Sri R. Rajee and Shri S. B. gat which was referred by the Government to the Central Government Industrial munal at Dhanbad and it is still pending before the Tribunal as I.D. Reference No. of 1967.

2 And whereas another industrial dispute took place between the parties in 1958 the workmen's demand for linking dearness allowance with the cost of living ex with effect from 1st April, 1968, which was also referred by the Government he same Tribunal at Dhanbad and which is also still pending before the Tribunal D. Reference No. 26 of 1968.

And whereas again another industrial dispute between the parties took place on the subject of Additional Interim Relief and this dispute was also referred the Government to the same Tribunal and is still pending there as I.D. erence No. 7 of 1969.

And whereas on account of the pendency of the aforesaid references the agement made various applications under Section 33 of the Industrial Disputes before the said Tribunal, and a number of these are still pending for disposal.

a And whereas another industrial dispute took place between the parties in ober, 1969 when the workmen raised a demand for revision and rationalisation heir wage scales.

6. And whereas the demand for revision and rationalisation of their wage scales settled under two Conciliation Settlement dated 29th December, 1969 and 4th tember, 1970 whereby a major portion of the issues involved in the Reference 26 of 1968 and 7 of 1969 were settled.

7. And whereas the parties to these settlements were desirous of settling all standing cases pending before the Tribunal and for this purpose approached the lonal Labour Commissioner (C), Dhanbad (Camp: Mcuthandar) to hold Concilia-Proceedings and assist the parties in reaching an amicable settlement.

And whereas the Regional Labour Commissioner (C) held Conciliation Proding on 11th February, 1971 and as a result thereto and with a view to maintain distrial peace and good industrial relations the parties hereto have arrived and deted into the following settlement:—

Terms of Settlement

ID. Reference No. 63 of 1967 and Application No. 6 and 7 of 1968 under Section of the Industrial Disputes Act relating to Shri Rajee and Sri S. B. Bhagat.

It is hereby agreed that Shri R. Rajee and Shri S. B. Bhagat will re-instated. De periods from the dates of their dismissal till the date of their resuming duty be treated as leave without pay and shall not count towards gratuity and her benefits. A joint compromise petition will be filed by the parties to the love effect in the relevant cases before the Tribunal.

LD. Reference No. 26 of 1968 and 7 of 1969.

It is hereby sureed that the Cash Value of the foodgrain supplied by the Manage-set at encessional rates is Rs. 22/- (Rupees twenty two only) per month and a wage scales of the workmen having been revised and rationalisation under unal Conciliation Settlements the disputes referred to the Tribunal in the above es do not exist any more.

The parties hereby shall file a joint compromise petition before the Tribut for disposing of these cases in the light of this settlement, that is to say by hold that the disputes having been settled by mutual settlements, there is no dispute for adjudication by the Tribunal.

Cases under section 33 of I.D. Act

(c) Application No. 53 of 1968-Sri S. Vishwanathan Nair.

It is hereby agreed that Sri Vishwanathan Nair will be re-employed within days. The parties shall file a joint compromise petition before the Tribunal in tabove case for allowing the Management's application.

(d) Application No. 1 to 5 of 1969—Sri Turi Turi Kudada, Sri Rengo Bandra, S Satrughan Giri, Sri Jaganath Pator and Sri Tarapada Panda.

It is hereby agreed that these workmen will be re-instated excluding Sri Reng Bandra who is now dead. The periods from the dates of their dismissal till to dates their resuming duty will be treated as leave without pay and shall not compromise towards gratuity and other benefits. The parties shall file a joint compromise petition in each of these five cases requesting the Tribunal to dispose of the applications in terms of this compromise and to allow the Management's application in the case No. 2 of 1969 relating to Sri Rengo Bandra.

(e) Application No. 16 of 1968-Sri Suprai Majhe.

It is hereby agreed that Sri Suprai Majhe will be reinstated and the periods from the date of his dismissal till the date of his resuming duty will be treated as least without pay and shall not count towards gratuity and other benefits. The particular shall file a joint petition before the Tribunal in the above case requesting the Tribunal to dispose of the case in terms of this compromise.

(f) Application No. 16 to 18 of 1970 and 64 of 1968.—Sri Rathnam Shri Ramin Sri Faruk Ahmed Khan and Sri Pazel Ahmed.

It is hereby agreed that Mr. P. H. Bray, Mine Superintendent, will act as a Arbitrator in these cases and his decision shall be binding.

(g) Sri Shib Shankar Pator.

It is hereby agreed that Sri Shib Shankar Pator will be reinstated if found it by the Management's Medical Officer and in that case the period of Sri Pator absence will be treated as leave without pay and shall not count towards gratuit and other benefits.

(h) Application No. 58 and 60 of 1968 and 8 of 1969-Shri Gurucharan Mahato.

It is hereby agreed that Sri Gurucharan Mahato will tender to the Mine Superint tendent an apology and give assurance of good conduct and behaviour whereafte he will be re-employed on probation for six months. Any misconduct on his part under the Standing orders, at any time will render him liable for dismissal.

- (i) It is hereby agreed that in view of the above settlement the Union shall not contest any of the other Applications under Section 33 of the Industrial Dispute Act, which are pending before the Tribunal.
- (j) The parties hereby agree to report implementation of this settlement to the Regional Labour Commissioner (C), Dhanbad by 30th April. 1971.

Signed at Moubhandar on 11th February, 1971.

For Indian Copper Corporation Ltd. For Mosaboni Mines Labour Union.

- 1. (Sd.) M. M. RAY.
- 2. (Sd.) P. H. BRAY.
- 3. (Sd.) H. V. SEPTARISHY.
- 1. (Sd.) R. B. SINGH.
- 2. (Sd.) S. N. ADITYA.
 - 3. (Sd.) K. N. SINGH.
- 4. (Sd.) B. D. MUKERJI.
- 5 (Sd.) RAM BILAS SINGH.

Witnesses:

1. (Sd.)

2. (Sd.)

(Sd.) J. N. Das.

Regional Labour Commissioner (Central),
Dhanbad, Camp: Moubhandar
[No. 27/7/68-LRI.(LRIV)-L

ORDERS

New Delhi, the 2nd February 1971

s.0. 1618.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial spute exists between the employers in relation to the management of Ghugus of Messrs Ballarpur Collieries Company Limited, Post Office Maneckpur, strict Chandrapur, and their workmen in respect of the matters specified in Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said upute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-secon (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central overnment hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Nagpur, constituted under section 7A of the said

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ghugus Colliery of Messrs Ballarpur Collieries Company Limited, Chandrapur (Maharashtra State) in terminating the services of Shri Tukaram son of Shri Dina Madawi, Explosive Carrier (R.I.) with effect from the 18th June. 1970 is justified? If not, to what relief is the workmen entitled?"

[No. 5/19/70-LR. II]

(अन ग्रीर रोजगार विमाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 2 फर ररे 1971

हा० ग्रा॰ 1618 .-- यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनसूची में विनिद्धित व्यों के बारे में मैससं बन्लारपुर जोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, डाकघर मानेकपुर, जिला चन्द्रपुर विवस कोलियरी के प्रवन्यतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

ग्रीर गतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्या रनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय

ग्रतः, ग्रव, ग्रीवोगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उप-गए (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्हारा क्त विवाद की उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-रण, नागपुर को न्यायनियंग्रन के लिए निर्देशित करती है।

अनुप्रवी

"न्या मैसर्स बन्लारपुर कोलियरीज कम्पती लिमिटेड, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र राज्य) की घुचस विवासी के प्रवत्वतंत्र की श्री तुकाराम सुपूत्र श्री दीना मदावी, एक्सप्लोसिव केरियर (भार० आई०) में सेवायों को 18 ज , 1970 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार हिस प्रनृतोष का हकदार है"?

[Ho 5/19/70-एन० धार०-2]

New Delhi, the 9th February 1971

8.0. 1619.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial spute exists between the employers in relation to the West Bokaro Colliery of tests West Bokaro Limited, Post Office Ghatotand, District Hazaribagh and the Workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto at nexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of subtion (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Cen Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central G ernment Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the West Bokaro Colliery
Messrs West Bokaro Limited, Post Office Ghatotand, District Haza
bagh in terminating the service of Shri Dharm Nath Singh, Sto
Dusting Mazdoor was justified? If not, to what relief is the works
concerned entitled and from what date?

[No. 2/187/70-LR

नई दिल्ली, 9 फरवरी 1971

क ि श्रां 1619.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनसुची में विनिहित विषयों के बारे में मैसर्स वेस्ट बोकारो लिमिटेड, डाकघर घाटोटांड, जिला हजारीबाग की वेस्ट बोका कोलियरी से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है:

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनी समझती है;

ग्रत:, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौद्योगिक ग्रधिकरण (संख्या 2), धनवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ब्रनुस्ची

'क्या मैसर्स वैस्ट बोकारो लिमिटेड, डाकचर घाटोटांड, जिला हजारीबाग की वैस्ट बोकार कोलियरी के प्रवन्धतंत्र की श्री धर्मनाथ सिंह स्टोन डिस्टिंग मजदूर की सेश समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो सम्बद्ध कर्मकार किस अन्तोष का और किस तारीख से हकदार है।

[सं 2/187/70-एव०म्रार०-2]

New Delhi, the 17th February 1971

S.O. 1620.—Whereas the Central Government is of opinion that an industria dispute exists between the employers in relation to the Murulidih 20/21 Pits Colli ery of Messrs Bengal Coal Company Limited, Post Office Mohuda, District Dhan bad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule heret annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2). Dhambad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of 29/21 Pits Murulidih Colliery of Messrs Berga Coal Company Limited, Post Office Mohuda, District Dhanbad, was justified it refusing sick leave wages for the period from the 21st April, 1969 to the 5th May 1969 and full wages for the period from the 6th May, 1969 to 9th May, 1969 to Shri Khedan Prasad, C.R.O. Loader? If not, to what relief is the workma entitled?"

[No. 2/177/70-LRII

नई दिल्ली, 17 फरवरी 1971

का० ग्रा० 1620— यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनु मूची में विनिर्दिष्ट $\frac{1}{6}$ वर्ग के बारे में मेसर्स बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर मोहुदा, जिला धनबाद की मुरु लिडीह $\frac{20}{21}$ पिट्स कोलियरी से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय ग्रमझती है ;

ग्रतः, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप्यारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौद्योगिक ग्रिधि-करण (संख्या 2) धनवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रन्स ची

"क्या मेसर्स बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर मोहुदा, जिला धनबाद की 20/21 पिट्स मृह्लिडिह कोलियरी के प्रबन्धतंत्र का श्री खेदन प्रसाद, सी० आर० औ०, लोडर, को 21 अप्रैल, 1969 से 9 मई, 1969 तक की अवधि के लिए बीमारी-छुट्टी की मजदूरी और 6 मई, 1969 से 9 मई 1969 तक को अवधि के लिए पूरो मजदूरो देने से इनकार करना न्यायोचित था? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?"

[सं० 2/177/70-एन० ग्रार०-2]

New Delhi, the 3rd March 1971

S.O.1621.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Hindusthan Lalpeth Colliery Post Office Chanderpur District Chandrapur (Maharashtra) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

AND whereas the Central Government considers it desirable to refer the said disput for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section to of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereb refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Hindusthan Lalpeth Colliery, Post Office, Chanderpur District Chandrapur is justified in refusing work to the following loaders with effect from the 17th March, 1970? If not, to what relief are the workmen entitled?

Name							То	ken Num	ber
I. Shri Dharma Dewaji 2. Shri Deo Rao Shankar								590	
3. Shri Esampelli Narsaya	MANS.			1	317*		3	309 677	
4. Shri Kampelli Durga Sailo		3875	Suite			-		671	
5. Shri Madao Yenkati .	72/8/04	157,2014	1000			5834	THE SAL	674	
6. Shri Nagila Komraya	100	P. Land	articity.					320	
7. Shri Mothu Railingu .	100	SHOW	12000			N. West	185550	578	
8. Shri Namila Yella	115.45			BUILD &		(2000)	III SALITA	581	
9. Shri Purushottam Madnaya	1500				E547			593	
ic. Shri Purushottam Yellaya	11 6	STAG	TOTAL	OTTOWN.	SHIP AND	13 199	BE BOY	079	

			NAME OF TAXABLE PARTY.		ALC: NO		NAME OF TAXABLE PARTY.	Charles and the	Section 1	-	
II.	Shri Renkuntla Durgaya		-		William Control				400		673
12.	Shri Satur Yellaya Pochar	m	TO STORY	3/2 1	DEC 1	PER IS		2			637
13.	Shri Shreepal Chitane		A 1			100		HOUSE.	30,4113		587
14.	Shri Sunderlal Jagannath	and.	345		4	Sec.	I CASE		100		342
15.	Shri Arolli Chandraya	200		11.500	11.0	Harris	50% PM	N. S. D.			334
16.	Shri Addur Rajam			1			10 kg/m		NAME OF TAXABLE		570
17.	Shri Burdi Yanka Lachm	a	10.21		THE PARTY	14		理論研開			386
18.	Shri Bakli Kalika Ram						um.	1	11.46		650
19.	Shri Badka Sahdeo	Mary St	医闭门	THE RES			PO PRESI				691
20.	Shri Birya Bondolu					334	1				563
21.	Shri Chilmil Pocham			11:03	TO ST	100			Mark .		571
22.	Shri Chilmil Cdal			9874		11 115	S (4.7)	CALL.			393
23.	Shri Chandu Ram Nank	u	1	100	17 12	THE C	-	DIRECTOR	196		394
24.	Shri Dagam Mallaya	500			The Other	3416			930		511
25.	Shri Jagmohan Rampras	ad	100	THE STATE OF			NaC:				564
26.	Shri Konda Pocham Mal	lla		10113	1		251473	ne start			398
27.	Shri Kolgur Railingu	陈記	E. S.	20			11	The state of	33		399
28.	Shri Kanven Fakira	1			estado es		-	5 WAS 25	1045		535
29.	Shri Kushama Chandray			2.00	10 m	1000	175		1		657
30.	Shri Kampelli Dinga Sai	lu				923		157			558
31.	Shri Karepaka Raimallu					1,694		10-457			406
32.	Shri Lachlu Pocham		TIPE ST						111		407
33-	Shri Liakat Hussain Ab.	Ha	mid	477.2	The same		2000				384
34-	Shri Made Linga			Herend			A 21/25/7	7.16			561
35-	Shri Onga Rajam		12270	-1003		1911/2					410
36.	Shri Sukhlal Prasad				more S	12 ATM					416
37	Shri Tota Lingaya	VIVE	FRE 1.55	-		-	TO THE	740 400	1000		420
38.	Shri Tota Mallaya	*	NEW YORK	7.5	10000	No. of Street, or other teams, and the street,	BEE	SE L	1		665
39.	Shri Yerkal Rajam .	SANE		I LINE			REAL	13000			475
40.	Shri Zilla Komrayya	120 19	1	105	NEWSTRANS		8918	TO S	2		567
											BATTON TO 18

[No. 3/7/70-L.R. II

नई दिल्ली, 3 मार्च 1971

का॰ ग्रा॰ 1621—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में विनिद्धित्व विषयों के बारे में हिन्दुस्तान लालपेठ कोलियरी, डाकचर चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है:

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अव, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जेंन्द्रीय सरकार एतद्दारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7—क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

धनुसूची

"क्या हिन्दुस्तान लालपेठ कोलियरी, डाकघर चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर के प्रबन्धतंत्र का निम्नलिखित लोडरों को 17 मार्च, 1970 से काम देने से इनकार करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

Пम		टोकन नं०	
1.	श्री धरम देवाजी	590	
2.	श्री देव राव शंकर	309	
3.	श्री इसामपेल्ली नरसाया	. 677	

नाम	टोकन नं ०	
 श्री कामपेल्ली दुर्गा सेला 	671	THE STATE OF
5. श्रो मादाश्रो येंकाती	674	
6. श्री नागिला कोमराया	320	
7. श्री माथु रेलिंग	578	
 श्री नामिला येल्ला 	581	
9. श्री पुरुषोत्तम मदनाया	593	
0. श्री पुरुषोत्तम येल्लाया	679	
1. श्री रें हुन्तला दुर्गाया	673	
12. श्री सतूर येल्लाया पोकम	637	Section
13. श्री श्रीपात्र चिताने	587	
14. श्री सुन्दरलाल जगन्नाथ	342	
15. श्री ग्रराल्ली चन्द्राया	334	
16. श्री ग्रड्डर राजम	570	
17. श्री बर्दी यांका लचमा	386	
18. श्री बकली कालिका राम	.650	
19. श्री बदका सहदेव	691	
20. श्री विरया बोन्डोलु	563	
21. श्री चिलमिल पांचम	571	
22. श्री चिलमिल ग्रांडाल	393	
23. श्री चन्दु राम नान् ह	394	
24. श्री डागम मल्लाया	511	
25. श्री जगमोहन रामप्रसाद	564	
26. श्री कोन्डा पोचम मल्ला	398	
27. श्री जोलगुर रेलिंगु	399	
28. श्री कानवेन फ हीरा	635	
29. श्री कुशामा चन्द्राया	657	
30. श्री कामपेल्ली डिगा सेल्	558	
31. श्री कारेपाका रेमाल्ल्	406	
32. श्री लचल पोचम	407	
33. श्री लि शकत हुसैन, अब्दुल हमीद	384	
34. श्री माडे लिगा	561	
35. श्री घोंगा राजम	410	
36. वी मुखलाल प्रसाद	416	
37. श्रीनोता लिगया	420	
38. श्री तोता मल्लाया	665	
39. श्री येरकल राजम	475	
40. श्री जिल्ला क्रोमराय्या	567	

New Delhi, the 10th March 1971

S.O. 1622.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ramipur Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Dishergarh, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act

SCHEDULE

"Was the management of Ranipur Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Dishergarh, District Burdwan justified in dismissing Shri A. K. Chatterjee, Surveyor, Ranipur Colliery with effect from 12th September, 1970? If not, to what relief the said workman is entitled?"

[No. L-1912(14)/71-LR.II

[PART IL

नई दिल्ली, 10 मार्च 1971

का० गां० 1622—पतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपात्रद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेससं ईक्वीटेंबल कोल कम्पनी लिमिटेंड, डाकघर दिशोरगढ़, जिला बदंबान की रानीपुर कोलियरी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करदा वांछनीय समझती है;

अतः, अव, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त श्रधिनियम की धारा 7-क के श्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रनुसची

"क्या मेनर्स ईक्बीटेबल कोल कम्पनी निमित्रेड, डाकघर दिशेरगढ़, जिला बदंबान की रानीपुर कोलियरी के प्रबन्धतंत्र का श्री ए० के० चटर्जी, सर्वेक्षक, रानीपुर कोलियरी को 12 सितम्बर, 1970 से पदच्युत करना न्यायोचित था। यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।"

[सं० एल०-1912 (14)/71-एल०ग्रार०-2]

New Delhi, the 23rd March 1971

S.O. 1623.—Whereas the Central Government is of opinion that industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan, in reverting Shri Jogeswar Gope, from the post of prop Mistry to that of prop Mazdoor with effect from 26th October, 1969 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?".

[No. 6/88/70-LR.II] KARNAIL SINGH, Under Secy-

नई दिल्ली, 23 मार्च 1971

का० ग्रा० 1623—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैससं र्राकुर बुकोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर उखरा, जिला बर्दवान की बंकोला कोलियरी के प्रबन्धतंत्र से सम्बन्ध नियोजकों श्रीर उनके कमंकारों के बीच एक श्रीद्योगिक विवाद विद्यमान है;

DENTE TO E LETTER TO METER

ग्रौर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

ग्रतः, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त ग्रधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रीद्योगिक ग्रधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रनुस्ची

"क्या मैंससे बूर्रीकुर कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर उखरा, जिला बदैवान की बंकोला कोलियरी के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्री जोगेश्वर गोप को 26 धक्तूबर, 1969 से प्रोप मिस्ती के पद से प्रोप मजदूर के पद पर प्रतिवर्तित करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कमंकार किस अनुतोष का हकदार है?"

[सं० 6/88/70-एल० ग्रार०-2]

करनेल सिंह, ग्रवर सिवव।

(Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi, the 2nd April 1971

S.O. 1624,—In exercise of the powers conferred by Section 6(1) of the Administration of Evacuee Property Act, 1959 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Settlement Officer (Accounts) of Government of Punjab, Jullundur, as Deputy Custodian for the State of Punjab, for the purpose of discharging all the duties imposed on the Deputy custodian by or under this Act with immediate effect.

[No. 6072-A/CSC/69-ASO(L).]

W. G. PATHAK.

(पुनर्वास विभाग)

(मूख्य बन्दोबस्त धायुक्त का कार्यालय)

नई दिल्ली, 2 मप्रैल 1971

एस० ग्रो० 1624.—निष्कान्त सम्पत्ति का प्रशासन ग्रधिनियम 1950 (1950 का 31) की घारा 6 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा

बन्दोबस्त अधिकारी (लेखा), पंजाब सरकार, जालन्धर को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उप अभिरक्षक को सौंपे गये कार्यों को करने के लिए पंजाब राज्य के लिए तत्काल प्रभाव से उपअभिरक्षक युनिक्त करती है।

[संख्या 6072-ए /सी० एस० सी०/69 ए० एस० ग्रो० (एल०)]

वा० ग० पाठक.

संयुक्त सचिव, भारत सरकार।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 29th March 1971

- S.O. 1625.—In exercise of the powers conferred by Sub-Clause (1) of Clause 21C of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, the Central Government hereby specifies:—
 - (i) 6 paise per square metre as the rate for the purposes of paragraph (b) of Sub-Clause (i) of Clause 21C aforesaid; and
 - (ii) 6 paise per square metre for grey dhoi and saree and 4 paise per square metre for other varieties as the rates for the purposes of paragraph
 (a) of Sub-Clause (1) of Clause 21C aforesaid;

The Bullion Both

for the quarter ending with 30th April, 1971.

[No. F. 7/5/70-Tex(A)] H.K. BANSAL.

विदेशी व्यापार मंत्रालय नई दिल्ली. 29 मार्च, 1971

का० श्रा॰ 1625—सूती वस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश, 1948 के खण्ड 21—ग के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 30 सप्रैल, 1971 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए;

- (1) उपरोक्त खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) की कंडिका (ख) के प्रयोजन के लिए 6 पैसे प्रति वर्ग मीटर की दर; तथा
- (2) उपरोक्त खण्ड 21 ग के उपखण्ड (1) की कंडिका (क) के प्रयोजन के लिए कोरी धोती तथा साड़ीहेतु 6 पैसे प्रति वर्ग मीटर ग्रीर श्रन्य किस्मों रेतु 4 पैसे प्रति वर्ग मीटर की दरें:

एतद्दारा विनिदिष्ट करती है।

[सं॰ फा॰ 7/5/70—टैनस (क)] एच॰ के॰ बंसल, उपमचित्र

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)
(Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 18th February 1971

S.O. 1626.-M/s Pionee Sports Works Pvt. Ltd. Nakodar Road. Jullundur were granted import licences No's. P L/2603089 dated the 5th January, 1970 and

p/L/2603491 dated the 11th February, 1970. They have applied for duplicate copies (Exchange purpose copies only) of licences on the ground that the originals exchange Copies have benn lost. It is further stated that the original licences were utilized partly and that duplicate copies are required to cover the balance amounts.

In support of this contention the applicant has filed affidavits. I am satisfied that the original Exchange purposes copies of licence No. P/L/2603089 dated the 5th January, 1970 and P/L/2603491 dated the 11th February, 1970 have been lost and direct that the duplicate licences (Exchange copies) should be issued to the applicant. The original Exchange Purposes copies of licences are cancelled.

[No. SG. 18/JS.69/SC.IV/CLA/SG-28/OD.69/SC.IV/CLA.]

D. S. MORKRIMA.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

(संयक्त-मृख्य नियंत्रक भाषात-निर्यात का कार्यालय)

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 18 फरवरी 1971

एस॰ ग्रो॰ 1626.— उबंशी पायनियर स्पोर्ट्स वक्स प्रा॰ लि॰ नकोदर रोड, जलन्छर को ग्रायात लाइसेंस संख्याएं पी/एल/2603089 दिनांक 8-1-70 तथा पी/एल/2603491 दिनांक 11-2-70 स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने लाइसेंसों की ग्रनुलिपि (मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों) के लिए इस ग्राधार पर ग्रावेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों खो गई हैं। ग्रागे यह बताया गया है कि मूल लाइसेंसों का ग्रांणिक रूप से उपयोग किया गया था और मनुलिपि प्रतियां बाकी बची राश को पूरा करने के लिए चाहिएं।

इस तक के समर्थन में आवेदक ने एक शपय पत्न जमा किया है। मैं इससे सन्तुष्ट हूं कि— लाइसेंस सं० पी/एल/2603089 दिनांक 8-1-70 तथा पी/एल/2603491 दिनांक 11-2-70 की मूल नुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं और निदेश देता हूं कि अनुलिपि लाइसेंस (मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां) आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंसों की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां रह की जाती हैं।

[संख्या : एस० जी० 18/जै० एस० 69/एस० सी०-4/स० एल० ए०/एस० जी० 28/मो० डी० 69/ एस०सी०-4/ सी० एल० ए०]

> डी० एत० मोरकीमा, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात ।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 17th March 1971

8.0. 1627.—Mr. Jairam Hariram Somaiya, County Hospital, Yorks (U.K.) was granted Custom Clearance Permit No. P/J/2372080/N/MP/36/H/31-32 dated 3rd July, 1970 for Rs. 16,000/- only for import of a Morris Oxford car has applied for a duplicate copy of the Custom clearance permit as the original Customs Clearance Permit has been lost. It is further stated that the original Custom Clearance Permit was not registered with any Custom House and not utilised.

In support of this contention Dr. Jairam Hariram Somaiya has filed an affi-davit. He has undertaken to return the Custom Clearance Permit if traced later to this office for record. I am satisfied that the original Custom Clearance Permit No. P/J/2372080/N/MP/36/H/31-32 dated 3rd July, 1970 has been lost and direct that a duplicate Custom Clearance permit should be issued to him. The original Custom Clearance Permit may be treated as cancelled.

[File No. 2(B-87)70-71/BLS/5104.]

U. N. KAPOQR.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

मुख्य नियंत्रक, अध्यात-निर्यात का कार्यालय

बादेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1971

एस० ब्रो॰ 1627.—श्री जयराम हरिराम सौमैया, काउन्टी हास्पिटल, योक्सं (यू०के०) को मोरिस ब्राक्सफोर्ड कार का ब्रायात करने के लिए 16,000 रुपये का सीमा शुक्क निकासी अनुमित पत्न संख्या पी/जे/2372080/एन/एमपी/36एच/31-32, दिनांक 3-7-70प्रदान किया गया था। चूंकि मूल सीमा-शुक्क निकासी अनुमित-पत्न खो गया है, इसलिए उन्होंने सीमा-शुक्क निकासी अनुमित पत्न की अनुलिपि के लिए आवेदन किया है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमा-शुक्क निकासी अनुमित-पत्न किसी सीमा शुक्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं करया गया था और न उसका कोई उपयोग ही किया गया था।

इस तर्क के समर्थन में श्री जयराम हरिराम सोमैया ने एक शपथ-पत्न जमा किया है। उन्होंने वचन दिया है कि सीमा-शुल्क निकासी अनुमति पत्न यदि पुन: मिल जाएगा तो उसे इस कार्यालय को रिकार्ड के लिए लौटा दिया जाएगा। मैं उससे संतुष्ट हूं कि मूल सीमा-शुल्क निकासी अनुमति-पत्न. संख्या पी/जे/2372080/एन/एमपी/36/एच/31-32, दिनांक 3-7-70 खो गया है और निदेश देता हूं कि उन्हें सीमा-शुल्क निकासी अनुमति-पत्न की अनुलिप जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा-शुल्क निकासी अनुमति-पत्न को रह किया गया समझा जाए।

[सं ० 2(वीं० 87)/70-71/वीं० एल० एस०/5104]

के० एन० कप्र,

उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात ।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports) ORDER

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1628.—M/s. The State Trading Corporation of India Ltd.. New Delhi were granted licence No. G/T/2379715 dated 27th November, 1963 for the import of Raw Wool/Wool Tops combed in India valued Rs. 3,98,000/-. They have requested for the issue of duplicate Custom purposes copy of the licence on the ground that the original Custom purposes copy of the licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has been utilised to the extent of Rs. 3,96,384/-.

In support of their contention, the applicant have filled an affidavit. The undersigned is satisfied that the original customs purposes copy of the licence No. G/T/2379715 dated 27th November, 1968 has been lost and directs that a duplicate customs purposes copy of the said licence should be issued to them. The original customs purposes copy is cancelled.

The duplicate customs purposes copy of the licence is being issued separately.

[No. STC/Misc-45-52/68-69/RMCell/706.]

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

(म्ह्य नियंत्रक ग्रायात निर्यात का कार्यालय)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1971

एस० ग्री॰ 1628.-सर्वश्री दी स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन ग्राफ इन्हिया लि॰ नई दिल्ली को 3,98,000 रुपये के मूल्य का कच्चा ऊन/भारा म माफ किए गए ऊन की पुनियों के आयात क्र लिए लाइसेंस सं० जी/टी/2379715 दिनांक 27-11-1968 प्रदान किया गया था । उन्होंने _{लाइसेंस} की सीमाशुल्क प्रति की अनुितिप जारी करने के लिए इस आधार पर आवेद किया है क लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति उनसे खो गई है। लाइसेंस-धारी ने यह सूचनां दी है कि 396,384 रुपये की सीमा तक लाइसेंस का उपयोग कर लिया गया है।

ग्रपने तर्क के समंथन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है क्र लाइसेंस सं० जी/टी/2379715 दिनांक 27-11-68 की मल सीमाणल्क प्रति खो गई है और निदेश देता है कि उकत लाइसेंस की सीमाशृल्क प्रति की अनुलिपि उन को जारी की जानी चाहिए। मुल शीमाशल्क प्रति रह की जाती है।

लाइसेंस की सीमाशलक प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

सि॰ एस॰ टी॰ सी॰ मिस्क-45-52/68-69/ब्रार॰ एम॰ सैल॰/706

सरदूल सिंह,

उप-मध्य नियंत्रक, ग्रायःत निर्यात ।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Internal Trade)

New Delhi, the 5th April 1971

8.0,1629.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Bombay Oilseeds and Oils Exchange Limited, Bombay, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of two years from the 25th April, 1971, to the 24th April, 1973, both days inclusive, in respect of forward contracts in groundnut oil.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[No. 12(2)-IT/71.]

S. RAJARAMAN, Dy. Secy.

बीबोविक विकास तथा बांतरिक व्यापार मंत्रालय

(ब्रांतरिक व्यापार विभाग)

नई विल्ली, 5 धप्रैल, 1971

कां० ग्रां० 1629.-केन्द्रीय सरकार ग्राग्रम संविदा (विनियमन) ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दी गई मान्यता के नवीकरण के लिए मुंबई आयलसीड्स एण्ड आयल्स एक्सचेंज, लिमिटेड, मुंबई द्वारा आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामशं करके विचार कर लेने पर और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए मूं , फली के तेल के अग्निम संविदाशों की बाबत उक्त एक्सचेंज का और आगे दो वर्ष की का नाविध के लिए 25 अप्रैल, 1971 से 24 अप्रैल, 1973 तक, जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं एतद्द्वारा मान्यता प्रदान करती है।

 एतद्द्वारा दी गई मान्यता इस शर्त के ग्रध्यधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का पालन करेगा जो वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय-समय पर दिये जाएंगे।

> [सं॰ फा॰ 12 (2) आई॰ टी॰/71] - एस॰ राजारमन, उप सचिव।

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 29th March 1971

S.O. 1630.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-2132, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 26 February 1971 as the product covered by the licence has been included in their licence No. CM/L-2137 for IS: 1875-1970 which supersedes IS: 4369 1967.

Sl. No.	Licence No. & date	Name and Address of the Licensee	Article/Process	Relevant Indian Standard
1.	CM/L-2132 1 31-10-69	Mahindra Ugine Steel Co, Ltd., Kho- poli, Distt. Kolaba, Maharashtra having their office at 14 Atlamount Road, Bombay-26 WB	Carbon steel bars for forgings.	IS: 4369 - 1967 Specification for carbon steel bars for forgings.

[No. CMD/55:2132]

(ब्रौद्योगिक विकास विभाग)
(भारतीय मानक संस्था)
नई दिल्ली, 29 मार्च, 1971

का॰ ग्रा॰ 1630.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955, के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की श्रोर से अधिसूचित किया जाता है कि लाइल्सेंस संख्या सी एम/एल-2132 जिस के ब्यौरे नीचे दिये जा रहे हैं 26 फरवरी, 1971 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि लाइसेंस अधीन वस्तु को उन के SEC. 3(ii)] THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893 1983

ताइसेंस संख्या सी एम/एल-2137 में सम्मिलित कर दिया गया है । यह लाइसेंस IS:1875-1970 के विरुद्ध दिया गया है जिस के द्वारा IS:4369-1967 निरस्त हो चुका है।

_{क्रम} ला**इसेंस संख्या लाइसेंसधारी** का नाम श्रौर वस्तु/प्रक्रिया तत्सम्बन्धी भारतीय _{संख्या} श्रौर तारीख पता मानक

1. सी एम/एल-2132 महीन्द्रा यूजीन स्टील कं गड़ी वस्तुम्रों के 31-10-69 लि॰ खोपोली , जिला, को- लिए कार्बन लाबा, महाराष्ट्र, इनका इस्पात की छड़ें कार्यालय 14 म्रत्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में है ।

गड़ी वस्तुम्रों के IS: 4369-1967 लिए कार्वन गड़ी वस्तुम्रों के इस्पात की छड़ें लिए कार्वन इस्पात की छड़ें।

[सं० सी०एम०डी०/55/2132]

S. O. 1631.—Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the sche fule given herefter, have lapsed or their renewals deferred:

		SCHEDULE						
Serial No.	Licence No.	Licensees Name & Address;	Article/Process and the relevant IS: Designation	S.O. Number and date of the Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks			
(1)	(2)	(3)	w w	(5)	(6)			
T	CM/L-509 25-2-1963	Henley Cables India Ltd., Hada- psar Industrial Esta e, Shola- pur Road, Poona-I.	PVC insulated cables and flexible cords—IS: 694 (Parts I & II)-1964	S.O. 695 dated 23-3-1963.	Lapsed after 31-12-1470.			
2	CM/L-516 21-3-1963	Do.¶	VIR cables and flexible cords— IS: 434 (Parts I & II)-1964	- S.O. 1145 dated 20-4-1965.	Lapsed a fter 31-12-1970.			
3	CM/L-621 22-1-1964	Pesticides India, Udaisagar Road, Udaipur (Ragasthan).	BHC WDPC-IS 562-1962.	S.O. 608 dated 22-2-1964	Deferred after 15-12-1970.			
4	CM/L-732 29-6-1964	Sri Rama Machinery Corpn. Pvt. Ltd., Catholic Centre, 5/6 Armenian Street, Madras.	Structural steel (standard qua- lity)-IS; 226-1969.	S.O. 2590 dated 1-8 1964.	Deferred after 31-1-1971.			
3	CM/L-733 29-6-1964	Sri Rama Machinery Corpn. Pvt. Ltd., Catholic Centre, 5/6 Armenian Street, Madras.	Structural steel (ordinary quality)-IS: 1977-1969.	S.O. 2590 dated 1-8-1964.	Deferred after 31-1-1971.			
6	CM/L-757 13-8-1964	Pelican Ceramic Industries, Meh- palpur P.O. Gurgaon Raod, New Dehi.	Semi-enclosed electric fuses- IS: 2086-1963.	S.O. 3553 dated 10-10-1964	Renewal was deferred after 31-8 1965; the licence is now to be treated a lapsed after that date.			
1	CM/L-887 28-11-1964	Khardah & Co. Ltd., Titaghar, 24 Parganas.	(1) Jute hessian-IS: 2818-1964 (2) Hessian bags-IS: 3790-1966	S.O. 79 dated 2-1 1965.	Lapsed after 30-11-1970.			
	8 CM/L-889 28-11-1964	Megna Mills Co. Ltd, P.O. Jagatdal, 24 Parganas.	(1) Jute hessian-IS: 2818-1964 (2) Hessian bags-IS:3790-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Lapsed after 30-11-1970.			

1)(ii)] THE
1	THE
	HE GAZETTE OF INDIA: APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893 198
	OF
	INDIA:
	APRIL
	17, 19
0.	71/CHAIT
	(RA 27.
	1893
	1985

	CM/L-890 28 71-1964		IS: 1943-1964, IS: 2566-1965 IS: 2874-1964 IS: 2875-1964 IS: 3667-1966 IS: 3668-1966 IS: 3750-1966 IS: 3751-1966 and IS: 3794-1966	S.O. 79 dated 2-1-1905.	
10	CM/L-893 28-11-1964	Hukumchand Jute Mills Ltd., 47 Ghoshpara Road, Halisahar.	(1) Jute hessian-IS: 2818-1964 (2) Hessian bags-IS-3790 1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Deferred after 30-11-1970.
11	CM/L-895 28-11-1964.	Anglo-India jute Mills Co. Ltd., (Lower Mills), P.O. Jagatdal, 24 Parganas.	(1) Jute hessian-IS: 2818-1964 (2) Hessian bags- IS: 3790-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Lapsed after 30-11-1970.
12	CM/L-896 28-11-1964	Anglo-India Jute Mills Co. Ltd., (Lower Mills), P.O. J gatdal, 24 Parganas	Jute sackings— IS 1943-1964, IS: 2566-1965 IS: 2874-1964 IS: 2875-1964 IS: 3667-1966 IS: 3750-1966 IS: 3751-1966 and IS: 3794-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Lapsed after 30-11-1970.
r 3	CM/L-915 28-11-1964	Birla Jute Mfg. Co. Ltd., (Birlapur, 24 Parganas.	1) Jute hessian-IS: 2818-1964 (2) Hessian bags-IS: 3790-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Deferred after 30-11-1970
14	CM/L-916 28-11-1964	Do.	Jute sackings— IS: 1943-1964 IS: 2566-1965 IS: 2874-1964 IS: 2875-1964 IS: 3667-1966 IS: 3750-1966 IS: 3751-1966 and IS: 3794-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965	Deferred after 30-11-1970.

(1)	(2)	(3)	(4)	(3)	(6)
15	CM/L-927 28-11-1964	Champdany Jute Co. Ltd., (Wellington Jute), G.T. Rd. Rishra, Hooghly.	(1) Jute hessian-IS: 2818-1964 (2) Hessian bags-IS: 3790-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Deferred after 30-11-1970.
16	CM/L-929 28-11-1964	Alexandra Jute Mills Ltd., Jagatdal, 24 Parganas.	(1) Jute hessian-IS: 2818-1964 S (2) Hessian bags-IS: 3790-1966	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Lapsed after 30-11-1570.
47	CM/L-930 28-11-1964	Do	Jute sackings— IS: 1943-1964 IS: 2566-1965 IS: 2874-1964 IS: 2875-1964 IS: 3667-1966 IS: 3668-1966 IS: 3750-1966 IS: 3751-1966 and IS: 3794-1966.	S.O. 79 dated 2-1-1965.	Lapsed after 30-11-1970.
€8	CM/L-1096 14-6-1965	Henley Cables India Ltd., Hadapsar Industrial Estate, Sholapur Road, Poona-t.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages up to and including 1 100 volts-IS: 1554 (Part -1964.		Lapsed after 31-12-1970.
49	CM/L-1170 6-12-1965	Asmopal Engineering Company, C-16/17, Sri Ram Industrial Estate, Katrak Road, Wadala, Bombay-31.	Sinlge-phase small ac and universal electric motors—IS: 996-1964.		Renewal was deferred after 15-12-1968; the licence now to be treated as lapsed after that date.
20	CM/L-1174 7-12-1965	Krishna Silicate & Glass Works Ltd., Baruipur, Post Office Baruipur Distt, 24 Parganas.		S.O. 410 dated 5-2-1966.	Lapsed after 15-12-1970.
21	CM/L-1208 111-2-1966	Asmopal Engineering Co., C-16/17, Sri Ram Industrial Estate, Katrak Road, Wadala, Bombay-31.	Three-phase induction motors up to 3 hp only-IS: 325-196x.	S.O. 851 dated 19-3-1966	Renewal was deferred after 15-2-1970; the licence is now to be treated as lapsed after that the

1	((4
	THE
	GAZETTE
	OF
	INDIA:
	APRIL
	17,
	GAZETTE OF INDIA: APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893
	2
	7, 1893
	1987

	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE	THE WORLD WINDS		DATE LANGE OF THE BUT OF THE PARTY.	WALLEY TO BE STORY	
	24-10-1967	Oabool Naccar, G. T. Road Shahdara De lhi-32.	windows and ventilators— IS: 1038-1968.		是 P	3(11)]
23	CM/L-1599 27-12-1967	Henley Cables India Ltd., Hadapsar Industrial Estate, Sholapur Road, Poona-1.	All aluminium conductors and ACSR conductors—IS: 398-1961.	S.O. 284 dated 20-1-1968	Lapsed after 31-12-1970.	1
24	CM/L1913 6-2-1969.	Leader Engineering Works, Industrial Town, Juliundur-4.	Sluice valves for waterworks purposes, class up to 80 mm size only—IS: 780-1967	S.O. 1256 dated 5-4-1969.	Renewal was deferred after 15-2-1970, the licence is now tp be treated as lapsed after that date.	THE GAZ
25	CM/L-1988 12-6-1969.	Universal Copper & Steel Rolling Mills, Near Khtharia Railway	Structural steel (standard quality)—IS: 226-1969.	S.O. 3018 dated 26-7-1969.	Lapsed after 15-12-1970.	GAZETTE
26	CM/L-1989 12-6-1969	Station, Rajkot. Do.	Structural steel (ordinary qua- lity)—IS: 1977-1969.	S.O. 3018 dated 26-7-1969.	Lapsed after 15-12-1970 1	OF I
27	CM/L-1998 30-6-1969	Henley Cables India Limited, Henley House, Hadpsar Indus- trial Estate, Post Box No. 22 Poona-1.	Polythene insulated and PVC sheathed cables single core and flat twin only—IS: 1596-1962.	S.O. 3018 dated 26-7-1969.	Lapsed after 31-12-1970.	INDIA: AI
28	CM/2001 36-6-1969	Shri Mahesh Metal Works, Madangani, Kishangarh (Rajasthan).	Brass sheets (Cu Zn 37)— IS: 410-1967	S.O. 3018 dated 26-7-1969.	Deferred after 31-12-1970.	APRIL 17,
29	CM/L-2021 22-7-1969.	Henley Cables India Ltd., Henley House Hadapsar Industrial, Estate, Post Box No. 22, Poona-1.	(1) PVC insulated and PVC sheathed, single core, 250/440 volts grade with Aluminium conductors— IS: 3035 (Part I)-1965, Polyethylene insulated cales-IS: 3035 (Part II)-1965 (3) Polyethylene insulated and polyethylene sheathed cobles IS: 3035 (Part II)-1967.		Lapsed after 31-12-1970.	1971/CHAITRA 27.
30	CM/L-2122 27-10-1969	Dr. Swarup's Pest Control Private Ltd., Adand Niwas, Village & P.O. Shamsabad, Hyderabad District.	IS: 1505-1968.	S.O. 4849 dated 6-12-1969.	Lapsed after 31-10-1970.	1893 198

	188
1970.	188 THE
10.	GAZE
970.	GAZETTE OF
970.	INDIA:
1971.	APRIL
r	17, 191
971.	APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893
71.	A 27.
771	1893
7.	PART

(1)	(2)	(3)	(4)	(3)	(6)
31	CM/L-2154 28-11-1969	Sudershan Timber Trading Co. Dhangu Rord, Pathankot, (Punjab).	Tea-chest batten—IS:10-1965	S.O. 5045 dated 27-12-1969.	Deferred after 15-12-1970.
32	CM/L-2168 8-12-1969	Co-operative Oil Industries Ltd. Latur, Distt. Osmanabad.	18-litre square tins— IS: 916-1966	S.O. 437 dated 7-2-1970.	Lapsed after 15-12-1970.
33	CM/L-2176 22-12-1969	Mineral Dressing & Pulverising Co., Habshiguda Uppal Road, Hyderabad.	Bleaching earth, Grade 2— IS: 1965-1961.	S.O. 437 dated 7-2-1970.	Deferred after 31-12-1970.
34	CM/L-2189 31-12-1969	Great Indian Plywood Mfg. Co. 49A, Hari Ghose Street, Calcutta-6.	Tea-chest battens— IS: 10-1964.	S.O. 437 dated 7-2-1970.	Deferred after 31-12-1970.
35	CM/L-2203 9-1-1970	Shah Metal Pressing Works, Amin Industrial Estate, Sona- walla Cross Road, Goregson (East), Bombay-63.	Wrought aluminium utensils, Grade SIC-IS: 21-1959.	S.D. 771 dated 28-2-1970.	Larsed after 15-1-1971.
36	CM/L-2206 13-1-1970	Megna Mills Co. Ltd., Jagatdal, 24 Parganas, (West Bengal).	New Jute wool pack— IS: 4856-1968.	S.O. 771 dated 28-2-1970.	Lapsed after 15-1-1971.
37	CM/L-2209 14-1-1970	Ashok Traders, Plot No. 129-C, Govt. Indus- trial Estate, Kandivli (West) Bombay-61.	DDT WDPC-IS: 565-1961.	S.O. 771 dated 28-2-1970.	Deferred after 15-1-1971.
38	CM/L-2210 14-1-1970	Oriental Chemical Pvt. Ltd., Plot No. A-7 MIDC Chemical Zone, Ambarnath.		S.O. 771 dated 28-2-1970.	Deferred after 15-1-1971.
39	CM/L-2218 22-1-1970	Budge Budge Amalgamated Mills Mill No. 1 57 Maulana. Azad Raod, Budge Budge, Calcutta.	New jute wool pack — IS: 4856-1968.	S.O. 771 dated 28-2-1970.	Lapsed after 15-1-1971.
40	CM/L-2221 28-1-1970.	The India Jute Co., Ltd., Serampore, Distt. Hooghly	New jute wool pack— IS: 4856-1968.	S.O. 771 dated 28-2-1970.	Lapsed after 15-1-1971.

c. 3(11)]

[No. CMD/13: 14]
(A. K. Gupta)
Deputy Director General

IS: 4856-1968.

d., (Mill No. 3), Manikpo

CM/L-2222

एस॰ ग्रो॰ 1331जिन प्रमाणन	मुहर लाइसेंसों के ब्योरे आ	गे अनुसूची में दिये गये हैं या तो	रह हो गये हैं या उनका नवीकरण स्थगित कर दिया
---------------------------	----------------------------	-----------------------------------	---

		ग्रनुसूची		
कम लाइसेंस संख्या संख्या	लाइसेंसधारियों का नाम ग्रीर पता	वस्तु/प्रक्रिया ग्रीर तत्सम्बन्धी ः का पद नाम	एस श्रो संख्या श्रीर दिनांक	विवरण
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सी एम/एल-509 25-2-1963	हेनले केबल इंडिया लि०, हेडाप्सर इंडस्ट्रियल इस्टेंट, गोलापुर रोड, पूना-1	पी वी सी रोधित केबल और नम्य डोरियां— : 694 (भाग 1 और 2)— 1964	एस ग्रो संख्या 695 दिनांक 23-3-1963	31-12-1970 के बाद रद्द
2. सी एम/एल-516 21-3-1963		बी आई आर केवल और नम्य डोरियां— : 434 (भाग 1 और 2)-1964	एस श्री 1145 दिनांक 20-4-1963	31-12-1970 के बाद रह्
3. सी एम/एल-621 22-1-1964	पेस्टीसाइड इंडिया, उदयसागर रोड, उदयसागर (राजस्थान)	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— : 562-1962	एस श्रो 608 दिनांक 22-2-1964	15-12-1970 के बाद स्थगित
4. सी एम/एल-732 29-6-1964	श्री राम मशीनरी कारपोरेशन प्रा० लि०, कैथोलिक सेण्टर, 5/6 ग्रामोनियन स्ट्रीट, मद्रास	संरचना इस्पात (मानक किस्म) : 226-1969	एस श्रो 2590 दिनांक 1-8-1964	31-1-1964 के बाद स्थिगित
5. सी एम/एल-733 29-6-1964		संरचना इस्पात (साधारण किस् : 1977-1969	म) एस ग्रो 2590 दिनांक 1-8-1964	3·1-1-1971 के बा स्थगित

हो या हो हो	q		

6. सी एम/एल-757	विलिकन सैरेमिक इंडस्ट्रीज	बिजली के प्यूज	एस औं 3553	इस लाइसेंस का नवीकरण
13-8-1964	महिपालपुर पो० ग्रा० गुड़गोव	: 2086-1963	दिनांक 10-10-1964	31-8-1965 को
	रोड नई दिल्ली			स्थगित किया गया था
	man Arbertana va Liv	to Be one constitu	The state of the s	ग्रव उसी तिथि से इसकी
				रद्दमाना जाये।
7. सी एम/एल-887	खर्दा एण्ड कं० लि०, टीटागढ़,	जूट हेसियन-	एस भ्रो 79	30-11-1970 के बाद
28-11-1964	24 परगना	: 2818-1964	दिनांक 2-1-1965	रद्द
		हेसियन बोरे		
		: 3790-1966		
8. सी एम/एल-889	मेग्ना मिल्स कं० लि०, पो० घा०	(1) जूट हेसियन-	एस झो 79	30-11-1970 के बा
28-11-1964	जगतदल, 24 परगना	: 2818-1964	दिनांक 2-1-1965	ंरह
		(2) हेसियन बोरे		
AND LIE		3790-1966		
9. सी एम/एल-890		पटसन सैकिंग	एस क्रो 79	30-11-1970 के बा
28-11-1964		: 1943-1864,	दिनांक 2-1-1965	₹ <u>₹</u>
		: 2566-1965,		
		: 2874-1964,	No. 2 1-1/2 2-102	
		: 2875-1964.		
		: 3667-1966,		
		: 3668-1966,		
		: 3750-1966,		
	padar AF His Re	: 3751-1966		
		: 3794-1966		
		3734 1000		

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10. सी एम/एल-893 28-11-1964	हुकुमचंद जूट मिल्स लि०, 47 घोषपाड़ा रोड, हाली शहर	(1) जूट हेसियन— : 2818-1964 (2) हेसियन बोरे— : 3790-1966	एस भ्री 79 दिनांक 2-1-1965	30-11-1970 के बाद स्थगित
11. सी एम/एल-895 28-11-1964	ऐंग्लो इंडिया जूट मिल्स कं० लि०, (लोवर मिल्स), पो० घ्रा० जगतदल, 24 परगना	(1) जूट हेरिसयन— : 2818-1964 (2) हेसियन बोरे— : 3790-1966	एस भ्रो 79 दिनांक 2-1-1965	30-11-1970 के बाद स्थगित
12. सी एम/एल-896 28-11-1964	ऐंग्लो इंडिया जूट मिल्स कं० लि०, (लोबर मिल्स), पो० ग्रा० जगतदल, 24 परगना	पटसन सैकिंग- : 1943- 1964, : 2566- 1965, : 2874-	एस क्री 79 दिनांक 2-1-1965	30-11-1970 के बाद स्थगित
		1964, : 2875— 1964, : 3667— 1966, : 3668— 1966, : 3750— 1966, : 3751— 1966, और : 3794—		
13. सी एम/एल-915 28-11-1964	बिड्ला जूट मैन्यूफैक्चरिंग कं० लि० बिड्लापुर, 24 परगना	(1) जूट हेसियन— : 2818-1964 (2) हेसियन बोरे— : 3790-1966	एस झो 79 दिनांक 2-1-1965	30-11-1970 के बाद _, स्थगित

14. सी एम।एल-916 28-11-1964	बिड्ला जूट मैन्युफैनचरिंग कं० लि० बिड्लागुर -24 परगना	पटसन सकिंग 1964,	: 1943- : 2566-	एस भ्रो 79 दिनांक 2-1-1965	30-11-1970 के व स्थगित	बाद
20 11 1304	in the depth of the call think	1000	: 2874-		SALE AND SALE SECTION	
	Collections at the Said	1001	: 2875-	A Land	The Management of	
		1964,	: 3667-	A SHEET LOUIS TO	an end darker	
		1966,	: 3668-			
		1966,	: 3750-			
		1966,	: 3751-			
		1966, घीर 1966	: 3794-			
15. सी एम/एल-927	चंपदानी जूट कं ० लि० (बोलिगं-	(1) जुट हेसियन	-	एस झो 79	30-11-1970 市	वाद
28-11-1964	टन जूट), जी टी रोड, रिशरा	: 2818-19		दिनांक 2-1-1965	स्थगित	
	हगली	(2) हैसियन बोरे	_	AN AFRANCIS STATE	THE MEDIUM NAME OF STREET	
		: 3790-19				
6. सी एम/एल-929	अलेकोंड्रा जूट मिल्स लि०, जगतदल	(1) जुट हेसियन-		एस म्रो 79	30-11-1970 市	बाद
28-11-1964	24 परगना	: 2818-19		दिनांक 2-1-1965	रह	
		(2) हेसियन बोरे				
		: 3790-19	NOT LIBE O BEHAVE I'VE			
17. सी एम/एल-930	and heart spale on the same	पटसन सैकि	η	एस म्रो 79	30-11-1970 南	बाद
28-11-1964		: 1943-19		दिनांक 2-1-1965	रद	
		: 2566-19	65,			
		: 2874-19	64,			
		: 2875-19				
		: 3667-19	66,			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6) 11111
			: 3668-1966, : 3750-1966, : 3751-1966, : 3794-1966		
18.	सी एम/एस-1096 14-6-1965	हेनले केबन इंडिया लि०, हेडप्सर इंडस्ट्रियल इस्टेट, शोलापुर रोड, पूना-1	100 वो घोर इतने तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पी वी सी रोघित (भारी इ्यूटी) विजली के केबल— : 1554 (भाग 1)-1964	एस ग्रो 2403 दिनांक 31-7-1965	31−12−1970 के बाद रद्द
19.	सी एम/एल−1170 6−12−1965	एस्मोपाल इंजीनियरिंग कं० सी-16-17, श्री राम इंडस्ट्रियल इस्टेट, कतरक रोड, बडाला, बम्बई-31	छोटे ए सी भीर यूनिवर्सल विजली के मोटर : 996-1964	एस श्रो 410 दिनांक 5-2-1966	इस लाइसेंस की नवीकरण 15-12-1968 को स्थागत किया गया था; अब इसे उसी तिथि से रह माना जाये।
20	सी एम/एल-1174 7-12-1965	कृष्णा सिलिकेट एण्ड ग्लास वक्सं लि०, बरूईपुर, डाकघर बरुईपुर, जिला 24 परगना		एस श्रो 410 दिनांक 5-2-1966	15-12-1970 के बाद रद्द
	सी एम/एस-1208 11-2-1966	ऐस्मोपाल इंजीनियरिंग क०, सी-16-17, श्री राम इंडस्ट्रि यल इस्टेट, कतरक रोड, वडाल वम्बई-31	- प्रेरण मोटर	एस ग्री 851 दिनांक 19-3-1966	इस लाइसेंस का नबीकरण 15-2-1970 को स्थिगत किया गया था अब उसी तिथि से इसे रह माना जाए।

:2	को एम/एव-1531 24-10-1967	महाबोर स्टोत रोजिंग मिल्स. कबूल नगर, जी टी रोड, शाहदरा. दिल्ली-32	दरशंजों, विङ्क्तियों शीर रोणन- दानों के लिए रोल्ड इस्पात के सेवान IS: 1038-1968	एस स्रो 4258 दिनांक 9-12-1967	31-12-1970 क बाद स्विगित
	सी एम/एन्-1599 27-12-1967	हेनले केबल इंडिया लि॰, हेडप्सर इंडस्ट्रियल, इस्टेट, शोलापुर रोड, पूना-1	सभी एल्मुमिनियम के वालक तथा एमीएस ग्रीर वालक- IS: 398-1961	एस भ्रो 284 दिनांक 20-1-1968	31-12-1970 के बाद रद्द
4	'सी एम/एल्-1913 6-2-1969	लीडर इंजीनियरिंग वर्सा, इडस्ट्रि- यल टाउन, जलंघर-4	जल कार्यों के लिए रलूस वाल्ब, वर्ग 80 मिमी तक नाप वाले— IS: 780—1967	एस ग्रो 1256 दिनांक 5-4-1969	इस लाइसेंस का नवी- करण 15-2-1970 को स्थिगित किया गया था ग्रव उसी तिथि से इसे रह माना जाए।
5	सी एम/एल-1968 12-6-1969	यूनिवर्सल कापर एण्ड स्टील रोलिंग मिल्स, निकट कोठारिया रेलवे स्टेशन, राजकोट	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS: 226-1969	एस भ्रो 3018 दिनांक 26-6-1969	15-12-1970 के बाद रद्द
6	सी एम/एल-1989 12-6-1969		संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS: 1977-1969	एस भ्रो 3018 दिनांक 26-7-1969	15-12-1970 के बाद रद्
7	मी एम/एल-1998 30-6-1969	हेनले केंबल इंडिया लि॰, हेडस्पर इंडस्ट्रियल इस्टेंट, शोलापुर रोड, पूना-1	इकहरें कोर वाले चपटे जुड़वां पोलीधीन रोधित और पी वी सीखोलदार केंबल IS: 1596-1962	एस झो 3018 26-7-1969	31-12-1970 के बाद रद्द
8	सी एम/एल-2001 30-6-1969	श्री महेश मेटल वर्क्स, मदनगंज, किशनगढ़ (राजस्थान)	पीतल की चहर (CuZn 37) IS: 410-1967	एस भ्रो 3018 दिनांक 26-7-1969	31-12-1970 के बाद स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
•	सी एम/एल-2021 22-7-1969	हेनले केबल इंडिया लि०, हेंडप्सर इंडस्ट्रियल इंस्टेंट, शोलापुर रोड, पूना-1	(1) पी बी सी रोधित और पी बी सी खोलदार इक्हेर कीर बाते 250/440 बोल्ट ग्रेंड के एल्युमिनियम चालको वाले- IS: 3035 (भाग 1)-1965 (2) पालीइयाइलीन रोधित केबल- IS: 3935 (भाग 2)-1965 (3) पालीइयाइलीन रोधित ग्रीर पालीइयाइलीन खोलदार केबल- IS: 3035 (भाग 3)-1967	abay ara Japa ara-bahar Japa ara-ba	31-12-1970 के बाद रह
30	सी एव०/एन 2122 27-10-1969	डा० स्वक्ष्य से पेस्ट कंट्रोल प्रा० लि०, धानंद निवास, गांव व डाकघर शमशाबाद, जिला हैदराबाद	बी॰ एच॰ सं.०धूश्रकारक्री IS: 505-1068	र्स स्रो 4949 दिनांक 6-12-1969	31-10-1970 के बाद रड्
11	सी एम/एल-2154 28-11-1969		चाय की रैटियों की पत्तियां : IS: 10-1964	. स्रो 5045 दिनांक 27-12-1969	15-12-1970 के बाद स्थगित
32	सी एम/एन 2168 8-12-1969	कोग्रापरेटिव ग्रायल इंडस्ट्रीज लि०, लाटूर, जिला उस्मानाबाद	18-लीटर के चौकोर डिब्वे प IS: 916-1966	एस श्रो 437 दिनांक 7-2-1970	15-12-1970 के बाद रह
33	सी एम/एल-2176 22-12-1969	मिनरल ड्रैसिंग एण्ड पत्वराइजिंग कं०, हलीगुड़ा उप्पल रोड, हैदराबाद	रेह ग्रेड 2 1965-1961	एस ग्रो 437 दिनांक 7-2-1970	31-12-1970 के बाद स्थिगित

TTE OF INDIA: APRIL 17, 1971/A	GAZETTE OF INDIA: APRIL 17, 1971/CHAITRA 27, 1893 19
APRII 17, 1971/A	APRIL 17, 1971/CHAITRA
	CHAITRA

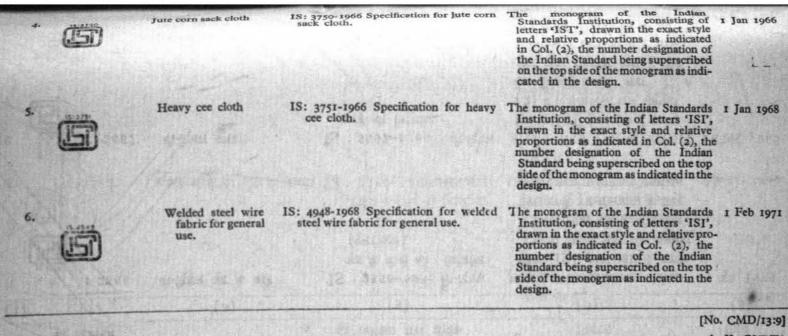
4 सी प्म/प्ल-2189 31-12-1969	मेट इंडियन प्लाईबुड मैंन्युफैनचरिंग कं०, 49 ए हरि घोष स्ट्रीट, कलकता—6	चाय की रेटियों की पनियां IS: 10-1964	एस क्रो 437 दिनांक 7-2-1970	31-12-1970 स्वगित	कि बाद
सी एम/एल-2203 9-1-1970	शाह मेटल प्रेसिंग वक्स, ग्रमिन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनाबाल क्रास रोड, गोरेगांव (पूर्व), वस्वई-63	पिटवां एन्युमिनियम के बर्तन ग्रेड एस ग्राई सी— IS: 21-1959	एस को 771 दिनांक 28-2-1970	15-1-1971	के बाद रह
धी एम/एस-2206 13-1-1970	मेगना मिल्स कं० लि०, पो० ग्रा० जगतदल, 24 परंगना	कन भरने की जूट की नई बोरियां IS: 4856-1968	एस क्रो 771 दिनांक 28-2-1970	15-1-197 रह	1 के बाद
मो एम/एल-2209 14-1-1970	श्रणोक ट्रेडर्स, प्लाट सं०/29-सी, गर्वन्मेण्ट इंडट्रियल इस्टेट, कांडीब्ली (पश्चिम), बम्बई-61	डो डो टो का जन वित्तनंतीय रेज चूर्ण IS: 565-1961	एस क्रो 771 दिनांव 28-2-1970	ी] 15-1-1971 स्थिगित	के बाद
सी एम/एल-2210 14-1-1970	बोरियंटल केमिकल प्रा० लि० प्लाट सं०ए-7, एम बाई डी सी केमिकल जोन, अम्बरनाथ	तांबा ग्राक्सीक्लोराइड जल विसर्ज- नीय तेज चूर्ण IS: 1507-1966	एस यो 771 दिन 28-2-1970	ांक 15-1-1971 स्थगित	कि बाद
सी एम/एल-2218 22-1-1970	बज बज अमालामेटेड मिल्स (मिल सं० 1), 57 मौलाना धाजाद रोड, बज बज कलकत्ता	कन भरने की जूट की बोरियां IS: 4856-1966	नई एस भ्रो 771 दिन 28-2-1970	क 15-1-1971 रह्]	के बाद
संस्प्र/एव 2221 28-1-1970	दि इंडिया जूट कं० लि०, सेरामपुर, जिला हुगली	बोरियां	ई एस भ्रो 771 वि 28-2-1970	नांक 15-1-197 रद्द	। के बाद
सी एम/एल-2222 28-1-1970	बज बज आमाल्गामटेड मिल्स लि० (मि सं० 3), मानिक- पुर,संकरैल हाबड़ा		ई एस क्रो 771 दिन 28-2-1970	ॉक 15–1−1971 रद्	के बाद
	सी एम/एल-2203 9-1-1970 सी एम/एल-2206 13-1-1970 सी एम/एल-2209 14-1-1970 सी एम/एल-2210 14-1-1970 सी एम/एल-2218 22-1-1970 सी एम/एल-2218 28-1-1970	कें, 49 ए हरि बोव स्ट्रीट, कलकत्ता—6 सी एम/एल—2203 जाह मेटल प्रेसिग वर्ब्स, ध्रीमन 9—1—1970 इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाल कास रोड, गोरेगांव (पूर्व), वस्वई—63 सी एम/एल—2206 मेगना मिल्स कंं लिं, पो० ध्रा० 13—1—1970 व्यतदल, 24 परगना को एम/एल—2209 ध्रोंक ट्रेडस्ट्रेयल इस्टेट, कांडीब्ली (पश्चिम), बस्वई—61 सी एम/एल—2210 ध्रोरियंटल केंमिकल प्रा० लिं० 14—1—1970 प्लाट सं० ए-7, एम ध्राई डी सी केमिकल जोन, ध्रम्बरनाथ सी एम/एल—2218 वज बज ध्रमाल्गामेटेड मिल्स 22—1—1970 (पल सं० 1), 57 मौलाना ध्राजाद रोड, वज वज कलकत्ता सि एम/एल 2221 दि इंडिया जूट कं० लिं०, सेरामपुर, जिला हुगली सी एम/एल—2222 वज बज ध्रामाल्गामेटेड मिल्स 28—1—1970 सरामपुर, जिला हुगली	सि एम/एल-2203 शाह मेटल प्रेसिंग वन्तां, प्रमिन पिटवां एल्युमिनियम के बर्तन ग्रेड कलकत्ता-6 सी एम/एल-2203 शाह मेटल प्रेसिंग वन्तां, प्रमिन पिटवां एल्युमिनियम के बर्तन ग्रेड कास रोड, गोरेगांव (पूर्व), IS: 21-1959 वस्वई-63 सी एम/एल-2206 मेगना मिल्स के लिंग, पो० ग्रा० कन भरने की जूट की नई बोरियां 13-1-1970 वगतदल. 24 परगना IS: 4856-1968 सी एम/एल-2209 ध्रजों के ट्रेडसं, प्लाट सं०/29नीं, डो डो टो का जत विवर्जनीय गेज गर्वन्मेण्ट इंडट्रियल इस्टेट, चूर्ण काडीब्ली (पश्चिम), बम्बई-61 IS: 565-1961 सी एम/एल-2210 ध्रोरियंटल केमिकल ग्रा० लिंग तांवा ध्रावमीक्लोराइड जल विसर्जनीय नेति केमिकल जोन, ग्रम्बरनाथ IS: 1507-1966 सी एम/एल-2218 वज बज ग्रमाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की विद्यां प्राजाद रोड, बज बज कलकत्ता IS: 4856-1966 सी एम/एल-221 दि इंडिया जूट कंग लिंग, कन भरने की जूट की निर्माण्य 2221 दि इंडिया जूट कंग लिंग, कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज बज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज वज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज वज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज वज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की निर्माण्य-2222 वज वज ग्रामाल्गामेटेड मिल्स केम्बंट्यां विर्यां	अहा कर का स्वाप्त का स्वाप्त कर का स्वाप्त	सी एम/एल-2218 के., 49 ए हरि चोच स्ट्रीट, कलकता-6 सी एम/एल-2203 शह मेटल प्रेसिंग वस्से, प्रमिन पिटवों एव्यूमिनियम के बर्तन ग्रेड एस भ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 इंडिन्ट्रियल इस्टेट, सोनावाल एस प्राईसी- 28-2-1970 कास रोड, गोरेगांव (पूर्व), aस्वई-63 सी एम/एल-2206 मेगना मिल्स कं० लि०, पो० थ्रा० कन भरने की जूट की नई बोरियां एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 13-1-1970 वगतदल, 24 परगना IS: 4856-1968 28-2-1970 रद्द कांडिय्बते (पाट सं०/29-सी, वांडिय्बते (पिटचम), बस्वई-61 IS: 555-1961 सी एम/एल-2210 प्रोसियल इस्टेट, क्यूं 28-2-1970 स्विनंत 15-1-1971 14-1-1970 प्राइक्कें (पाट सं०/29-सी, वांडिय्बते (पिटचम), बस्वई-61 IS: 555-1961 सी एम/एल-2210 प्रोसियल केमिकल प्रा० लि० तांवा धावमीक्लोराइड जल विसर्ज- एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 14-1-1970 प्राइकें ए-7, एम प्राईडींसी तीय तेज वूर्ण 28-2-1970 स्विप्ति किमिकल जोन, प्रम्वरालाथ IS: 1507-1966 सी एम/एल-2218 बज बज ब्रमाल्गामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की नई एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 22-1-1970 (मिल सं० 1), 57 मौलाना वॉरियां 28-2-1970 रद्दी IS: 4856-1968 सी एम/एल 2221 दि इंडिया जूट कं० लि०, जेन भरने की जूट की नई एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 IS: 4856-1968 सी एम/एल-2222 वज बज ग्रमालामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की नई एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 IS: 4856-1968 सी एम/एल-2222 वज बज ग्रमालामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की नई एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 IS: 4856-1968 सी एम/एल-2222 वज बज ग्रमालामेटेड मिल्स कन भरने की जूट की नई एस थ्रो 771 दिनांक 15-1-1971 IS: 4856-1968

S.O. 1632.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design (s) of which to gether with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard (s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark (s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each.

THE SCHEDULE

No.	Design of the Standard Mark	i Product/Class of N Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
1	2	3	4	5	6
	5	B-twill jute bags	IS: 2566-1965 Specification for B-twill jute bags (revised.)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the mongoram as indicated in the design.	1 Jun 1965
•		B-twill cloth	IS: 3657-1966 Specification for B-twill cloth.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative pro- portions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Stan- dard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Jan 1968
3-		iverpool twill (L-twill)	IS: 3668-1966 Specification for liver- pool twill (L-twill) cloth.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Jan 1968



A. K. GUPTA, Deputy Director General. ्रस॰ भो॰ 1632.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम, 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार मारतीय मानक संस्था की भोर से अधिसूचित किया जाता है कि मानक चिह्न जिनकी डिजाइन भीर शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक सिह्त नीचे अनुसूची में दिए हैं, भा मा संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं :—

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उनके अधीन बने नियमों के निमित ये मानक-चिह्न उनके आगे लिखी तिथियों से लागू हो जाएगी :---

		भनुसू ची			
कमांक मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या ग्रीर शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि	
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1. : 2566	बी-ट्विल जूट के बोरे	IS: 2556-1965 बी-द्विल जूट के बोरों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	[11] T. S. D. P. C. Bliff, Ed. Sch. Phys. Rev. B 52, 123 (1992); S. P. S. P	1 जून 1965	
2. : 3667	बी-द्विल कपड़ा	IS: 3667-1966 बी-ट्वि कपड़े की विशिष्टि	ल भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' ग्रव्य होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गैली ग्रीर ग्रनुपात में तैयार है किया गया है, ग्रीर जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ग्रीर भार-	ा अनयरी 1965	

तीय मानक की पदसंख्या दी हुई

[स॰ सी एम ही/13:9] ए० के॰ गुप्ता, उपमहानिदेशक।

ė

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1633 .- Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, as on the 26th March, 1971

BANKING DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	9,58,91,000
		Rupee Coin	4,36,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Cola	3,85,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	172,00,00,000	Bills Purchased and Discounted i-	6,70,91,000
		(b) External	
		(c) Government Treasury Bi'ls	31,37,56,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	37,00,00,100	Balances Held Abroad*	77,00,62,000
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	95,-0,00,000	Investments**	103,55,79,000
Contract Type Contract Contrac		Loans and Advances tot	
		(i) Central Government	214, 93,42,000
Deposits:-		Loa ns and Advances to :-	
		(f) cheduled Commercial Banks †	368,37,20,000
(a) Government-		(if) State Co-operative Banks †1	282,47,17,000
		(iii) Others	4,09,60,000
(i) Central Government	250,55,48,000		

Men
THE
GAZETTE
OF INDIA:
APRIL
17, 1971/
1971/CHAITRA
27, 1893
[PART

LIABILITIES		Rs.	ASSETS	Rs.
(ii) State Governments		13,36,64,000	Loans, Advances and Investments from National Agricul- tural Credit (Long Term Operations) Fund	
(b) Banks—			(a) Loans and Advances to :	
(i) Scheduled Commercial Banks (ii) Scheduled State Co-operative Banks (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks (ro) Other Banks	nnks	207,09,85,000 9,32,80,000 78,22,000 *26,26,000	(i) State Governments (ii) State Co-operative Banks (iii) Central Land Mortgage Banks (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	34,57,12,000 19,80,23,000
			Loans and Advances to State Co-operative Banks Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	4,21,51,000
(e) Others Bills Payable		71,64,68,000 75,86,48,000 153,80,85,000	(a) Loans and Advances to the Development Bank (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	29,83,71,000 45,49,88,000
Charles of the Control of the Contro	Rupees	1241,71,26,000	Rupees .	1241,71,26,000

^{*}Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

Went of the state of the same of the same of

^{**} Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

[@]Rxcluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

t Includes Rs. 202,40,00,000 alvanced to schelled in a reculbra's against usance bills under Section 17(4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

††Backeling Loans and Alvances from the November 1 A relativistic Could Coul

Ç	
((1))	
THE	
GAZETTE	
POF	
INDIA:	
APRIL	
17,	
1971	
/CHAI	
RA	
27,	
1893	
200	

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	9,58,91,000		Gold Coin and Bullion :-		
Notes in circulation	4211,76,93,000	4221,35,84,000	(a) Held in India	192,53,11,000	
Control of the Contro		e'an'an'an	Rupec Coin Government of India Rupee Securities Internal Bills of Exchange and other commercial paper		455,95,11,000 51,67,49,000 3713,73,24,000
TOTAL LIABILITIES		4221,35,84,000	TOTAL ASSETS		4221,35,84,000
Pated the 31st day of March, 1971.		1000000000		(Sd.) S.	JAGANNATHAN, GOVERNOT.
			engage destroy of the contract		D. F. 3(3)-BC/71.] AM, Under Secy.
de una comunicación de la comuni		以联系统(A) (SA(A)) (S	apply places of the state of the		To the b
AND REPORT OF THE PARTY	10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	S. 整个的 2. 14 15 15 16 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15 15			A SOLUTION OF
经过滤器计论的公司		100	ansel (
	Suite man	Variable Control	The second secon		

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

वित्त मंत्रालय बैंकिंग विभाग नई दिल्ली, 31 मार्च, 1971 ' एस॰ क्षी : 1633.-- 26 मार्च 1971 को रिखर्व बैंक झांफ़ इंडिया के वैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण।

देयताएं				रुपये	म्रास्तियां -			रुपये
पुक्ता पूंची	5			5,00,00,000	नोट .			9,58,91,000
धार्यक्रत निधि .		EA.		150,00,00,000	रुपये का सिक्का			4,36,000
					छोटा सिक्का .			3,85,000
राष्ट्रीय ग्रापि ऋण					खरीदे और भुनाये गये विल:			CONTRACTOR
(बीवंकालीन क्रियाएं) निधि	١.			172,00,00,000	BANK THE RESERVE TO THE RESERVE THE RE			
राष्ट्रीय कृषि ऋण					(क) देशी			6,70,91,000
(स्थिरीकरण) निधि			THE REAL PROPERTY.	37,00,00,000	(ख) विदेशी	-		
					(ग) सरकारी खजाना बिल			31,37,56,000
राष्ट्रीय घीबोगिक ऋण					विदेशों में रखा हुग्रा बकाया* .	•		77,00,62,000
(दीर्षकालीन कियाएं) निधि				95,00,00,000	निवेश**	United States		103,55,79,000
जमा राणियां :					ऋण और अग्रिम :			and the same of th
(क) सरकारी					(i) केन्द्रीय सरकार को .			
(i) केन्द्रीय सरकार				250,55,48,000	(ii) राज्य सरकारों को@			214,93,42,000
(ii) राज्य सरकारें			1200	13,36,64,000				West Control
She was been been					ऋण ग्रीर ग्रविम :			
(व) वेंक					(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†			368,37,20,000
(i) अनुसूचित वाणिज्य	वंक	Att Table		207,09,85,000	(ii) राज्य सहकारी वैंकों को † †			282,47,17,000
(ii) अनुसचित राज्य स	हकारी व	कि.		9,32,80,000	(iii) दूसरों को			4,09,60,000
					राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियार ऋण, अग्रिम और निवेश	रं) निर्ग	ध से	

	धनुसूचित कारी वेंक	राज्य		78,22,000	
ME.	कारा वक				 (iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को (ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिवेंचरों में निवेश 9,59,42,000
(iv) q=	य बेंक			26,26,000	[10] [10] [10] [10] [10] [10] [10] [10]
(ग) बन्य				71,64,68,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण अग्रिम 4,21,51,000
देय वित				75,86,48,000	राष्ट्रीय बौद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, ब्रियम और निवेश :—
धम्य देवताएं				153,80,85,000	(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम . 29,83,71,000 (ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/
THE RESERVE					डिवेंचरों में निवेश
					भ न्य भ्रास्तियां
			रूपये	1241,71,26,000	€पये . 1241,71,26,000

^{*} नकदी बावधिक जमा और ग्रत्यकालीन प्रतिभृतियां शामिल हैं।

^{**} राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन कियाएं) निधि और राष्ट्रीय श्रीद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन कियाएं) निधि में से किए गए निवेश शामिल नहीं हैं।

[ा] राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्षंकालीन कियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण ग्रीर श्रियम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों के अस्थायी ग्रोवरड्राफ्ट् शामिल हैं।

[†] रिजर्व बैंक प्रांफ इंडिया ग्रधिनियम की धारा 17 (4) (ग) के प्रधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी विलों पर ग्रमिम दिये गये 202,40,00,000 रूपये शामिल हैं।

^{††} राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन कियाएं) निधि धीर राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण धीर अप्रिम शामिल नहीं हैं। तारीख 31 मार्च, 1971

[संख्या एफ० 3(3)-बी० सी०/71] के० पस्त्रसम, अवर सनिव।

रिजर्ब बैंक ग्राफ इंडिया रिजर्ब बैंक ग्राफ इंडिया ग्रिशिनियम, 1934 के अनुसरण में मार्च, 1971 को 26 तारीख की समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा इस विभाग

वेयत। एं	रुपये	रुपये	मास्तिया <u>ं</u>	रुपये	रुपये
किंग विभाग में रखे हुए नोट	9,58,91,000	eya e com Maria. Biologia e com	सोने का सिक्का और शुचियन		
विवन में गोट	421,176,93,000		(क) भारत में रखा हुआ (ख) भारत के बाहर रखा	182,53,11,000	
	the state of the		हुआ		
नारी किए गरे कुल नोट .		4221,35,84,000	विदेशी प्रतिभृतियां .	273,42,00,000	
			जोड़ . रुपये का सिक्का		455,95,11,000
		a rangiment then	भारत सरकार की रूपया	State of the second	51,67,49,000
			प्रतिभतियां		3713,73,24,000
			देशी विनिमय बिल धीर दूसरे वाणिज्य पत्र .		
कृत वेयताएं .	-	4221,35,84,000	कुल श्रास्तियां	CHAN WHO O'ME A	4221,35,84,000

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME-TAX

New Delhi, the 1st March 1971

s.O. 1634.—In exercise of the powers conferred by Sub-clause (iii) of clause (ii) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorise Shri S. M. Saxena, who is a Gazetted Officer of the Central wernment, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act. 2. This notication shall come into force with immediate effect,

[No. 67(F. No. 404/24/71-ITCC.]

(राजस्व ग्रीर बीवा विभाग)

ग्रावकर

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1971

एस० ग्रो० 1634 .- ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा श्री एस एम । सबसेना को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपितत अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन हर वसली ग्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना तुरन्त प्रवृत्त होगी।

[संख्या 67 (फा॰ सं॰ 404/24/71-ब्राई० टी० सी० सी०)]

New Delhi, the 11th March 1971

S.O. 1635.—In exercise of the powers conferred by rule 4 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints the Commissioner of Income-tax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur to be the Tax Recovery Commissioner. Vidarbha and Marathwada, Nagpur.

This Notification shall come into force on the 15th April, 1971.

[No. 76(F. No. 404/42/71-ITCC.]

नई दिल्ली, 11 माच, 1971

एस ब्यो : 163 5 .- ब्रायकर प्रमाणपत कार्यवाहियां नियम, 1962 के नियम 4 हारा प्रदत्त र्यक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा द्यायकर द्यायुक्त, विदर्भ और मराठवाडा, नमपुर को कर वसली आयुक्त, विदर्भ और मराठवाड़ा नामपूर के रूप में वियुक्त करती है।

2. यह ग्राधिसूचना 15 अप्रैल, 1971 से प्रवृत्त होगी।

[संख्या 76 (फा॰ सं॰ 404/42/71-ब्राई॰ टी॰ सी॰ सी॰)]

80, 1636.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of Clause (44) edion 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) the Central Government hereby authorises:

1. L. N. Joshi. 2. P. T. N. Chari and 2. B. V. Yawalkar

to are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Reovery Officers under the said Act.

2 This notification shall come into force with effect from 15th April, 1971. [No. 78 (F. No. 404/42/71-ITCC).]

एस॰ घो॰ 1636.—ग्रायकर श्राधिनियम, 1961 का (43) की घारा 2 के वर (44) के उपखण्ड (iii) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ी श्रीएतः एनः जोशी, 2. श्रीपी ब्टी । एनः चारी शीर 3. श्रीवी व वी व यावलकर को, लो केन्द्रीय सरकार के राजपत्नित प्रधिकारी हैं, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वसूली प्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना 15-4-1971 से प्रवृत्त होगी।

[सं ० 78 (फा॰ सं ० 404/42/71 - आई॰ टी॰ सी॰ सी॰)]

New Delhi, the 15th March 1971

S.O. 1637.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby authorises:

S/Shri

- S/Shri
 1. P. N. Kalyan,
 2. S. S. Joshi,
 3. G. N. Joshi,
 4. M. V. Lakhani,
 5. P. Babaprasad,
 6. R. P. Ochani,
 7. Moni Rajagopalan,
 8. G. M. Devani
- 8. G. M. Devani, 9. K. W. Sultnia and
- 10, K. A. Pansare,

who are Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This notification which supersedes Notification No. 144 (F. No. 404/1/70. ITCC), dated 25th August, 1970 shall come into force with immediate effect.

[No 81(F. No. 404/51/71-ITCC).

R. D. SAXENA, Dy. Secv.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1971

एस॰ श्रो॰ 1637 -- ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (।।।) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार

- 1. श्री पी० के० कल्यान
- 2. श्री एस० एस० जोशी
- 3. श्री जी० एन० जोशी
- 4. श्रो एच० वी० लखानी
- 5. ,, पी॰ बाबाप्रसाद
- 6. ,, ग्रार०पी० ग्रोचानी
- 7. ,, मणी राजगोपालन
- 8. ,, जी० के० देवानी
- 9. ,, कें पीं सर्वनिस ग्रीर
- 10. .. के॰ ए॰ पंसारे

को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित प्रधिकारी हैं, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वसूली प्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, जो अधिसूचना सं ० 144 (फा॰ सं ० 404/1/70आई० टी॰ सी॰ सी॰) नारीख 25-8-70 को अधिकान्त करती है, तुरन्त प्रवृत होगी।

[सं० 81 (फा॰ सं० 404/51/71-प्राई० ही॰ सी॰ सी॰)

प्रार० डी० सक्सेना, उपसचिव।

(Department of Revenue and Insurance)

ORDERS

STAMPS

New Delhi, the 17th April 1971

s.O. 1638.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government geby remits the stamp duty with which the instruments, namely, promissory test to be executed by the State Bank of India, New Delhi, and the agreement signed between the State Bank of India and the two French Banks, namely, and Nationale De Paris and Banque Francaise Du Commerce Exterieur, Paris, connection with the French credit for the year 1970-71, are chargeable under the

[No. 7/71-Stamps/F. No. 471/6/71-Cus. VII.]

(राजस्व ग्रीर बीना विभाग)

म्याइक

प्रादेश

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1971

एस० औ० 1638.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उस्प्रारा (1) के खण्ड (क) द्व रा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय स्कार एतद्द्वारा अस्टाम्प शुल्क से छूट देती है जिससे लिखते अर्थात् भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली द्वारा निष्पादित किए जाने वाले वचनपत्न, और भारतीय स्टेट बैंक तथा दो फेंच बैंकों, अर्थात बैंके नेशनल दि पैरिस गिरवैंके फांसें दि कामसे एक्सटीरिऔर, पैरिस के बीच वर्ष 1970-71 के लिए फेंच उधार के संबंध में हताक्षरित किया जाने वाला करार, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभाय है।

[सं 7/71-स्टाम्प/फा० सं 471/6/71-सी०ण्]

8.0. 1639.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (l) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government bereby remits the duty with which the debentures of the value of fifty lakhs of the powers of the value of the lakhs of the powers of the value of the lakhs of the powers of the value of the lakhs of the powers of the value of the lakhs of the powers of the powers of the powers of the lakes of the la

[No. 8/71-Stamps/F. No. 471/2/71-Cus. VII.]

K. SANKARARAMAN, Under Secy.

एस० भी० 1639.--भारतीय स्टास्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की घारा 9 की अधर (1) के खरड (क) दवारा प्रदत्त मित्रयों का प्रयोग करते हुए के द्वीय सरकार एतदहारा स गृतक की छूट देती है, जो केरल नगरिवकास वित्त निगम द्वारा पुरोधृत/जारी किए जाने के लिए जास लाख रुपए के मृत्य के डिवेंच्रों पर उकत अधिनियम के अधीन प्रधार्य हैं।

[सं० 8/7 1-स्टाम्प/फार सं० 472/71-सी० यू० एस०-VII]

के० शंकामन, सवर सचिव ।

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

CHSTOM

New Delhi, the 17th April 1971

- S.O. 1640.—In exercise of the powers conferred by section 157 of the Custom Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby makes to following regulations, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Import Manifest (Vessels) Regulations, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Office Gazette.
- 2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise require "Form" means a Form appended to these regulations.
 - 3. Import manifest.-Every import manifest shall-
 - (a) be delivered in duplicate;
 - (b) cover all the goods carried in a vessel; and
 - (c) consist of-
 - (i) a general declaration in Form I;
 - (ii) a cargo declaration in Form II;
 - (iii) a vessel's stores list in Form III, and
 - (iv) a list in Form IV of private property in the possession of the Master officers and crew.
- 4. Size of Forms II and IV.—Each copy of Form II and Form IV shall be printed on a paper of foolscap size, namely, 43 centimeter x 34 centimeter, of durable quality.
- 5. Manner of declaring cargo.—(1) The cargo declaration shall be delivered separate sheets in respect of each of the following categories of cargo, namely:-
 - (a) cargo to be landed;
 - (b) unaccompanied baggage;
 - (c) goods to be transhipped;
 - (d) same bottom or retention cargo:

Provided that in respect of cargo to be landed as also in respect of unaccompanied baggage the details shall be set out in the order of the ports of loading

Provided further that in respect of same bottom or retention cargo, it will be sufficient if details relating to the nature of the cargo and number of the package are declared.

- (2) (a) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), the cargo declaration in respect of—
 - (i) arms;
 - (ii) ammunitions;
 - (iii) explosives:
 - (iv) narcotics;
 - (v) dangerous drugs;
 - (vi) gold
 - (vii) silver

irrespective of whether for landing, for transhipment, or for being carried as same bottom cargo, shall be delivered in separate sheets and shall be set out in the order of the ports of loading.

- (b) If a vessel does not carry any of the cargoes referred to in clause (a), a ni declaration shall be delivered.
- 6. Delivery of vessel's stores list and list of private property.—The vessel's stores list and the list of private property in the possession of the Master, officen and crew may be delivered along with the cargo declaration, but shall not it any case be delivered later than twenty-four hours after the arrival of the vesse at the port.

	Genera	FORM I d Declaration regulation 3)	
Name of Shipping Line etc.			
ORT OF ARRIVAL			Page No.
osition of vessel*			ROTATION NO. YEAR
		partment) after t	I DATE AND TIME OF ARRI
I. Name of vessel 2. Nationality 2. Tonnage		Gross	Nett
4. Name of Master 5. Nationality of Master 6. Name and address of Ship's Agent.			
7. Ports called during present voyage.			
Number of Crew Number of Passengers Documents attached	(i) Cargo	declaration	(fv) Crew List
	(ii) Vessel'	s stores	(v) Passenger list (vi) Maritime declaration of health
	IV of proper possess	in form private ty in the sion of the r, Officers rew.	
The General and Cargo dec	larations co	ontain pages.	
FOR OFFICIAL USE			
IMPORT MANIFEST DELIVE DER SECTION 33(1) OF T43 C ACT, 1962 ON ENTRY INWAR MITTED ON PROPER OFFICER	TRUE TO MERCA	lars of the g	by declare that the cargo declaration all and true account of the particular of the particular (imported in the vessel) at culars furnished in this manifest at submitted with it are true to thour knowledge.
MANIFEST CLOSED ON			tores list will be filed within twe
SUPDIMCD		port.	
		No imported g ed out of the the last port	oods have been unloaded or delive is vessel since her departure fro of cail.
	E PERE	I/We request p	permission for entry inwards of th
		Dated of par	(Signature
		(* Stike out	if Inapplicable).

	F	ORM II	
Carg	0	Declaratio	m
See	F	Regulation	3)

									Rotation No.		Year	Pages
Line No.	B.L., No.	No. and nature of packages, e.g. cases, cartons bags, bales, pieces		Gross weight	Description of goods	Name of consignee/ importer if different, to be specified	Date of presenta- tion of bill of entry	Name of Custom House Agents	Cash/ Deposit W.R. No.	No. of packages on which duty collected or ware- housed	(To be filled by Port Trus No. of packages discharged	t)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
.5 cm.	1.5. cm	, 3 cm,	5 cm.	2.5 cm.	5 cm.	6 cm.	2 cm.	5 cm.	3 cm.	1.5 cm.	1.5 cm.	5.5 cm
						Tr. 5 12 1 5	TARREST.			A 15 30 5		

Vessel's Stures List

(See Regulation 3)

Name of vessel

ROTATION NO.

YEAR

Agents

Arrived at the port of

on the

date of

19

From (Last port of Call)

Name of person-in-charge

N.B.— Person-in-charge should ensure that this list must be correctly filled in and delivered to the proper officer of Customs, together with the general declaration and cargo declaration or within twenty-four hours of arrival of the vessel. Special care must be taken to see that all arms or ammunitions or both have been declared and are presented to the officer of Customs boarding the vessel.

Person-in-Charge is warned 'that before handing over any fire arms to officers of Customs for examination, he should satisfy himself that the same are not charged and that the magazines are empty.

PART A

I. Alcoholic Beverages

escription (of sto	ores				Foreign	size of	No. and size of bottles, etc. issued	Fresh stock
						Indian	bottles etc. on arrival	for comsumption	received in port
I. Whisky									
2. Brandy									
3. Rum				1000					
4. Gin									
5. Vodka		*		2					
6. Champa	gne				- 10				
7. Sherry									
8. Vermout									
9. Port Wil	ıc				1				
II. Stout									
12. Liqueur				*					
13. Others	100	THE STATE OF	1	> 12.8	0.920				
-2. Others					de la				
II. Tobacco Descr			cco P		,	Foreign Indian	Quantity in stock on arrival	Quantity issued for consumption	Fresh stocks re ceived i port

Cigar and Cheroots
 Cigarettes
 Tobacco manufactured 4 Other tobacco .

Vessels Currency				
		On arrival	Issued	Taken on board
Foreign Currency . Traveller's cheques Indian Currency				
, Dangerous Drugs in Stoo	ck.			
I. Wireless Transmission	Apparatus			
(a) For tranships (b) Others	nent			
2. Favour Parcels to b	be unloaded			
			n stock	Remarks
consumable articles separ	here all non-duty paid ately)	on arr	ival	
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr	Master of	the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr		the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr	Master of	the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr	Master of	the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr	Master of	the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr	Master of	the Vessel.
consumable articles separ	ately)	on arr	Master of	the Vessel.

FORM IV List of Private Property in the Possession of the Master, Officers and Crew (See Regulation 3)

Name	Job	Currency Tobacco Alcoholic Watches Cam Products liquors		Cameras	Transistor Radios	Jewellery	cles individual- of ly valued articles	of articles				
		Indian	Foreign	Travellers cheques etc.			No.,	make and	brand		Rs. 50/ or more (Descrip- tion, make brand)	not in use (valued be- low Rs. 50 each)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
cm.	4 cm.	2 cm.	2 cm	2 cm.	4 cm	4 cm	2 cm	2 cm	2 cm	4 cm	6 cm	3 cm
Articles decl	red above	which are to	be landed									

board.

Signature of Master of the Vessel.

[No.] 35/F. No. 55/65/64-Cus.-IV].

J. DATTA, Secy,

केन्द्रीय उत्पाद श्लक श्रीर सीना श्लक बोर्ड

सीमा गलक

नई दिल्ली, 17 अप्रेल, 1971

एस॰ भी॰ 1640-सीमा गुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 157 हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रौर सीमाशुल्क बोर्ड निम्न लिखित निवम, एतद्द्वारा बनाता है, अर्थात :-

- ा. संतिष्त नाव और प्रारम्भ (1) इन विनियमों का नाम ग्रायात म लसूनी (जलयान) र्वानयम, 1971 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत होंगे।
- 2. परिभाषाएं : इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से ग्रन्यथा ग्रेपेक्षित न हो, "प्ररूप" से त विनियमों से सलग्न प्ररूप अभिनेत है।
 - 3. ग्रायात तल तूत्री: हर ग्रायात माल सूची -
 - (क) दो प्रतियों में परिदत्त की जाएगी।
 - (ख) में जलयान में वहन किए जाने वाले सभी माल लिखें होंगे; ग्रीर
 - (ग) में निप्नलिखित सम्मिलित होंगे -
 - (i) प्रका 1 में एक साधारण घोषणा ;
 - (ii) प्ररूप 2 में एक स्थोर घोषणा ;
 - (iii) प्ररूप 3 में जलयान के भण्डार की एक सूची; ग्रौर
 - (iv) प्ररूप 4 में उस प्राइवेट संपति की एक सूची जो मास्टर, ब्राधिक रियों ग्रीर कर्मीदल के कबते में हैं।

4 प्रहा 2 प्रोर 4 का माप प्रहत 2 ग्रीर 4 की प्रत्येक प्रति टिकाउ प्रकार के फ्रास्केप 🖪 वर्गत, ४३ सैंटीमीटर < ३४ सेंटीमीटर, के कागज पर मुद्रित होगी।

- स्वोरा घीवित करने की रीति:- (1) स्वोरा घोषणा, स्थोरा के निम्नलिखित प्रवर्गी वेश्येक को बाबत पृथक-पृथक पत्र में परिदत्त की जाएगी, धर्यात :-
 - (क) उतारे जाने वाले स्थोरा ;
 - (व) सामान जिसके साय कोई नहीं है ;
 - (ग) यानानारित किए जाने वाले माल ;
 - (ध) एक से तल या रिटेन्शन वाले स्थोरा ;

परन्तु उतारे जाने वाले स्थोरा की बाबत, उस सामान की बाबत भी जिसके साथ कोई भीत नहीं है विवरण उन पत्तनों के धनुकम में होगा जिनते माल लागा जाएगा:

परनु गह भौर कि एक से तल या रिटेन्शन बाले स्थोरा की बाबत स्थोराके भरे बोर पैकजों की संकार घोषित करना ही पर्याप्त होगा।

- (2) (क) उपविनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी निम्नलिखित
 - (i) आयदा ;
 - (ii) गोला-बारुद;
 - (iii) विस्फोटक पदार्थ;
 - (iv) नार्कोटिक;
 - (v) खतरनाक ग्रीषध;
 - (vi) स्वर्ण;
 - (vii) चांदी;

की बाबत स्थोरा वोषणा, इस बात को दृष्टि में लाए बिना कि चाहे वे उतारे जाने के लिए है, यानान्तरण किए जाने के लिए हैं अथवा एक से तल वाले स्थोरा के रूप के लें ाए जाने के लिए है, पृथक-पृथक पत्ने में परिदत्त किए जाएंगे और उन पत्तनों के अनुक्रम में होंगे जिनसे माल लाया जाएगा।

- (ख) यदि कोई जलयान खंड (क) निर्दिष्ट किसी भी स्थोरा का वहन न करता है तो एक शन्य घोषणा परिदत्त की जाएगी।
- 6. जलयान के भंडार की सूची खीर प्राइवेट संपति की सूची की परिदत्त करना:—जलयान के भंडार की सूची और उस प्राइवेट संपति की सूची जो मास्टर, अधिकारियों और कर्मीदल के कब्जाधीन है स्थोरा घोषणा के साथ में जलयान के खागमन के किसी भी दशा में चौबीस धंटे के पण्चात् परिदत्त की जाएगी।

AND STADIOR BOTTOM IN THE CORPORATE STATE OF THE CORPORATE OF THE CORPORAT

NAME OF THE PARTY OF THE PARTY

the second of th

Charles to the court of the cou

FOR IN OUR TO THE OUR DESCRIPTION OF THE PERSON AND PART THE

reprie 14 to 2010 West out to survey of Steel an activate to the

3(ii)]

वर्

चन्नामुक्तम सं०

पुरु सं ०

श्रागमन की तारीख और समय

साधारण घोषणा

(विनियम 3 देखें)

पीत परिवहन का नाम घादि

भ्रागमन-पत्तन

जलयान की स्थिति

पिष्ट स्तम्भ अल्यान के ग्राममन के पश्चात् (विभाण हारा) भरा जा सकता है।

1. अलयान का नाम

5

3. टन-मार

पोत के ब्रोमकर्ता का नाम थीर पता

7. में पतान मही बर्तमान अनेयाता के दौरान पीत रका था

क्रमींदल के सदस्यों की संख्या

स्वास्थ्य की समुद्री घोषणा (iv) कर्मीदल सूची(v) यात्री मूची(vi) स्वास्थ्य की सम्

(i) प्ररूप 2 में स्वीरा घोषणा (ii) प्ररूप 3 में अलवान के मण्डार की मूची (iii) प्ररूप 4 में मास्टर, बधिकारियों ब्रोर

कर्मी दल के कडजाधीन प्राइबेट संपत्ति

सीमा शुल्क घांशनियम, 1962 की धारा 30(1)

के मधीन माल-मूची तारीख

प्रवेश की धन्जा तारीख

की गई।

परिवत्त की गई।

कार्यालय में उपयोग के लिए

प्रदर्भ की है।

मैं,/हम एतदहारा घोषणा कर /१ है/करते हैं कि स्थोरा घोषणा में (जलयान में ब्रायातित)मालों की इस जलयान में से कोई भी श्रायातित माल उस पत्तन से प्रस्थान करने के पश्चात उतारा या जिल्यान के मण्डार की मुची पत्तन पर जलयान के ग्रागमन के चीबीस घंटे के भीतर भरी जाएगी विशिष्टियों का पूर्ण ग्रीर सत्य वृत्तान्त दिया गया है ग्रीर इस माल-सूची ग्रीर इसके साथ प्रातुत दस्तावेजों में दी गई सभी विशिष्टियों मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सत्य है। मैं/हम जलवान की भीतर प्रवेश के लिए अनुशा का अनुरोध करता हूं/करते हैं। पारिदत्त नहीं किया गया है जहां जलयान श्रन्तिम बार रुका था।

-(जलयान के भार-साधक-व्यक्ति या अभिकर्ता के हस्ताक्षर)

तारीख

सम्बित प्रधिकारी

माल मूची तारीख

बन्द की गई।

(मयदि लागू न होता हो तो काट है)

बीसक, एम ॰ सी॰ डी॰

	वृष्ट	टिप्पियमें	13	. 5.5 से॰मी॰
			12	1.5 से॰मी॰ 5.5 से॰मीः
	वि	पैकेजों की सं० (पत्तन न्यास जिन पर शुल्क द्वारा भरे संग्रह किया जाने के लिए गया था जो उन्मोचित भण्डागार से पैकेजों की	11	1. 5 से ॰ मी ॰
	चकानुकम संo	नकदी निक्षेप इत्स्यू, झार सं	10	程 3
T S		सीमा शुल्क स्थान के अभिकर्तायों के नाम	6	5 से ० मी ०
उ देखें)		प्रवण पत के प्रस्तुत करने की तारीख	8	2 से० मी०
स्बोरा बोषणा (बिनियम 3		परेषिति, धयातकती के नाम, यदि धिन्न हो तो विनिद्धिट	7 3	6 से॰ मी॰
		माल का वणंत्र	9	से अमी ०
		सक्त मार	10	2.5 से॰मी॰
		मी ज	4	時の時
		पैकेजों की सं० पिल श्रीर उसका श्रीर स्वह्प धर्वात् सं० केस, कार्टम, वोरियों, गाँठें,	3	3 मे ॰ मे ॰
		बी ०एल ० सं ०	2	सुर में १
11		में क	-	1.5 से व्योः

प्ररूप 3 जजबान की भण्डार-सूची

(विनियम 3 देखें)

जलयान का नाम			चक	नुकम संख्या
भार-साधक-व्यक्ति का	नाम		वर्ष	
ग्रभिकर्ता				
	.पत्तन से (ि	जस पत्तन पर जलयान	अस्तिम बार रुका थ	т) 19
		को		
गई है ग्री को साध का विशेष किये गये भार साधक व्यक्ति को	र जलयान के इ रण घोषणा इ इध्यान रखा इ हैं और जलया यह चेतावनी इ	त को यह सुनिश्चित कर गगमन के चौबीस घंटे के गौर स्थोरा घोषणा के स जाना चाहिये कि सभी न पर चड़ने वाले सीमा- गी जाती है कि सीमा-गु घान कर लेना चाहिये कि	भीतरसीमा-शुल्क के ग्राथ परिदत्त करदी ग ग्रायुध ग्रीरगोला बार शुल्क ग्रधिकारी को पेश ल्क ग्रधिकारियों को के	समूचित अधिकार ई है। इस बार व्द दोनों घोषित ग किये गये हैं। ोई आयुध परीक्ष
मैगजीन खाली है।				
		भाग क		
[. ऐल्कोहाली पेय				
	विदेशी		उपभोग के लिये दी	
भण्डार का विवरण	भारतीय	- कास० श्रारमाप श्रादि	गई बोतलों की सं० श्रीर माप, आदि	नया स्टाक
1. हि बस्की				
2. ब्रांडी				
3. रम				
4. जिन				
5. वोदका	4.40			
6. श्रीम्पेन				
7. शेरि				
8. वरम्य				
9. पोर्ट वाइन				
10. बीग्रर				
1. स्टाउद्			19 3	
12. लिकर				
3. ग्रन्य			A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	

तम्बाक् और तम्बाक्	उत्पाद				
_{प्र} ∘डार का विवरण	विदेशी भारतीय	श्रागमन पर स्टाक में परिमाण		लिये पत्तन रिमाण नय	
तिगार ग्रीर बुहरें तिगरेंदें विनिमित तम्बाकू ग्रन्य तम्बाकू					
I. खनिज तेल			Ny		
_{प्रव्हा} र का विवरण	विदेशी 	ग्रागमन पर स्ट — में परिमाण	क उपभोग वे दिया गया	के लिये पत्तन परिमाण न	
. ईंधन तेल (क) मट्टी क (ख) डीजल ते (ग) एच० एस 2. ग्रन्थ तेल	ल				
V. म्रायुव, गोला-मारूव प्रायुव स्रोर गोला		ोटक पदार्थ	97		
		ब्रायुध		गोला-	गरूद
ग्रायुधों का विवरण	बोर	पहचान सं०	बनाने वाले	कैलिवर	राउण्ड
 राइक्तें बन्दूकें (गन) रिवाल्वरें पिस्तीलें रेखा रस्सी फैंकने उपकरण किसी जन्य प्रकार के आयुध और गेले-बास्द उनके 					

विस्फोटक पदार्थ

भण्डार का वर्णन (विवरण)

ग्रागमन पर स्टाक में परिमाण

1. नीली बत्तिया

स 0

2. राकेट

3. राकेट संकट-सिगनल

4. सकट सिगनल

5. पैटेंट साकेट बत्तियां भीर सिगनल

6. कम्पनी के सिगनल ,,

7. डेक प्रकाश ,,

8. होम्स पेटेंट बत्ती रक्षा ब्वाय बत्ती

10. लाल बत्तिया

11. बारूद कि० ग्रा०

12. ग्रन्य विस्फोटक

V. जलवान-मुद्रा

धागमन पर

जारी किये गये जलवान पर लिये गए

- 1. विदेशी मुद्रा
- 2. यात्री (ट्रेवलसं) चैक
- 3 भारतीय मुद्रा

VI. सतरनाक ग्रीविषयों का र क

VII: बेतार प्रेषण उपकरण

VIII. 1. उतारे जाने वाले भण्डार-

- (क) यानान्तरण के लिये
 - (ख) ग्रन्य
- 2. उतारे जाने वाले फेवर पासंल

भाग ख

(तटीय स्थोरा वहन करने के लिये अनुजात

- (1) भारत में रजिस्ट्रीइत जल तन और
- (2) विदेशी जलपान की बाबत)

भण्डार का विवरण _{इहीं} ऐसी सभी उपभोग्य वस्तुएं पृथक्-पृथक् _{विर्मि}दण्ट करें जिन पर शुल्क सदल नहीं किया गया) भ्रागमन पर स्टाक म परिमाण टिप्पणियां

जलवान के मास्टर के हस्ताक्षर

		ı	ì
ı	i	į	į
		•	ľ
ĺ			1

नास्टर, अधिकारियों और कर्मीदल के कवजाधीन प्राइवेट सम्पत्ति की मूची

(विनियम 3 देखें)

नाम	काम		करेंसी		तम्बाक्	test 9	विह्यां	कैमरे	बड़ियां कैमरे ट्राजिस्टर धाभूषण स्टब्ल	प्रभूषण	to	उपयोग में न लाए जाने
		1	4	-	. उत्पाद	Firm			राडवा		50 स्पए या ग्राप्तक	बाली वस्तुग्नां का कुल
		Head Market		भूक समादि समादि		ĺ	सं॰, मं	सं०, मंक ग्रीर बांड	136		(विवरण, मेक, ब्रांड)	मूल्य (हर एक 50 हेपए से कम मूल्यांकि.)
-	2	3	-	2	9	2	8	6	10	11	12	13
6 से०मी०	के भी	6 4 2 2 सेन्मील सेन्मील सेन्मील	2 से॰मी॰	Part Control	4 सं भी ०	4 से अमे	2 से भी ०	2 से॰मीः	2 2 2 4 से०मी० से०मी० से०मी० से०मी० से०मी० से०मी०	4 से०मी०	सुर भी १	3 से॰ मी॰
क्षार छो	वित यह	क्यर घोषित बर ारं जो जनारी जाने बाली	ने जाने वा	and de			표	хити	ा किया आत	#10 FE	यह प्रमाणित किया जाता है कि इस सुची में सीमिलित न की गई प्राइवेट सम्पत्ति	की गई प्राइवेट सम्परि

अलयान के मास्टर के हस्ताक्षर [सं० 35/फा० सं० 55/65/64-पीमाणुल्क 4]

ज्योतिमंय दत्त,

सचिव, केन्द्रीय उत्मादशुल्क ग्रीर सीमाशुल्क बोर्ड



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

हं । 17] नई दिल्ली, शनिवार, ग्रप्रैल 24, 1971/वैशाख 4, 1893 No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 24, 1971/VAISAKHA 4, 1893

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अनग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को खोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों खीट (संब क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गये विधिक खादेश और खिसस्ताएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 20th March 1971

S.O. 1656.—In exercise of the powers conferred by clause (h) of Sub-section (2) of section 31 of the Institutes of Technology Act, 1961 (59 of 1961) the Central Government hereby nominates Shri S. D. Nargolwala as a member of the Council to represent the Ministry of Finance, vice Shri S. R. Mehta, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs No. S.O. 1518 dated the 9th May, 1962, namely:—

In the said notification, under the heading "II, Representatives of the Central Government", for item (ii) and the entries relating thereto, the following item that be substituted, namely:—

"(ii) Shri S. D. Nargolwala, Financial Adviser, Ministry of Finance, New Delhi,"

[No. F. 10-1/71-T-6.]

G. N. VASWANI.

Deputy Educational Adviser(T).

शिक्षा नया यवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1971

एस० म्रो॰ 1656 .- प्रीदयोगिकी संस्थान ग्रधिनियम, 1961 (1969 के 59) के खंड 31 के उप-खंड (2) की घारा (ज) दवारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री एस० ग्रार० मेहता के स्थान पर श्री एस० डी० नरगोलवाला को परिषद के सदस्य के रूप में नामित करती है तथा भूतपूर्व वैज्ञानिक अनुसंधान ल्या सांस्कृतिक कार्य मंत्र लय में भारत सरकार की अधिसूचना सं० एस० ग्रो० 1518 दिनांक 9 स ह 1962 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :-

उक्त अधिमुचना में मद्ध (ii) के लिये "ii-केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि" शीर्षक के प्रधीन तथा उससे संबंधित प्रविष्ठियों में निम्नलिखित मदद प्रतिस्थापित होना चाहिये, प्रथांत :-

"(ii) श्री एस० डी० नरगोलवालाः वित्तीय सलाहकार, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।

> [संख्या एफ 10-1/71-ही-6] जी० एन० वासवानी. उप-शिक्षा सलाहकार (तक)।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING New Delhi, the 11th February 1971

S.O. 1657.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule 2 of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby appoints following persons as members of the Advisory Panel of Central Board of Film Censors at Madras with immediate effect to 30th June, 1971.

Shrimati R. Suværna
 Shri G. Varadappa
 Shri P. K. Ramalingam.

[No. 11/2/71-F(C).] VIRENDRA D. VYAS. Director.

सचना ग्रीर प्रसारण मंत्र।लय नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1971

एस॰ श्रो॰ 1657 .-- चलचित ग्रधिनियम, 1952 की धारा 5 (1) ग्रीर चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उप नियम (2) के साथ पटित नियम 8 के उप नियम (3) द्वारा प्रदत्त् अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्द्वारा निम्नलि खित व्यक्तियों को अभी से 30 जून, 1971 तक के लिए केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के मद्रास सलाहकार मण्डल का सदस्य नियुक्त किया है :-

- 1. श्रीमति ग्रार० सवर्णा
- 2. श्री जी० वरदप्पा
- 3. श्री पी० के० रामलिंगम ।

[सं का 11/2/71-एक सी] बीरेन्द्र देव व्यास, निदेशक ।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports)

ORDERS

Kanpur, the 23rd December 1970

S.O. 1658.—A licence No. P/S/1633308 dated the 26th June, 1969 for the value of Rs. 2.00,000 for the import of Permissible Spare parts as shown in appendix 32 of the Import Trade Control Red Book Vol. I for April, 1969—March, 1970 licensing period was issued to M/s. Progressive Industries, 103/285, Colonelganj, Kanpur.

Thereafter a Show Cause Notice No. Enf. I(309)/1969 Kan dated the 15th October, 1970 was issued asking them to show cause within 15 (fifteen) days of the receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that they had no facilities for service and maintenance in their factory and the licence was, therefore, not to serve the purpose for which it was issued.

No reply to the said show cause has so far been received and the stipulated period for reply has expired.

The undersigned has carefully considered the case and has come to the conclusion that the licence in question will not serve the purpose for which it was issued.

Having regard to what has been stated in the preceding para the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancells the licence No. P/S/1633308 dated the 26th June, 1969 for Rs. 2.00,000 issued in favour of M/s. Progressive Industries, Kanpur.

[No. ENF.1(309)/1969/KAN.]

विदेश व्यापार मंत्रालय

उ :- पश्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

कानर्र 23 दिसम्बर, 1970

एस॰ धी॰ 1658—सर्वश्री प्रोपेसिव इन्डस्ट्रीज, 103/285, कोलोन नगंज, कानपुर को गर्नेन, 1969—मार्ज, 1970 लाइनेंस खबधि के निर्धायान द्यानार निर्धेत्रण, रेड दूर के बातुन-1 के परिशिष्ट 32 में दिए गए के अनुसार स्वीकृत फानतू पुनों के आयान के निर्ध,00,000 कार्य का गायत लाइनेंस नंब पी/एस/ 1633308, दिनांक 26-6-69 स्वीकृत किया गया था।

तत्वश्वात्, एक कारण बतायो नोटिस सं० ई० एन० एक० 1 (309)/1969/कान दिनांक 15, यनत्वर, 1970 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि नोटिय प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर कारण या। हिंक उनके नाम में जारी किया गया उत्त नाइनेंग क्यों न रह कर दिया आए और वह इन प्राथार पर कि उनके कारखाने में िया तथा यन स्थाय पर्वाची मुक्तियाएं नहीं थी और जिन उद्देश्य हेतु साइनेंस जारी किया गया था, यह उने पूरा नहीं करता था।

अधोहस्ताक्षरों ने मामले की भली भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि जिस उद्देग्यहेतु विषयाधीन लाइसेंस जारी किया गया था वह उसे पूरा नहीं करेगा।

पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है उने ब्यान में र बते हुए प्रवीहस्ताक्षरी इससे संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रह प्रथवा अन्यथा रूप अप्रमावित किया जाना चाहिए। इसलिए प्रधोहस्ता-क्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की बारा 9 उनवारा (सी० सी०) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए लाइतेंस सं० गो/एस/1633308, दिनांक 26-6-1969 मूल्य 2,00,000 हमुळे जो सर्वश्री प्रोग्रेसिव इन्डज०, कानपुर के नाम जारी किया गया था उसे एतद द्वारा रह करता है।

[संख्या : 1 (309)/1969/कान]

S.O. 1659.—A licence No. P/S/1633201, dated 31st May, 1969 for the value of Rs. 2,00,000 for the import of Permissible Spare parts as shown in appendix 32 of the Import Trade Control Red Book Vol. I for April, 1969.—March, 1970 licensing period was issued to M/s. Rajendra Metal Industries, 111/448, Harshnagar, Kanpur.

Thereafter a Show Cause Notice No. Enf. I(309)/1969 Kan dated the 15th October, 1970 was issued asking them to show cause within 15 (fifteen) days of the receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that they had no facilities for service and maintenance in their factory and the licence was, therefore, not to serve the purpose for which it was issued.

No reply to the said show cause has so far been received and the stipulated period for reply has expired.

The undersigned has carefully considered the case and has come to the conclusion that the licence in question will not serve the purpose for which it was issued

Having regard to what has been stated in the preceding para the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order 1955 hereby cancells the licence No. P/S/1633201 dated the 31st May, 1969 for Rs. 2.00,000 issued in favour of M/s. Rajendra Metal Industries, Kanpur.

[No. ENF.I(309)/1969/KAN.]

एस० ब्रो॰ 1659 -- सर्व श्री राजेन्द्र मेंटल इन्डस्ट्रीज, 111/448, हर्षनागड़, कानपुर को अप्रैल, 1969-मार्च, 1970 लाइसेंस अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण रैंड ब्क के वालम-1 के परिशिष्ट 32 में दिए गए के अनुसार स्वीकत फालत पूजों के आ गत के लिए 2,00,000 रुपये का प्रायात लाइसेंस सं ० पी/एस/ 1633201 दि तंक 31-5-69 स्वीक् किया गया था।

तत्पश्चान, एक कारण बताओं नोटिस सं० ई एन एक 1 (309)/1969/कान दिनांक 15 अक्तूबर, 1970 यह पूछते हुए की गई थी कि नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किया गा। उन्त लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाय और उसे इस आधार पर कि उनके कारखाने में सेवा तथा अनुरक्षण संबंधी सुगमता नहीं थी और इसलिए जिस उद्देश्य हेत् लाइसेंस जारी किया गया था, उसे पूरा नहीं करता था।

उक्त कारण बतायो नोटिस के लिए सभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुत्रा है स्रोर बताई गई

निर्धारित ग्रवधि समाप्त हो गई है।

श्रबोहस्ताक्षरी ने मामले की भती भांति जांव कर ती है और इस परिगाम पर पहुंता है कि

जिस उद्देश्यहेत् विषयाधीन लाइसेंस जारी किया गया था वह उसे पूरा नहीं करेगा।

पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अबोहस्ताकरी इससे संगुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रह प्रथवा अन्यया रूप से अप्रभावित किया जाना चाहिए, इसलिए अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) शादेण, 1955 की धारा 9 उपधारा (सी॰ सी॰) के अन्तर्गत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1633201 दिनांक 31-5-1969 मूल्य 2,00,000 रपये जो सर्वश्री राजेन्द्र मैटल इन्डस्ट्रीज, कानपुर के नाम जारी किया गया था, एतदहारा रह करता है।

[विचा ई० एन० एक० 1 (309)/1969/कान,]

Kanpur, the 24th December 1970

s.O. 1660.—A licence No. P/S/1651389 dated 1st September, 1969, for the value Rs. 8850 for the import of German Silver Scrap was issued to M/s. Indian Sanitary Ware, Chauraha Gali, Moradabad.

Thereafter a Show Cause Notice No. Enf. I (290)/1969/Kan dated the 3rd November, 1970 was issued asking them to show cause within 15 (Fifteen) days of the receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that they had no factory in existence and the licence was, herefore, not to serve the purpose for which it was issued.

M/s. Indian Sanitary Ware, Moradabad replied to the said show cause and saled that they were not interested in the said licence due to its' small value.

The undersigned has carefully considered the case and has come to the conclusion that the licence in question will not serve the purpose for which it was

Having regard to what has been stated in the proceding para the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of powers vested in him under dause 9 Sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancells the licence No. P/S/1651389 dated the 1st September, 1969, for Rs. 8,850 issued in favour of M/s. Indian Sanitary Ware, Chaurahagali, Moradabad.

[No. ENF. I (290)/1969/KAN.] P. C. BHATNAGAR.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

का प्र 24 दिसम्बर, 1970

एस० थ्रो० 1650. — सर्वश्री इन्डियन सैनिटरि वेयर, चौराहा गली, मुरादाबाद को जर्मन $\frac{1}{1664}$ स्क्रेंग के थ्रायात के लिए 8,850 रुग्ये का थ्रायात लाइसेंस सं० पी/एस/ $\frac{1}{1651389}$ हितांक $\frac{1}{169}$ स्वीकृत किया गया था ।

तत्त्वतात, एक कारण बताबो तोटित तं व ई एत एक—1(290)/1969 कात, लिल 3, नवस्वर, 1970 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारो किया गया उक्त लाइसेंस क्यों न रह कर दिया जाना चाहिए ग्रीर उसे इस प्राधार पर कि उनका कोई भी कारखाना विद्यमान नहीं था भीर इसिलए जिस उद्देश्य हेतु लाइसेंस जारी किया गया था, उसे पूरी नहीं करता था।

सर्वश्री इन्डियन सेनिटरि, मरादाबाद ने उक्त कारण बताब्री नोटिस का उत्तर दिया और कहा है कि वे उक्त लाइनेंस में किसी प्रकार की दिलवस्पी नहीं लेते थे, क्योंकि लाइसेंस का मूल्य बहुत कम था।

ग्रबोहस्तालरी ने मामले की भली भांति जांच कर ली है ग्रौर इस परिणाम पर पूंग है कि जित उद्देश्य हेतु वित्रवाधीन लाइतेंन जारी किया गया था वह उसे पूरा नहीं करेगा।

पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है, उसे ब्यान में रखते हुए अबोहस्ताक्षरी इससे संतुष्ट के विषयाधीन लाइसेंस रद् अवदा अन्यया का से अप्रमावित किया जाना चाहिए। इसलिए, खोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेण, 1955 की धारा 9 उप-धारा (सी सी) के अन्तर्गत का अधिकारों का प्रयोग करते हुए लाइसेंस सं० पी /एस/1651389 दिनांक 1-9-1969 कि 8,850 काने जो सबंबी इन्डियन सेनिटरि वेटर चौराहा ली, सुरादाबाद के नाम में जारी कि। गया था, उसे एनद्दारा रद्द करता है।

[संबंधा ई एन एक-1/(290)/1969/कान] पी० सी० भटनागर, उप-मुख्य नियन्त्रक, आधात निर्वात ।

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports) ORDERS

Kanpur, the 18th January 1971

- S.O. 1661.—The following import licences were issued is favour of M/s. Agra Optical Industries, 40. Inner City Ring Road, Agra 4:—
 - (i) No. P/S/1655532 dated 27th August. 1970, for Rs. 5,000 (ii) No. P/S/1655533 dated 27th August, 1970, for Rs. 5,000.

for the import of Rough Blanks other than Bifocal Blanks upto Rs. 3,750.

- 2. Thereafter a show cause notice No. Enf. I(183)/1968/Kan dated the 2nd November, 1970 was issued asking them to show cause within 15 (fifteen) days of the receipt of notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that they were issued inadvertently vide this office telegram dated 23rd October, 1970, they were also asked to return the said icences without entering into any commitments.
- 3. In response to the said show cause notice M/s Agra Optical Industries Agra-4 in their letter dated 2nd December, 1970 stated that the licences were not issued inadvertently as they were granted against and E.C. of the Director of Industries. They did not return the said licences as asked in the telegram referred in para (2) above,
- 4. The undersigned has carefully considered the case and has come to the conclusion that the licences in question were granted through inadvertance.
- 5. Having regard to what has been stated in the proceding para the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancells the licences No. P/S/1655532 dated 27th August, 1970 for Rs. 5,000/- & No. P/S/1655533 dated 27th August, 1970 for Rs. 5000/- issued in favour of M/s Agra Optical Industries, 40, Inner City Ring Road, Agra-4.

[No. ENF. I 183)/1968/KAN.]

(उ :- पट्य निवंत्रक, स्रायात-निवति का कार्यालय)

कानगर 18 जनवरी, 1971

एस० ग्रो० 1661 .- सर्वश्री ग्रागरा ग्राप्टिकल इन्डस्ट्रीज, 40, इनर सिटि रिंग रोड, ग्रागरा 4 को निम्नलिखित आयात लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :--

(1) सं • पी/एस/1655532 दिनांक 27-8-1970] म्ल्य 5000 रू०

(2) सं । पी/एस/ 1655533दिनांक 27-8-1970 म्लय 5000 इ०

3750 रुपये तक बाइफोबल वलेंक्स के भिन्न एफ वलैंक्स के ग्रायात के लिए

2. तत्पश्चात, एक कारण बताओ नोटिस सं० ई एन एफ-1(183)/1068/कान, दिनांक 2, नवम्बर, 1970 को यह पूछते हुए जारी की गई थी कि नोटिस प्राप्त होने के 15 (पन्द्रह) दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उबत लाइसेंस क्यों न रह कर दिए जाने चाहिए और वे इस आधार पर कि वे लाइसेंस उन्हें भल से जारी किए गए थे और इस कार्यालय के टेलीग्राम दिनांक 3-10-1 70 के अनुसार उनसे यह भी कहा गया था कि बिना कोई कीदा किए ही वे लाइसेंस लीटा दें।

- 3. उपर्यक्त कारण बताय्रो नोटिस के प्रत्यत्तर में सर्वश्री ग्रागरा ग्राप्टिकल इन्डस्ट्रीज, ग्रागरा-4, ने ग्रपने पत्न दिनांक 2-12-1970 में यह बताया था कि उक्त लाइसेंस जो उन्हें उद्योग निदेशक के अनिवार्यता प्रमाण-पत्न के आधार पर जारी किए गए थे, वे भूल से नहीं जारी किए गए थे । इसलिए, उपर्युक्त कंडिका (2) में उल्लिखित टेलीग्राम में जैसा कहा गया था, उन्होंने उक्त लाइसेंस नहीं लीटाए।
- 4. ब्रघोहस्ताक्षरी ने मामले की भली भांति जांच कर ली है ब्रौर इस परिणाम पर पहुंचा है कि विषयाधीन लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।
- 5. पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी इससे संतष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रह श्रथवा अन्यथा रूप से अप्रभावित किए जाने चाहिएं। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी ग्रायात (नियंत्रण) ग्रादेण, 1955की धारा 9 उपधारा (ए) के ग्रन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए लाइसेंस संख्या पी/एस/1655532 दिनांक 27-8-1970 मल्य 5000 रुपये तथा सं० पी/एस/1655533 दिनांक 27-8-1970 मूल्य 5000 हपये जो सर्वश्री आगरा आप्टिकन इन्डस्ट्रीज, 40, इनर, सिटि रिंग रोड आगरा-4 के नाम में जारी किए गए थे, उन्हें एतददारा रह करता है।

[संख्या ई० एन० एफ० 1(183)/1968/कान]

S.O. 1662.—The following licences were issued to M/s. Indian Engineering Works, G. T. Road, Anandpuri, Muzaffernagar:—

(iv) P/S/1653733 dated 28th March, 1970 for Rs. 2833 (iii) P/S/1652484 dated 8th December, 1969 for Rs. 4534 (ii) P/S/1652483 dated 8th October, 1969 for Rs. 2260 (i) P/S/1652121 dated 30th October, 1969 for Rs. 3400

for the import of Graphite Crucibles above No. 300 permissible types) Taper Roller Bearings (Permissible type) Ball Bearings non-restricted & non-banned size Copper, Zinc & Tin.

- 2. Thereafter a show cause notice No. Enf. I(334)/1963/70/Kan dated the 24th July, 1970 was issued asking them to show cause within 15 (fifteen) days of the receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that their factory had closed down and no manufacturing activities were being carried out there.
- 3. In response to the aforesaid show cause notice M/s. Indian Engg; Works, Muzaffarnagar vide their letter dated 14th September, 1970, stated that their factory had not closed down and they were manufacturing agricultural machinery and parts thereof.
- 4. The undersigned has carefully considered the case and has come to the conclusion that the licences in question will not serve the purpose for which they were issued.
- 5. Having regard to what has been stated in the proceding para the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancells the licence No. P/S/1652121 dated 30th October, 1969, for Rs. 3,400 P/S/1652483 dated 8th December, 1968, for Rs. 2,260 P/S/1652484 dated 8th December, 1969, for Rs. 4534 and P/S/1653733 dated 28th March, 1970, for Rs. 2,833 issued in tayour of M/s. Indian Engineering Works, G.T. Road, Anand Puri, Muzaffarnagar.

[No. ENF. I (334)/1969/KAN.]

एस० भ्रो० 1662.—सर्वश्री इन्डियन इन्जोनियरिंग वर्क्स, जी० टी० रोड, म्रानन्दपुरी, मुजफर-नगर को निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

- (1) पो/एस/1652121 दिनांक 30-10-69 मृत्य 3400 रुपये
- (2) पी/एस/1652483 8-12-69 मत्य 2260 रुपये
- (3) पी/एस/1652484 दिनांक 8-12-69 मल्य 4534 रुपें
- (4) पी/एस/1653733 दिनांक 28-3-70 मल्य 2833 रूपये

सं० 300 से ऊपर वाले

ग्र फाइटकुसिबल्स
(स्वीकृत किस्म के)
टेपर रोलर बीयरिंग
(स्वीकृत किस्म के)
बाल बीयरिंग स्प्रितिबंधित ग्रीर ग्रप्रतिनपंध साइज के ताम्बा,
जस्ता तथा टिन के

ग्रातात के लिए।

तत्पश्चात, एक कारण बताओं नोटिस सं० 1(334)/1969/70/कान, दिनांक 24, जुलाई, 1970 यह पूछते हुए जारी ही गई थी कि नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रह कर दिया जाना चाहिए वह इस ग्राधार पर कि उनका कारखाना बन्द हो गया था और वहां कोई भी निर्माण सम्बन्धी कार्य नहीं हो रहा था।

- 3. उक्त कारण बताओं नोटिस के प्रत्यत्तर में सर्वश्री इन्डियन इन्जी० वक्सं, मुजफरनगर ने अपने पत्न दिनांक 14-9-70 में यह बताया था कि उनका कारखाना बन्द नहीं हुआ था और वे कृषि सम्बन्धी मशीन तथा पुजें बना रहे थे।
- 4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि जिस उद्देश्य हेतु विषयाधीन लाइसेंस जारी किए गए थे, वे उन्हें पूरा नहीं करेंगे।
- 5. पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अक्षोहस्ताक्षरी इससे संतुष्ट हैं कि विषयाधीन लाइसेंस रह अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावित किए जाने चाहिएं। इस-लिए, अबोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेण, 1955 की धारा 9 उप-धारा (सी सी) के अन्तर्गत अदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लाइसेंस संख्याएं पी/एस/1652121 दिनांक 30-10-69 मूल्य 3400 ध्यये पी/एस/1652483 दिनांक 8-12-1968 मूल्य 2260 ध्यये पी/एस/1652484 दिनांक 8-12-1969 मूल्य 4534 ध्यये तथा पी/एस/1653733 दिनांक 28-3-70 मूल्य 2833 ध्यये जो सर्वश्री इन्डिशन इन्जी० वक्स जी० टी० रोड, आनन्दपुरी मुजकरनगर के नाम में जारी किए गए थे उन्हें एतद्द्वारा रह करता है ।

[संख्या ई० एन० एफः-1(334)/1969/कान]

New Delhi, the 4th February 1971

S.O. 1663.—The following licences were issued to M/s. Applicances anad Accessories works (Regd.) Civil Lines, Rudrapur (Distt. Nainital):—

1. P/S/1654618 dated 20th June, 1970, for Rs. 9.213 2. P/S/1654619 dated 20th June, 1970, for Rs. 18426 for the import of Ball Bearings nonbanned and nonrestricted sizes, Taper Roller Bearings (Permissible lype) Lead. Nickel and Zinc.

- 1 Thereafter a show cause notice No. Enf. II(32)/1970/Kan/5076 dated 26th member, 1970, was issued asking them to show cause within 15 (Fifteen) days the receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be neeled on the ground that they have not utilized the goods against the licences terms of the conditions as imposed on and applicable to them.
- No reply to the said show cause notice has been received and the stipulated for reply has expired.
- The undersigned has carefully considered the case and has come to the conion that the licences in question will not serve the purpose for which they issued.
- 5 Having regard to what has been stated in the preceding para the undersignis satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise indered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of powers vested in under clause 9 sub-clause (c) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby neels the licences No. P/S/1654618 dated 20th June, 1970, for Rs. 9.213 and 18/1654619 dated 20th June, 1970, for Rs. 18.426 issued in favour of M/s. Appliances and Accessories Works (Regd.), Civil Lines, Rudrapur, Distt. Nainital.

[No. ENF. II (32)/1970/KAN.]

O. N. ANAND.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

कानपर 4 फरवरी, 1971

एस॰ भो॰ 1663.—-तर्वश्री एप्ल्यानसेज तथा एसेसरीज वन्सं (रजि॰) सिविल लाइन्स ह्युर (जिला नैतोताल) को निम्नलिखित श्रायात लाइसेंस जारी किये गये थे :—-

1. गी/एस/ 1654618 दिनांक 20-6-70 मूल्य 9213 हावे 2. गी/एस/ 1654619 दिनांक 20-6-70 मुल्य 18426 हावे

वाल वीर्योरंग प्रप्रतिबंधित प्रोर प्रप्रतिनिधित्र साइ-जेज टेपर रोजर बीय-रिंग (स्वीकृत किस्म के) सीसे विकल तथा जस्ते के प्रायात के लिए

- 2. तत्पम्चात एक कारण बताओं नोटिस सं० ई एन एक-2 (32)/1970/कान/5076 विक 26 नवम्बर, 1970 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों जिह) के भीतर कारण बताएं कि उन के नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेंस क्यों न रह् कर िये की चाहिए और वे इस आधार पर कि ल इनेंसों के लिए माल का उन्योग लाइसेंस पर जो अतें आई गई थीं उसके अनुसार नहीं किया गा है।
- 3. उक्त कारण बताओ नोटिस के तिर कोई उतर प्राप्त नहीं हुता है और उतको निधारित अधि समाप्त हो गई है।
- 4. प्रघोहस्ताकरी ने मामले की भली भांति जांच कर ली है भौर इस परिणाम पर पहुंचा है जिस उद्देश्य हेतु विषयाधीन लाइसेंस जारी किये गये थे वे उन्हें पूरा नहीं करेंगे i
- 5. पूर्व की कंडिया में जो बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए प्रश्नोहस्तालरी इससे गुर है कि विषयाधीन लाइसेंस रह प्रथवा अन्यथा का से अप्रभावित कर दिये जाने बाहिए। शिल, प्रश्नोहस्तालरी आयात (नियंत्रण) आदेण 1955 की धारा 9 उपधारा (गी सी) के भिनेत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लाइसेंस संख्या पी/एस/1654618 दिनांक 20-6-70 मूल 9213 रुपये तथा पी/एस/1654619 दिनांक 20-6-70 मूल्य 18426 रुपये जो सबऔ

एप्ल्यानसेज तथा एसेसरीज वर्क्स (रिजि०) सिविज लाइन्स रुद्रपुर (जिला नैनीताल) के नाम में जारी किये गये थे उन्हें एतदद्वारा रह करता है।

> [संख्या ई एन एक-2 (32)/1970/कान] ग्रो० एन० ग्रानन्द, उर-मह्य नियंत्रक आयात-निर्यात ॥

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports)

- ORDER

Bangalore, the 30th January 1971

-Cancellation of Licence No. P/S/1636028/C/XX/34/X/29-30, dated 22-3-1970 for Rs. 5,000 both the copies.

- S.O. 1661,—M/s. The Mysore Palace Agarbathi Works, Goripalyam, Bangalore-18, were granted import licence No. P/S/1636028/C/XX/34/X/29-30 dated 22nd March, 1970. for Rs. 5,000 for import of Aromatic Chemicals and N. E. Oils. They have now applied for duplicate copy of Customs purpose copy as well as Exchange Control purpose copy of the above licence on the ground that the original of the above Customs purpose and Exchange Control purpose copy of the licence have been lost. It is further stated that the above licence is not at all utilised and the duplicate Customs purpose licence copy and Exchange Control purpose copy of the licence new required is for Rs. 5,000.
- 2. In support of the above contention, the applicant have filed an affidavit. I am satisfied that both the original Customs purpose and the Exchange Control purpose copies of the above licence have been lost and direct that a duplicate copy of the Customs purpose copy and Exchange Control purpose copy of the above licence should be issued to the applicant, for the full value of Rs. 5,000 only. The original Customs purpose and the Exchange Control purpose copy of the licence are hereby cancelled.

[No. ITC/SSI/A-282/A.M. 70/NP.]

K. JAYARAMAN.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.

(उप-मध्य नियंत्रक ग्रायात-निर्यात का कार्यालय)

धाद ॥

बेंगनोट, 30 जनवरी 1971

विषय:-- 5000 रुपये के लिए लाइसेंस सं० पी/एस/1636028/सी/एक्स एक्स/34 एक्स 29-30 दिनांक 22-3-1970 को रह करना--दोनों प्रतियां

एस॰ घो॰ 1664 -- सर्वधी दी मैसूर पैलेस ग्रगरवत्ती ववसं गीरीपालयम बंगलीर-18 को सुगंध रसादनों तथा एन० ई० तेलों के झायात के लिए 5000 क्याये के लिए एक झायात लाइमेंस सं थी/एक/. 136028/सी/एवस एवस/34/एवस/29-30 दिनांक 22-3-1970 जारी किया गया था। अब उन्होंने उपयुंबत लाइसेंस की सीमा-शुरुक प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिए इस बाधार पर बाबेटन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा-गुल्क प्रति तथा मृद्र -िरिम्य नियवण प्रति खो गई है। आगे यह मुचना दी गई है कि उपर्युक्त लाइसेंस का बिल्कुल भी उपयोग नहीं विया गया है और अब लाइसेंस की सीमा-गुल्क तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रतियों की धनलिपियों की धावश्यकता 5000 रुपये के लिए है।

2. उपर्युक्त तक फि समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्न दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण दोनों प्रतियां खो गई हैं और निदेश हैं कि इन प्रतियों की अनुलिपियां आवेदक को 5000 रुपये मात्र के पूण मूल्य के लिए जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां एतदद्वारा रह की जाती हैं।

[संख्या ब्राईटीसी/एसएसब्राई/ए-282/ए एम 70/एन पी 1]

के॰ 'जयरामन, उप-मुख्य नियंत्रक भ्रायात-नियात ।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports) ORDER

ORDER

New Delhi, the 25th March 1971

8.0. 1665.—Shri A K. Gupta resident of 11/11 West Patel Nagar, New Delhi was granted a C. C. P. No. P/J/2374013/N/MN/37/H/31.32 dated 20th November, 1970 for the import of a T. V. set worth Rs. 2,000. He has applied for a duplicate copy of the C. C. P. on the grounds that the original CCP has been lost. It is further stated that the original C.C.P. was not registered with any Customs House and not utilized. In support of this contention he has filed an affidavit. I am satisfied that the original C.C.P. No. P/J/2374013 dated 20th November, 1970 has been lost and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to the applicant. The original C.C.P. is cancelled.

[No. 289-IV/A-90/AM. 71/Adhoc/3171.]

J. SHANKAR,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports,

(बुल्य निवंत्रक: ब्यायात-निर्वात का कर्यालय)

ग्रावेश

नई दिल्ली, 25 मान, 1971

एस० ग्रो० 1665.—श्री ए० के० गुप्ता निवासी 11/11 पश्चिमी पटेल नगर नई दिल्ली की 2000 रुपये के मूल्य के टी० बी० सट के बायान के विट् एक सीमाणुल्क निकासी प्रनुनित पत्र सं० पी/वे/2374013/एन/एम एन/37/एक/31-32 दिनांक 20-11-1970 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमाणुल्क निकासी प्रनुमित-पत्र की अनुतिषि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाणुल्क निकासी प्रनुमित-पत्र की गया है। आने यह उल्लेख किया गया है कि मूल कीमा-जुल्क निकासी प्रनुमित-पत्र की गया है। आने यह उल्लेख किया गया है कि मूल कीमा-जुल्क निकासी प्रनुमित पत्र किसी सीमाणुल्क आर्यालय में पंजीवृत नहीं कराया गया था भीर उसका उपयोग नहीं हुआ। था। इस तर्क के समर्थन में उसने एक अपयपन दाजिल किया है के बेंच्य है कि मूल सीमाणुल्क निकासी अनुमित-पत्र सं० पी/वे/2374013 दिनांक 20-11-70 वो गया है प्रोर निवेश देशा हूं कि आवेदक को सीमा-जुल्क निकासी अनुमित जारी की बाती चाहिए। मूल सीमाणुल्क निकासी अनुमित पत्र पर हिष्या जाता है।

[बेबल १८७-4/ए-90/ए एम० 71/एड हाक/3171]

ने० संकर,

उत्पूद्ध नियंत्र बायात-नियति .

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING, (Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 13th April 1971

S.O. 1666.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Min'stry of Health No F.16-14/59-MI. dated the 30th March. 1960 the Central Government has directed that the Medical qualification, "Doctor of Medicine" (Baylor University, School of Medicine, Taxas, U.S.A.) shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. R. G. Burrows who possesses the said qualification is for the time being attached to the Makunda Christian Medical-Agricultural Joint Seva Mandal, Post Bazaricherra, Cachar Distt. Assam for the purpose of charitable work;

Now therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a period upto and inclusive of 31st December, 1971 or

(ii) the period during which Dr. R. G. Burrows is attached to the said Makunda Christian Medical-Agricultural Joint Seva Mandal, Post Bazaricherra, Cachar Distt. Assam whichever is shorter as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. F.19-8/71-M.P.T.]

M. C. MISRA, Dy. Secy.

स्वास्थ्य तथा परिवार निशोवन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1971

एस० थ्रो० 1666.—यतः भारत सरकार के भूबपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 30 मार्च, 1960 की श्रिष्ठ-सूचना संख्या एफ० 16-14/59-चि० 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय विकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए डाक्टर आंव मेडिसिन, बेलर यूनिविसिटी, स्कूल आंव मेडिसन, टैक्सस, संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा प्रदन चिकित्सा आहंता मान्य चिकित्सा अहता होगी ;

सौर यतः डा॰ ग्रार॰ जी॰ बरोज जिसके पास उक्त ग्रहंता है धमावं प्रयोजनों के लिए फिलहान मकुन्दा किश्चियन मेडिकल कृषि सेवा मण्डल, डाकखाना बाजारी चेरा, जिला कछार, ग्रसम में कार्य कर रहे हैं ;

अब, इसलिए, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उप धारा (1) के परन्तुक के खण्ड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा विनिदिष्ट करती है कि :

(।) आगे की अवधि जिसमें 31 दिसम्बर, 1971 भी सम्मिलित है ;

ग्राकासम

(11) वह अवधि जिसके दौरान डा॰ आर॰ जी॰ बरोज उपर्युक्त मकुत्वा किश्वियन मेडिलक कृषि संयुक्त सेवा मण्डल डा॰ बाजारी चेरा, कछार जिला असम से सम्बद्ध हों, जो भी कम हो, जैसे कि वह अवधि वहीं तक सीमित होगी जिसके दौरान पूर्वीकत डाक्टर चिकित्सा कार्य करेंगे।

[सं० प॰ 19-8/71-एम पी टी] गडेश चन्द्र मिश्र, उप सचिव।

MINISTRY OF TOURISIM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th April 1971

s.o. 1667.—Whereas on the 26th March, 1971, a Jamair Co. Private Ltd., Dakota sireraft VT-ATT while on a passenger flight from Gauhati to Calcutta via Bagdogra crashed about 30 miles East-North East of Hashimara, resulting in the death of 11 passengers and 4 crew;

And whereas it appears to the Central Government that it is expedient to hold formal investigation in the circumstances of the said accident;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 75 of the Aircraft gules, 1937, the Central Government hereby directs that a formal investigation of the said accident be held;

The Central Government is further pleased to appoint Shri S. K. Dutta, retired Judge of the Calcutta High Court, to hold the said investigation.

The Central Government is also pleased to appoint:-

- (1) Group Capt. J. R. Bhasin, Director of Flight Safety, Air Headquarters, New Delhi, and
- (2) Capt. B. S. Sareen, Retired Regional Director, Indian Airlines, New Delhi, to act as assessors to the said investigation.

[No. F.AV.15013/11/71-A.] S. N. KAUL, Dy. Secy.

पर्यंटन तथा नगर विमानन मंत्र लय नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1971

सा० आ० 1667-यत: जामयेर कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का डकोटा विमान वी टी-ए० टी० टी० एक यात्री उड़ान पर बागडोगरा के मार्ग से गोहाटी से कलक्ता जाते हुए हाशिमारा के लगभग 30 मील पूर्व-उत्तर पूर्व मे दुघटनाग्रस्त हो गया, जिसके परिणाम स्वरूप 11 यात्रियों और विमान कमींदल के 4 सदस्यों की मृत्यु हो गई ;

ग्रीर यतः भारत सरकार ही दृष्टि ने इस दुर्बटना की परिस्थितियों के बारे में भीपचारिक जांच किया जाना उचित प्रतीत होता है ;

ग्रतः, श्रव, विमान नियम 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निदेश देती है कि उक्त दुट गैना की औपचारिक जांच की जाय ;

केन्द्रीय सरकार उक्त जांच करने के लिये कलकत्ता हाई कोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश, श्री एस० के० दत्ता की नियक्ति भी करती है ।

केन्द्रीय सरकार उक्त आंच में

- (1) युप कैप्टन जे॰ घार॰ भसीन, निदेशक, सुरक्षा उड़ान, बायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली ; घीर
- (2) कैंप्टन बी० एस० सरोत, अवकाश प्राप्त क्षेत्रीय निर्देशक, इंडियन एयरलाइन्स, नई दिल्ली की असेसर के रूप में कार्य करते के लिये नियुक्ति भी करती है।

[सं॰ फा॰ ए॰ बी॰ 15313/11/71-ए]] सरेन्द्र नाथ कील उप सक्ति।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 12th April 1971

- S.O. 1668.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 the Constitution, the President hereby makes the following rules further to ame the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, namely;—
- 1. (1) These rules may be called the Authentication (Orders and other Instruents) Fourth Amendment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 2 of the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 195 for clause (25), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(25) in the case of orders and other instruments relating to the Deparment of Communications, by the Director Internal Financial Adviser Deputy Wireless Adviser or the Assistant Wireless Adviser; or."

[No. F.3/8/70-Pub.I.] K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1971

कः अपाः 1663 . — राष्ट्रपति, सविधान के सनुष्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रस्त जानिताों क प्रयोग करते दृर् पीधा वाणो करण (आदेश और सन्य लिखित) नियम, 1958 में और आग तंगोजन करने के लिए ोन्निविधान नियम एनद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) वे नियम प्रविधानागोकरण (ब्रादेश और अन्य लिखित) चतुर्व संगोधन नियम,
 1971 कहे जाएंगे।
 - (2) ये जानकीय राजनव में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. स्र वेपनाणीकरण (बादेश बीर स्र य निवित्त) नियम, 1958 के नियम 2 में, खंड (25) के स्थान पर निम्नतिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, सर्थात :---
 - "(25) सवार विभाग से संबंधित यादेशों और धन्य लिखितों की दशा में निदेशक, ग्रान्तरिक वित्तीय सलाहकार, उप वेतार सलाहकार या सहायक वेतार सलाहकार; या"।

[सं० फा० 3/8/70-पव् 1] के० ग्रार० प्रभु, संयुक्त सचित्र।

New Delhi, the 14th April 1971

- S.O. 1669.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution, the President, with the consent of the Government of Rajasthan, hereby entrusts also to the Superintendent of Police, C.I.D., (I.B.), Zone Jodhpur, within his jurisdiction, the functions of the Central Government in making orders of the nature specified in clauses (a), (b), (c) and (cc) of sub-section (2) of section 3 of the Foreigners Act, 1946 (31 of 1946), subject to the following conditions, namely:—
 - (a) that the functions so entrusted shall be exercised in respect of nationals of Pakistan;
 - (b) that in the exercise of such functions the said Superintendent of Police shall comply with such general or special directions as the Government of Rajasthan or the Central Government may from time to time issue; and

(c) that notwithstanding this entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[No. 19011/1/71-F.III.] J. C. AGARWAL, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 24 अर्थन, 1971

का० ग्रा० 1669 — राष्ट्रगति, संविधान के अन्ब्छेद 258 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शिंतवों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान सरकार की सहमति से पुलिस अधीक्षक सी० आई० डी०, (बाई० बी०) जोन, जोअपुर को भो, उन्न प्रधि नार-जेल में, विदेशी अधिनियम, 1946 (1946 का 31) की धारा 3 की उग-बारा (2) के बंड (क), (ख), (ग) तथा (गग) में विनिद्ष्ट प्रकार के बादेश बनाने के केन्द्रीय सरकार के कृत्यों को, निम्नलिखित शर्तों के अधीन, सींपते हैं, अर्थात् :—

- (क) इस प्रकार सींचे गये कृत्यों का प्रयोग पाकिस्तानी राष्ट्रिकों के सम्बन्ध में किया जाएगा:
- (ख) ऐसे कृत्यों के प्रयोग में उक्त पुलिस अधीक्षक ऐसे साधारण अथवा विशेष निदेशों का अनुपालन करेगा जैसे कि राजस्थान सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जाएं; और
- (ग) इस प्रकार कार्यों के सींचे जाने पर भी, केन्द्रीय सरकार, यदि किसी मामते में वह ऐसा करना ठीक समझे तो, उक्त कृत्यों में से किसी कृत्य का प्रयोग स्वयं कर सकती है।

सिं॰ 19011/1/71-एक-3] ज॰ चं॰ यारतात, संबद्ध सचित्र।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 7th April 1971

8.0, 1670.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), and in partial modification of this Ministry's actification No. EL.II.28(15)/67, dated the 28th November, 1969, the Central Government hereby appoints Shri L. J. Manirekar, Joint Secretary and Legal Adviser, Ministry of Law, as a Member of the Central Electricity Authority vice Shri K. S. Pandalai.

[No. EL.II.28(3)/70.]

M. RAMANATHAN, Dy. Director (Power).

सिंबाई और विद्युत मंत्रालय

गई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1971

एस० थ्रो० 1670 — बिजली (पूर्ति) अधिनियम, 1948 (1948 का 54) की धारा 3 द्वारा अदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० वि० दो० — 28(15)/67, दिनांक 28 न्तान्तर, 1969 का ग्रांशिक संगोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एल० जे० मंजरेकर, कृत्त सचिव व वैधिक सलाहकार, विधि मंजालय को श्री के० एस० पांडलाई के स्थान पर केन्द्रीय विजली प्राधिकरण के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० वि० दो-28(3)/70.] एम० रामनाथन, उपनिदेशक ।

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 26th February 1971

S.O. 1671.—In exercise of the powers conferred by Section 126 of the Incomplex Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby directs the Serial No. 40-B of the Schedule appended to its Notification No. 44-I.T. dated to 1st July, 1952 as amended from time to time, shall be treated as deleted with effect from the 8th April, 1971

[No. 4/F. No. 55/270/69-IT(AI) B. MADHAVAN, Under Sec

केन्द्रीय प्रयक्ष कर बोर्ड

(आय कर)

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1971

एस० स्रो० 1671.—ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 हार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्रारा निदेश देता है कि समय समय पर यथा संशोधित उसकी ग्रधिसूचना सं० 44-माई० टी०, तारीख 1 जुलाई, 1952 के साथ संलम अनुसूची की कम सं० 40-ख को 8 ग्रप्रैल, 1971 से काट दिया गया समझा जाएगा।

[सं॰ 4 फा॰ सं॰ 55/270/69-ब्राई टी (ए-1)

बी० माधवन, अवर सचिद।

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

Allahabad 30th November, 1970.

S. O 1672.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules 1944, I, M.V.N. Rao, Collector of Central Excise, Allahabad, hereby empower the Central Excise Officers specified in column 3 of the subjoined table to exercise within their respective jurisdiction the powers of the 'Collector' under the Central Excise Rules enumerated in column 2 thereof, subject to the limitation set out in column 4 of the said table:—

TABLE

SI. No.	C.E. Rules	Rank of Officer	Limitation if any
1	2	3	4
ī	96V(1)	. All Officers of and above the rank of Superintendent.	To accept the first ASP application relating to the Special Procedure in respect of Cotton Yarn and Woollen Yarn.
2	96V(2)	. All Officers of and above the rank of Assistant Collector.	To accept first ASP application relating to the special Procedure in respect of Cotton Yarn and Wooller Yarn for a period less than the prescribed period.

	military specification	SERVICE STATE		A STATE OF
1 2		3		4
				I WICK II
The second secon			THE RESERVE THE PERSON NAMED IN COLUMN 2 IS NOT THE PERSON NAMED I	

96X . . Deputy Collector

To exercise the overall discretionary powers to extend special procedure in respect of Cotton Yarn and Woollen Yarn to a manufacturer who has failed to avail of it, or to comply with any conditions laid down in the rules.

[No. 4/1970.] M. V. N. RAO, Collector

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहतांलय, इलाहाबाद

इनाहाबाद, 30 नवम्बर 1970

एस० स्रो० 1672—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम 1944 के नियम 5 के द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैं एम० बी० एन० राव समाहर्त्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क इलाहाबाद केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारियों की शक्ति जो स्तम्भ 3 में व्यक्त सूची की शक्तियों में समाहर्त्ता अपनी शक्तियों के क्षेत्राधिकार के अधीन, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम के स्तम्भ 2 में व्यक्त सीमित विषय को उक्त सूची के स्तम्भ 4 में व्यक्त कर दिया गया है।

सूची

क्रमांक संख्या	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम	अधिकारी का पद	सीमा इत्यादि
1	2	' 3	
1	96 व (i)	सभी श्रधिकारी और उच्च कोटि के श्रधीलक	ए० स० पी० आवेदन पत्र सम्बन्धी विशेष अधिनियम में सूती और ऊनी सुत स्वीकार करने से पूर्व।
2	96 4 (ii)	सभी अधिकारी और उच्च कोटि के सहायक समाहर्ता	व्यक्त अवधि से कम अवधि के लिये ए० स० पी० आवेदन पत्न सम्बन्धी विश्रेव अधिनियम में सूती और ऊनी सूत स्वीकार करने से पूर्व।
3	96 X	उप-समाहर्ता	उत्पादक के लिये अपनी शक्तियों की वृद्धि का प्रयोग करते हुए विशेष अधिनियम में सूती और ऊनी सूत के विषय में प्रयोग करने में असमर्थ रहना और नियम में अंकित गर्त के साथ अपवाद करना।

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

MANUFACTURED PRODUCTS

New Delhi, the 5th January 1971

SUBJECT.—Delegation of Collector's powers under Rule 191-A and 191-B of Central Excise Rules, 1944:

S.O. 1673.—In exercise of the powers conferred upon me by Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby delegate to the Deputy Collector of Central Excise (Technical), Hdqrs. Office, Baroda, the powers for approval of manufacturing formula under Rule 191-A and 191-B of Central Excise Rules, 1944 in respect of Surat, Nadiad, Anand and Baroda Divisions of this Collectorate.

[No. 1/71.1

L. M. KAUL, Collector.

केन्द्रीय उत्पादन शतक कलकडोरेट

तैयार उत्पादन

बड़ीदा, 5 जनवरी, 1971

एस० श्रो० 1673—नियम 5 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमाधली 1944 के द्वारा मुझे प्रदान की हुई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं उपसमाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (तकनिकी) मुख्य कार्यालय बड़ौदा को निर्माण-सूचना अनुमोदन की शक्ति केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के अधीन नियम 191-ए और 191-वी इस कलेक्टोरेट के भूरत, निष्याद, आनन्द तथा बडौदा डिवीजन से सम्बन्धित सौंप देता हं।

सत्यापित

[Hear-1/71]

एल० एम० कील, कलक्टर।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 12th April 1971

S.O. 1674 /IDRA/6/4/71.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act. 1951 (65 of 1951), read with Rules 5(1) and 8 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints, till the 30th April, 1971, Shri P. S. Gill, Director, Sugarcane Development and Member Indian Sugarcane Development Council to be a member of the Development Council established by the Order of the Government of India, in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) Order No. S.O. 1751/IDRA/6/3/69, dated the 1st May, 1969, for the Scheduled Industries engaged in the manufacture or production of sugar, and directs that the following amendment shall be made in the said Order, namely:—

In the said Order, for entry No. 23 relating to Shri Bishwa Nath Roy, Member Lok Sabha, 197, North Avenue, the following entry shall be substituted, namely:

"23. Shri P. S. Gill, Director. Sugarcane Development and Member Secretary, Indian Sugarcane Development Council".

[No. 13(8)/68-LC.]

ग्रीद्योगिक विकास तथा ग्रांतरिक व्यापार मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 12 अत्रैल, 1971

एस॰ ओ॰ 1674/आई॰ डी॰ आर॰ ए॰ /6/4/71—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65वां) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवम् विकास परिषदें (कार्याविधि) नियम, 1952 के नियम 5(1) और 8 के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्- हुए, श्री पि॰ एस॰ गिल, निदेशक, गन्ना विकास तथा सदस्य, भारतीय गन्ना विकास परिषद को 30 अप्रैल, 1971 तक के लिए भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास, प्रांतरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेश सं॰ एस॰ ग्रो॰ 1751/आई॰ डी॰ ग्रार॰ ए०/6/3/69, दिनांक 1 मई, 1969 के ग्रादेश द्वारा स्थापित चीनी के निर्माण ग्रथवा उत्पादन रत अनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद का सदस्य नियुक्त करती है और यह निदेश देती है कि उक्त ग्रादेश में निम्न-लिखन संशोधन किया जाएगा, प्रयांत :—

उक्त ग्रादेश में, श्री विश्वनाथ राय, सदस्य, लोक सभा, 197, नाथं एवन्यू, से संबंधित प्रविष्टि संख्या 23 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, ग्रर्थात् :— "23. श्री पी० एस० गिल, निदेशक, गन्ना विकास तथा सदस्य सचिव, भारतीय गन्ना विकास परिषद ।"

[सं 13(8)/68-एल सी]

New Delhi, the 15th April 1971

- S.O. 1675/IDRA/5.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rule 8 of the Central Advisory Council (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints Shri S. S. Kanoria and Shri B. Mitter to be members of the Central Advisory Council of Industries till the 4th March, 1972, in place of Shri D. C. Kothari and Shri Keshub Mahindra respectively and directs that the following amendments shall be made in the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Deptt., of Industrial Development) No. S. O. 971 dated the 5th March, 1970 as amended vide No. S.O. 1367 and S.O. 1368 both dated the 9th April, 1970, namely:—
 - (a) In the said Order, for the entry No. 2 relating to Shri D. C. Kothari, the following entry shall be substituted; namely,
 - Shri S. S. Kanoria, President, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry, Federation House, New Delhi-1."
 - (b) In the said Order, for entry No. 3, relating to Shri Keshub Mahindra, the following entry shall be substituted, namely,
 - "3. Shri B. Mitter, President, The Associated Chambers of Commerce and Industry of India, Royal Exchange, 6, Netaji Subhas Road, Calcutta.

[No. F. 1(3)/Lic. Pol./69.]

R. C. SETHI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 धप्रैल, 1971

एस॰ बो॰ 1675 धाई डी धार ए/5-उछोग (विकास तथा विनियमन) प्रधिनियम, 1951-(1951 का 65वां) की धारा 5 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एवम केन्द्रीय सरकार परिद (कार्याविधि) नियम, 1952 के नियम 8 के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-होग थी एस॰एस॰ कनोडिया धौर श्री बी॰ मित्तर को क्रमणः श्री डी॰सी॰ कोठारी तथा श्री 2048

केशव महिन्द्रा के स्थान पर 4 मार्च, 1972 तक के लिए केन्द्रीय विकाव परिषद का सदस्य नियक्त करती है और यह निदेश देती है कि भौद्योगिक विकास भ्रांत्मरिक व्यापार तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (बीद्योगिक विकास विभाग) के संव्एसव्योव 971 दिनांक 5 मार्च, 1970 जिसे संव्एसव्योव 1367 तथा 1368 (दोनों ही) दिनांक 9 अप्रैल, 1970 द्वारा संशोधित किया गया, में उसमें निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, ग्रथति :--

- (क) उक्त ब्रादेश में श्री डी॰ सी॰ कोठारी से संबंधित प्रविष्टि सं०2 निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी, अर्थात:---
- "2. श्री एस०एस० कनोडिया, ग्रध्यक्ष फेडरेशन आफ इंडियन चैम्बर्स आफ कामर्स एव्ड इंडस्ट्री, फेडरेशन हाउस.
- (ख) उक्त ब्रादेश में श्री केशव महिन्द्रा सं संबंधित प्रविष्टि सं० 3 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी, ग्रर्थात:--
- "3. श्री बी० मित्तर,
 - अध्यक्ष, एसोशियेटेड चैम्बसं आफ कामसं एण्ड इन्डस्ट्री आफ इन्डिश, रायल एक्सचेंज 6, नेताजी सुभाष रोड, कलकता।"

[सं०फा० 1 (3)एल०पी० (69)] ग्रार० सी० सेठी, ग्रवर सचिव।

(Department of Industrial Development) (Indian Standards Institution)

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1676—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, modifications to the provisions of the Indian Standard, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant standard. These modifications shall come into force with immediate effect:

THE SCHEDULE

Sl. No. and Title of Indian Number(s) of the No. Standard, the provisions of existing clause of which have been modified. Affected No. existing clauses Particulars of the Modifications made to the provisions

I

2

3

I IS: 1786 - 1966 Specification for Clause 7.1 steel bars for concrete rein -forcement (revised)

(Page 6, clause 7.1) - Substitute the following for the existing clause :

7. I weight -The tolerance on the weight of bars shall be the following percentage of weight calculated as in 6.1.

Director General.

Perm
-
- 25
百
-
AD
Te.
100
Dr.
but sel
10
100
Œ
Fire !
100
-
T.
10.00
-

(भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1971

एस॰ औ॰ 1676 .--समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (4) के नीचे धनुमुची में दिए हैं। इस परिवर्तन से तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के ग्रधीन माल की किस्म पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ग्रीर यह परिवर्तन तुरन्त ही लागू श्वधीत प्राप्त शक्तियों के आधार पर मानक-चिल्ल लगाने में गति लाने के उद्देश्य से भारतीय मानक में कुछ परिवर्तन परीक्षायें रूप में किया नया है, जिसके व्योरे हो जाएगा ।

श्रनुसूची

मारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक जिसके संभोधित वर्तमान खण्ड की उपबंधों का संगोधन हुया है क्रमांक

(4)

(3)

ETUE 7. 1

1 IS : 1786-1966 कंकीट प्रबलन के लिए भीत मरोड़ी हुई सरिया की विशिष्टि

(युनदीकात)

(2)

उपबंधों में किए गए परिवंतनों के विवरण

(पु० 6 खण्ड 7.1) वर्तमान खण्ड के स्थान पर निम्नलिखित कर

"7.1 तीत सरिया की तील में छूट 6.1 के अनुसार निकाली निकाली गई तोल पर छूट, प्रतिशत गई निम्नलिखित तोल-प्रतिशत हो : सांकेतिक नाप

कुल ग्रन्तर प्रतिश्रत 2.5 10.0 श्रीर उससे कम 10.0 計 新指布

重

[सं० सी० एम० डी०/13 :4] एस० के० सेन,

महानिदेशक

2051

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 31st March 1971

S. O. 1677.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for Welded steel wire fabric for general use, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1 st February 1971.

	THE SCHEDULE							
Sl. No.	Prod	luet/C	lass	of Produc	s No. and Title of of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	
1			2		3 1	4	5	
	Velded gene al	areel use	wire	fabric fo	r IS: 4948—1968 Spe- cification for welded steel wire fabric for general use.	One tonne	Rs. 2:00	
-		-	777				INo. CMD /12 1 10	

[No. CMD /13 1 10

तास विभाग
तास विभाग
तास विभा
तास विभ
तास विभ
नास वि
नास नि
FIRE
नास
FIE
E
IC.
Tree .
4
notice to
Ber.
100
120
red l
100
-
-
100
臣

(भारतीय मानक संस्था)

की बोर से अधिसूचित किया जाता है कि सामान्य उपयोग के लिए बेल्डकृत इस्पात की तार की जाली की प्रति इकाई मुहरांकन फीस जिसके व्योरे नीचे प्रनुसूची में एस॰ घो॰ 1677 .--भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955, के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था नई दिल्ली 31 माचै, 1971 बिए हैं, निधारित की गई है और यह फीस 1 फरवरी 1971 से लागू हो जाएगी।

ध्रनसची

量	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या थ्रौर शीर्षक	के कि	प्रति इकाई मृहर लगाने की फीस
3	(2)	(6)	(4)	(5)
-	सामान्य उपयोग के लिए बेल्डकुत इस्पात की तार की जाली	IS: 4948-1966 सामान्य उपयोग के लिए वेल्डकुत इस्पात की तार की जाली	एक मीटरी टन	To 2.00
				[सं॰ सी॰ एम॰ डी॰ 13/10]

New Delhi, the 7th April 1971

S.O. 1678 :—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title (s) of the relevant Indian Standard (s) are given in the Schedule hereto annexed, have en specified .

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

THE SCHEDULE

Product / Class of No. and Title of the Verbal description of Product Relevant Indian the Design of the Date of Design of the Design of the Standard Mark effect the Standard Standard Mark

6 3 4 5 2

IS: 1239 (Part II)- The monogram of the 1969 Specification Indian Standards Wrought steel pipe IS :1239 fittings. for mildsteel tubes, Institution, consisting

tubulars and other of letters 'ISI' wrought steel fitt - drawn in the exactings Part II Mild- style and relative drawn in the exact steel tubulars and proportions as indica-other wrought steel ted in Col. (2), FITTING

pipe fittings (second the number designa revision) tion of the Indian Standard being superscribed on the top side and the words 'FITTING' being subscribed under the botton side of the monogram as indicated in the design.

Switches for domes- IS: 385-44 1966 Spe-tic and similar pur- cification for swit -IS:3854 ches for domestic poses and similar purpo-

The monogram of the I Mar. Indian Standards Ins-1971 titution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated Col. (2), the in number tion of the Indian Standard being superscribed on the topside of the monogram as indicated in the design.

IS: 4552 Portable jacks for IS: 4552-1968 Speautomobiles hydracification for portulically operated. able tacks for autobottom lifting type mobiles, mechanical and hydraulic

The monogram 161Feb. the Indian Stand-1971 dards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

1 मार्च 1971

की तिषि

लागू होने

सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या मानक चिल्ल की डिजाइन का

मानक बिह्न की डिजाइन उरवाद/उरवाद का वर्ग

क्रमांक

नई दिल्ली, 7 समैल 1971

एस॰ मो॰ 1678. -- भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955, के नियम 4 के उपनियम (1) के प्रनुसार भारतीय मानक संस्था की ग्रोर से मुचना दी जाती है कि मानक चिह्न जिनकी डिजाइन और शाब्दिक विरण तस्सम्बन्धी भारतीय मानकों के ग्रीपैक सहित नीचे अनुसूची में दिए हैं, भार मार संस्था द्वारा निधारित किए गए हैं। भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 शीर उसके श्रधीन बने नियमों के निमित ये मानक-चिह्न उनके ग्रागे लिखी तिथियों से लागू

हो जाएंगे।

स नुस्ची

मारतीय मानक संस्था का मोनो-शाब्दिक विवर्ण इस्पात, के फिटिन भाग 2 मृदु इस्पात 1969 मुद्र इस्पात की नलियों, नली निर्मित वस्तुश्रों श्रौर श्रन्य पिटबां की नली निर्मित बस्तुआं ग्रीर ग्रन्य पिटवां इस्पात के पाइपों के फिटिंग IS: 1239 (WITT 2)-पिटबां इस्पात के पाइपो

IS: 1239

1.

दूसरा पुनरीक्षण)

म्रोर भारतीय मानक की पद-संख्या दी हुई है ब्रीर नीचे की ग्राम जिसमें ISI शब्द ोते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली ग्रीर अनुपात में तैयार है उस मोनोग्राम के ऊपर की किया गया है स्रीर जैसा दिखाय

[सं॰ सी॰ एम॰ डी॰/13:9]

भारतीय मानक संस्था का मीनी-होते हैं स्तम्म (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है भीर जैसा दिखाया है उस मोनोब्राम के ऊपर की भ्रोर भारतीय मानक की पद-ग्राम जिसमें ISI संख्या दी हुई है ।

तथा प्रत्य ऐसे ही कार्यों के लिए स्विचों की विशिष्टि

धरेलू तथा भ्रान्य ऐसे ही कायों के लिए स्विच

2. IS: 3854

IS: 4552-1968 स्वचल गाहियों के लिए मधीनी श्रीर द्रव-

भारतीय मानक संस्था का मोनो- 16 फरबरी 1971

ग्राम जिसमें ISI मन्द होते हैं स्तम्म (2) में दिखाई

तैली और अनुपात में तैयार किया गया है भीर जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की

प्रोर भारतीय मानक संख्या दी हुई है।

सुबाह्य जैक, द्रव-चालित तली उठाने स्वचल गाड़ियों के लिए

3. IS: 4552

S.O. 1679:—In pursuance of sub-rule(1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution horely nearly that the Standard Marks(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been specified.

This / These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with immediate effect from the dates shown against each.

THE SCHEDULE

Verval description of Date of the Design of the effect Standard Mark SI. No. Product/ Class of No. and Title of the Design of the Standard Product Relevant Indian Standard Mark 2 3 5 4 6 IS: 3352-1965 Spe-cification for varni-IS: 3352 Varnished cotton The monogram of 16 Feb. cloth and tapes for the Indian Standards 1971 shed cotton cloth and tapes for elecelectrical puroposes Institution, consisting of letters'ISI' trical purposes drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designa-tion of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design, backing IS: 4900—1969 spe-cification for jute 2. IS:4900 Jute carpet The monogram of I March the Indian Stanfabric 1971 carpet backing fabric dards Institution, con-(271, 305, 339 and 407 g/m²) sisting of letter'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being su-perscribed on the top side of the

[No. CMD/13: 9]

monogram as indicated in the design.

岳	#	10
गरकीय मानक मंस्था (प्रमाणन चित्र) निषय 1955, के निषम 4 के उपनिषम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की	표	
ŧ.	ho	
E .	5	
#	H	
तीय	4	
4114	100	
Y	X	
निस	里	
# 21	E.	
-	HIE	
-	16	
मम	ma	
E.	100	
10	te.	
4	1	
H	4	
मिय	E E	
是	H	
10	B	
9.2	191	
-	E	
यम	4	
Œ	विद	
4)	क	
9	000	
E	H	
EL.	7	
(4	7 3	
E	आ इ	
des	10	
1	E	
HIL	15	
+	JE.	
Call	里	
H	THE	the
#	F #	110
7.9	事	B
16	中	T fa
0	F	Fee
2	4	HE
एस० और 1679.	44	7 1
2	H	1
	1200	
	中	al.
F-151-10	मोर से	संस्था द्वारा

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिहा) श्रधिनियम 1952 और उसके ग्रधीन बने नियमों के निमित्त थे मानक-चिह्न उनके ग्रामे लिखी तिथियों से लागू हो जाएंगे :

तिषि 中 (9) लागू होने सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवर्ण (2) ग्रीर शीर्षक क्रमांक मानक चिह्न की डिजाहन उत्पाद/उत्पाद का वर्ग 3 (2) Ξ

बिजली के कायों के लिए वानिश किया सूती कपड़ा श्रीर टेप

है स्तम्म (2)में दिखाई शैली श्रीर अनुपात में तैयार किया है उस मीनोग्राम के ऊपर की श्रोर भारतीय मानक की पद-भारतीय मानक संस्था का मीनो-प्राम जिसमें ISI शब्द होते गया है बौर जैसा दिखाया गया संख्या दी हुई है IS: 3352-1965 विजली के कायों के लिए वानिश किए सूती

16 फरवरी 1971

IS: 3352

कपड़े ग्रीर टेप की विशिष्टि

जूट के गलीचे के पीछे IS : 490 लगाने का कपड़ा गलीचे के पीछे 305, 339 १ विशिष्ट		(4) (5) (6)	IS : 4900-1969 जुट के भारतीय मानक संस्था का मोनो- 1 मार्च 1971 गलीचे के पीछे लगाने के कपड़े (271, प्राम जिसमें ISI शब्द 305, 339 भीर 407 या/मी ²) की होति हैं स्तम्म (2) में दिखाई बिक्षार्दि विशिद्धि गया है और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की थोर भारतीय मानक की पदसंख्या दी हुई है।
	(2) IS: 4900	(3)	

s. O. 1680.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards aution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby the the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the standards and the fee(s) shall come into force with effect the dates shown against each:

THE SCHEDULE

COLUMN TO THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE P			Company of the Company	THE PARTY OF THE P
Products/Class of Products	No. and title of Relevar Indian Standard	nt Unit	Marking Fe	
(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Wrought steel pipe fittings	IS: 1239 (Part II)— 1969 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings Part II Mild steel tubulars and other wrought steel pipe fittings.		25 Paise	1 March 1971
Switches for domes- tic and similar purposes	IS:3854-1966 Specifi- cation for switches for domestic and similar purposes		20 Paise	1 March 1971
Portable jacks for automobiles, hyd- raulically operated, bottom lifting type	IS:4552-1968 Specifi- cation for portable jacks for automobiles, mechanical and hyd- raulic	One jack	50 Paise	16 February 971

[No. CMS/70)

A. K. GUPTA, Deputy Director General.

एस० श्रो॰ 1680.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम गर्डे उपविनियम (3) के श्रनुसार भारतीय मानक संस्था की घोर से सूचित किया जाता है कि वानिश उताद को मृहरांकन फीस जिनके व्योरे नीचे धनुसूची में दिए हैं, निर्धारित की गई है धौर ये फीसें अके आगे निची तिथियों से लाग हो जाएंगी:

धनुसूची आक उत्पाद उत्पाद का सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या इकाई प्रति लाग वर्ग धौर लीवंक इकाई होने की महर लगाने तिथि की फीस (2) (3) (4) (5) (6) पिटवां इस्पात के पाइपों IS:1239 (भाग 2)-1969 मद 更新 25 । मार्च के फिटिंग इस्पात की निलयों, नली निमित वस्तुओं मीटरी पैसे 1971 ग्रीर ग्रन्य पिटवां इस्पात के फिटिंग भाग 2 मृद् इस्पात की नली निर्मित वस्तुओं ग्रीर यन्य पिटवां इस्पात के पाइपों के फिटिंग

(1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2	घरेलू तथा अन्य ऐसे ही कार्यों के लिए स्विच	IS:3854-1966 घरेलू तथा ग्रन्य ऐसे ही कार्यों के लिए स्विचों की विशिष्टि	100 स्विच	20 पैसे	1 माचं, 1971
3	स्वचल गाड़ियों के लिए सुवाह्य जैंक द्रव- चालित, तली उठाने	IS:4542-1968 स्वचल गाड़ियों के लिए मशीनी और द्रवचालित सुवाह्य जैक	एक गजैक	50 पैसे	16 फरवरी, 1971

[संख्या सी० एम० डी० 13/10]

ए० के० गुप्ता, उपमहानिदेशक।

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 27th March 1971

S.O. 1681.—Whereas a draft of the Cotton Grading and Marking Rules, 1970 was published, as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), at pages 3151 to 3154 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 25th July, 1970, with the notification of the Government of India in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation, (Department of Agriculture). No. S.O. 2459, dated the 10th July, 1970, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 10th August, 1970.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 25th July, 1970;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act and in supersession of the Cotton Grading Marking Rules, 1962, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

RULES

- 1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Cotton Grading and Marking Rules, 1971.
- (2) They shall apply to the varieties of cotton which are grown in India and which are specified in Schedule I.
 - 2. Definition .- In these rules,

वाल

- (1) "Schedule" means a Schedule annexed to these rules,
- (2) "False or fraudulent packing" means packing of a bale of cotton:
 - (a) in such a manner as to contain in different parts of the bale, cotton of different growths or varieties, or cotton of materially different staples, or cotton of different crops; or
 - (b) in such a manner as to contain in any part of the bale any byeproducts such as waste, fly, or other byeproducts of a cotton mili available after raw cotton is passed through the blow room; or

- (c) in such a manner as to contain in any part of the bale any concealed substance other than raw cotton; or
- (d) in such a manner as to contain interiorly cotton decidedly inferior to that upon the exterior and not readily detectable on the customary examination.
- 3 Grade Designation and quality.—(1) The grade designations of the varieties cotton specified in Schedule I shall be as specified in column 1 of Schedule II the special characteristics and the general characteristics indicated by the designations shall be specified in column 2 and 3 respectively of Schedule II.
- (2) The grade designations referred to in sub-rule (1) shall be applied only to in full pressed bales.
- 4. Grade designation marks.—(1) The grade designation mark shall consist of label specifying the grade designation and bearing a design (consisting of an utline map of India with the word AGMARK and the figure of the rising sun with newords "Produce of India") resembling, that set out in Schedule III.
- (2) The design and grade designation shall be of the following colour:-

Grade designation Colour of designation and lettering of lebel Red Agmark Certified pedigreed Agmark Certified Black

- 5. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be placed against me or the other of the flat sides of bale, shall be fixed to the hessian cloth wrapper and shall be held securely in position by at least 3 hoops.
- (2) The grade designation mark shall clearly show the date of pressing, variety of cotton and place of growth (Block/District/State).
- (3) The affixing of the grade designation mark on an end hessian or an un-asked side of a bale shall not be deemed to fulfil the requirements of this rule.
- 6. Method of packing.—(1) The cotton shall be packed in bales in the manner customary in the trade.
 - (2) There shall be no false or fraudulent packing of the bales.

SCHEDULE I

[See rules 1(2) and 3]

List of varieties of cotton approved for Agmarking

A. 51-9 (Narmada). Adonicum. AK-235. AK-277. Andrews (Extra long staple).
Badnawar I (C.T.I. 4-27). Buri 147. Buri 0394 C. Indore-I. C. Indore-Z. Cocanadas-2 Deviraj (170-C02). Ganganagar I. Gaorani 6. Gaorani 12. Gaorani 22. Gaorani 46. Gujarat-67. H. 14. Hybrid cotton. Jayadhar. K 2. K. 5. K. 6. Kalyan. Laxmi. LL. 54.

LS.S. M.A. 5. Maljari. THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 24, 1971/VAISAKHA 4, 1893 [PART II.

1

2

3

crop of which shall have been inspected in the field and duly certified by the appropriate Government Department or any other agency to be recognised by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India for the purpose to be at least 95 % pure; and

(b) shall have been ginned and pressed under the direct supervision of the appropriate Government department or by any other agency to be recognised by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India for the purpose.

> SCHEDULE III (See rule 4)

Grade designation make for cotton



बाब, कृषे, सान्दाचिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्व 1971

का० ग्रा० 1681—यतः कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण ग्राँर विह्न) ग्रिधिनयम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की ग्रेपेक्षानुसार कपास श्रेणीकरण ग्रीर विह्न नियम 1970 का प्रारूप भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (II) तारीख 25 जुलाई, 1970 में पृष्ट 3155—3160 पर, भारत सरकार के खाद्य कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) की ग्रिधिसूचना संख्या का० ग्रा० 2459 तारीख 10 जुलाई, 1970 के साथ उन सभी व्यक्तियों से 10 ग्रगस्त, 1970 तक ग्राक्षेप ग्रीर सुझाव ग्रामंत्रित करते हुए, जिनका एतद्द्वारा प्रभावित होना संभाव्य था, प्रकाशित किया गया था।

भीर यतः उक्त राजपत्र जनता को 25 जुलाई, 1970 को उपलब्ध करा दिया गया था। भीर यतः उक्त प्रारुप पर जनता से कोई भाक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, और कपास श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1962 अधिकान्त करते केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:--

1. संक्षिप्त नाम ग्रीर लागू होना :--

- (1) ये नियम कपास श्रेगीकरण और बिह्न नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
- (2) ये कपास की उन किस्मों पर लागू होंगे जो भारत में उगाई जाती है और जो अनसूची अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट हैं।

2. परिभाषा:-इन नियमों में,

- (1) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिन्नेत हैं ;
- (2) "मिथ्या या कपटपूर्ण रैकिंग" से कपास की गांठ का निम्नलिखित रीति से पैकिंग अभि-प्रेत है:--
- (क) ऐसी रोति सं पैंकिंग की गांठ के विभिन्न भागों में विभिन्न उत्पत्तियों या किस्मीं की कपास या तत्वत: विभिन्न रेशों की या विभिन्न फसलों की कपास ग्रन्तविष्ट हो।
- (ख) ऐसी ीति से पै किंग की गांठ के किसी भाग में कोई उपोत्पाद जैसे रद्दी, फलाई (उड़न) या कच्ची कपास के विद्यूलन कोष्ट (इनो कम) से निकाले जाने पर उपलब्ध काटन-मिल के अन्य उपोत्पाद अन्तिविष्ट हो : या
- (ग) ऐसी रीति से रैंकिंग की गांठ के किसी भाग में कच्ची कपास से भिन्न कोई ^{छिंग} हुए, पदार्थ अन्तर्विष्ट हों; या
- (घ) ऐसी रीति से रैंकिंग कि इसमें की भीतरी की कपास विनिश्चित रूप से बाहर की कपास से घटिया हो और रुढिगता परीक्षा से उसका आसानी से पता न चल सके।
- 3' श्रेणी श्रभिवान और क्वाबिटी:— (I) अनुपूर्वी 1 में विनिर्दिष्ट कपास की किस्मीं के श्रेणी श्रभिवान वे होंगे जो अनुपूर्वी II के स्तृत्र । में विनिर्दिष्ट हैं और श्रेणी श्रभिवान द्वारा उपविशत विशेष और साधारण लक्षण वे होंगे जो अनुसूर्वी II के कमणः स्तंत्र 2 और 3 में विनिर्दिष्ट हैं।

- (2) उपनियम (1) में विनिद्धिष्ट श्रेणी श्रिमिधान केवल पूर्णतः कसी हुई गाँठ की कपास पर ही लागु होंगे।
- 4. श्रेणी ग्रभिधान चिन्ह—श्रेणी ग्रभिधान चिन्ह ऐसे लेवल के रूप में होगा जिसमें श्रेणी ग्रभिधान विनिद्धित हो श्रीर अनुसूची III में दिए गए डिजाइन (जिसमें एगमार्क शब्द के साथ भारत की रुपरेखा का मानचित्र श्रीर 'भारतीय उत्पाद' शब्दों के साथ उगते हुए सूर्य की श्राकृति हो) के सदृश्य एक डिजाइन होगा।
 - (2) डिजाइन और श्रेणी ग्रिमधान चिन्ह निम्नलिखित रंगों के होंगे।

श्रेणी ग्रिभधान

ग्रभिधान का रंग ग्रीर लेबल का ग्रक्षर-लेखन

ऐग मार्क प्रमाणित पेडीग्रीडा

लाल

ऐग मार्क प्रमाणित

काला

- 5. चिन्ह की पद्धितः (1) श्रेणी सिंभधान चिन्ह गांठ के चपटे पाव्वों में से श्रेणी में से किसी एक पर लगाया जाएगा, टाट के रेपर (लपेटने) पर चिपकाया जाएगा। ग्रीर न्यूनतम 3 हकों (पट्टीबन्धों) से सुरक्षित स्थिति में रखा जाएगा।
 - (2) श्रेणी श्रभिधान चिन्ह गांठ करने की तारीख कपास की किस्म श्रीर उत्पत्ति का स्थान (ब्लाक/जिला/राज्य) स्पष्टतः दिश्वत करेगा।
 - (3) टाट के किनारे पर या गांठ के बन्ध हीन पार्श्व पर लगाया श्रेणी श्रमिधान चिन्ह इस नियम की अपेक्षाएं पूरी करता हुआ नहीं समझा जाएगा।
- 6. पेक करने की पद्धति :-- (1) कपास गांठों में व्यापार में रूढ़िगत रीति सेपैक की जाएगी।
 - (2) गांठों की कोई भी मिथ्या या कपटपूर्ण पैकिंग नहीं होगी।

ग्रनुसूची

(नियम 1(2) ग्रीर 3 देखिए)

एँगमार्ककरण के लिए इई की अनुमोदिते किस्मों की सूची

- 1. ए 51-9 (नर्मदा)
- 3. ए के-235
- 5. ऐण्ड्यूज (अतिरिक्त लम्बा रेशा)
- 7. वरी 147
- 9. सी इन्दौर-1
- 11. कोकोनाडास-2
- 13. गंगानगर 1
- 15. गौरानी 12
- 17. गौरानी 46

- 2. एडानिकम
- 4. एके-277
- वदनवार 1 (सी० टी० ग्राई० 4-27)
- 8. वरी 0394
- 10. सी इन्दीर 2
- 12. देवीराज (170 सी मो2)
- 14. गो । नी 6
- 16. गीरानी 22
- 18. गजरात 67

19. एच 14		20. संकरकप	in a second			
21. जयधर		22. 章 2 24. 章 6				
23. 〒 5						
25. कल्याण		26. लक्ष्मी				
27 एल एल/54		28. एल एस एस 30. मलजारी				
29. एम ए 5						
31. एम सी यू 1	THE WHEN THE PARTY	32. एम सी य्	2			
33. एम सी यू 3 (903	o-जी)	34. एन-14				
35. परभानी अमेरिकन	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	36. रानी वेन				
37. संजय	生。例如是語	38. सलेक्शन 6	9			
39. सूर्ती विजल्पा		40. सुयोबर				
41. वी 797		42. विजय ग्रीर दिग्विजय 44. वेस्टर्नेस-1 46. 134सी ग्री 2ए एम 48. 216 एफ				
43. विरनार (जरोला इ	सके अन्तर्गत हैं)					
45. 35/1						
47. 170-सी म्रो 2						
49. 231-म्रार	from make and the	50. 320- ए 垢				
श्रेणी ग्रमिघान क	(नियम	सूची II 3 देखिए) (ग्रनुसूची 1 में सम्मि किस्मों के लिए)	लित की गई कपास की			
	f f	वशेष लक्षण	साधारण लक्षण			
1		2	3			
ऐगमार्क प्रभाणित पेडी- ग्रीडं (लाल लेबल)	उत्पाद होगी जो स्र तथा किसी सरकार सरकारी विभाग : रिजस्ट्रीइत बीज उ प्रयोजन के लिए इति से मान्यता प्राप्त वि द्वारा प्रदाय किए गए की गई हो स्रीर जिल् कहीं स्रावश्यक हो वि	नुसूची 1 में उपदर्शित ो फार्म में या समुचित द्वारा अनुकात किसी	न (क) कपास की मशीन स्रोटाई से प्राप्त लिन्ट (पूणंतः कसी हुई गांठों में) रूप में होगी; (ख) साफ श्रीर समुचित रूप सेपत्ती, विनौले, धब्बे, या सन्य अपूणंताओं से मुक्त होगी; (ग) सूखी सीर किसी लेशमात भी बढा गई साईता से मक्त होगी।			

की गई हो बीर समुचित सरकारी विभाग

धार्वता से मुक्त होगी।

3

या इस प्रयोजन के लिए कृषि विपणन सलाहकार से मान्यता प्राप्त किसी अन्य ग्रभिकरण द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित हो कि न्यूनतम 98 प्रतिशत शुद्ध है; ग्रोर

(ख) समुचित सरकारी विभाग या इस प्रयोजन के लिए कृषि विपणन सलाहकार से मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण के सीधे पर्यवेक्षण में ग्रोटी गई ग्रीर कसी हई होगी।

ऐगमार्क प्रमाणित (काला लेबल)

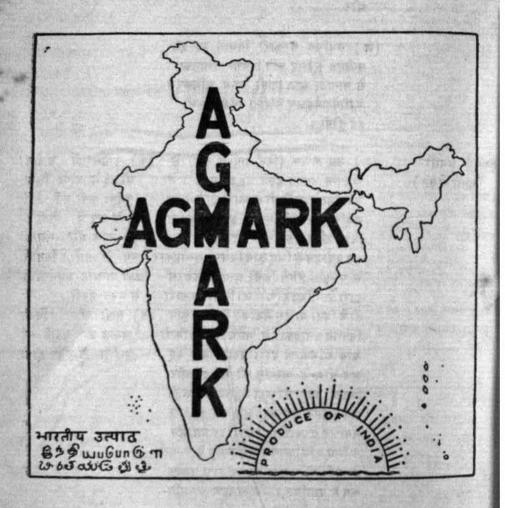
- (क) उस कपास (विनौलायक्त रूई) से व्युत्पन्न उत्पाद होगी जो अनुसूची 1 में उपदर्शित तथा किसी सरकारी फार्म में या सम्चित सरकारी विभाग द्वारा अनुज्ञप्त विसी रजिस्ट्रीकृत बाज उत्पादक द्वारा या (ख) साफ और संयुक्त इस प्रयोजन के लिए कृषि विषयन सलाहकार रूप से पत्ती, विनीले से मान्यता प्राप्त किसी धन्य धाभकरण द्वारा उत्पादित हो भीर जो किसी सरकारी बीज डिपो या इस प्रयोजन के लिए कृषि विपणन सलाहकार से मान्यता प्राप्त किसी ग्रन्य ग्रिमकरण द्वारा प्रदाय किए गए शद बीज से व्युत्पन्न की गई हो भीर जिसकी फसल का जहां कहीं आवश्यक हो खेत में निरीक्षण कर लिया गया हो भीर सम्बित सरकारी विभाग या इस प्रयोजन के लिए कृषि विपणन सलाहकार से मान्यता प्राप्त किसी अन्य अभिकरण द्वारा सम्यंक रूप से प्रमाणित हो कि न्यनतम 95 प्रति-गत ग्द है; बीर
- (ख) सम्बित सरकारी विभाग या इस प्रयोजन के लिए कृषि विपणन सलाहकार से मान्यता प्राप्त किसी धन्य सभिकरण के सीधे पर्यवेक्षण में बीर टी गई बीर कसी गई होगी।

- (क) कपास की मशीन घोटाई से प्राप्त लिन्ट (पूर्णतः कसी हुई गांठों में) के रूप में होगी ; घव्वे या ग्रन्य ग्रपूर्णताश्रों से मुक्त होगी ;
- (ग) सखी ग्रीर किसी शमात भी बढाई गई ब्राइंता से मुक्त होगी

ध्रनुसूची III (नियम 4 देखिये)

telesced of all along the probability

कपास के लिए श्रेणी श्रिभधान चिन्ह



[सं० 13-36/69-सीं० एम०] के० राजन, अवर सचि। व

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (Department of Petroleum)

New Delhi, the 20th March 1971

\$0. 1682.—Whereas in pursuance of Resolution of the Government of India the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of the Ministry of Petroleum) No. 28(11)/70-OR, dated the 22nd August, 1970, a Commission has set up to inquire into and report on various matters as set out in the terms of reference specified in the said Resolution;

And whereas the Central Government is of opinion that all the provisions of Commissions of Inquiry Act. 1952 (60 of 1952) should be made applicable to said Commission;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the said it, the Central Government hereby directs that all the provisions of the said it shall apply to the said Commission.

[No. F. 28 (11)/70-OR.]

E. N. MANGAT RAI, Spl. Secy.

पैट्रोलियम तथा रसायन श्रीर लान तथा धातु मंत्रालय

(वैद्रोलियन विभाग)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1971

का व ग्रा॰ 1682. — यतः भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन ग्रीर खान तथा बातु मंत्रालय (फेट्रोलियम विभाग) के दिनांक 22 ग्रगस्त, 1970 के संकल्प संख्या 28(11)/70 — ग्रो ग्रार के ग्रनुसरण में, उक्त संकल्प में निर्दिष्ट विचारार्थं विषयों में उल्लिखित विभिन्न समस्याग्रों की जांच करने एवं उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक ग्रायोग की स्थापना की गई है;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि जांच ग्रायोग ग्रविनियम, 1952 (1952 का 60) केममस्त उपबन्ध उक्त ग्रायोग पर भी लाग िये जायें।

ग्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनिया के धारा ii द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदारा निदेश देती हैं कि उक्त श्रधिनियम के समस्त उपवन्ध उक्त श्रायोग पर लागू होंगे।

[सं० फा० 28 (11)/70-ओ आर]

ई० एन० मंगत राय, विशेष सचिव।

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 31st March 1971

S.O. 1683.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DS. BEF. To G.G.S. Line, in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is lacessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the action 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land

to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM D.S. BEF TO GGS-LINE

State: Gujarat District: Kaira

Taluka : Matar

Village		Survey No.	Hectare	Are	P. Are
NAVAGAM	i de	468/2 469/2 470/2	0	77 3 1	75 75 10

[No. 11(1)/71-Lab. & Legis.]

M. V. S. PRASADA RAU, Under Secv.

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1971

का॰ भा॰ 1683 --।तः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डा॰ एस॰ बी॰ ई॰ एफ॰ से जी॰ जा॰ एस॰-३ लाईन तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए ।

श्रीर यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् पावड अनुसूची में विणत भूमि में उपयोग का अधिकार श्रीजत करना श्रावश्यक हैं:

श्रतः, श्रवः, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रजंन) ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का श्रपना श्रामय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देख-भाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और एसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधी व्यवसायी की मार्फत।

ग्रन्सूची

डी॰ एस॰ बी॰ इ॰ एफ॰ से जी॰ जी॰ एस॰ 3 लाइन तक पाइप लाइन बिछाना

राज्य : ग	ाुजरात जिला:	कैरा	तालुका: मातार		
ग्राम	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर .	ए बार ई	पी ए ब्रारई	
नवागांव	468	0	77	75	
	469/2	0	3	75	
	470/2	0	1	10	

[संख्या 11(1)/71-लेबर एण्ड लेजिस] म० वे० शिव प्रसाद राव, ग्रदर सचिव।

CABINET SECRETARIAT

(Department of Statistics)

New Delhi, the 12th April 1971

80. 1684.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 9, clause (b) sub-rule (2) ule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby the following further amendments in the notification of the Government India in the Cabinet Secretariat No. S.R.O. 633 dated the 28th February, 1957.

In the Schedule to the said notification, in Part II—General Central Service,
Class III, under the heading "Directorate of National Sample Survey",
for the entry 'Chief Director, National Sample Survey' occurring in
column 2 against item (i) in column 1, the entry "Deputy Director
(Administration)" shall be substituted.

[No. A.11016/70-NSS1.]:

मंत्रिमंडल सचिवालय (सोव्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 12 मर्जल, 1971

एस० **झो० 1684.**—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियवण और श्रपील) व्यावली, 1965 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उप-नियम (2) नियम 12 के खंड (ख) विषय (2) और नियम 24 के उप-नियम (i) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्द्वारा मंत्रिमंडल विवालय में भारत सरकार की दिनांक 28 फरवरी 1957 की अधिसूचना सं० एस० आर० औ० अ में निम्नलिखित आगे और संशोधन करते हैं, नामतः—

उत्त प्रधिस्वना की ग्रनुस्वी में "राष्ट्रीय नम्ना सर्वेक्षण निदेशालय" शिवंक के ग्रधीन त- सामान्य कन्द्रीय सेवा ,वर्ग ।।। में कालम 1 में मद (i) के सामने कालम 2 में उल्लिखित क्ष्य निदेशक राष्ट्रीय नम्ना सर्वेक्षण" प्रविष्टि के स्थान पर "उप- निदेशक (प्रशासन)" विष्ट रखी जायेगी ।

[मं०ए०1101/6/70-रा०न०सर्वे I]

New Delhi, the 15th April 1971

3.0. 1685.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 [and bule (1) of rule 24, read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the tation of the Government of India in the Cabinet Secretariat No. S.R.O. 633, dated the February, 1957 namely:—

h the Schedule to the said notification-

(t) in the entries under Part I-General Central Services, Class II,

(a) for the heading "Directorate of National Sample Survey" in column 1, the heading "Field Operations Division, National Sample Survey Organisation" shall be substituted;

(b) under the heading "Field Operations Division, National Sample Survey Organisation" 850 Substituted, for the existing entries the following entries shall be substituted, namely:—

Gazetted Chief Executive Officer, Chief Executive Officer, National Al'
National Sample Survey Sample Survey Organisation
Organisation & Ex-Officio
Joint Secretary in the Department of Statistics.

Director, Field Operations Division, National Sample Survey
Organisation

4

Al'
Sample Survey Organisation

Al'
Sample Survey Organisation

(i)* to sion, National Sample Survey Organisation

•	2		3	
posts Division	Field Ope a, National Organisation	Sample sion, Nati	onal Sa n. tor, Fig tion, N	eld Opera- (i) to
(2) in the entries under Part (a) for the heading "Directo Operations Division, National (b) under the heading "Fie	Sample St	ional Sample Survey" in urvey Organisation" shi ns Division. National	columnall be su	n 1, the heading "ubstituted;
tion" as so substituted, for the e	2	as, the following entries	4	substituted, name
	LESSON EN	学校。[25] 178		
quarters and Field Di	puty rector dminis-ration)	Director, Field Operations Division, National Sample Survey Organisation Deputy Director, Field Operations Division.		Chief Executive Of National Sarvey Orgation & Ex-o Joint Secretary in Department Statistics Director, Field Of tions Division, ional Sample Su Organisation.
respect of the posts of Assistant Superintendents (Socio-Economic) and Assistant Superintendents (Industrial Statistics) in Field Offices.	terior	Assistant Director in his own State	(i) to (iv)	Director, Field (rations Divis National Sa Survey Organisa
ral Statistics), Computors fie (Industrial Statistics), tio	rector, d Opera-	Deputy Director, Field Operations Division	All	Director, Field Options Division, ional Samplle Su Organisation.
n respect of posts of—				
(Industrial Statistics) in Field Offices;		Assistant Director in his own State	(i) to (iv)	Deputy Direct Operate Division
b) Computors (Agricultural Statistics) in Field Offices;		Assistant Director in his own State	(i) to (iv)	Deputy Director field Opera Division
(c) Librarian and Steno- grap. ers (Grade II) at Head- quarters Office.		Assistant Director (Headquarters) in charge of administ- ration.	(i) to (iv)	

THE GAZETTE OF INDIA: APRIL 24, 1971/VAISAKHA 4, 1893 (P. ...

3 3 4

posts of Investigators, mer Division Clerks, Division Clerks, (Headquart-Print Operator Steno-typists in quarters and Field

Assistant Director rge of administration in respect of posts at HeadquarJ ters and Assistant Director in his own State in respect of posts in Field offices.

quarters and Assistant Director in his own State in respect of posts in Field offices

Assistant Director (Headquarters) in charge of administration in respect of posts at Head-

respect of posts of vestigator, Upper vision Clerk and over Division Clerk Block offices.

Superintendent in his (i) to Assistant Director, of (iv) the concerned State

in the entries under Part III-General Central Services, Class IV, for the heading Directorate of National Sample Survey" in column 1, the heading "Field Operations. Division, National Sample Survey Organisations" shall be substituted.

> [No. F.C-11012/1/70-NSS1 Pt. II] H. L. KOHLI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1971

का॰ ग्रा॰ 1685 -- केन्द्रीय सिविल-सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण ग्रीर ग्रपील) नियमावली B65 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उप-नियम (2) विंद (ख) ग्रीर नियम 24 के उप-नियम (1) के ग्रनुसरण में राष्ट्रपति एतद्द्वारा मंत्रिमण्डल ^{जित्रालय} में भारत सरकार के दिनांक 28 फरवरी, 1957 की अधिसूचना सं० एस० आर० Ѻ 633 में ग्रीर ग्रागे निम्नलिखित संशोधन करते हैं, नामत: :—

उक्त प्रधिसूचना की प्रनुसूची में-

- (1) भाग I-सामान्य केन्द्रीय सेवाएं, वर्ग II के घ्रधीन प्रविष्टियों में-
 - (क) कालम 1 में विनिर्दिष्ट शीर्षक "राष्ट्रीय नमुना सर्वेक्षण निदेशालय" के स्थान पर "क्षेत्रीय कार्य संचालन प्रभाग, राष्ट्रीय नम्ना सर्वेक्षण संगठन" शीपंक रखा जायेगा;

(ভ)	इस प्रकार रखे गये " संगठन" शीर्षक के अधीन रखी जायेंगी, नामतः	वर्तमान प्रविष्टियों के	प्रभाग, राष् स्थान पर नि	ट्रीय नमूना सर म्नलिखित प्रवि
1	2 2	3		4
"सभी राजपत्रित पद	मुख्य कार्यकारी अधि- कारी राष्ट्रीय नमूना सवक्षण संगठन और पदेन सांख्यिकी विभाग में संयुक्त सचिव	मुख्य कार्यकारी अधि नमूना सर्वेक्षण पदेन संयुक्त सर्वि	संगठन ग्रीर	सभी
		निदेशक, क्षेत्रीय कार्य प्रभाग, राष्ट्रीय न संगठन		(i) से (i तक
सभी ग्रराजपत्नित पद	निदेशक, क्षतीय कार्य संचालन प्रभाग, राष्ट्रीय नमूना सर्वे- क्षण संगठन	निदेशक, क्षेत्रीय कार्य प्रभाग, राष्ट्रीय न संगठन		सभी]
	Security of Bull Co	उप निदेशक, क्षेत्रीय । प्रभाग, राष्ट्रीय न संगठन		(i) मे (i तक"
(事)	ा II—पामान्य केन्द्रीय से कालम 1 में विनिर्दिष्ट गी। "क्षेत्रीय कार्य संचालन प्रभाग इस प्रकार रखे गए "क्षेत्र संगठन" शीर्थक के अधीन प्रविष्टियां रखी जायेंगी:	र्षेक "राष्ट्रीय नमूना ा, राष्ट्रीय नमूना सर्वेद गिय कार्य संचालन	सर्वेक्षण निदेश तण संगठन" इ प्रभाग, राष्ट्रं	ालय" के स्थान गिर्धक रखा जाये गिय नमूना सर्वे
	rashras azı di	3	4	5
निरीक्षकों, संगणकों आंकड़ा) संगणक गिक स्रांकड़ा), र उच्च श्रेणी लिपि रोटा प्रिन्ट स्रापरे स्राशुलिपिक (सेर स्रवर श्रेणी लिपि	ों (श्रौद्यो- (प्रशासन) प्रन्वेषकों, कों, टर, इ II),	निदेशक क्षेत्रीय कार्य संचालन प्रभाग, राष्ट्रीय नमूना सर्वेकण संगठन	सभी	मुख्य कार्यका अधिकारी राष्ट्रीय तम् सर्वेक्षण संगठ और पदेन र दियकीय शि

ख्यिकीय िभा में संयुक्त सवि

3 5 स्टेनोटाइपिस्टों, पुस्तका-क्षत्रीय (i) 社 निदेशक, उप निदेशक, क्षेत्रीय ध्यक्ष के पदों को छोड़कर कार्य संचालन (iv) तक प्रधान कार्यालय ग्रीर कार्य संचालन प्रभाग प्रभाग, राष्ट्रीय क्षेत्रीय-कार्यालयों के सभी सर्वेक्षण नमुना पद । संगठन निदेशक, क्षेत्रीय क्षेत्रीय कार्यालयों में सहायक सहायक निदेशक, उस (i) 社 कार्य संचालन राज्य में जिसमें वह (iv) ग्रधीक्षकों (समाजार्थिक) प्रभाग, राष्ट्रीय बीर सहायक अधीक्षकों तैनात है। तक नम्ना सर्वेक्षण (ग्रीद्योगिक मांकड़ा) के संगठन पदों के बारे में ii) प्रधान कार्यालय ग्रीर उप निदेशक, उप निदेशक, क्षेत्रीय सभी निदेशक, क्षेत्रीय क्षेत्रीय कार्यालयों में नि-क्षत्रीय कार्य कार्य संचालन प्रभाग काय संचालन प्रभाग राष्ट्रीय रीक्षकों, संगणकों (कृषि संचालन प्रभाग नमना सबक्षण ग्रांकड़ा) संगणकों (ग्री-दोगिक आंकड़ा) आश-संगठन लिपिकों (ग्रेड II) NO SPRING TO THE WORK OF पुस्तकाः यक्ष के पद क) क्षेत्रीय कार्यालय में सहायक निदेशक, उस उप निदेशक निरीक्षकों संगणकों राज्य में जिसमें वह (iv) क्षेत्रीय कार्य (श्रीवोगिक सांकड़ा) के तक संचालन प्रभाग तैनात है पदों के बारे में ष) क्षेत्रीय कार्यालय में महायक निदेशक, उस (i) से उप निदेशक, सगणको (कृषि स्रांकडा) राज्य में जिसमें वह (iv) क्षेत्रीय के पदों ने बारे में संनात है संवालन प्रभाग (ग) प्रधान कार्यालय में सहायक निदेशक, (1) 社 निदेशक, पुस्तकाहयक्ष सीर साश्-(प्रधान कार्यालय) (iv) लिपिकों (ग्रह II) के प्रमासन का प्रभारी संचालन प्रभाग पदों के बारे में (iii) प्रधान कार्यालय और प्रधान कार्या- प्रधान कार्याल : के पदीं सभी निदे गक, क्षतीय श्रेत्रीय कार्यालयों में लय के पदों के बारे में प्रशासन, कार्य संचालन प्रभाग यन्वपकों, उच्च श्रेणी के बारे में का इंचार्ज सहायक राष्ट्रीय नमना लिपिकों, ग्रवर श्रेणी प्रशासन का निदेशक सबकाण संगठन निपिकों, रोटा प्रिन्ट इंबाज सहा-(प्रधान कार्यालय)

यापरेटर और स्टेनोटाइ-

यक निदेशक

भीर क्षेत्रीय कार्या-लयों के पदों के बारे

पिस्टों के पदों के बारे में (प्रधान

> कायोलय ; ग्रीर क्षेत्रीय कार्यालयों के पदों के बारे में सह. यक निदेशक उस राज्य में जिसमें वह

तैनात है

में सहायक निदेशक उस राज्य में जिसमें वह तैनात है

ब्लाक कार्यालयों में ग्रन्वेषकों उच्च श्रेणी लिपिकों ग्रीर अवर श्रेणी लिपिकों के पदों के बारे में

ग्रघीक्षक, उस राज्य में जिसमें वह तैनात

(i) 社 संबद्ध राज्य (ii) सहायक निरंग

तक

(3) भाग III-सामान्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग IV के श्रधीन विनिदिष्ट प्रविष्टियों में कालम 1 में "राष्ट्रीय नमुना सर्वेक्षण निदेशालय" शीर्षक के स्थान पर "क्षेत्रीय कार्य संचालन प्रभाग, राष्ट्रीय नमना सर्वेक्षण संगठन" शीर्षंक रखा जायेगा ।

> [सं० सी० 11012/1/70-रा० न० सर्वे० I (खंड II)] ह० ल० कोहली, प्रवर सचिव।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 12th April, 1971

S.O. 1686.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad, in the industrial dispute letween the employers in relation to the Dhansar Colliery of Messrs Pure Dhansar Coal Company, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th April, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE No. 68 OF 1968

PARTIES:

Employers in relation to the Dhansar Colliery of Messrs Pure Dhansar Coal Company, Post Office Dhansar, District Dhansar,

Their workmen.

PRESENT:

Shri A. C. Sen, Presiding Officer.

APPEARANCES;

For the Employers-Shri S. S. Mukherjee, Advocate, with Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha, Dhanbad.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, dated the 3rd April. 1971

AWARD

The above Reference arises out of the Order of the Central Government under dause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, being order No. 1,25,68-LRII, dated New Delhi, the 11th October, 1968 by which the following dispute was referred to this Tribunal:

SCHEDULE

- "(i) Whether the management of Dhansar Colliery of Messrs Pure Dhansar Coal Company, Post Office Dhansar, District Dhanbad was justified in dismissing Sighri Jago Gope and Kishun Singh, Underground trammers, with effect from the 14th August, 1968? If not, to what relief are these workmen entitled?
- (ii) Whether the management of Dhansar Colliery of Messrs Pure Dhansar Coal Company, Post Office Dhansar, District Dhanbad is justified in not making payment of profit sharing bonus to the workmen for the accounting year 1966-67? If not, to what relief are the workmen entitled?"
- 1. I intend to deal with the two items separately. At first, I take up the question of dismissal, which is the subject matter of the first item. The concerned workmen at all relevant times were the employee under the management of Dhansar Colliery of Messrs Pure Dhansar Coal Company owned by partners. The workmen say that the concerned workmen were the permanent employees of the said colliery with a clean record of service over a long period. According to them the management deprived the workers of the colliery of legitimate benefits like quarterly bonus, profit sharing bonus, provident fund, leave wages, sickness allowance etc. Their further case is that as the management refused to implement the recommendations of the Central Wage Board, which were to be implemented from the 1st January, 1967, there was a great discontent among the workers of the colliery, who organised a branch of the Bihar Koyla Mazdoor Sabba in the month of July, 1967 to ventilate their grievances through their organisation.
- 2. Shri Jago Gope and Kishun Singh, the workmen concerned were elected, bey say, as President and Secretary respectively of the Dhansar Colliery branch if the union and their lawful trade union activities were much disliked by the imployers who were constantly trying to break the unity of the workers and to disrupt the union.
- 3. In paragraph 5 of the Workmen's written statement it has been stated that in the face of organised movement of the workers and as a result of the intervision of the Labour Department the management had to agree to the implimentation of the Coal Wage Board recommendations only from the 15th August 187. Mr. Burman, appearing on behalf of the workmen, said at the hearing that "1967" was typing mistake, that it should be "1968." An application for mendment, properly verified, should have been filed in time. As that has not been done I shall proceed on the footing that it is "1967" as given in the written steement and not "1968" as suggested by Mr. Burman.
- A They accuse the management of victimising the local organisers of the management to implement the recommendations of the Central Wage Board for Coal Mines, which they ultimately agreed to do with effect from the 15th August, 1967. The relevant portion from their writen statement is quoted below; "while the management agreed to implement the Wage Board recommendations only from 15th August 1967 decided to intimise the local organisers of the Union from 14th August, 1967, i.e. just one as before the date of implementation of Wage Board recommendations with a feet malafide intentions to terrorise the other workers and to correct the other leading organisers of the Union." Mr. Burman at the time of hearing asked me to read "1968" for "1967" on the ground of typing mistake but for the reason whiten statement and not "1968" as suggested by Mr. Burman.

- 5. The workmen have challenged the enquiry proceeding in these words: "That the management did not hold any proper enquiry over the charge and did not grant any reasonable opportunity to defend the affected workmen and the management has dismissed the affected workmen on the basis of perverse findings, which is not legally maintainable, because the management has violated the principles of natural justice in dismissing the affected workmen with a clear intention to victimise the affected workmen".
- 6. The employers version is as follows. On 20th July 1968 and again on 22nd July 1968 Jago Gope and Kishun Singh, the workmen mentioned in item No. 1 of the schedule of reference along with two others, who were all under ground trammers threatened to assault the attendance clerk while he was issuing oil to them. For the above misconduct individual charge sheet dated 26th July 1968 were issued to the workmen concerned and two others who threatened to assault the attendance clerk. All the four workmen submitted a joint reply dated 28th July 1968 denying the charges. A departmental enquiry was held in the presence of the said workmen on 8th August 1968 when they were given full chance and opportunity to cross examine the witnesses for the management and produce defence witnesses. defence witnesses.
- 7. It is the definite case of the employers that the said four workmen including the two concerned in the present case participated in the enquiry by cross examining witnesses and producing one witness in defence. They, however, say that the workmen or the defence witness did not put their left thumb impression on the minute, of the enquiry proceeding. Their further case is that in the above departmental enquiry the misconduct mentioned in the charge sheet, dated 26th July, 163 was satisfactorily established against Jago Gope and Kishun Singh the workmen concerned, who were, therefore, dismissed by a letter dated 14th Angust 1968 August, 1968.
- 8. First of all let me consider whether the departmental enquiry was held. In their written statement the workmen have said that the management did not hold any proper enquiry over the charges and did not grant any reasonable opportunity to workmen concerned to defend themselves. It is not their case in the written statement that enquiry was not held at all. But at the hearing Mr. Burman on their behalf took up the position that there was no enquiry. Materials on the record clearly establish that an enquiry was held.
- 9. A joint notice dated 26th July, 1968 was served on the two workmen concerned and two others to show cause why disciplinary action would not be taken against them (Ext.M—1). All the four workmen sent a joint reply, dated 26th July, 1968, denying the allegations (Ext. M—2). All the four workmen were informed by the Manager by a letter dated the 31st July, 1968 that an enquiry into the chargesheet would be held on the 6th August 1968 at 10 A.M. in the Manager's office. That this letter was received by the workmen concerned is proved by their documents Exts. W6 and W7, both dated 7th August 1968. W7 is a letter written by Jago Gope to the Manager which runs as follows: "With reference to your letter No.... dated the 31st July, 1968 informing me that the enquiry into the charge-sheet... will be held at 10 A.M. on the 6th instant, I have to inform you that although I presented myself for the enquiry no such enquiry was held". Ext. W6 is also to the same effect. Ext. W4 is a letter dated 6th August, 1968, written to Kishun Singh, one of the workers concerned by the Manager to say that as he did not appear for enquiry on the plea that he the Manager to say that as he did not appear for enquiry on the plea that he would tender apologies and as no apology was subsequently submitted enquiry would be held at 10-30 A.M. on the 8th August, 1968 in the Manager's office. Ext. W5 is a similar letter addressed to Jago Gope. These two letters must have been received by the workmen concerned because they have been filed by them. There was no denial to the allegations made in Exts. W4 and W5. Though Exts W6 and W7 were written by the concerned workmen on the 7th August, 1968, there was no mention of the letter of the manager dated 6th August, 1968. Exts. W6 and W7 were evidently written with the idea of utilising them in future to show that no enquiry was held future to show that no enquiry was held.
- 10. I have no doubt in my mind that an enquiry was held on the 8th August 10. I have no doubt in my mind that an enquiry was held on the 8th August, 1968 and that the concerned workmen took part in that enquiry. MWI at first says that company issued notice for holding enquiry on two days and that on both the days he and others presented themselves for the enquiry. Then he says that no enquiry was held. He also says that he and others wrote a letter to the management informing that no enquiry had been held. He evidently refers to Exts W6 and W7. One would have expected similar letters from the workmen concerned if no enquiry had been held on the 8th August, 1968. On the other hand, MW1, Malvern in his deposition has clearly stated that he held the

quiry on the 8th August in the presence of the concerned workmen and two hers and that they were given full opportunity to cross-examine all the snagement witnesses. The enquiry proceeding, Ext. M10 has also been filed. have no reason to disbelieve Malvern nor have I any reason to think that it. M10 was fabricated subsequently. Having regard to the admitted docuents in relation to the charge sheet and the enquiry and having regard to the lations between the parties it is highly improbable that the concerned worken were dismissed without any enquiry whatsoever and without giving the orker opportunity to cross-examine the witness produced by the management, and the evidence on record I am satisfied that an enquiry into the allegations like in the charge-sheet was held on 8th August 1968, that the concerned worker and two others served with the charge sheet participated in the said pury and that they had full opportunity to cross-examine the management messes and to produce their own witness.

II. The next point for consideration is whether the finding of the enquiry feer that the concerned workmen are guilty of the acts of misconduct menosed in the charge sheet is supported by the materials on record. One witness a stath Mahto, was produced by the workmen charged with misconduct at the epartmental enquiry. He deposed as follows: "I heard some alteration between 1800 Gope and Kishan Singh and Hazree Babu about charge-sheet.... I did not hear anybody abusing when I was at the attendance room." He had earlier aid that trammers had gone down the mine earlier than the miners. The construction was going on the statement of disbelieving him: "He stated that he did not hear any-body abusing Sri Lachman Munda, but he confirms that some alteration was going on between Jago Gope, Kishun Singh and Lachman Munda, statement of Dashrath Mahto is contradictory and hence cannot be relied." In my opinion he was not justified in rejecting his evidence on the ground stated in him. In the first instance, the statement of Dashrath Mahto cannot be said to be contradictory. If there is some altercation between two persons it does not necessarily follow that one will abuse another. The statement of this witness amounts to this: there was altercation between Kishun Singh and Jago Gope on the one hand and Lachman Munda on the other, but the workmen concerned did not abuse Lachman Munda, the attendance clerk, It should be remembered that Dashrath Mahto was not at all cross-examined on behalf of the management. The enquiry officer was not justified in rejecting the evidence of Dashrath Mahto.

i2 The attendance clerk, Lachman Munda said as follows in his examination in chief regarding the incident of the 22nd July, 1968: "They again abused me on 22nd July 1968 in III shift while I was issuing oil to them because I reported the incident of 20th July 1968 to the Manager." He did not say that the workmen concerned threatened to assault him. Yet the enquiry officer says that 'Siri Lachman Munda also complained of having been threatened by Shri Jago Gope and Kishun Singh again on 22nd July 1968 while issuing oil to them in Il shift." Jagdish Prasad improved upon the statement of the attendance clerk by saying that Kishun Singh and Jago Gope abused the attendance clerk and irratened to break his hands and legs. He was deposing regarding the incident of the 22nd July, 1968. In his cross-examination he confessed that he did the confessed the attendance clerk.

13. As to the incident of 20th July, 1968, the evidence of Baijnath Prasad pactically proves nothing. In his examination in chief he said, "When I came is attendance room Jago Gope and Kishun Singh were abusing and threatening lachman Munda. I asked these persons as to why they are abusing attendance derk." The work 'threatening' is rather vague. He did not say that they were derk in the charge sheet. Immediately thereafter he said that he asked the persons as to why they were abusing the attendance derk. This shows that by the expression 'abusing and threatening, he really mean 'abusing.' But in the charge sheet the misconduct mentioned in 'threat to assault' So, the enquiry officer is not justified in saying that Baijnath Prasad Oppoberated the testimony of the attendance clerk and of M. P. Paswan. It is clear that the enquiry officer was labouring under a misconception that the wirds "threatened the attendance clerk" and the words "threatened to assault he clerk" mean the same thing. It is needless to point out that the word 'threat' is rather vague, while the words 'threat to assault' mean something definite.

14. The nature of the finding is such that it at once strikes one as biased,

it. The nature of the finding is such that it at once strikes one as blased. For the reasons stated above and also on the ground of bias I am constrained to hold that the finding of the enquiry officer is perverse, and is liable to be set

15. In my opinion the order of dismissal too has not been passed in accordance with the standing orders Clause (iv) of Standing Order No. 17 reads follows: "In awarding punishment under this Standing order, the authorial awarding punishment shall take into account the gravity of the misconduct, it previous record, if any, or the workman and any other extenuating or aggravating circumstances that may exist..." Exts. W8 and W9 are the letters of dismissal addressed to the concerned workmen. They are in identical languages there is no thing in any of these two letters of dismissal were issued over the signature of D. P. Lodha, Partne for Pure Dhansar Coal Co. There is nothing in any of these two letters of dismissal which shows that the authority awarding punishment, namely the partners of Pure Dhansar Coal Co., took into account the gravity of the misconduct the previous record, if any, of the workmen concerned and other extenuation or aggravating circumstances that might exist. The relevant portion of Ext. Weletter of dismissal issued to Kishun Singh, is quoted below: "With reference in charge sheet No.... and reply thereto, a departmental enquiry was held on 8th August, 1968 in your presence when you were given full chance and oppositunity to cross-examine the witnesses and defend yourself. In the above departmental enquiry the misconducts mentioned in the above charge sheet have been satisfactorily established. You are, therefore, dismissed from service with insmediate effect."

16. Shiva Kumar Lodna, MW2 admitted in his cross-examination that he did not know whether the entire matter was considered by the other partners before passing order of dismissal against Kishun Singh and Jago Gope. The documents filed by the management e.g. Ext. M14, show that the colliery is owned by four partners, namely, (1) Sm. Nanhi Bai Lodha, (2) Shiva Kumar Lodha (3) Debi Prasad Lodha, and (4) Baijnath Lodna. Both the letters of dismissal were signed by D. P. Lodha as partner for Pure Dhansar Coal Co. D. P. Lodha obviously stands for Delhi Prasad Lodha. Evidence on record shows that the question of dismissal was not considered by all the partners in the light of clause (iv) of Standing Order No. 17. The order of dismissal is liable to be satisfied on this ground also, namely, that it was passed in violation of Standing Order No. 17 (iv)

17. Such consideration by all the partners was all the more necessary in view of the fact that for the particular misconduct mentioned in the charge shed being a misconduct under Standing Order No. 17(1)(e), dismissal is not the only purishment to be awarded. Clause (i) of Standing Order No. 17 provides that a workman may be suspended or fined or his increment may be stopped or he may be demoted or dismissed without notice, if he is found to be guilty of misconduct. The partners should have considered the desirability of passing a lesser purishment than dismissal. The tone of the letters of dismissal clearly indicate that the partners were too eager to grasp the opportunity of dismissing the concerned workmen. Materials on record show that the relation between the management and the workmen was far from happy. The management ought to have taken extra precautio in dismming the concerned workmen.

18. The order of dismissal appears to be bad on another ground. Clause (ii) of Standing Order No. 17 requires that the approval of the owner, agent or the Chief Mining Engineer of the employer or a person holding similar position shall be obtained before imposing the punishment of dismissal. In this case both the letters of dismissal were isgued by D. P. Lodha. He is only one of the joint owners. There is nothing on record to show that the dismissal of the concerned workmen was approved by the other partners too. Then again, from the deposition of Shiva Kumar Lodha it transpires that it is he who looks after the management of the colliery as a partner of the concern. The letter of dismissal, in any event, should have been issued by him as the managing partner and not by D. P. Lodha. Then it could perhaps have been said that the dismissal had the approval of a person holding a position similar to that of an agent or the Chief Mining Engineer. However, in this case the letters of dismissal were issued by D. P. Lodha on behalf of the owners, but these two letters do not show that dismissal had the approval of all the partners. The order of dismissal is liable to be set aside on that ground also.

19. The next question for consideration is whether the management of Dhansar Colliery is justified in not making payment of profit sharing bonus to their workmen for the accounting period 1966-1967; if not to what relief they are entitled. Shiva Kumar Lodha, MW2 has admitted in his cross-examination that the workmen are entitled to get the profit sharing bonus for the year 1966-67 as per law. But his case is that the profit sharing bonus for the accounting year 1966-67 is to be paid by Indra Kumar Agarwalla, if not already paid.

20. On the question of profit sharing bonus the employers case is follows. 10:63 to June, 1967 the Dhansar Colliery was under the management and ontrol of Sri Indra Kumar Agarwaila as managing agent. The present management took over charge of the colliery from the 3rd July, 1967. Before the sid July, 1967, the present management had no employer and employee relationable with the workmen of the colliery.

21. The further case of the employers is that under the terms of the agreement between Indra Kumar Agarwalla and the present management, it was larwalla who was responsible for the payment of all dues including profit sharbonus to the workmen. In their written statement they have stated that the Kumar Agarwalla is a necessary party for the proper and effective adjudition of the dispute regarding the payment of profit sharing bonus for the mounting year 1966-67.

22 In exercise of the powers conferred by sub-section 3(b) of section 18 of the adustrial Disputes Act, 1947 my predecessor-in-office passed an order on the 3rd april, 1970 impleading Indra Kumar Agarwalla as a party to the proceeding. Statutory notice was issued to him asking him to file his written statement. But addra Kumar Agarwalla has neither entered appearance nor filed his written statement.

23. The memorandum of agreement dated the 2nd September, 1963 between indra Kumar Agarwalla and the Lodhas, who constitute the present management has been filed by the Lodhas, and it has been marked as Ext. M13. The Lodhas are the holders of the leasehold interest in the colliery. By an agreement dated the 7th June, 1955 the Lodhas appointed Basanta Kumar Agarwalla as their Agent to work the colliery. The said agreement, having been terminated by mutual consent before the expiry of the term the Lodhas entered into a fresh agreement on the 2nd September, 1963 with Indra Kumar Agarwalla for the management and working of the colliery (Ext. M13). Clause 6 of M13 says that during the subsistence of the agreement, Indra Kumar Agarwalla described as the Agent shall have full charge and control of the mines, quarries, inclines etc. of the colliery. Clause 13 provides that Indra Kumar Agarwalla as agent shall employ such staff and employees and labour as are required for the efficient working of the mine, and that the Agent shall be fully responsible for the salary and remuneration and for payment of their provident fund, bonus and other dues, under clause 15 of the Ext. M13 the Lodhas are entitled to a share of profit at the rate of 8 per cent of the net sale proceeds of the coal despatched believe to a minimum of Rs. 18000 per year. Clause 25 gives the Agent option to terminate the agency by giving six months' notice but precludes the Lodhas is merminating the agency before the 1st day of September, 1980.

24. Indra Kumar Agarwalla in exercise of the option given to him by clause is gave notice on the 17th December, 1966 asking the Lodhas to take possessin of the colliery on and from the 1st July, 1967. The contract of agency thus size to an end on the 30th June, 1967. It is, therefore, clear that in the accountage year 1966-67 Indra Kumar Agarwalla was in absolute control of the colliery. It was, therefore, the employer within the meaning of clause (14) of sec. 2 of the Payment of Bonus Act. 1965. Again under clause 13 of the agency agreement Indra Kumar Agarwalla was to employ such staff and labour as were resulted for the efficient management of the colliery and he was responsible for sying them their salaries, wages, bonus etc.

25. From the judgment delivered on the 7th August, 1968 (Ext. M8) in TR. Case No. 389 of 1968 C.W.W. Case No. 71 of 1967 it appears that Indra Kumar Agarwalla was found guilty of an offence under section 73 of the Mines Act as the owner and was sentenced to pay a fine of Rs. 125. Three out of the four loshas were also tried along with Indra Kumar Agarwalla but they were acquitted. Another judgment delivered on the 7th August. 1968 (Ext. M8) shows that though Indra Kumar Agarwalla was tried along with three of the Lodhas for the contravention of sec. 73 of the Mines Act, he alone was found guilty and onlyied as owner and the Lodhas were acquitted. The three Lodhas were third for the contravention of section 9(a) and (b) of the Coal Mines Provident and Bonus Scheme Act, 1948, but they were acquitted on the ground that they did not constitute the owner within the meaning of that Act. The judgment in that case was delivered on the 17th May, 1969 (Ext. M9).

26. In paragraph 3 of the letter dated the 17th October, 1966 (Ext. M14) ladra Rumar Agarwalla requested the Lodhas to take charge of the colliery and the colliery business from him on the 1st July, 1967, subject to and in accordance with the relevant clauses of the Agreement, dated the 2nd September, 1963 (Ext.

M10). It has been stated above that under the said Agreement Indra Kuma Agarwalla was responsible and liable for the salary and remuneration and top payment of provident fund, bonus and other dues. He had also full power to employ and discharge the employees and staff including the Manager.

- employ and discharge the employees and staff including the Manager.

 27. The Lodhas wrote a letter to Indra Kumar Agarwalla on the 18th Feb. ruary, 1967 (Ext. M15). Item (d) of the said letter runs as follows: "Arrange to terminate the services of all employees and workmen appointed by you at the colliery giving them timely notice of termination of their services including the Mines Manager. You should, therefore, also arrange to pay them all the due upto the 30th June, 1967, including salary, dearness allowance, provident fund contribution, bonus, compensation under the Workmen's Compensation Ac etc. etc." Ext. M16 is the letter written in reply by Indra Kumar Agarwalla on the 6th June, 1967, clause (b) of which reads as follows: "As far item (d) under the terms of the above agreement, it is not obligatory on my part to terminate the services of the employees, workmen and the Manager in service at the colliery. I am, however, arranging to pay all their dues on account of their salary, dearness allowances, etc. upto and including the 30th June, 1967 From the 1st July, 1967, payment of salary etc. of all the colliery staff and Mine Manager and workmen will be yours." The word "etc." after "dearness allowance" makes it clear that Indra Kumar Agarwalla undertook to pay profit sharing bonus as well.
- ance" makes it clear that Indra Kumar Agarwalla undertook to pay profit sharing bonus as well.

 28. Apart from the undertaking given by Indra Kumar Agarwalla in his let ter dated the 6th June, 1967, under the law too he alone is bound to pay the profits sharing bonus. Section 8 of the Payment of Bonus Act, 1965 provides that every employee shall be entitled to be paid by his employer in a accounting year, bonus, in accordance with the provisions of this Act, provided he has worked in the establishment for not less than thirty working days in that year. The words "in an accounting year" qualify the words "his employer." Section 8 really means that an employee is entitled to be paid bonus by his employer in an accounting year. Section 19 says that all amounts payable to an employee by way of bonus shall be paid in cash by his employer when there is no dispute pending under section 22 within a period of eight months from the close of the accounting year. The employee must look to his employer in the accounting year for the payment of the bonus in respect of the accounting year. It is, therefore, clear that Indra Kumar Agarwalla was responsible for the payment of the bonus due for the accounting year 1966-1967, because he was the employer within the meaning of the Payment of Bonus Act, 1965. There is little substance in the argument of Mr. Burman appearing on behalf of workmen the the Lodhas are liable to pay the profit sharing bonus as under clause 15 of the Agreement dated the 2nd September, 1963 they were entitled to claim a shar of the profit. Clause 15 really provides for consideration for the right given to Indra Kumar Agarwalla to remain in exclusive possession and control of the colliery during the subsistence of the agreement. Clause 15 merely lays down the method of calculating the amount to be paid to the Lodhas subject to guaranteed minimum of Rs. 18000 per annum. Clause 15 her not the effect of making the Lodhas partners of Indra Kumar Agarwalla. The Lodhas cannot be medel liable under clause 15 of the

29 I accordingly award as follows: So far as item (i) of the Schedule is concerned the management of Dhansar Colliery was not justified in dismissing Sari Jago Gope and Kishun Singh with effect from 14th August, 1968; and the two concerned workmen, Kishun Singh and Jago Gope are entitled to be reinstated in their service with effect from the 14th August, 1968 with back wage from that date after deducting the amount, if any received by them from the employers on account of wages or other benefit in the mean time.

As to item (ii) of the Schedule, the management of Dhansar Colliery was no justified in not making payment of profit sharing bonus to the work men for the accounting year 1°66-67; and the workmen are entitled to claim their profit sharing bonus for the said accounting year from Indra Kumar Agart walls who managed the Colliery in the said accounting year and not from the present management who took over charge on and from the 1st July, 1967.

30. A copy of this award may be forwarded to the Central Government under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) A. C. SEN, Presiding Officer [No. 1/25/68-LRII.]

New Delhi, the 13th April 1971

S.O. 1687.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Shri H. G. Bhave, Assistant Labour Commissioner (Central), New Delhi, Arbitrator, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamuria A/B Pits Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Dishergarh, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th April, 1971.

ARBITRATION AWARD UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

BEFORE SHRI H. G. BHAVE, ASSISTANT LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), NEW DELHI AND ARBITRATOR

PRESENT:

Shri H. G. Bhave, Arbitrator.

PARTIES:

Employers in relation to Jamuria A/B Pits Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited Post Office Dishergarh, District Burdwan.

AND

Their Workmen, represented by Colliery Mazdoor Congress (HMS), Asansol.

APPEARANCES:

For Employers-1. Shri H. R. Das Gupta Personnel Officer.

2. Shri R. S. Rathore, Administrative Assistant.

For Workmen-1. Shri S. K. Rudra, General Secretary.

2. Shri Sunil Choudhary, Organising Secretary.

INDUSTRY: Coal Mines.

STATE: West Bengal.

[No. ALC(W)/ARB/ID/8/70.]

New Delhi, the 6th April 1971 AWARD

The Central Government having received the arbitration agreement dated 13th October, 1970 between the employers in relation to Jamuria A/B Pits Collery of Messrs Equitable Coal Company Limited. Post Office Dishergarh, District Burdwan (hereinatter referred to as the employers) and their workmen represented by the Collery Mandoor Congress (HMS), Assansol (hereinatter referred to as the Union) in pursuance of the provisions of Sub-Section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (-4 of 1947) referring the industrial dispute between them, the specific matters in dispute being as detailed below, to my arbitration and the Central Government being of the opinion that the industrial dispute referred to show exists between the said management and their workmen, ordered publication of the said arbitration agreement in the Gazette of India, Part II. Se tion 3, Tub-Section (ii) under its Notification No. 8/191/70-LR. II dated 5th December, 1970:—

Specific Matters in Dispute

"Whether the management of the Jamuria A/B Pits Colliery of M/s. Equitable Coal Company Limited Post Office Nandi, District Burdwan was justified in dismissing Shri Shyamdeo Singh Depot Guard from 16th July, 1970? If not, to what relief is the workman entitled."

The Arbitration agreement dated 13th October, 1970 also provided that arbitrator shall make award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between the parties in writing.

2. On 19th December, 1970 both the parties were requested to submit their written statement to me by 31st December, 1970 with simultaneously/endorsing a copy to the opposite party. The employers and the Union both prayed for further time to submit their written statements. This prayer was granted and subsequently while the employers submitted their written statement on 21st Jaou ary, 1971, the Union filed no statement. The dispute came up for hearing at Asansol on 24th March, 1971. Shri H. R. Das Gopta Personnel Officer and Shri R. S. Rathore, Administrative Assistant represented the employers in the

hearing and the workman was represented by Shri S. K. Rudra, General Secretary and Shri Sunil Choudhury, organizing Secretary. The hearing was concluded on 25th March, 1971 at Asansol.

- 3: Besides the written statement dated 21st January, 1971 which was filed by the employers by post Shri H. R. Das Gupta, Personnel Officer filed the following documents during the hearing on 24th March, 1971:—
 - (i) Chargesheet No. 64 of 12th November, 1969 along with enquiry proceedings and report of the Enquiry Officer (17 sheets);
 - (ii) Service record of Shri Shyamdeo Singh, Jamuria A/B Pits Colliery (1 Card); and
 - (iii) Tripartite Settlement dated 22nd November, 1968 arrived at before the ALC(C), Asansol. (1 sheet).
- 4. While presenting the case of the employers, Shri Das Gupta stated inter alia that Shri Shyamdeo Singh was appointed in the Colliery in 1948. On 10th November, 1969 the workman was on duty from 8 A.M., to 4 P.M. At about 3.50 P.M. on that day, while the workman was on duty at the Depot of the Colliery, he neglected his duty inasmuch as some outsiders were taking coal from the Depot without any authorised slips. Shri Budhan Mahato, Empty Wagon Checking mazdoor who was also on duty observed that the workman was keeping silent and was not checking the unauthorised persons taking coal. Shri Mahato, therefore, forced the unauthorised persons to unload the coal and he complained to another Guard, Shri Chutar Singh about the incident when the workman got annoyed and started abusing Shri Mahato. Thereafter, the workman approached Shri Mahato with a stick and all of a sudden struck him with the same. There were other persons, who were witness to the incident and they separated Shri Mahato from the workmen. Shri Mahato was also seen weeping by some other workmen. The workman was chargesheeted on 12th November, 1969 for abusing and assaulting Shri Budhan Mahato during the duty hours. Shri Das Gupta stated that the chargesheet was given for misconduct under Clause 27(5) of the certified Standing Orders applicable to the establishment. The Labour Officer of the Colliery, Shri A. K. Tarafdar was appointed as an Enquiry Officer, who after serving due notices held the enquiry on 16th May, 1970. During the enquiry, 5 prosecution witnesses deposed evidences before the Enquiry Officer. These included Shri Budhan Mahato, who was abused and assaulted, one Khalasi, one Fitter helper, one Loading Clerk and the Medical Officer, who had treated Shri Budhan Mahato for his injury. The delinquent produced only one witnesses and the delinquent actually cross examined 4 prosecution witnesses and declined to cross examine PW:2, Shri Sabrati Mia, S. P. Khalasi. The Enquiry Officer submitted his report of 22nd May, 1970 holding that the char fighting with his co-workmen and superiors as would be obvious from his service records. The employers' case was therefore, that the dismissal of the workman is justified, legal, bonafied and in accordance with the approved Standing Orders. Shri Das Gupta, therefore, prayed to give award accordingly.
- 5. Shri S. K. Rudra, while presenting the case on behalf of the workman, stated in brief, that the chargesheet given to the workman was vague as it did not specify the time of the incident and did not elaborate the type of abuse hurled on Shri Mahato. Shri Rudra further maintained that the findings of the Enquiry Officer were perverse and the charge as contained in the chargesheet was not at all proved. According to the Union, as the enquiry was not thorough and proper and as the charge was not proved, the dismissal of the workman was wrongful and illegal. Summing up his arguments, Shri Rudra prayed that in view of the aforesaid position the dismissal of Shri Shyamdeo Singh was not justified and hence the workman deserves reinstatement. hence the workman deserves reinstatement.
- 6. The Union has built up its case mainly on three grounds—the vagueness of the chargesheet, blosed and perverse enougry proceedings and want of conclusive proof of the charge of abuse and assault. Let the factual position in regard to these points be now analysed. Shri Shyamdeo Singh was on duty from 8 A M. to 4 P.M. on 10th November. 1969 near the Depot is a fact, which is not disputed. The chargesheet No. 64 served on the workman on 2th November, 1969 at the

beginning gives the date and time of incident as "10th November, 1969 at 2 M.". Therefore, the argument of Shri Rudra that the chargesheet is vague regard to date and time of the incident, hence falls to ground. A to the last of the chargesheet the relevant entry is:

"For abusing and assaulting Shri Budhan Mahato, Empty wagon checking mazdoor when he protested against robbing of coal by others from the depot during the duty hours. Thus you have violated Standing Order No. 27(5)".

Clause 27(5) of the certified Standing Orders enumerates the following acts misconduct:—

"27(5) Drunkenness, fighting, riotous or disorderly or indecent behaviour".

It is thus seen that while the Standing Orders maker mention in general of acts, the chagesheet particulars the misconduct viz "abuse' and sault". The argument of the Union about the vagueness of the chargesheet

while dealing with the manner in which the enquiry proceedings were aducted, Shri Rudra with a forceful manner attempted to argue that the enquiry is not prove the cause leading to the resultant alleged abuse and assaul! As chargesheet was not for the neglect in duty on the part of the workman mething unauthorised robbing of coal etc.), there does not appear to be any assaul, why this aspect should have been focussed during the enquiry. It is deresting to note that during the cross-examination of the P.W. I. Shri Budhan ishato, the delinquent has posed questions that while he was the only Guard at a Depot how was it possible for him to see the whole depot area. This itself moves that the delinquent does not deny the happening of the robbing of the coal unauthorised I ersons. Anyway, there is nothing to prove that the principles instituted in the principles of the strength of the delinquent of the delinquent properties in the principles of the coal unauthorised I ersons. Anyway, there is nothing to prove that the principles instituted in the principles of the strength of the delinquent of the opportunity of adducing of relevant evidence on which he relies, at the evidence of the opportunity of cross-examining the witnesses examined by integrity, and that no materials should be taken in his presence, and that he hould be given the opportunity of cross-examining the witnesses examined by integrity, and that no materials should be relied on against him without his teng given an opportunity of explaining them. In the instant case a minute required of the enquiry papers revealed that all these requirements have been allowed properly. I do not find any reason in not relying on the contentions of the employers in regard to the manner in which the enquiry was conducted.

se employers in regard to the manner in which the enquiry was conducted.

9. Let me now examine the third and the final argument putforth by Shri bara on behalf of the workman in regard to the proving of the charge levelled canst the workman. The charge is mainly for abusing and assaulting Shri baran Mahato. During the entire enquiry proceedings, the workman did not say his abusing and assaulting Shri Budhan Mahato. During the enquiry, Shri baran Mahato has deposed at length how he was abused and assaulted by the warman. Inimediately after the incident, Shri Mahato went to his quarters and a the assault made by stick on him was glving lot of pain, he had to go to the Miliery Medical Officer for treatment. Dr. M. S. Saha, who was P.W. 5 has stated fing the enquiry that Shri Budhan Mahato was treated at the Colliery Dispension on 10th November, 1969 and the outdoor patient register records the entry sin and swelling—eft thigh" against the entry of Shri Budhan Mahato. Shri Shoke Chakraborty, P.W. 3 had deposed during the enquiry that he was a witness like incident of assault on Shri Mahato by Shri Shyamdeo Singh. He actually betweened in the incident and separated the two. About the abuse, it has been sted during the enquiry by Shri Mahato that the workman had hurled abuses I him viz Badmash etc. Thus, there is enough evidence proving the charge of the and assault by the workman.

10. Having therefore carefully considered the facts of the case and the evidences addited during the enquiry as revealed from the enquiry papers, and other materials placed before me by the parties and further having considered the pleadings being hearing of the case and in view of the aforesaid facts. I hold that the adin of the management in dismissing Shri Shyamdeo Singh. Depot Guard from 18th July, 1970 was justified. In view of this the question of any relief to the Norman does not orise. This is my AWARD.

il. I take this opportunity to express my thanks to both parties for their cooperation given to me during the course of arbitration hearing.

(Sd.) H. C. BHAVE. Arbitrator

New Delhi, the 14th April 1971

S.O. 1688.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial disputement the employers in relation to the Kharkharee Colliery of Messrs Bhamming Cerporation Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad, and the workmen, which was received by the Central Government on the 7th April, 1971

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHAND

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Dispu Act, 1947.

REFERENCE No. 32 of 1968

PARTIES:

Employers in relation to the Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Min Corporation Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad

AND

Their workmen

PRESENT .

Shri A. C. Sen. Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers-Shri P. K. Bose, Advocate.

For the Workmen-Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Ko Mazdoor Sabha, Dhanbad.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Co

Dhanbad, dated the 3rd April, 1971

AWARD

An industrial dispute between the above parties as specified in the follows schedule was referred to this Tribunal by the Government of India, Ministry Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment by its order No. 2/55/68-LR.II, dated, 7th May, 1968 for adjudication.

SCHEDULE

'Whether the management of Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Mini Corporation Limited, I set Office Kharkharee, District Dhanbad w justified in transferring the following 9 workmen from Kharkhar Colliery to Dacra Colliery with effect from the 28th September, 1967:

Name

Designation

- 1. Shri A. K. Sarkar 2. Shri Lakhan Barhi

 - 3. Shri Kalia 4. Shri Mohana
 - 5. Shri Bhagirath Mahato
 - 6. Shri Gurudeo Singh 7. Shri Sameual Haque
 - 8. Shri Banamali Modak
 - 9. Shri R. L. Boxi

Welder. Blacksmith. Drillman. Helper. Lathemar Latheman Lathemar Hammerma Store-Keepe

If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

- 2. The Order of the Ministry was received on 20th May, 1968. Written statement on behalf of the workmen was filed on 24th May, 1968. Written statement behalf of the employers was filed on 17th June, 1969.
- 3. A joint petition of compromise was filed on 3rd April, 1971. From the petition of compromise it transpires that the dispute has been amicably settled the parties out of Court. The terms and conditions on which the dispute has bettered appear to be reasonable and I find no reason why an award should not made on the basis of this settlement. An award is accordingly given on the basis.

of the terms and conditions contained in the petition of compromise. Let the petition of compromise form part of the award. Let a copy of the award be sent to the Central Government under section 15 of the Act.

> (Sd.) A. C. SEN. Presiding Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

REFERENCE No. 32 of 1968

PARTIES:

Employers in relation to Kharkharee Colliery, M/s, Bharat Mining Corporation Ltd.,

Vs. Their Workmen

Joint Petition of Compromise

The Parties above-named beg to submit as under:-

1. That the Parties have mutually discussed over the matter referred for adjudication and have arrived at the following settlement.

Terms of Settlement

2. That the Management of Kharkharee Colliery horeby agrees to withdraw the order of Transfer of the following workmen and pay them the retrenchment Compensation on their respective services as noted against each:—

1, Sri A. K. Sarkar-Welder	6 Years.
2. Sri Lakhan Barhai—Biacksmith	17 years.
3. Sri Kalia—Drillman	6 years.
4. Sri MohanaHelper	5 years.
5. Sri Bhagirath Mahato—Latheman	4 years.
6. Sri Gurudeo Singh—Latheman	14 years.
7. Sri Samsul Haque—Latheman	22 years.
8 Sri Banamad Modak—Hammerman	17 years.

- 3. That retrenchment Compensation shall be calculated on the basis of the total emoluments of the workmen as payable on 25th August, 1967 in accorda ce with the scales prescribed by the Wage Board for the Coal Mining Industry.
- 4 That the management shall also pay to the Workmen named above all their cutstanding dues on account of Wages, Bonus (Quarterly), Profit Sharing Bonus, Leave pay and one way Railway Fare and such other dues as the Workers may be entitled to get.
- 5. That the Management also agrees to pay a lump sum of Rs. 400 (Rupees Four Hundred only) in addition to the retrenchment Compensation and the outstanding due mentioned in clauses 1 & 3 above, to each workman.
- 6. That the above payments shall be made on or before 15th May, 1971 and in case of failure on the part of the Management to make the payments by 15th May, 1971, the Management shall be liable to pay to each workman additional Rs. 10/for each week of such delay. If any workman fails to turn up on the appointed date of payment to be notified by the Management the dues of such workman shall be sent by M.O. to his address as may be furnished by the workman.
- 7. That the workmen shall have no claim of reinstatement or any other claim on the management after they are paid in terms of this settlement.
- 8. That with regard to Shri R. L. Boxi, it is agreed that the management shall bring him back on the roll of the Colliery and shall give him all the benefits he has been getting (Quarterly Bonus. P. S. Bonus, Leave Wages etc.) and pay him a lump sum of Rs. 1000 for compensating the losses he suffered as a result of his transfer.
- S. That in the circumstances, the parties herein concerned beg to pray that the Honbie Tribunal may graciously be pleased to accept the above Settlement and Pass an Order in terms thereof.

And for this act of kindness, the Parties as in duty bound, shall ever pray

Dated, Dhanbad.

The 3rd of April 1971

(Sd.) LALIT BURMAN, General Secretary. Bihar Koyla Mazdoor Sabha. P.O. & Dist. Dhanbad. For the Employer. (Sd.) S. C. JAIN, Director.
Bharat Mining Corporation Ltd.
Kharkharee Colliery
P.O. Kharkharee
Dist. Dhanbad.

Identified and Filed by

(Sd.) P. K. Bose, Advocate. [No. 2/55/68-LRII]

S.O. 1689.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Mining Corporation Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th April, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 1947.

REFERENCE No. 39 of 1968

-PARTIES:

Employers in relation to the Kharkharee Colliery of Messrs Bharat Mining Corporation Limited, Post Office Kharkharee, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri A. C. Sen, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers....Shri P. K. Bose, Advocate.

For the Workmen.-Shri Lalit Burman, General Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha, Dhanbad,

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal

Dhanbad, dated the 3rd April, 1971

AWARD

An industrial dispute between the above parties as specified in the following schedule was referred to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) by its Order No. 2|59|68-LRII, dated 23rd May, 1968 for adjudication.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kharkharee Colliery of Messrs
Bharat Mining Corporation Limited, in transferring Shri T. L.
Mukherjee, Despatch Clerk, from Kharkharee Colliery to Churi
Colliery of Messrs United Karanpura Collieries (Private) Limited
with effect from the 24th February, 1967 and subsequent non-employment imposed upon him, were justified? If not, to what relief is the
workman entitled?"

2. The Order of the Ministry was received on 4th June, 1968. Written statement on behalf of the workmen was filed on 25th July, 1968. Written statement on behalf of the employers was filed on 17th June, 1969.

3. A joint petition of compromise was filed on 3rd April 1971. From the petition of compromise it transpires that the dispute has been amicably settled by the arties out of Court. The terms and conditions on which the dispute has been atted appears to be reasonable and I find no reason why an award should not be nade on the basis of this settlement. An award is accordingly given on the basis of the terms and conditions contained in the petition of compromise. Let the petition of compromise form part of the award. Let a copy of the award be sent to the Central Government under section 15 of the Act.

(Sd.) A. C. SEN, Presiding Officer.

FORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

REFERENCE No. 39 of 1968

PARTIES:

Employers in relation to Kharkharee Colliery M/s. Bharat Mining Corporation Ltd.,

AND

Their Workmen.

Joint Petition of Compromise

The Parties above named beg to submit as under:-

(1) That the parties have mutually discussed over the matter referred for adjudication by this Hon'ble Tribunal and have arrived at the following settlement.

Terms of Settlement

- (2) That the management of Kharkharee Colliery shall pay to Shri T. L. Mukherjee, the concerned workman, the retrenchment Compensation on the basis of his total period of service in the West Gopalichuck Colliery (of Central Kurkend Coal Co. Ltd.) and in Kharkharee Colliery (of Bharat Mining Corporation Ltd.)
- (3) That the retrenchment Compensation and other legal dues, if any, shall be paid to the workman on or before 15th May 1971.
- (4) That on receiving the above payments the workman shall have no claim of reinstatement or any other claim on the management.
- (5) That in the circumstances, the parties herein concerned beg to pray that the Hon'ble Tribunal may graciously be pleased to accept the above terms of settlement and pass an order in terms thereof.

And for this Act of Kindness, the parties as in duty bound, shall everpray.

Octed, Dhanbad, the 3rd April, 1971.

for the Workman.

(Sd.) LALIT BURMAN,

General Secretary,

Bhar Koyla Mazdoor Sabha.

P.O. & Dt. Dhanbad.

For the employers. (Sd.) S. C. JAIN,

Director.

Bharat Mining Corporation Ltd.,

Kharkharee Colliery

P.O. Kharkharee

Dist. Dhanbad.

Identified and filed by:—
(Sd.) P. K. Bose,

Advocate.

[No. 2/59/68-LRIL]

80, 1636.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (li of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Bhowra Colliery belonging to Laramchand Thapar and Brothers (Private) Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th April, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT:

Shri Nandagiri Venkata Rao.-Presiding Officer.

REFERENCE No. 16 OF 1970

In the matter of an industrial dispute under Section 10 (1) (d) of the Industrial Disputes Act. 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the Bhowra Colliery belonging to Karamchand Thapar and Brothers (Private) Limited, Post Office Bhowra, District

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the Employers-Shri B. M. Lall, Personnel Officer. On behalf of the Workmen-Shri Prasanta Burman, Vice-President, Mine Mazdoor Union.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal

Dhanbad, 30th March 1971

AWARD

The Central Government being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bhowra Colliery belonging to Karamchand Thapar and Brothers (Private) Limited, Post office Bhowra, District Dhanbad and their workmen, by its order No. 2/105/70-LRII dated 16th October, 1970, referred to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the schedule annexed thereto. The schedule is extracted below:

"Whether the action of the management of Bhowra Colliery belonging to Karamchand Thapar and Brothers (Private) Limited, in stopping from work Shri Mohammad Sakur, Pump Khalasi with effect from the 21st February, 1970, was justified? If not, to what relief is he entitied?" ed?

2. Statement of demands were filed by both parties. On 27th March, 1971 workmen were represented by Shri Prasanta Burman, Vice President, Mine Mazdoor Union and the employers by Shri B. M. Lall, Personnel Officer. Parties filed a compromise memo and it is duly verified. I consider the terms of compromise as just and for the benefit of the workmen in general and the affected workman in perticular. Hence, the compromise is accepted. The award is made in terms of the compromise and submitted under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947. The compromise memo is annexed herewith and made a part of the Award.

(Sd.) N. VENKATA RAO,

Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT

REFERENCE No. 16 OF 1970

Employment in relation to Bhowra Colliery.

Their workmen, Represented by Mine Mazdoor Union. Joint petition on behalf of the parties for the compromise

The parties above named beg to submit as under:-

That, The Government of India, Ministry of Labour and Employment referred the above dispute to the Honourable Tribunal for adjudication.

That, 27th March, 1971, has been fixed as the date for filing documents.

That, both parties have compromised the dispute on the following terms and

- (a) That, Md. Sakur will be given the permanent job of Spray Mazdoor with immediate effect and paid as such and if there is any vacancy of pump khalasi's job, which he can do, will be given first preference.
- (b) That, Md. Sakur will be paid Rs. 50 (Rupees fifty) as exgratia in lump sum, being the idle charges and the cost of the case.

that, the above mentioned terms of settlement may kindly be held as reasonard justified, and Award passed accordingly.

And for this act of kindness your petitioners as in duty bound shall ever pray.

Workman

For Employer

Sd.) ILLEGIBLE. 13-1971. (Sd.) ILLEGIBLE.

Oriental Coal Company Limited,
Bhowra Colliery
P.O. Bhowra
(Dhanbad).
(Sd.) Illegible,

Presiding Officer,

Central Government Industrial Tribunal (No. 2)

Dhanbad.

[No. 2/105/70-LRIL]

8.0. 1691.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Golukdih Clay of Messrs South Golukdih Coal Company Limited, Post Office Jharia, Disput Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government to the 7th April, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD .

RESENT:

Shri Nandagiri Venkata Rao, Presiding Officer.

REFERENCE No. 12 of 1970

In the matter of an industrial dispute under Section 10 (1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES:

Employers in relation to the management of South Golukdih Colliery of Messrs South Golukdih Coal Company Limited, Post office Jharia, District Dhanbad

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of Employers-Shri Ashok Mehta, Manager.

On behalf of he Workmen—Shri H. N. Singh, Vice-President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat.

STATE: BIHAR.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad 30th March 1971 AWARD

The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Golukdih Colliery

of Mesers South Golukdih Coal Company Limited, Post office Jhana, District Dhan bad and their workmen, by its order No. 2/118/70-LRII dated 6th October, 1976 referred to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the schedule annexed thereto. The schedule is extracted below:

SCHEDULE

"Whether the management of South Golukdih Colliery of Messrs South Golukdih Coal Company Limited, Post office Jharia, District Dhanbad was justified in refusing employment to Shri Kapil Deo Mahato Pump Khalasi for the period from the 3th June, 1970 to the 24th June 1970? If not, to what relief is he entitled?"

2. Statement of demands were filed on behalf of both the parties. On 25th March, 1971, workmen were represented by Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat and the employers by Shri Ashok Mehta, Manager, South Golukdih Colliery, and filed a compromise. The memo is duly verified I consider the terms of compromise as just and for the benefit of the workmen in general and the affected workman in particular. Hence, the compromise is accepted. The award is made in terms of the compromise and submitted under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947. The compromise memo is annexed herewith and nade a part of the Award.

(Sd.) N. VENKATA RAO,

Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

REFERENCE No. 12 of 1970

BETWEEN

Employers in Relation to South Golakdih Colliery, South Golakdih Coal Coy. Pvt. Ltd., P.O. Jharia.

AND

Their workman, Kapildeo Mahto, Pump Khalasi Represented by Koyala Mazdoor Panchayat, P.O. Jharia.

AGREEMENT

Short recital of the case

Shri Kapildeo Mahto, working as pump khalasi was stopped from work with effect from 8th June, 1970. He remained out of employment till 24th June, 1970. An Industrial dispute for non employment of the workman and wages for the period of idleness was raised by the union which ended in failure in conciliation proceeding before the A. L. C. (C) Dhanbad-I. The Government of India in the Ministry of Labour and Employment referred this dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2 at Dhanbad vide notification No. 2/118/70-LRII dated 6th October, 1970.

After reference of this dispute to the Tribunal the parties set and resolved this difference among themselves and have settled the differences on the following terms.

Terms of Agreement

- The management agrees to pay half wages to the workmen Kapildeo Mahto for the period 8th June, 1970, to 24th June, 1970, in presence of the representatives of the Panchayat.
- 2. That the continuity of service of Sri Kapildeo Mahto shall not be affected any way due to break in his service due to stoppage of work.

For Workman

(Sd.) H. N. SINGH, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat P.O. Jharia, Dhanbad. For Employers
(Sd.) Ashok Menta,
Manager,
Mith Golakdih Codiery,

South Golakdih Codiery, South Golakdih Codiery, P. O. Jharia, Dhanbad.

Dated the 25th March 1971.

(Sd.) ILLEGIBLE, [No. 2/118/70-LRIL]

New Delhi, the 15th April 1971

1692.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Khas Jeenagora Colliery, Post Office Khas Jeenagora. District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th April, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE No. 70 OF 1968

PARTIES :

Employers in relation to the Khas Jeenagora Colliery, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad.

Their workmen. PRESENT :

Shri A. C. Sen, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers-Shri B. B. Singh.

For the Workmen-Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Mazdoor Panchayat, Dhanbad.

STATE: Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated the 7th April, 1971.

AWARD

An industrial dispute between the above parties as specified in the following schedule was referred to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Department of Labour and Employment) by its order No. 2/123/68-LRII, dated, 16-10-1968.

SCHEDULE

Whether the management of Khas Jeenagora Colliery, Post Office Jeenagora, District Dhanbad was justified in retrenching the following 85 workmen with effect from the 18th December, 1967?

- Shri B. B. Singh, P.O.
- 2.

- 9.
- II.
- 12.
- Shri B. B. Singh, P.O.
 Shri M. L. Nunia, Engineer.
 Shri S. K. Singh, L.W.O.
 Shri B. N. Mahata, Surveyor.
 Shri B. N. Mahata, Surveyor.
 Shri B. K. Sural, Typist.
 Shri D. Pandey, Despatch Clerk.
 Shri A. S. Mehta, Incharge.
 Shri B. C. Ghose, Overman.
 Shri C. D. Bhattacharjee, Overman.
 Shri B. N. Ghosal, Mining Sirdar.
 Shri Damru Singh, Mining Sirdar.
 Shri Damru Singh, Mining Sirdar.
 Shri Shyam Baran Gope, Mining Sirdar.
 Shri Sheo Ram Singh, Mining Sirdar.
 Shri Shir Sheo Ram Singh, Mining Sirdar.
 Shri Shri Ram Singh, Mining Sirdar.
 Shri Shri Shyam Baran Gope, Mining Sirdar.
 Shri Shri Shyam Baran Gope, Mining Sirdar.
 Shri Shri Shyam Singh, Mining Sirdar.
 Shri Shri Shyam Singh, Mining Sirdar.
 Shri Shri Kapildeo Singh, Mining Sirdar.
 Shri Kapildeo Singh, Do.
 Shri Kapildeo Singh, Do.
 Shri Shyam Sunder Singh, Do.
 Shri Shyam Sunder Singh, Do.
 Shri S. Mukherjee, Cashier.
 Shrimati P. Bhattacharjee, Aya.
 Shrimati C. R. Saha, C'Nutse.
 Shri Parbhu Gope, Chaprasi.
 Shri Sidhhi Gope, Do.
 Shri Sidhhi Gope, Do.
 Shri Sohan Ram, Do. 13.
- 14.
- 15.
- 17.
- IQ.
- 20.
- 21.

```
Shri Jang Bahadur, Nepali, Chaprasi.
Shri Amrit Kahar, Chainman.
Shri N.K.P. Choudhury, Bill Clerk.
Shri B. D. Sen Gupta, M.O.
Shri Sambhu Mallik, H/Kha.
Shri Gour Deshwali, H/Kha.
Shri Jhari Singh, H/Kha.
Shri Jambhu Bagri, T/Kha.
Shri Sambhu Bagri, T/Kha.
Shri Bijoy Kahar, T/Kha.
Shri Nebu Rewani, P. T/Kha.
Shri Nebu Rewani, P. T/Kha.
Shri Gopi Hazam, Prop. Mistry.
Shri Hemraj, Barhi, Prop. Mistry.
Shri G. C. Mahato, P. Mazdoor.
Shri Ishwar Mallik, P. Mazdoor.
Shri Kapil Deo Singh, P. Mazdoor.
Shri Rameshwar Kora, Onsetter.
Shri Dhodha Napil, Onsetter.
Shri Domra Malaha, Banksamn.
Shri Kinu Orang, Fitter Mazdoor.
                    30.
            41.
          42.
          43-
        44.
                               Shri Rameshwar Kora, Onsetter.

Shri Dhodha Napil, Onsetter.

Shri Domra Malaha, Banksamn.

Shri Kinu Orang, Fitter Mazdoor.

Shrimati Postu Harin, Sweeperess.

Shrimati Pipita Harin, Sweeperess.

Shrimati Pipita Harin, Sweeperess.

Shri Abilash Rewani, Line Mazdoor

Shri Bhusan Mahato No. t. Do.

Shri Bhusan Mahato No. go. c. Do.

Shri Jogtu Mahato, Bailing Mazdoor.

Shri Rameswar Mallik, Do.

Shri Prasadi Bowri, Do.

Shri Prasadi Bowri, Do.

Shri Bisu Mahato, Onsetter.

Shri Bhagela Rajwar, Bailing Mazdoor.

Shri Bisu Mahato, Onsetter.

Shri Bhagela Rajwar, Fireman.

Shri Bhagela Rajwar, Fireman.

Shri Joan Kahar, Fireman.

Shri Joan Kahar, Fireman.

Shri Jakhiram Gorai, U.G. Tram.

Shri Nakul Mahato, Do.

Shri Lakhiram Gorai, U.G. Tram.

Shri Nakul Mahato, Do.

Shri Moti Mondal, Do.

Shri Moti Mondal, Do.

Shri Shri Shahadeo Mahato, Do.

Shri Shahadeo Mahato, Do.

Shri Shahadeo Mahato, Do.

Shri Shahadeo Mahato, Do.

Shri Haru Mallik, U.G. Tram.

Shri Babulal Mallik, Do.

Shri Haru Mallik, U.G. Tram.

Shri Haru Mallik, U.G. Tram.

Shri Babulal Mallik, Do.

Shri Hooka Box Mian, Do.

Shri Mohan Mallik, Do.

Shri Wohan Mallik, Do.

Shri Wohan Mallik, Do.

Shri Makul Gorai, Do.

Shri Nakul Gorai, Do.

Shri Ram Subhag Tiwari, Do.

Shri Puna Mahato, Do.

Shri Robid Buuya Surface Trammer.

Shri Ram Subhag Tiwari, Do.

Shri Puna Mahato, Do.
        45.
     49-
      51.
      52.
      53.
   55.
56.
 59.
 6I.
 62.
 63.
 64.
 65.
 67.
 69.
 70.
 71.
   72.
 73-
82.
                                  If not, to what relief are these workmen entitled ?
```

2. The Order of the Ministry was received on 11-11-1968. Written statement on behalf of the workmen was filed on 4-12-1968. Written statement on behalf of the employers was filed on 12-12-1969.

3. A Joint petition of compromise was filed on 6-4-1971. From the petition of compromise it transpires that the dispute has been amicably settled by the parties out of Court. The term and conditions on which the dispute has been settled appears to be reasonable and I find no reason why an award should not be made on the basis of this settlement. An award is accordingly given on the basis of the terms and conditions contained in the petition of compromise. Let the petition of compromise form part of the award. of compromise form part of the award.

Let a copy of the award be sent to the Central Government under section 15 of the Act.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER. CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Employers in relation to M/s. Khas Jeenagora Coal Co. (P) Ltd.

Their Workmen.

REFERENCE No. 70 of 1968

After the reference of this dispute for adjudication the management representative and the Union representative sat and discussed to resolve the dispute in the interest of mutual good relation and industrial peace. As a result of this mutual discussions parties have arrived at a settlement.

It is requested that this tribunal be pleased to give award in terms of this settlement.

Terms of Settlement

- 1. That the management have paid full retrenchment compensation to all workmen as laid down in Section 25F of the I.D. Act, except Serial Nos. 12, 20, 21, 34, 40, 41, 58 and 64 i.e. Sri J. C. Dasandhu, Sri Awadhesh Pandey, Sri Shyam Sunder Singh, Sambhu Mallik, Gopi Hazzam, Hemraj Barhi, Mahatam Saw and Nefar Rabidas.
- 2. That Faudi Bhuiya Surface Trammer serial No. 83 is already dead. The question of his reinstatement does not arise.
- 3. That the management have re-employed serials Nos. 1, 2, 3, 4 and 5 i.e. Sri B. B. Singh, Sri M. L. Nunia, Sri S. K. Singh, Sri B. N. Mahata, and Sri B. K. Sural and they have also been paid full compensation as laid down under Section 25F of the I. D. Act.
- 4. That the management though have paid full retrenchment compensation as laid down under Section, 25F of the Act, undertake to re-employ them in the group of Collieries owned by this management excepting Serial Nos. 1, 2, 3, 4, 5 as they have already been employed and Serial No. 83 who has died.
- 5. That the management and the Union undertake to inform the workmen to join their duties by the 15th day from the receipt of the award.
- 6. That, if any workmen fails to report for duty by the 15th day from the receipt of the award even after intimation shall forfiet his claim for re-employment.
- 7. That serial No. 12, 20, 21, 34, 40, 41, 58 & 64 namely Sri J. C. Dasandhi, Sri Awadhesh Pandey. Sri Shyam Sundar Singh. Sri Sambhu Mallik, Sri Gopi Hazzam Sri Hem Raj Barhi, Sri Mahatam Saw, and Sri Nefar Rabidas shall be reinstated and shall be paid compensation as has been paid to other workmen in the list of reference.
- 8. That continuity of service shall be given to all the workmen who resume their duty within the prescribed time limit.

This agreement as stated above settles the claims of all workmen mentioned in the list of the reference.

For Workmen

For Employers

(Sd.) Illeg.ble

(Sd.) Illegible

Vice-President,

Director

Koyala Mazdoor Panchayat Dated 6-4-71

For Khas Jeenagora Co. (P) Ltd. Dated

[No. 2/123/68-LR.II.]

S.O. 1693,—In pursuance of section 17 of the industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby, publishes the following award of Shri K Saran, Regional Labour Commissioner (Central), Asansol, Arbitrator, in the industrial dispute between the management of Bankola Colliery of Messrs the Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen represented by Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, Asansol, which was received by the Central Government on the 5th April, 1971.

2006

BEFORE SHRI K. SHARAN REGIONAL LABOUR COMMISSIONER (CENTRAL), ASANSOL

ARBITRATOR

PRESENT:

Shri K. Sharan, Regional Labour Commissioner (C), Asansol.

Employers in relation to Bankola Colliery of Mis. The Burrakur Coal Co. Ltd., P.O. Ukhra, Dist. Burdwan.

Vrs.

Their workmen.

Appearances:

For employer.—(1) Shri M. K. Mukherjee, Advocate, Asansol.
(2) Shri J. Sharan, Personnel Officer.

For workmen.—Shri Sunil Sen, Oganising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC). G. T. Road. Asansol, Burdwan.

INDUSTRY: Coal Mine

DISTRICT: Burdwan (West Bengal)

No. E. 1|10(2)|70 Asansol, the 29th March, 1971

AWARD

The Central Government having received a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) between the management of Bankola Colliery of Ms. The Burrakur Coal Co. Ltd., P.O. Ukhra, Dist. Burdwan (hereinafter referred to as the management) and their workman represented by the Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G.T. Road, Asansol (hereinafter referred to as the union) referring the industrial dispute between them, the specific matters in dispute being as detailed below to my arbitration, and the Central Government being of the opinion that the industrial dispute referred to above existed between the management and the union, ordered publication of the said arbitration agreement in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) under its order No. 8/118/70-LR.II, dated the 29th August, 1970:

"Specific matters in dispute:

"Specific matters in dispute:

What should be the nucleus (permanent) strength of the Wagon Loaders of Bankola Colliery of Ms. Burrakur Coal Co. Ltd., P.O. Ukhra, Dist. Burdwan."

Dist. Burdwan."

2. The General Secretary of the Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), Asansol was requested under my letter No. E. 1/10(2)/70, dated 22nd July, 1970 to submit written statement on behalf of the workmen endorsing a copy thereof to the management under intimation to me and simultaneously the Manager, Bankola Colliery was requested to submit written statement on behalf of the management and also rejoinder, if any, on the written statement of the workmen under my letter No. E. 1/10(2)/70, dated 22nd July, 1970, endorsing a copy thereof to the union. The union had submitted written statement on 13th August, 1970, which was received by me on 13th August, 1970. The management had submitted written statement on 27th August, 1970 which was received by me on 27th August, 1970. In forwarding a copy of the written statement, dated 27th August, 1970 of the management to the union under my letter No. E. 1/10(2)/70, dated 29th August, 1970, the union was requested to submit rejoinder on the written statement of the management so as to reach me latest by 7th September, 1970. The union submitted rejoinder on 23rd November, 1970 which was received by me on 26th November, 1970. Thereafter the matter came up for hearing on 5th December, 1970. On 5th December, 1970 Shri J. Sharan, Personnel Officer of the management was present on behalf of the management and Shri Sunil Sen, Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha was present on behalf of the workmen. The representative of the union filed a petition requesting therein to call upon the management assured to produce certain documents which the representative of the management assured to produce. After preliminary discussions the hearing was adjourned with the consent of the representatives of both parties. I fixed up hearing in the matter on 28th December, 1970 but in the meantime the representative of the management filed petition dated 21st December